राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 9 अंक 54

मूल्य ₹8 .00 नई दिल्ली, सोमवार, 4 अगस्त, 2025

www.jagran.com

पृष्ठ 14

ड्रोन से दहशत फैलाने वालों पर लगेगा गैंगस्टर एक्ट

>> 5

जागरण विशेष

व्हेल ट्रैकिंग सिस्टम से समुद्र की निगरानी में आएगी क्रांति

रायपुर : गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कालेज के छात्रों ने ऐसी शानदार तकनीक विकसित की है, जो दुनिया भर में समुद्री निगरानी का तरीका बदल देगी। ● पेज-6

निर्वाचन आयोग को घेरने चले तेजस्वी अब खुद घिरे

उलटा पड़ा दावा ▸ मतदाता पहचान पत्र पर उठाया था सवाल, आयोग ने पत्र भेजकर मांगी ईपिक कार्ड की मूल प्रति

राज्य ब्यूरो, जागरण ● पटना

- प्रारूप निर्वाचक सूची में नेता प्रतिपक्ष का नाम नहीं होने संबंधी बयान को लेकर जांच शुरू
- प्रश्न यह कि तेजस्वी यादव के पास दो ईपिक आए कहां से
- एनडीए के घटक दलों ने आयोग से की तेजस्वी पर कार्रवाई की मांग

बिहार की राजनीति मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) पर शुरू से ही दोफाड़ रही है। अब प्रारूप प्रकाशन के साथ वार-पलटवार चरम पर पहुंच चुका है। आरोप और सफाई की सच्चाई तो जांच के बाद ही पता चलेगी, लेकिन अभी बैकफुट पर राजद नेता तेजस्वी यादव हैं। अपने मतदाता पहचान पत्र को लेकर सवाल उठाने वाले बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव इस प्रकरण में घिरते नजर आ रहे हैं। हालांकि, उनकी पार्टी राजद की ओर से अभी भी यह दावा है कि गहन मतदाता पुनरीक्षण में अनियमितताएं हुई हैं और इसके प्रमाण हैं। मालूम हो कि एक दिन पहले उन्होंने मतदाता सूची से अपना नाम हटाए जाने का आरोप लगाया था, जिसे अविलंब संशोधित कर उन्होंने अपने नाम से दो ईपिक नंबर का उल्लेख किया। निर्वाचन आयोग से पूछा कि आखिर ऐसा कैसे हुआ? अब निर्वाचन निबंधक पदाधिकारी (ईआरओ) ने पत्र भेजकर तेजस्वी से दूसरे ईपिक नंबर से संबंधित साक्ष्य मांगा है, ताकि उसकी जांच हो सके।

इस पत्र के जारी होने के साथ ही मामले ने राजनीतिक रंग ले लिया। एनडीए के सभी घटक दलों के प्रवक्ताओं ने साझा प्रेसवार्ता कर निर्वाचन आयोग से तेजस्वी पर कार्रवाई की मांग कर दी है। इस आधार पर कि दो ईपिक रखना कानूनन अपराध है। प्रश्न यह कि तेजस्वी के पास दो ईपिक आए कहां से? ईआरओ का कहना है कि ईपिक नंबर RAB0456228 निर्वाचन आयोग द्वारा जारी किया गया है। तेजस्वी जो दूसरा ईपिक नंबर RAB2916120 बता रहे, वह आधिकारिक रूप से निर्गत प्रतीत नहीं होता है। ऐसे में ईआरओ ने तेजस्वी से जांच के लिए दूसरे ईपिक की मूल प्रति मांगी है। राजद और महागठबंधन के स्तर से इस पर मौन साध लिया गया है, लेकिन एनडीए प्रवक्ताओं का आरोप है कि अब तक सात घोटाले कर चुके तेजस्वी का यह आठवां घोटाला (मतदाता पहचान-पत्र घोटाला) है। तेजस्वी की मंशा संवैधानिक संस्थाओं को अपमानित करने और देश में अराजकता पैदा करने की है। तेजस्वी के स्तर से इस प्रकरण पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

पटना में शनिवार को चुनाव आयोग की विज्ञप्ति दिखाते बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव। फाइल/एएनआइ

दो वोटर आइडी, आधार या पैन पर जेल व जुर्माने का प्रविधान

निर्वाचन आयोग के अनुसार यदि कोई व्यक्ति जानबूझ कर एक से अधिक मतदाता पहचान पत्र बनवाता है या अलग-अलग जगहों पर खुद को पंजीकृत कराता है तो यह दंडनीय है। एक से ज्यादा कार्ड होने पर एक वर्ष की जेल या जुर्माना या दोनों का प्रविधान है। आधार कार्ड व पैन कार्ड भी एक से अधिक होना दंडनीय अपराध है। निर्वाचन आयोग मतदाता सूची में नाम जुड़वाने से पहले यह सुनिश्चित करने का निर्देश देता है कि पहले से किसी अन्य स्थान पर आपका नाम दर्ज नहीं हो। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 17 के अनुसार एक से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों में नाम दर्ज कराना अवैध है। वहीं जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 31 के तहत झूठी जानकारी देकर नाम दर्ज कराने पर एक वर्ष की सजा या जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। भारतीय दंड संहिता (आइपीसी) की धारा 420 (धोखाधड़ी) व धारा 417 के तहत दंडनीय अपराध है।

तेजस्वी यादव ने प्रेसवार्ता में उठाये थे ये सवाल

शनिवार को प्रेसवार्ता में तेजस्वी ने अपना ईपिक नंबर आयोग के मोबाइल एप्लीकेशंस पर डाला तो रिकार्ड नाट फाउंड लिखा आया। इस पर उन्होंने कहा कि आयोग की वेबसाइट काम नहीं कर रही। जब मेरा नाम मतदाता-सूची में नहीं है तो मैं कैसे चुनाव लड़ूंगा। जब मेरा नाम कट सकता है तो बिहार के लाखों गरीबों का नाम क्यों नहीं कटेगा। इसी बीच पटना जिला प्रशासन और चुनाव आयोग ने तेजस्वी का नाम मतदाता-सूची में होने का ब्योरा जारी किया। इस पर तेजस्वी ने कहा कि मेरा ईपिक नंबर क्यों बदला गया। आयोग बार-बार गाइडलाइन और नियम तोड़ रहा है।

मतदाता सूची के प्रारूप में बड़े पैमाने पर अनियमितता है। जिस पृष्ठ पर तेजस्वी का नाम है, उसी पर कई अनियमितताएं मिली हैं। तेजस्वी जिस मकान में रहते हैं, उसी में मंटू कुमार भी रहते हैं। इसी प्रकार मकान संख्या 107 में विभिन्न उपनामों वाले मतदाताओं के नाम हैं। चुनाव आयोग को इन विसंगतियों का कारण स्पष्ट करना चाहिए।

– चित्तरंजन गगन, प्रदेश प्रवक्ता, राजद

तेजस्वी यादव ने मतदाता पहचान-पत्र को लेकर भी घोटाला किया है। यह उनका आठवां घोटाला है। इनके दोनों पहचान-पत्र में पता भी अलग-अलग हैं। दो मतदाता पहचान-पत्र रखना अपराध है। राहुल गांधी चुनाव आयोग पर बम गिराने की बात कर रहे थे, लेकिन तेजस्वी ने बिना तिथि के ही 'बम' गिरा दिया।

– अजय आलोक, राष्ट्रीय प्रवक्ता, भाजपा

बिहार की ड्राफ्ट मतदाता सूची पर किसी दल को कोई आपत्ति नहीं! पेज>>4

आयोग ने कहा- चिदंबरम का दावा भ्रामक, गलत जानकारी न फैलाएं नेता पेज>>4

राष्ट्रपति मुर्मु से अलग- अलग मिले पीएम मोदी और गृह मंत्री

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से अलग-अलग मुलाकात की। राष्ट्रपति से प्रधानमंत्री की मुलाकात के घंटे भर के भीतर अमित शाह राष्ट्रपति से मिले। इन बैठकों को लेकर अधिक जानकारी अभी नहीं दी गई है। (पेज-3)

सनातन व 'भगवा आतंकवाद' पर एक बार फिर सियासी संग्राम

ठाणे : मालेगांव विस्फोट के सभी सात आरोपितों के बरी होने के बाद सनातन और 'भगवा आतंकवाद' शब्द पर एक बार फिर बहस शुरू हो गई है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण और एनसीपी-एससीपी विधायक जितेंद्र आव्हाड के 'सनातनी आतंकवाद' वाले बयान ने विवाद पैदा कर दिया है। (पेज-4)

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने रक्षा स्वायत्तता को रखा गिरवी

ढाका: एक रिपोर्ट में कहा गया है कि बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने अमेरिका से गुप्त समझौता किया है और अपनी रक्षा स्वायत्तता को सरेंडर कर दिया है। अपने प्रमुख सहयोगियों को छोड़ कर एकतरफा गठबंधन पर सहमति है, जो मामूली टैरिफ कटौती के बदले में राष्ट्र संप्रभुता से समझौता है। (पेज-11)

मुद्दा

अमेरिकी टैरिफ@25% : आपदा या अवसर

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से होने वाले आयात पर 25 प्रतिशत टैरिफ और रूस से कारोबार पर जुर्माने का एलान किया है। ट्रंप अपने कृषि और डेरी उत्पादों के लिए भारत के बाजार में पहुंच चाहते हैं। भारत के लिए यह रेड लाइन है। करोड़ों भारतीय आजीविका के लिए कृषि और डेयरी सेक्टर पर निर्भर हैं। जाहिर है भारत इस पर समझौता नहीं कर सकता है। ऐसे में भारत के लिए अमेरिकी टैरिफ आपदा है या अवसर, इसकी पड़ताल ही आज का अहम मुद्दा। ● पेज-7

संपादकीय

मतदाता सूचियों में घुसपैठ: घुसपैठियों द्वारा मतदान के जरिये जनादेश को प्रभावित करना चुनाव प्रक्रिया में विदेशी हस्तक्षेप जैसा है। वे तमाम योजनाओं का बेजा लाभ भी उठाते हैं। **शिवकांत शर्मा** का आलेख।

प्राथमिकता में आए मानसिक स्वास्थ्य: स्वास्थ्य सुविधाएं और संपन्नता बढ़ने से आज के समय में आयु तो बढ़ रही, पर आदमी का मन कमजोर होने लगा है। **गिरीश्वर मिश्र** का दृष्टिकोण। ● पेज-8

विमर्श

भविष्य की मांगों के अनुरूप शिक्षा में सुधार : भारत में उच्च शिक्षा एक निर्णायक समय में प्रवेश कर चुकी है, जहां लचीलापन, समावेशिता और गुणवत्ता को केंद्र में रखते हुए संरचनात्मक सुधारों की नींव रखी जा रही है। **गजेंद्र सिंह** का दृष्टिकोण।

ऊर्जा मंत्री को 'अंडर करंट' के झटके: इन दिनों उत्तर प्रदेश के बिजली विभाग में 'अंडर करंट' कुछ ज्यादा ही झटके दे रहा है। **भारतीय बसंत कुमार** की डायरी। ● पेज-9

दैनिक जागरण सप्तरंग

साहित्य और संगीत का

साहित्य में युवा लेखन

स्वर-रससिद्ध सिद्धेश्वरी देवी

● पेज-13

विदेशी संस्थानों से जुड़े कोर्सों का झांसा देने वालों से रहें सचेत

नई दिल्ली: यूजीसी ने छात्रों व अभिभावकों को विदेशी संस्थानों से जुड़े कोर्सों में दाखिला करवाने का झांसा देने वाले संस्थानों से सचेत करते हुए कहा है कि जांच-परखकर ही प्रवेश लें। (पेज-3)

श्रीनगर एयरपोर्ट पर सैन्य अधिकारी ने खोया आपा, स्पाइस जेट के चार कर्मियों को बुरी तरह पीटा

राज्य ब्यूरो, जागरण ● जम्मू

- एक कर्मचारी की रीढ़ की हड्डी टूटी, दूसरे के जबड़े में गंभीर चोट
- सैन्य अधिकारी पर पुलिस ने मामला दर्ज किया, 26 जुलाई को हुई घटना
- सेना के प्रवक्ता ने कहा, इस मामले में जांच एजेंसी का कर रहे पूर्ण सहयोग

श्रीनगर एयरपोर्ट पर अधिक वजन का सामान लेकर विमान में जाने से रोकने पर हुए विवाद में सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने स्पाइसजेट के चार ग्राउंड स्टाफ को बुरी तरह से पीट दिया। इसमें दो कर्मियों को गंभीर चोटें आई हैं। समाचार एजेंसी प्रेट्र के अनुसार, मारपीट में एक कर्मी की रीढ़ की हड्डी टूटने के साथ उसके जबड़े में भी गंभीर चोट आई है। इस घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने के बाद स्पाइसजेट प्रबंधन ने सैन्य अधिकारी के विरुद्ध पुलिस में मामला दर्ज करवाया। यह घटना 26 जुलाई को स्पाइसजेट की दिल्ली उड़ान से ठीक पहले बोर्डिंग गेट पर हुई थी। बताया जा रहा है कि नागर विमानन नियमों के अनुसार आरोपित को नो फ्लाई सूची में डालने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। आरोपित सैन्य अधिकारी का नाम लेफ्टिनेंट कर्नल आरके सिंह बताया जा रहा है। उनकी तैनाती गुलमर्ग के हाई एल्टीट्यूड वारफेयर स्कूल में है।

स्पाइसजेट के आधिकारिक बयान के अनुसार, बोर्डिंग गेट पर स्थिति उस समय हिंसक हो गई जब श्रीनगर से दिल्ली जाने वाली उड़ान संख्या एसजी-386 के बोर्डिंग गेट पर एक यात्री जो एक सैन्य अधिकारी है, दो केबिन बैगेज ले जा रहा था, जिसका कुल वजन 16 किलोग्राम था जो सात किलोग्राम की अनुमति सीमा से दोगुना से भी अधिक था। जब यात्री को विनम्रतापूर्वक अतिरिक्त सामान के बारे में बताया और शुल्क भुगतान करने के लिए कहा तो उसने इन्कार कर दिया। बोर्डिंग प्रक्रिया पूरी किए बिना जबर्दस्ती एयरोब्रिज में प्रवेश कर गया जो विमानन सुरक्षा प्रोटोकाल का उल्लंघन है। सीआइएसएफ के अधिकारी ने उन्हें वापस गेट तक पहुंचाया। इसके बाद यात्री ने स्पाइसजेट के चार कर्मियों को बुरी तरह से पीटा। बचाव करने आए एक और कर्मी के जबड़े में गंभीर चोट आई। यह पता नहीं चल सका कि घटना के बाद यात्री को हवाई अड्डे पर हिरासत में लिया था या नहीं। स्पाइसजेट ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय को पत्र लिख अपने कर्मियों पर हुए हमले के बारे में अवगत कराते हुए यात्री के खिलाफ कार्रवाई का अनुरोध किया है।

श्रीनगर एयरपोर्ट पर स्पाइसजेट के कर्मी से मारपीट करता सैन्य अधिकारी। वीडियोग्रैब

सीसीटीवी फुटेज पुलिस को सौंपा

स्पाइसजेट ने कहा कि उसने हवाई अड्डा अधिकारियों से घटना का सीसीटीवी फुटेज हासिल कर लिया है और उसे पुलिस को सौंप दिया है। वह इस मामले को कानूनी निष्कर्ष तक ले जाएगी। सेना के जनसंपर्क अधिकारी की ओर से जारी बयान के अनुसार भारतीय सेना उच्चतम अनुशासन के मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है और सभी आरोपों को गंभीरता से लेती है। सेना जांच एजेंसी को पूर्ण सहयोग प्रदान कर रही है।

उम्रकैद की सजा के बाद प्रज्वल रेवन्ना बने कैदी नंबर 15,528

बेंगलुरु : घरेलू सहायिका से दुष्कर्म में उम्र कैद सुनाए जाने के एक दिन बाद पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना को बेंगलुरु के परप्पना अग्रहारा केंद्रीय कारागार में कैदी नंबर दिया गया। रविवार सुबह रेवन्ना को कैदी संख्या 15,528 आवंटित की गई। पूर्व पीएम और जदएस के प्रमुख एचडी देवेगौड़ा के पौत्र रेवन्ना ने शनिवार को फैसले के बाद जेल में पहली रात बिताई। खबर है कि वह रो रहे थे और काफी परेशान दिखाई दे रहे थे। (पेज-6)

रूस में 7.0 तीव्रता का भूकंप, क्रेशेनिनिकोव ज्वालामुखी में विस्फोट

मास्को: रूस के कुरील द्वीप में रविवार को 7.0 तीव्रता का भूकंप आया, जिसके बाद कमचटका के तीन क्षेत्रों में सुनामी की आशंका जताई गई है। कमचटका में क्रेशेनिनिकोव ज्वालामुखी में 600 वर्षों बाद विस्फोट हो गया। दोनों घटनाएं पिछले हफ्ते रूस के सुदूर पूर्व में आए भीषण भूकंप से जुड़ी हो सकती हैं, जिसके बाद फ्रेंच पोलिनेशिया व चिली तक सुनामी की चेतावनी दी गई थी। (पेज-11)

मनी लांड्रिंग के आरोप में एक्सिस म्युचुअल फंड का पूर्व फंड मैनेजर गिरफ्तार

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- निवेशकों को 200 करोड़ रुपये से अधिक का चूना लगाने का आरोप

दो लाख करोड़ रुपये के फंड को मैनेज करने वाले एक्सिस म्युचुअल फंड के पूर्व फंड मैनेजर वीरेन जोशी को मनी लांड्रिंग के आरोप में ईडी ने गिरफ्तार कर लिया है। जोशी पर फंड मैनेजर रहने के दौरान 2018 से 2021 के बीच शेयर मार्केट में ट्रेडिंग से जुड़ी कंपनी की गुप्त जानकारी का दुरुपयोग कर 200 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई करने का आरोप है। गिरफ्तारी से पहले ईडी ने शुक्रवार और शनिवार को दिल्ली, मुंबई, गुरुग्राम, लुधियाना, अहमदाबाद, भावनगर, भुज और कोलकाता में छापे मारकर अहम दस्तावेज बरामद करने का दावा किया है। इस मामले में जोशी को शनिवार को ही गिरफ्तार कर लिया गया था और रविवार को अदालत ने उन्हें आठ अगस्त तक ईडी के रिमांड में भेज दिया, जहां उनसे पूछताछ की जा रही है।

अदालत ने पूछताछ के लिए आठ अगस्त तक ईडी के रिमांड में भेजा

ईडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि जोशी के पास कंपनी से जुड़ी काफी संवेदनशील जानकारी होती थी। उन्होंने उसी जानकारी का दुरुपयोग कर मोटा मुनाफा कमाया। इसे तकनीकी भाषा में 'फ्रंट रनिंग' कहते हैं, जो अनैतिक और गैरकानूनी है। इसके लिए दुबई स्थित एक टर्मिनल के जरिये म्यूल अकाउंट्स का इस्तेमाल किया गया। ये म्यूल अकाउंट्स शेयर बाजार में ट्रेडिंग करने वाली कंपनियों और ब्रोकर्स ने दिए थे। जाहिर है कि जोशी के साथ-साथ इन कंपनियों और ब्रोकरों ने भी कमाई की। ईडी इन सभी की कमाई का पता लगाने में जुटी है। काली कमाई की रकम 200 करोड़ रुपये से ज्यादा भी हो सकती है।

ईडी की जांच में पता चला कि म्यूल अकाउंट्स के जरिये की गई कमाई का पैसा मुखौटा कंपनियों और बैंक खातों के जरिये इधर-उधर घुमाया गया। ये सभी खाते जोशी और उनके रिश्तेदारों के नाम पर थे। इन खातों में जमा 17.4 करोड़ रुपये फ्रीज कर दिए गए हैं। ईडी के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि 2022 में सबसे पहले आयकर विभाग को इस घोटाले की भनक लगी थी और उसकी जांच के आधार पर मुंबई पुलिस ने भी एफआइआर दर्ज की। मुंबई पुलिस की एफआइआर को आधार बनाते हुए ईडी ने मनी लांड्रिंग का केस दर्ज किया।

गोंडा में सरयू नहर में गिरा श्रद्धालुओं का वाहन, 11 की मौत

जागरण संवाददाता, गोंडा

- मृतकों में नौ लोग एक ही परिवार के, चार लोग सुरक्षित बच निकले
- पीएम और सीएम ने जताया दुख, आर्थिक मदद की घोषणा की

उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में पृथ्वीनाथ मंदिर जा रहे श्रद्धालुओं से भरी बोलेरो रविवार सुबह अनियंत्रित होकर सरयू नहर में गिर गई। बोलेरो में क्षमता से अधिक सवार श्रद्धालुओं में 11 की मृत्यु हो गई, जबकि चार लोग सुरक्षित बच निकले। मृतकों में नौ लोग एक ही परिवार के थे। एक किशोरी लापता है, जिसकी तलाश राज्य आपदा मोचन दल (एसडीआरएफ) की टीम कर रही थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुर्घटना पर दुख जताते हुए आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भी दुख जताते हुए शोक संतप्त परिवारजन के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की है।

गोंडा में मोतीगंज क्षेत्र के सीहागांव के रहने वाले रामकरन गुप्ता परिवार व मित्रों के साथ पृथ्वीनाथ मंदिर जा रहे थे। पारासराय अलावल देवरिया मार्ग पर रेहरा गांव स्थित सरयू नहर पुल के पास बोलेरो अनियंत्रित होकर नहर में गिर गई। उसमें 16 लोग सवार थे। नहर में डूबे वाहन में फंसने से 11 की मौत हो गई जबकि चार बच निकले। एक किशोरी का पता नहीं चला। प्रधानमंत्री राहत कोष से मृतकों के स्वजन को दो-दो लाख रुपये, घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की गई। मुख्यमंत्री राहत कोष से मृतकों के स्वजन को पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता मिलेगी।

गोंडा के रेहरा गांव के पास सरयू नहर में गिरे वाहन निकालते स्थानीय लोग। जागरण

जान बचाने को ग्रामीणों ने लगा दी जान

ग्रामीणों के मुताबिक सुबह करीब दस बजे मूसलधार बारिश हो रही थी। इसी बीच तेज हार्न बजने व ब्रेक लगने की आवाज सुनाई पड़ी। लोग दौड़े तो देखा कि बोलेरो नहर में पड़ी है। बोलेरो में सवार लोगों को बचाने के लिए वह लोग नहर में कूद गए। इससे पूर्व चार लोग बाहर निकल चुके थे। पानी का बहाव अधिक होने से वाहन गहराई में चला गया। ग्रामीणों ने वाहन का शीशा तोड़कर 11 लोगों को बाहर निकाला। पेट दबाकर उनके अंदर से पानी निकालने की कोशिश भी की, लेकिन उनकी मौत हो चुकी थी। ग्रामीणों ने नजदीकी थाने की पुलिस को हादसे की जानकारी दी। इसके बाद प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। एसपी विनीत जायसवाल ने बताया कि एक किशोरी लापता है, उसकी तलाश में गोताखोर जुटे हैं।

मिलेगी राहत

हृदय रोग और डायबिटीज से जुड़ी दवाएं भी इसमें शामिल, एनपीपीए के फैसले से मरीजों को राहत मिलने की उम्मीद

अब आपको सस्ती मिलेंगी 35 आवश्यक दवाएं

नई दिल्ली, आइएएनएस : ज्यादातर परिवारों की गाढ़ी कमाई का एक बड़ा हिस्सा दवाओं पर खर्च हो जाता है। इससे उन पर आर्थिक बोझ बढ़ जाता है। अब मरीजों के लिए दवाओं को और अधिक किफायती बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने प्रमुख दवा कंपनियों द्वारा बेची जाने वाली 35 आवश्यक दवाओं की खुदरा कीमतों में कमी की है। कीमतों में कटौती से उपभोक्ताओं खासकर पुरानी बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। कम कीमत वाली दवाओं में सूजन-रोधी, हृदय रोग-संबंधी, एंटीबायोटिक, मधुमेह-रोधी और मानसिक रोगों के इलाज वाली दवाओं सहित कई तरह की दवाएं शामिल हैं।

रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय ने एनपीपीए द्वारा मूल्य विनियमन के आधार पर इस आदेश को अधिसूचित किया है। इस मूल्य नियंत्रण आदेश के अंतर्गत आने वाली प्रमुख दवाओं में एसीक्लोफेनाक, पैरासिटामोल, ट्रिप्सिन काइमोट्रिप्सिन, एमोक्सिसिलिन, पोटेशियम क्लैवुलनेट, एटोरवास्टेटिन के साथ ही एम्पाग्लिफ्लोजिन, सिटाग्लिप्टिन और मेटफार्मिन जैसी नई मधुमेह-रोधी दवाएं शामिल हैं।

गौरतलब है कि एनपीपीए रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के अधीन कार्य करता है। यह भारत में औषधि मूल्य नियामक है जो दवाओं के मूल्य निर्धारण और संशोधन तथा औषधियों के मूल्यों की निगरानी के लिए उत्तरदायी है। बहरहाल, एकम्स ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स द्वारा निर्मित और डा. रेड्डीज लैबोरेटरीज द्वारा विपणन की जाने वाली एक एसीक्लोफेनाक-पैरासिटामोल-ट्रिप्सिन काइमोट्रिप्सिन टैबलेट की कीमत अब 13 रुपये तय की गई है, जबकि कैडिला फार्मास्युटिकल्स द्वारा विपणन की जाने वाली इसी फार्मूलेशन की कीमत अब 15.01 रुपये है। इसी तरह, एटोरवास्टेटिन 40 मिलीग्राम और क्लोपिडोग्रेल 75 मिलीग्राम युक्त एक टैबलेट की कीमत 25.61 रुपये है। इसका व्यापक रूप से हृदय संबंधी समस्याओं में उपयोग किया जाता है। कम कीमत वाली दवाओं में बच्चों के चिकित्सा उपयोग के लिए सेफिक्सिम और पैरासिटामोल को भी शामिल किया गया है। साथ ही विटामिन डी सप्लीमेंट के लिए कोलेकैल्सिफेराल ड्राप्स और डिक्लोफेनाक इंजेक्शन जैसी महत्वपूर्ण दवाओं को भी शामिल किया गया है, जिनकी कीमत 31.77 रुपये प्रति मिलीलीटर है।

आधिकारिक आदेश में कहा गया है कि खुदरा विक्रेताओं और डीलरों को इन अद्यतन मूल्य सूचियों को अपने परिसर में प्रमुखता से प्रदर्शित करना होगा। अधिसूचित कीमतों का पालन न करने पर डीपीसीओ, 2013 और आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत दंडात्मक प्रविधान लागू हो सकते हैं। इसमें दवा के लिए ली गई अधिक राशि की वसूली और ब्याज भी शामिल है।

प्रतीकात्मक

तय कीमतों में जीएसटी शामिल नहीं

एनपीपीए ने स्पष्ट किया कि निर्धारित की गई कीमतों में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) शामिल नहीं है। मगर, आवश्यकता होने पर इसे शामिल किया जा सकता है। निर्माताओं को सभी वैधानिक आवश्यकताओं का पालन करना होगा, एकीकृत औषधि डाटाबेस प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से फार्म V में अद्यतन मूल्य सूची जारी करनी होगी और एनपीपीए तथा राज्य औषधि नियंत्रकों को भी इस बाबत जानकारी प्रस्तुत करनी होगी।

झारखंड में बंद के दौरान माओवादियों के किए विस्फोट में रेलवे कीमैन की मौत

जागरण संवाददाता, चक्रधरपुर

- ओडिशा के रांगरा और करमपदा स्टेशनों के बीच हुई घटना

झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, बिहार और बंगाल में आयोजित किए गए बंद के दौरान रविवार को माओवादियों ने रेल पटरियों को निशाना बनाकर दहशत फैलाने और अपनी ताकत दिखाने की कोशिश की। इस दौरान झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम से सटे ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले के रांगरा व करमपदा स्टेशनों के बीच बारूदी सुरंग विस्फोट कर माओवादियों ने रेल पटरी उड़ा दिया। विस्फोट की चपेट में आकर पेट्रोलिंग कर रहे रेलवे के कीमैन 58 वर्षीय एतवा उरांव की मौत हो गई और एक अन्य कीमैन घायल हो गया। घटना रविवार सुबह की है।

ये दोनों कीमैन स्टेशनों के बीच रेल लाइन की पेट्रोलिंग ड्यूटी कर रहे थे। इसी दौरान माओवादियों द्वारा बिछाया गया बम तेज धमाके के साथ फट गया, जिसकी चपेट में आने से एक कीमैन के दोनों पैर उड़ गए। घायल अवस्था में दोनों रेलकर्मियों को अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने एक को मृत घोषित कर दिया। दूसरे को बेहतर इलाज के लिए राउरकेला रेफर किया गया है।

घायल कीमैन एतवा उरांव को इलाज के लिए एंबुलेंस से ले जाते। जागरण

****

2 अगस्त को उमस भरी गर्मी के बीच हीट इंडेक्स 43.9 डिग्री पहुंच गया। मतलब, तापमान भले 35 डिग्री से कम रहा, लेकिन गर्मी 43 डिग्री से अधिक तापमान वाली महसूस की गई। पूर्वानुमान है कि सप्ताह भर कमोबेश ऐसा ही मौसम बना रहेगा।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 4 अगस्त, 2025

आज का मौसम

सामान्यतया बादल छाए रहेंगे। गर्जन वाले बादल बनने, बिजली चमकने एवं हल्की वर्षा होने की भी संभावना है।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
4 अगस्त	32.0	24.0
5 अगस्त	33.0	24.0
नोएडा		
4 अगस्त	31.0	25.0
5 अगस्त	30.0	25.0
गुरुग्राम		
4 अगस्त	35.0	25.0
5 अगस्त	35.0	26.0

डिग्री सेल्सियस में

न्यूज गैलरी

नबी करीम में आठ फीट धंसी सड़क, टला बड़ा हादसा

नई दिल्ली : मध्य जिले के नबी करीम इलाके में अचानक मुख्य सड़क लगभग आठ फीट नीचे धंस गई। हादसा रविवार सुबह उस वक्त हुआ, जब एक बड़ा लोडेड ट्रक वहां से गुजर रहा था। भारी भरकम ट्रक को क्रेन की मदद से वहां से हटाया गया। गनीमत रही कि सड़क धंसते ही चालक ने कूद कर अपनी जान बचा ली। फिलहाल पुलिस ने एहतियात के तौर पर वहां बैरिकेड लगाकर रास्ता बंद कर दिया है। लोगों का कहना है कि अगर ट्रक सड़क में धंसने से पलट जाता तो कई लोग उसकी चपेट में आ जाते। (जासं)

चांदनी चौक में अव्यवस्थाओं पर विरोध करेंगे व्यापारी

नई दिल्ली: चांदनी चौक बाजार की स्वच्छता, सुव्यवस्था और ऐतिहासिक गरिमा को पुनर्स्थापित करने के लिए लंबे समय से प्रयासरत व्यापारी अब सड़कों पर उतरने को मजबूर हो गए हैं। बाजार के सुंदरीकरण और व्यवस्थाओं के सुधार के लिए तीन वर्षों में कोई सुधार नही हुआ है। चांदनी चौक सर्व व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजय भार्गव ने कहा कि एक अगस्त को हुई व्यापारियों की बैठक में चार अगस्त से 14 अगस्त शांतिपूर्ण प्रतीकात्मक विरोध मार्च आयोजित करेंगे। इस मार्च की शुरुआत सोमवार को शाम तीन बजे फव्वारा चौक से होगी। (जासं)

अपहरण और हत्या के मामले में फरार 26 साल बाद पकड़ा

नई दिल्ली: अपहरण और हत्या के मामले में 26 साल से फरार सजायाफ्ता राज किशोर को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। 1993 में आरोपित व उसके एक साथी ने कल्याणपुरी के रहने वाले एक कपड़ा व्यापारी के आठ साल के बेटे का अपहरण कर उसकी रिहाई के लिए 30 हजार रुपये फिरौती मांगी थी। बदमाशों ने बच्चे की हत्या कर शव को गंदे नाले में फेंक दिया था। (जासं)

सौर ऊर्जा से विधानसभा प्रति वर्ष बचाएगी पौने दो करोड़

500 किलोवाट क्षमता के सौर ऊर्जा संयंत्र व ई-विधान की हुई शुरुआत

दिल्ली विधानसभा पूर्णतः सौर ऊर्जा से संचालित होने वाली देश की पहली विधानसभा बनी

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने रविवार को दिल्ली विधानसभा परिसर में ई-विधान (कागज रहित विधानसभा) और 500 किलोवाट के सौर ऊर्जा संयंत्र का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि दिल्ली विधानसभा बहुत पहले ई-विधानसभा हो सकती थी, मगर पूर्व की सरकार ने कोई रुचि नहीं दिखाई। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने रुचि दिखाई और रिकार्ड समय में इस काम को पूरा कराया है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि दिल्ली विधानसभा पूर्णतः सौर ऊर्जा से संचालित होने वाली देश की पहली विधानसभा बन गई है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, लोक निर्माण मंत्री प्रवेश वर्मा, ऊर्जा मंत्री आशीष सूद, विधानसभा उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट तथा मुख्य सचेतक अभय वर्मा सहित कई विधायक उपस्थित थे। इस सौर ऊर्जा संयंत्र से प्रतिमाह बिजली के बिल में 15 लाख रुपये की बचत होगी जो वार्षिक अनुमानित बचत पौने दो करोड़ रुपये तक बैठती है। नेट मीटरिंग के माध्यम से अतिरिक्त विद्युत उत्पादन की भी आशा है, जिससे विधानसभा उपयोग से बचने वाली बिजली उल्टे बिजली कंपनियों को बेच भी सकेगी। उधर ई-विधान प्रणाली के तहत अब विधानसभा की समस्त कार्यवाही डिजिटल माध्यम से, पूर्णतः पेपरलेस संचालित होगी, जिससे न केवल प्रशासनिक दक्षता बढ़ेगी, बल्कि पर्यावरणीय प्रभाव भी न्यूनतम होगा। कागज पर प्रति वर्ष खर्च होने वाली लाखों की राशि की बचत हो सकेगी।

केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने कहा कि दिल्ली विधानसभा की इमारत ऐतिहासिक है और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जो काम कर रही हैं वह भी ऐतिहासिक है। कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों को दंड देने के लिए अंग्रेज भारतीय दंड संहिता लेकर आए थे मगर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लोगों को न्याय देने के लिए भारतीय न्याय संहिता लाए हैं, इसलिए कानूनों में बदलाव किया गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विधानसभा में शुरू की गईं दोनों पहल की सराहना की। विधानसभा अध्यक्ष गुप्ता ने कहा कि यह नवीकरणीय ऊर्जा और डिजिटल सशक्तीकरण की दिशा में हमारा एक समग्र प्रयास है।

ई विधानसभा और सौर ऊर्जा संयंत्र का उद्घाटन करते विधि और न्याय केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, मोहन सिंह बिष्ट, अजय महावर, डा अनिल गोयल व अन्य। चंद्र प्रकाश मिश्र

विधानसभा का मानसून सत्र आज से, सीएम पेश करेंगी दो कैग रिपोर्ट

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा का मानसून सत्र सोमवार से शुरू होने जा रहा है, जो कि आठ अगस्त तक चलेगा। यह दिल्ली के इतिहास में पहली बार होगा, जब सत्र पूरी तरह ई-विधानसभा के रूप में होगा। दूसरे शब्दों में सत्र पेपरलेस होगा और सभी फाइलें ई-फार्मेट में पेश की जाएंगी। सभी सदस्यों को टैबलेट और एप वाले फोन भी मिल गए हैं, उपस्थिति भी अब आनलाइन दर्ज होगी।

सोमवार को विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन सीएम रेखा गुप्ता दो कैग रिपोर्ट भी सदन पटल पर रखेंगी। इनमें से एक वित्त वर्ष 2023-24 के राज्य स्टेट फाइनेंस से जुड़ी है जबकि दूसरी रिपोर्ट 31 मार्च 2023 को समाप्त हुए साल के लिए 'वेलफेयर आफ बिल्डिंग एंड अदर कंस्ट्रक्शन वर्कर्स' से जुड़ी है।

पहली रिपोर्ट में राज्य की वित्तीय स्थिति, सरकारी खर्चों, और वित्तीय प्रबंधन की समीक्षा की गई है। वहीं, दूसरी रिपोर्ट 31 मार्च 2023 को समाप्त हुए वर्ष के लिए निर्माण श्रमिकों के लिए लागू योजनाओं और उनके कल्याण के लिए किए गए प्रयासों की जांच करती है। सीएम द्वारा इन रिपोर्ट को पेश करने के साथ ही सत्र में इन पर चर्चा होने की संभावना है।

विपक्षी दल, खासकर आम आदमी पार्टी (आप), भाजपा सरकार को विभिन्न मुद्दों पर घेरने की कोशिश कर सकती है। इस सत्र के दौरान झुग्गी तोड़ने जैसे मुद्दों पर भी विपक्ष की ओर से सरकार पर सवाल उठाए जाने की संभावना है। वहीं सरकार अपनी उपलब्धियों को मानसून सत्र के दौरान सामने रख सकती है। साथ ही दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद 'दिल्ली स्कूल शिक्षा (फीस तय करने और उसे नियंत्रित करने में पारदर्शिता) विधेयक, 2025 पेश करेंगे। पूरा सत्र हंगामेदार रहने की संभावना है।

सोमवार को भी जारी रहेगा ट्रायल

दिल्ली विधानसभा के सोमवार से शुरू होने जा रहे मानसून सत्र में पहली बार प्रयोग में लाई जा रही ई-विधान व्यवस्था के ट्रायल के तौर पर रविवार को ई-व्यवस्था से ही सदन का संचालन किया गया। डेढ़ घंटा चलने वाले सदन में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के साथ कैबिनेट मंत्री आशीष सूद सहित पक्ष विपक्ष के कई विधायक मौजूद थे। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने भी अपनी कुर्सी से ट्रायल में भाग लिया।

राजधानी में गठित होगा समर्पित अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : आर्गन फेल्योर के मामले में वृद्धि चिंताजनक है। स्वास्थ्य सेवा प्रणाली पर दबाव बढ़ता जा रहा है। हर साल हजारों लोग अंग प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा करते हैं। इस तात्कालिक आवश्यकता के बावजूद प्रत्यारोपण के लिए प्रतीक्षारत रोगियों और उपलब्ध डोनर की संख्या के बीच एक बड़ा अंतर बना हुआ है। इसे कम करने के लिए अब दिल्ली में एक समर्पित राज्य अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (एसओटीटीओ) का गठन किया जाएगा। हाल ही में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस संबंध में निर्देश दिया है। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह ने इसकी पुष्टि करते हुए एसओटीटीओ के गठन की कवायद में जुटने की बात कही है।

दरअसल, दिल्ली में न केवल टर्सरी केयर सेंटर बहुतायत में हैं, बल्कि यहां आसपास के राज्यों से रेफर मरीज भी पहुंचते हैं। ब्रेन डेड मरीजों के स्वजन की काउंसलिंग कर अंगदान के लिए तैयार करना और दान होने वाले अंगों को स्टोर करने के साथ ही जरूरतमंद मरीज तक पहुंचाने के लिए उचित प्लेटफार्म की जरूरत है। राज्य अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन इसके लिए कारगर प्लेटफार्म साबित होगा। एम्स में आर्गन रीट्रिवल बैंकिंग आर्गेनाइजेशन (ओआरबीओ) की प्रमुख डा. आरती विज ने बताया कि एक व्यक्ति हृदय, फेफड़े, गुर्दे, अग्नाशय और आंतें दान कर आठ लोगों की जान बचा सकता है।

दिल्ली विश्वविद्यालय ने माइनर डिग्री के लिए अनिवार्य जीई विषयों की शर्त हटाई

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय ने माइनर डिग्री प्राप्त करने के लिए जनरल इलेक्टिव (जीई) विषयों को अनिवार्य बनाने वाले नियम को वापस ले लिया है। यह निर्णय शिक्षकों व छात्रों के विरोध के बाद लिया गया, जिन्होंने इसे शैक्षणिक स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने वाला बताया था।

विश्वविद्यालय ने 29 जुलाई को जारी अधिसूचना में स्पष्ट किया है कि अब छात्रों के लिए किसी विशेष अनुशासन से जीई लेने की कोई अनिवार्यता नहीं होगी। इससे पहले जीई पूल में तीन विषयों को अनिवार्य बनाया गया था, जिसमें विषय से संबंधित अधिकतम जानकारी होती थी। डीयू का मानना था कि माइनर डिग्री औपचारिक नहीं होनी चाहिए, क्योंकि छात्रों को इसके आधार पर पीजी में प्रवेश लेना होता है। यदि छात्रों को विषय की गहन जानकारी नहीं होगी, तो इससे शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है।

दिल्ली विश्वविद्यालय में सुरक्षा अलर्ट, परिसर में सतर्कता बढ़ाने के निर्देश

जासं, नई दिल्ली : दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) ने देश की मौजूदा सुरक्षा स्थिति को देखते हुए अपने सभी कालेजों, विभागों और केंद्रों को सुरक्षा कड़ी करने के निर्देश जारी किए हैं। यह कदम केंद्र सरकार की उस खुफिया चेतावनी के बाद उठाया गया है, जिसमें उच्च शिक्षण संस्थानों पर आतंकी समूहों की ओर से स्थानीय सहयोगियों की मदद से संभावित विध्वंसात्मक हमलों की आशंका जताई गई है।

शिक्षकों और छात्रों ने इस व्यवस्था की आलोचना करते हुए कहा था कि यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के बहु-विषयक दृष्टिकोण के खिलाफ है। इससे पहले मार्च में अधिसूचना जारी कर विश्वविद्यालय ने सुझाए गए विषयों को अनिवार्य किया था। अब इस निर्णय के बाद छात्रों को उन जीई विषयों को चुनने की स्वतंत्रता मिलेगी, जो उनकी रुचि या करियर लक्ष्यों के अनुरूप हों। जिन छात्रों को सीट की उपलब्धता या अन्य कारणों से वांछित जीई लेने में कठिनाई हो रही थी, उन्हें भी इसका लाभ मिलेगा। इंडियन नेशनल टीचर्स कांग्रेस (इंटेक) ने विश्वविद्यालय प्रशासन के समक्ष इस प्रविधान को हटाने की मांग उठाई थी। इस निर्णय से शिक्षकों और छात्रों दोनों को राहत मिली है, और शिक्षकों का कहना है कि यह कदम शैक्षणिक स्वतंत्रता की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति है।

डीयू एनसीवेब की दूसरी कटआफ आज, अब तक छह हजार सीटों पर हुआ दाखिला : दिल्ली विश्वविद्यालय के नान कालिजिएट वीमेंस एजुकेशन बोर्ड (एनसीवेब) में बीए और बीकाम प्रोग्राम में दाखिले के लिए दूसरी कटआफ सूची सोमवार, पांच अगस्त को जारी की जाएगी। शैक्षणिक सत्र 2025-26 में दोनों पाठ्यक्रमों के तहत कुल 15,200 सीटें उपलब्ध हैं, जिनमें से अब तक छह हजार सीटों पर दाखिले हो चुके हैं।

अपहरणकर्ता मनी ट्रांसफर से पकड़ा गया, नाबालिग बरामद

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : जामा मस्जिद क्षेत्र में 15 वर्षीय नाबालिग लड़की का अपहरण करने वाले आरोपित को पुलिस ने 72 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। आरोपित ने अपने घर से 200 रुपये मनी ट्रांसफर के माध्यम से मंगवाए थे, जिसके आधार पर पुलिस ने उसे पकड़ने में सफलता पाई। आरोपित की पहचान लखीमपुर खीरी निवासी सुभान के रूप में हुई है।

28 जुलाई को जामा मस्जिद थाने में एक युवती ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी छोटी बहन, जो उर्दू बाजार स्थित जगत सिनेमा के पास रहती है, मीना बाजार गई थी लेकिन वापस नहीं लौटी। इसके बाद अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। थानाध्यक्ष आदेश प्रकाश के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। जांच के दौरान पता चला कि सुभान दरियागंज इलाके का आवारागर्द है। 31 जुलाई को पुलिस टीम लखीमपुर खीरी पहुंची, लेकिन वह वहां नहीं मिला। परिवार ने बताया कि उसने हाल ही में दिल्ली के निजामुद्दीन इलाके में एक मनी ट्रांसफर दुकान से 200 रुपये मंगवाए थे।

अंतर-धार्मिक जोड़े को पुलिस ने किया अलग, कोर्ट ने की आचरण की निंदा

डीसीपी को मामले की व्यक्तिगत जांच कर रिपोर्ट पेश करने का दिया निर्देश

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

एक अंतर-धार्मिक जोड़े को सुरक्षा प्रदान करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली पुलिस के आचरण की आलोचना की। न्यायमूर्ति संजीव नरूला की पीठ ने कहा कि पुलिस का ऐसा आचरण प्रथमदृष्टया याचिकाकर्ता के अधिकारों का उल्लंघन है, जिसके तहत उन्हें स्वतंत्रता, सम्मान से रहने और विवाह से संबंधित स्वायत्त निर्णय लेने का अधिकार है। अदालत के समक्ष याची ने दावा किया कि महिला द्वारा उसके साथ रहने की बार-बार अपील करने के बाद भी दिल्ली पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। अदालत ने दर्ज किया कि दिल्ली पुलिस याचिकाकर्ता को सुरक्षित घर में रहने की सुविधा देकर सुरक्षा प्रदान करने में न सिर्फ विफल रही, बल्कि उन्हें जबरन अलग कर दिया और महिला को एक आश्रय गृह में हिरासत में ले लिया।

मुस्लिम युवक ने याचिका दायर कर हिंदू युवती के लिए सुरक्षा की मांग करते हुए याचिका दायर की थी। दोनों एक-दूसरे से शादी करना चाहते थे, लेकिन उन्हें परिवार के विरोध के कारण खतरे की आशंका था। याचिका में दोनों के लिए सुरक्षित घर की भी मांग की गई थी। याचिका में तर्क दिया गया कि दोनों 2018 से आपसी सहमति से रिश्ते में थे और विशेष विवाह अधिनियम के तहत शादी करना चाहते थे। 23 जुलाई को याची ने संबंधित डीसीपी के समक्ष एक याचिका दी थी। इसमें उन्होंने कहा कि अंतर-धार्मिक विवाह करने वाले जोड़ों के लिए सुरक्षित घरों और विशेष प्रकोष्ठों पर दिल्ली पुलिस की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार पुलिस सुरक्षा प्रदान करने का अनुरोध किया गया था। याची युवक ने तर्क दिया कि अनुरोध के बावजूद महिला को उससे जबरन अलग कर दिया गया। युवती का मेडिकल परीक्षण कराया गया और बाद में 24 जुलाई को निर्मल छाया आश्रय गृह में ले जाया गया।

सरकारी विभागों को फ्लैटों की खरीद पर विशेष छूट देगा डीडीए

संजीव गुप्ता ● जागरण

बोर्ड से मिली मंजूरी, इस महीने के अंत तक लांच करने की तैयारी

नई दिल्ली : दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) अब केंद्र और राज्य सरकार के विभागों, संगठनों, उपक्रमों, स्वायत्त निकायों और सरकारी विश्वविद्यालयों द्वारा फ्लैटों की थोक खरीद पर विशेष छूट देगा। इस योजना में न्यूनतम 10 फ्लैट खरीदने पर सरकारी विभाग डीडीए की अपना घर आवास योजना-2025 में आमजन को दी जा रही छूट के पात्र होंगे। इसका मतलब यह है कि इन्हें भी नरेला में बने एलआइजी फ्लैटों पर 25 और एमआइजी, एचआइजी व ईडब्ल्यूएस फ्लैटों पर 15 प्रतिशत की छूट मिलेगी।

गौरतलब है कि हरियाणा बार्डर से सटे नरेला उप नगर में बने हजारों फ्लैट डीडीए के लिए जी का जंजाल बन गए हैं। परिवहन व्यवस्था का अभाव, पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था न होने और मध्य दिल्ली से दूरी अधिक होने के चलते डीडीए के यह फ्लैट बिक नहीं रहे हैं। हालांकि एलजी वीके सक्सेना यहां पुलिस चौकी बनाने, डीटीसी के कई नए रूट शुरू करने और बेहतर जल व्यवस्था करने के लिए निर्देश दे चुके हैं। दिल्ली मेट्रो को यहां तक मेट्रो के विस्तार के लिए करोड़ों रुपया देने के साथ नरेला में अंतरराष्ट्रीय स्तर का स्टेडियम बनाने की दिशा में भी काम चल रहा है। इसके अलावा भविष्य में नरेला एजुकेशन हब भी होगा। इसके बावजूद स्थिति में अभी भी बहुत सुधार नहीं हुआ है। इसलिए अपना घर आवास योजना के तहत डीडीए ने इन फ्लैटों की खरीद पर सरकारी संस्थानों को भी छूट देने की तैयारी कर ली है।

नरेला स्थित डीडीए फ्लैट्स। जागरण

यूट्यूब देख पत्नी ने ही प्रेमी संग रची थी पति की हत्या की साजिश, हर कदम पर थी साथ

विनय त्रिवेदी ● जागरण

आरोपित प्रेमी के साथ लगातार फोन पर थी महिला, सभी काल लाग किए थे डिलीट

गुरुग्राम : उद्योग विहार में कंपनी के बाहर से युवक का अपहरण कर हत्या करने के बाद शव दफनाने के मामले में आठ दिन बाद पूरा सच सामने आ गया है। उसकी पत्नी ने ही अपने प्रेमी के साथ मिलकर यूट्यूब पर वीडियो देखकर हत्या की साजिश रची थी। युवक का अपहरण करने से लेकर उसके शव को दफनाने तक महिला आरोपित से लगातार फोन पर संपर्क में थी। पुलिस को इन दोनों पर पहले ही शक हो गया था। इस पर महिला ने आरोपित के दुष्कर्म करने और धमकी दिए जाने की कहानी बनाई। उसे लगा था कि पुलिस दुष्कर्म में आरोपित को पकड़ लेगी और पांच छह महीने बाद वह राजीनामा कर अपने प्रेमी को छुड़ा लेगी। किंतु उसका यह पासा उलटा पड़ गया। आरोपित के गिरफ्तार होने के बाद उसने सच्चाई उगल दी।

उद्योग विहार थाना पुलिस ने हत्या के इस मामले में रविवार को युवक की पत्नी सोनी और गड्ढा खोदने वाले एक अन्य व्यक्ति संतरपाल को भी गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले शनिवार को मुख्य आरोपित रविंद्र, मनीष और फरियाद को पकड़ा गया था। इस मामले में अब तक कुल पांच लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। मृतक युवक की पहचान मूलरूप से बिहार के नवादा जिले के छतीहर गांव के 37 वर्षीय विक्रम के रूप में की गई है। विक्रम की शादी करीब 12 साल पहले सोनी से हुई थी। विक्रम कई साल से परिवार के साथ उद्योग विहार थाना क्षेत्र के डूंडाहेड़ा गांव में किराये से रहते थे। इनके दो बच्चे भी हैं। बड़ी बेटी दस साल और छोटा बेटा आठ साल का है। विक्रम यहां उद्योग विहार में ही गारमेंट कंपनी में ठेकेदार के रूप में काम करते थे।

कैसे रची गई हत्या की साजिश, पूरी कहानी जानिए : उद्योग विहार थाना प्रभारी इंस्पेक्टर बलराज ने बताया कि पुलिस पूछताछ में पता चला कि आरोपित महिला सोनी देवी का एक साल से पड़ोस में ही रहने वाले रविंद्र के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। रविंद्र मूलरूप से मेरठ के हस्तिनापुर का रहने वाला है। रविंद्र ने प्रेम प्रसंग के दौरान सोनी के साथ अश्लील वीडियो बनाए थे। रविंद्र का घर आना-जाना था। एक दिन विक्रम की बेटी ने रविंद्र का फोन खेलने के लिए लिया। इस दौरान उसे दोनों का अश्लील वीडियो दिखाई दिया। बेटी ने इसकी जानकारी पिता को दी, हालांकि उसने सीधे तौर पर कुछ नहीं कहा, लेकिन यह बात रविंद्र और सोनी को पता चल गई।

विक्रम की फाइल फोटो। सौ. स्वजन

'यातना की सही तारीख न बताने का मतलब यह नहीं कि केस बेबुनियाद'

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: दिल्ली हाई कोर्ट ने भरण-पोषण से जुड़े एक मामले में महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि यदि पत्नी को पति और उसके परिवार द्वारा दी गई यातनाओं की सही तारीख और समय याद नहीं है, तो इसका अर्थ यह नहीं है कि उसका मामला बेबुनियाद है। न्यायमूर्ति अमित महाजन की पीठ ने एक महिला की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह बात कही।

महिला ने पारिवारिक अदालत के उस फैसले को चुनौती दी, जिसमें उसे और उसके बच्चे को चार हजार रुपये मासिक गुजारा भत्ता देने से इन्कार किया गया था। महिला ने आरोप लगाया कि पति ने पर्याप्त दहेज मिलने के बावजूद परिवार से बाइक की मांग की और ससुराल वालों ने दुर्व्यवहार किया। उसके साथ मारपीट की गई और उसे अपनी ननद की शादी के लिए 50 हजार रुपये लाने के लिए कहा गया। जब वह यह मांग पूरी नहीं कर पाई, तो उसे ससुराल से निकाल दिया गया।

झुग्गीवासियों को घर नहीं देने पर हाई कोर्ट ने मांगा जवाब

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : जंगपुरा इलाके से 2006 में उजाड़े गए 43 झुग्गीवासियों को दोबारा बसाने के आदेश की अवमानना मामले से जुड़ी याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) व दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डूसिब) से जवाब मांगा है। न्यायमूर्ति अमित शर्मा की पीठ ने डीडीए उपाध्यक्ष व डूसिब अधिकारियों को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है।

दक्षिण दिल्ली के जंगपुरा से 2006 में उजाड़े गए 43 झुग्गीवासियों को 18 साल के संघर्ष के बाद हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिली थी। याचिका के अनुसार 17 सितंबर 2024 को दिल्ली हाई कोर्ट ने डीडीए की पुनर्वास नीति-2004 के तहत 43 याचिकाकर्ताओं को दोबारा बसाने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया था। अदालत ने डीडीए और डूसिब की संयुक्त बैठक में याचिकाकर्ताओं को पुर्नवास के लिए अयोग्य करार देने के 31 जनवरी 2015 के फैसले को निरस्त कर दिया था। याचिका में आरोप लगाया गया कि याचिका पर पारित आदेश की जानबूझकर अवमानना की गई।

रवैये पर सवाल

साहसिक कार्यों के लिए हर साल 26 जनवरी व 15 अगस्त इन दो मौके पर आइपीएस से लेकर पुलिसकर्मियों को मिलता है वीरता पुरस्कार, इस पुरस्कार के तहत हर माह वेतन के साथ दिए जाते हैं अतिरिक्त दो हजार रुपये

दो साल से पुलिसकर्मियों को नहीं मिल पाया वीरता पुरस्कार

राकेश कुमार सिंह ● जागरण

नई दिल्ली : दिल्ली पुलिस में तैनात आइपीएस और पुलिसकर्मियों को पिछले दो साल से वीरता पुरस्कार नहीं मिल पाया है। साहसिक कार्यों के लिए हर साल 26 जनवरी व 15 अगस्त इन दो मौके पर आइपीएस से लेकर पुलिसकर्मियों को वीरता पुरस्कार दिया जाता है। इस पुरस्कार के तहत हर माह वेतन के साथ अतिरिक्त दो हजार रुपये दिए जाते हैं। इसके अलावा हवाई जहाज और रेल टिकटों में भी रियायत मिलती है और सरकारी मेडिकल व इंजीनियरिंग आदि कालेजों में बच्चों का दाखिला करवाने पर आरक्षण मिलता है। किसी रेड अथवा अन्य घटनाओं में जान जोखिम में डालकर साहसिक काम करने वाले आइपीएस व पुलिसकर्मियों को वीरता पुरस्कार दिया जाता है, लेकिन दो साल से दिल्ली पुलिस में इस प्रक्रिया पर रोक लगने से पुलिसकर्मियों में गहरा असंतोष है।

पुलिस अधिकारी का कहना है कि सैनिक बलों, अग्निशमन विभाग व राज्यों की पुलिस की कोशिश रहती है कि उनके अधिकारियों और कर्मियों को अधिक से अधिक गैलेंट्री मेडल (वीरता पुरस्कार) मिले। इससे फोर्स का मनोबल बढ़ता है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल मुख्य रूप से आतंकियों व गैंगस्टरों पर अंकुश लगाने का काम करती है। क्राइम ब्रांच भी दिल्ली पुलिस की विशेष यूनिट है। इन दोनों यूनिटों में तैनात कई आइपीएस, एसीपी व इंस्पेक्टर के अलावा निचले सभी रैंक के कर्मियों को साहसिक कार्य करने पर वीरता पुरस्कार मिलता रहा है। इन दोनों यूनिटों में तैनात एसीपी, इंस्पेक्टर व निचले रैंक के कर्मी आए दिन दिल्ली एनसीआर समेत देश भर में जाकर बड़े-बड़े आपरेशन करते हैं। अपनी जान जोखिम में डाल इन यूनिटों में तैनात कर्मी आतंकियों, बदमाशों व अन्य को पकड़ने का काम करते हैं। इसके अलावा जिला पुलिस व अन्य यूनिटों के भी कर्मियों को यह पुरस्कार मिलता था। वीरता पुरस्कार के लिए केंद्र सरकार की ओर से कोई पाबंदी नहीं है कि किसी कर्मी को अपने सर्विस में एक निर्धारित संख्या तक वीरता पुरस्कार दिया जाए। एक कर्मी को कितनी भी बार यह पुरस्कार मिल सकता है। साल में दो बार इस पुरस्कार की घोषणा की जाती है। हर साल स्पेशल सेल व क्राइम ब्रांच समेत जिले व अन्य यूनिटों से अधिकारियों व कर्मियों के नाम का चयन कर यूनिटों व जिले के डीसीपी प्रस्तावित फाइलें पुलिस मुख्यालय को भेजते थे। मुख्यालय में पुलिस आयुक्त कमेटी का गठन करते थे। आयुक्त पर निर्भर करता है कि वे किस-किस रैंक के और कितने आइपीएस को कमेटी का सदस्य बनाएं। इसके बाद कमेटी के सदस्य प्रस्तावित नामों का चयन करते थे। मुख्यालय स्तर पर नामों का चयन करने के बाद फाइलों को गृह मंत्रालय भेज दिया जाता है। हर साल 15 अगस्त व 26 जनवरी से कुछ माह पहले प्रस्तावित नामों की फाइलें गृह मंत्रालय में भेज दी जाती है। दिल्ली पुलिस से जनवरी 2024 से गैलेंट्री अवार्ड के लिए न तो मुख्यालय में कमेटी बनी न बैठक हुई और न ही नामों को गृह मंत्रालय में भेजा गया। कुछ अधिकारी जानबूझ कर फाइलों को दबाए रहे। जबकि मेरिटोरियस सर्विस की फाइलें गृह मंत्रालय को भेजी जाती रही। यह अवार्ड मुख्यरूप से आइपीएस और उनके कार्यालयों में तैनात बाबुओं को ही मिल पाता है। इसमें केवल बैच मिलता है जिसे अधिकारी अपनी वर्दी पर लगाते हैं।

दिल्ली पुलिस। फाइल

ज्वेलर पर पिस्टल तान दुकान से एक करोड़ से ज्यादा की डकैती

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दुकान में घुसते ही शटर गिराकर ज्वेलर को पीटा, फिर लूट लिए गहने व नकदी

मुस्तफाबाद इलाके के चांदबाग क्षेत्र में छह बदमाशों ने हथियारों के बल पर दिनहदाड़े एक ज्वेलर की दुकान में एक करोड़ रुपये से ज्यादा की डकैती की वारदात को अंजाम दिया। हेल्मेट लगाए तीन नकाबपोश बदमाश दुकान के अंदर घुसे, जबकि तीन बाहर पहरा दे रहे थे। दुकान में घुसते ही बदमाशों ने शटर गिराकर ज्वेलर को दबोच लिया। उन्होंने ज्वेलर की जमकर पिटाई की और उनके हाथ-पैर बांध दिए।

दो महिला ग्राहकों को डरा-धमकाकर एक तरफ कर दिया। इसके बाद बदमाशों ने दुकान से सोने-चांदी के गहने और लाखों रुपये की नकदी लूटकर दो बाइक व एक स्कूटी से फरार हो गए। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घायल ज्वेलर सादिक को इलाज के लिए जीटीबी अस्पताल में भर्ती करवाया। उनके सिर व हाथों में चोट के निशान हैं। पीड़ित का दावा है कि उनकी दुकान से करीब एक करोड़ रुपये की डकैती हुई है। पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस ने फुटेज हासिल कर उसकी मदद से बदमाशों की पहचान करने में जुट गई है।

सादिक अपने परिवार के साथ चांदबाग में रहते हैं। वह अपने पिता मुश्ताक के साथ मिलकर चांदबाग की गली नंबर-चार में ज्वेलर की दुकान किराये पर चलाते हैं। उन्होंने दुकान में कोई सुरक्षागार्ड नहीं रखा हुआ है। सादिक ने पुलिस को सूचना दी कि करीब तीन बजे अचानक तीन लोग अंदर घुसे। दो ने हेलमेट पहना हुआ था और एक ने नकाब लगाया था।

****

2020 में उत्तराखंड में हाथियों की हुई गणना में इनकी संख्या 2026 बताई गई थी। मौजूदा समय में उनकी सही संख्या का पता लगाने के लिए वन विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है।

संसद में गतिरोध के बीच सरकार का अब विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाने का प्रयास

लोस में आज राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक को पारित कराने के लिए किया गया है सूचीबद्ध

राज्यसभा के एजेंडे में मणिपुर में राष्ट्रपति शासन को छह महीने के लिए आगे बढ़ाने का प्रस्ताव

- पहलगाम आतंकी हमले और अपरेशन सिंदूर पर दो दिवसीय चर्चा को छोड़ मानसून सत्र में ठप रही है संसदीय कार्यवाही
- विहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर चर्चा के लिए सरकार की ओर से सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं, विपक्ष अपनी मांग पर अभी भी कायम

संसद के कामकाज पर रहेगी नजर।

नई दिल्ली, प्रेट्र: संसद के मानसून सत्र में चल रहे गतिरोध के बीच सरकार सोमवार को लोकसभा में एक महत्वपूर्ण खेल विधेयक को पारित कराने पर जोर दे सकती है। विपक्ष की एकजुट मांग के बावजूद बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) पर चर्चा के लिए सत्तारूढ़ गठबंधन से सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली है। लोकसभा ने राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक को विचार एवं पारित करने के लिए सूचीबद्ध किया है, जिसमें खेल निकायों के कामकाज में अधिक पारदर्शिता की परिकल्पना की गई है। वहीं राज्यसभा ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन 13 अगस्त से छह महीने के लिए बढ़ाने संबंधी गृह मंत्री अमित शाह के प्रस्ताव को पारित करने के लिए सूचीबद्ध किया है।

पहलगाम आतंकी हमले और आपरेशन सिंदूर पर दोनों सदनों में दो दिवसीय चर्चा को छोड़कर 21 जुलाई को मानसून सत्र शुरू होने के बाद से संसदीय कार्यवाही लगभग ठप रही है। बिहार में मतदाता सूची के एसआइआर का मुद्दा विपक्षी दल लगातार उठा रहे हैं। विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए इस मुद्दे पर एकजुट है और आरोप लगा रहा है कि चुनाव आयोग की इस कवायद का उद्देश्य उसके एजेंडे के प्रति सहानुभूति रखने वाले मतदाताओं को हटाना और भाजपा नीत राजग की संभावनाओं को बढ़ावा देना है।

उधर, चुनाव आयोग का कहना है कि वह राष्ट्रीय स्तर पर यह प्रक्रिया लागू करेगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि केवल पात्र मतदाताओं को ही वोट डालने की अनुमति दी जाए। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर वोट चोरी करने का आरोप लगाते हुए उसकी तीखी आलोचना की है। उधर, आयोग ने राहुल के आरोपों को पूरी तरह निराधार, अप्रमाणित और भ्रामक बताया था।

संसद में एसआइआर पर चर्चा की मांग के संबंध में सरकार द्वारा कोई ध्यान न दिए जाने के कारण विपक्ष संसद में लगातार प्रदर्शन कर रहा है, जिसके कारण बार-बार कार्यवाही स्थगित करनी पड़ रही है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजीजू ने कहा है कि विपक्ष की मांग पर निर्णय लेना दोनों सदनों के अध्यक्ष का काम है। हालांकि, उन्होंने बलराम जाखड़ के लोकसभा अध्यक्ष के कार्यकाल के दौरान के एक फैसले का हवाला देते हुए कहा कि सदन चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था के कामकाज पर बहस नहीं कर सकता। इस संबंध में एक प्रमुख सरकारी पदाधिकारी ने कहा कि यदि संसद में व्यवधान के कारण सरकार का एजेंडा बाधित होता रहा तो वह अपने प्रमुख विधेयकों को पारित कराने का प्रयास करेगी।

रिजीजू ने कहा कि एसआइआर निर्वाचन आयोग के कार्यक्षेत्र का हिस्सा है और यह पहली बार नहीं है जब निर्वाचन आयोग ऐसा कर रहा है। लोकसभा में विचार और पारित होने के लिए सूचीबद्ध एक अन्य विधेयक राष्ट्रीय डोपिंग रोधी संशोधन विधेयक है।

विपक्षी दलों के लगातार जारी विरोध और प्रदर्शन को देखते हुए यह संदिग्ध ही लगता है कि सोमवार से भी संसदीय कार्यवाही सुचारू रूप से चल पाएगी। आइएनडीआइए के घटक दल खासतौर पर राजद और कांग्रेस के तेवर चुनाव आयोग के कामकाज को लेकर तीखे बने हुए हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से अलग- अलग मिले पीएम मोदी और गृह मंत्री शाह

राष्ट्रपति भवन में रविवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से भेंट करते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। प्रेट्र

राष्ट्रपति भवन में रविवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से भेंट करते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह। एएनआइ

नई दिल्ली, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से अलग-अलग मुलाकात की। राष्ट्रपति से प्रधानमंत्री की मुलाकात के घंटे भर के भीतर अमित शाह राष्ट्रपति से मिले। इन बैठकों को लेकर अधिक जानकारी अभी नहीं दी गई है। इन मुलाकातों को लेकर राष्ट्रपति भवन से एक्स पर दो पोस्ट किए गए हैं।

गृह मंत्री ने भी राष्ट्रपति से अपनी मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए एक्स पर लिखा, राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु जी से मुलाकात की, हालांकि, प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से अभी तक कोई बयान नहीं आया है।

- संसद में गतिरोध, विहार मतदाता सूची जैसे मसलों के वीच घंटे भर के अंदर दोनों नेताओं ने की मुलाकात

गौरतलब है कि हाल ही में ब्रिटेन और मालदीव की यात्रा के बाद प्रधानमंत्री की राष्ट्रपति के साथ यह पहली बैठक थी। दोनों नेताओं की राष्ट्रपति से मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर चर्चा की मांग को लेकर संसद में सरकार और विपक्ष के बीच गतिरोध बना हुआ है।

इन सबके बीच, लोकसभा ने पिछले सप्ताह मणिपुर में राष्ट्रपति शासन को छह महीने के लिए बढ़ाने को मंजूरी दे दी, जबकि राज्यसभा में अभी इस प्रस्ताव पर चर्चा होनी बाकी है। मणिपुर में 13 फरवरी को राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था।

प्रधानमंत्री की राष्ट्रपति के साथ मुलाकात अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत से निर्यात पर 25 प्रतिशत टैरिफ और नई दिल्ली द्वारा रूसी सैन्य उपकरणों और तेल की खरीद के कारण अनिर्धारित पेनाल्टी की घोषणा के कुछ ही दिन बाद हुई है। जगदीप धनखड़ द्वारा 21 जुलाई को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के लगभग दो सप्ताह बाद प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने राष्ट्रपति से मुलाकात की है। उपराष्ट्रपति का चुनाव नौ सितंबर को होगा।

महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की रक्षा में तैनात सीआइएसएफ में होंगे 2.20 लाख जवान

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- गृह मंत्रालय ने दी अर्धसैनिक वल में जवानों की संख्या वढ़ाने की अनुमति
- अगले पांच वर्षों तक हर साल लगभग 14 हजार जवानों की होगी नियुक्ति

प्रतीकात्मक

देश में पिछले एक दशक के दौरान तेज आर्थिक विकास के साथ-साथ सीआइएसएफ की अहमियत भी बढ़ती जा रही है। 2014 में सीआइएसएफ में एक लाख आठ हजार जवान थे, जिनकी संख्या बढ़कर एक लाख 62 हजार हो चुकी है। गृह मंत्रालय ने अब इसे बढ़ाकर दो लाख 20 हजार करने की अनुमति दे दी है। इसके लिए सीआइएसएफ ने अगले पांच वर्षों तक हर साल लगभग 14 हजार जवानों की नियुक्ति की योजना बनाई है।

सीआइएसएफ का गठन देश के औद्योगिक, सामरिक, हवाई अड्डों, मेट्रो और परमाणु प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए किया गया था। बाद में अर्थव्यवस्था में अहम योगदान करने वाली निजी क्षेत्र की इकाइयों को भी इसमें शामिल कर लिया गया। यही नहीं, संसद भवन के भीतर रंगीन धुआं छोड़ने की घटना के बाद पूरे संसद परिसर की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी सीआइएसएफ के हवाले कर दी गई है। जाहिर है सुरक्षा की बढ़ती मांग के साथ-साथ सीआइएसएफ की क्षमता बढ़ाने की जरूरत पड़ती गई। जवानों की बढ़ी हुई संख्या के आधार पर सीआइएसएफ ने एक नया रिजर्व बटालियन बनाने का फैसला किया है।

एक तरफ सीआइएसएफ में जवानों की संख्या में तेज बढ़ोतरी हो रही है, तो वहीं आपरेशन सिंदूर के बाद उसके जवानों को पूरी तरह से युद्ध के तैयार भी किया जा रहा है। इस सिलसिले में सेना द्वारा सीआइएसएफ के जवानों की ट्रेनिंग भी शुरू की गई है।

ऊधमपुर में दो चरणों में बनेगा हवाई अड्डा

राज्य ब्यूरो, जागरण ● जम्मू

- पहले चरण में जम्मू एयरफोर्स स्टेशन से संचालित होंगे छोटे विमान
- दूसरे चरण में एयरफोर्स स्टेशन के वाहर वनाया जाएगा सिविल एन्क्लेव

जितेंद्र सिंह। फाइल

सेना की उत्तरी कमान मुख्यालय ऊधमपुर में दो चरणों में सिविल एयरपोर्ट बनाया जाएगा। यह फैसला केंद्रीय मंत्री डा. जितेंद्र सिंह की नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू, केंद्रीय नागरिक उड्डयन सचिव समीर के सिन्हा व एयरपोर्ट अथारिटी आफ इंडिया के सदस्यों के साथ हुई बैठकों में लिया गया। यह जानकारी डा. जितेंद्र सिंह ने रविवार को नई दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत के दौरान दी।

ऊधमपुर एयरफोर्स स्टेशन से नागरिक उड़ान संचालन करने के प्रयास शुरू हो गए हैं। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने क्षेत्र का निरीक्षण करने के बाद एक नया एविएशन एन्क्लेव बनाने की दिशा में प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस परियोजना के पहले चरण में एयरफोर्स स्टेशन के मौजूदा परिसर में सिविल उड़ान संचालन शुरू किया जाएगा। इसके लिए भारतीय वायुसेना ने एक टर्मिनल भवन बनाने के लिए 2,200 वर्ग मीटर भूमि आवंटित करने की सहमति दी है। फिलहाल छोटे विमानों के संचालन से इसमें 150 यात्रियों को संभालने की क्षमता होगी। इस एयरपोर्ट से एटीआर-72 या क्यू 400 तरह के विमान उड़ सकेंगे। वहीं दूसरे चरण में एयरफोर्स स्टेशन के बाहर एक स्थायी सिविल एन्क्लेव बनाया जाएगा। इसके लिए लगभग 27.6 एकड़ भूमि की पहचान की गई है।

प्रस्तावित एन्क्लेव में एयरबस ए-321 जैसे बड़े विमानों के लिए एक नया टर्मिनल, टैक्सीवे व नागरिक उड्डयन संबंधी बुनियादी ढांचा उपलब्ध होगा।

डा. जितेंद्र सिंह के संसदीय क्षेत्र में इससे पहले किश्तवाड़ में सुदूर पहाड़ी क्षेत्र में हवाई संपर्क को बढ़ाने के लिए उड़ान योजना के एयरपोर्ट बनाने का फैसला हुआ था। यह कदम केंद्रीय मंत्री डा. जितेंद्र सिंह के इस दिशा में निरंतर प्रयासों के बाद उठाया गया है। वह पिछले काफी समय से यह मुद्दा उठाते आ रहे थे। नागरिक उड्डयन मंत्रालय से यह मुद्दा उठाने से पहले जितेन्द्र सिंह ने जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के साथ भी इस मुद्दे पर चर्चा करने के साथ उन्हें आधिकारिक तौर पर पत्र लिखा था। इसके साथ उन्होंने भारतीय वायुसेना के अधिकारियों व जिला प्रशासन से भी बात की थी। केंद्रीय मंत्री डा. जितेंद्र सिंह के ऊधमपुर-डोडा संसदीय क्षेत्र में नागरिक उड्डयन क्षेत्र में यह दूसरी बड़ी पहल होगी।

ऊधमपुर सिविल एन्क्लेव परियोजना से जम्मू-कश्मीर के इस हिस्से में निवासियों और पर्यटकों दोनों के लिए कनेक्टिविटी में सुधार होने की उम्मीद है, जबकि जम्मू हवाई अड्डे पर दबाव भी कम होगा। यह परियोजना क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण विकास होगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में मदद करेगी।

विदेशी संस्थानों से जुड़े कोर्सों का झांसा देने वाले संस्थानों से रहें सचेत

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- यूजीसी ने किया सतर्क, कहा, जांच-परखकर ही दाखिला लें
- ऐसे कोर्स चलाने वाले संस्थानों को भी दी कड़ी कार्रवाई की चेतावनी

उच्च शिक्षण संस्थानों में नए शैक्षणिक सत्र को लेकर चल रही प्रवेश प्रक्रिया के बीच विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने छात्रों व अभिभावकों को विदेशी संस्थानों से जुड़े कोर्सों में दाखिला करवाने का झांसा देने वाले शैक्षणिक संस्थानों से सचेत किया है। कहा है कि छात्र जांच-परखकर ही इनमें प्रवेश लें। साथ ही यूजीसी की वेबसाइट और संस्थान का विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ हुए करार को भी ठीक तरीके से जांच लें।

यूजीसी ने छात्रों और अभिभावकों को विदेशी कोर्सों में दाखिला लेने के लिए जरूरी सतर्कता बरतने की सलाह तब दी है, जब उसकी जानकारी में कुछ ऐसे शैक्षणिक संस्थान आए हैं, जो विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ करार के तहत बगैर यूजीसी की अनुमति के ही इन कोर्सों में दाखिला दे रहे थे। यूजीसी ने साफ किया है कि बगैर उसकी अनुमति के कोई भी संस्थान किसी भी विदेशी विश्वविद्यालय से समझौता करके किसी भी कोर्स का संचालन नहीं कर सकता है। यदि वह ऐसा करता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई भी होगी।

यूजीसी के मुताबिक शैक्षणिक क्षेत्र से जुड़ी कुछ तकनीकी कंपनियों की ओर से विज्ञापन जारी करके विदेशी विश्वविद्यालयों से जुड़े आनलाइन कोर्स शुरू करने का भी दावा किया गया था, जो पूरी तरह से गलत है। ऐसे सभी संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। छात्रों-अभिभावकों से भी कहा है कि यदि ऐसी कोई जानकारी उन्हें मिले तो उसे सूचित करें।

सोनाली मिश्रा आरपीएफ के 143 साल के इतिहास में पहली महिला महानिदेशक

नई दिल्ली, जागरण न्यूज नेटवर्क

- पेशेवर दक्षता, समर्पण और नेतृत्व क्षमता के लिए पहचानी जाती हैं सोनाली
- कोसोवो में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन में भी कार्य करने का है अंतरराष्ट्रीय अनुभव

सोनाली मिश्रा। फाइल

वरिष्ठ आइपीएस अधिकारी सोनाली मिश्रा 31 जुलाई को रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की पहली महिला महानिदेशक बनीं। वह 1993 बैच की मध्य प्रदेश कैडर की भारतीय पुलिस सेवा (आइपीएस) अधिकारी रही हैं। गौरतलब बात है कि इसी साल मई के महीने में भोपाल में राज्य स्तरीय महिला सशक्तीकरण महासम्मेलन में आयोजित किया गया था। इस मौके पर सुरक्षा की जिम्मेदारी महिला अफसरों के हाथ में सौंपी गई थी। कार्यक्रम में आइपीएस सोनाली मिश्रा को बड़ी जिम्मेदारी देते हुए पीएम नरेंद्र मोदी की सुरक्षा का जिम्मा दिया गया था, जिसको उन्होंने बखूबी निभाया था। सोनाली मिश्रा के नेतृत्व में छह से अधिक महिला आइपीएस अधिकारियों ने भोपाल में मुस्तैदी के साथ अपनी सेवाएं दी थीं।

कार्मिक मंत्रालय द्वारा जारी एक आदेश में कहा गया है कि कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने मिश्रा की 31 अक्टूबर, 2026 को उनकी सेवानिवृत्ति तक इस पद पर नियुक्ति को मंजूरी दी है। रेल मंत्रालय ने बयान में बताया कि यह आरपीएफ के 143 साल के इतिहास में पहली बार है जब किसी महिला को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने वर्तमान महानिदेशक मनोज यादव से पदभार ग्रहण किया, जो 31 जुलाई को सेवानिवृत्त हुए थे। वह इससे पहले मध्य प्रदेश पुलिस में अतिरिक्त महानिदेशक (चयन) के पद पर तैनात थीं। अपनी पेशेवर दक्षता, समर्पण और नेतृत्व क्षमता के लिए पहचानी जाने वाली सोनाली मिश्रा के पास तीन दशकों से अधिक का कार्यानुभव है। इससे पहले वह अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (चयन/भर्ती) के साथ-साथ पुलिस प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल और मध्य प्रदेश पुलिस अकादमी, भोपाल की निदेशक का अतिरिक्त प्रभार संभाल चुकी हैं।

सोनाली मिश्रा केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआइ), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) में भी अपनी सेवाएं दे चुकी हैं। उन्हें कोसोवो में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन में भी कार्य करने का अंतरराष्ट्रीय अनुभव है। उन्हें राष्ट्रपति पुलिस पदक और विशिष्ट सेवा के लिए पुलिस पदक से सम्मानित किया जा चुका है। यह पुरस्कार उनकी उत्कृष्टता और पेशेवर प्रतिबद्धता को मान्यता देते हैं।

शाकाहारी और मांसाहारी की तरह स्वदेशी का भी लोगो लगाने की तैयारी

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया ● भोपाल : खाने-पीने की कोई भी चीज खरीदने के पहले हम देखते हैं कि पैकेट पर शाकाहार का प्रतीक हरा चिह्न बना है या मांसाहार का लाल। इसी तरह स्वदेशी उत्पादों का प्रमाणन कर कोई लोगो लगाने पर विचार चल रहा है। इससे उपभोक्ता को यह आसानी से समझ आ जाएगा कि वस्तु स्वदेशी है। स्वदेशी जागरण मंच उत्पादकों, व्यापारिक संगठनों और सरकारी एजेंसियों से बात कर प्रमाणीकरण के लिए यह काम करने की तैयारी में है। मंच के राष्ट्रीय संगठक कश्मीरी लाल ने रविवार को भोपाल में विश्व संवाद केंद्र में पत्रकारों से बातचीत में यह बात कही।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक दिन पहले ही काशी की आमसभा में स्वदेशी अपनाने पर जोर दिया है। अब मंच भी आम लोगों को जागरूक करने के लिए नई रणनीति के साथ काम करेगा। देशभर में अभियान चलाया जाएगा। मंच भारत छोड़ो दिवस (नौ अगस्त) के संदर्भ में आठ और 10 अगस्त को प्रदेश भर में विदेशी वस्तुओं की होली जलाएगा।

संरक्षण के लिए ताजमहल के गुंबद व कलश की सीबीआरआइ ने की थर्मल स्कैनिंग

जागरण संवाददाता, आगरा

- टीम ने स्मारक में किया प्राथमिक अध्ययन, एक सप्ताह में आएगी रिपोर्ट
- सितंवर, 2024 में लगातार वर्षा होने पर टपका था छत और गुंवद से पानी

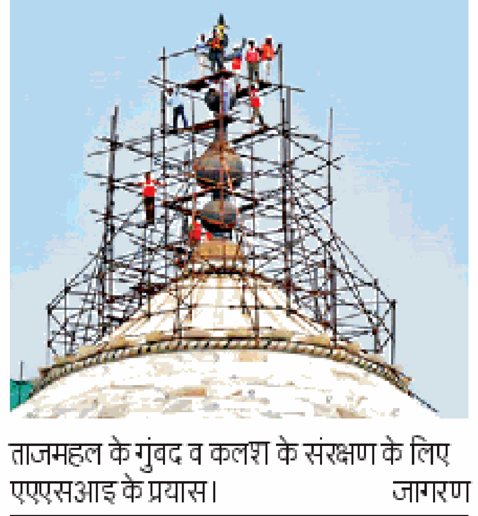

ताजमहल के गुंबद व कलश के संरक्षण के लिए एएसआइ के प्रयास। जागरण

केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीबीआरआइ), रुड़की ने ताजमहल में मुख्य मकबरे के गुंबद व कलश (पिनेकल) की थर्मल स्कैनिंग की है। सीबीआरआइ एक सप्ताह में ताजमहल के गुंबद व कलश में हुए पानी के रिसाव पर अपनी रिपोर्ट देगा। इसके आधार पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) संरक्षण को आवश्यक कदम उठाएगा। सीबीआरआइ को स्मारक की स्थिरता की जांच के लिए भी विस्तृत अध्ययन करना है। इससे पूर्व उसने वर्ष 2015 में थ्री-डी लेजर स्कैनिंग की थी, जिससे कि भविष्य में स्मारक में किसी तरह का बदलाव होने पर तैयार डाक्यूमेंट से सटीक जानकारी उपलब्ध हो सके।

सीबीआरआइ की टीम दो दिवसीय दौरे पर आगरा आई थी। टीम ने गुरुवार को ताजमहल में निरीक्षण कर प्रत्येक भवन को देखा था। अत्यधिक वर्षा की वजह से टीम मुख्य मकबरे की छत पर नहीं जा सकी थी। शुक्रवार को टीम के दो सदस्य एएसआइ के अधिकारियों के साथ मुख्य मकबरे की छत पर गए। मुख्य मकबरे के गुंबद और कलश की थर्मल स्कैनिंग उन्होंने की। यह प्राथमिक अध्ययन बताया जा रहा है। सीबीआरआइ पूरे मकबरे की स्थिरता की जांच बाद में करेगा। वर्ष 2024 में 10 से 12 सितंबर तक आगरा में निरंतर वर्षा होने पर मुख्य मकबरे में शाहजहां व मुमताज की कब्रों वाले कक्ष में पानी टपका था। तब एएसआइ ने ड्रोन कैमरे से ताजमहल के कलश की थर्मल इमेज ली थीं, जिनमें कलश में पानी नजर आया था। इसके साथ ही लाइट डिटेक्शन एंड रेंजिंग (लिडार) तकनीक से जांच की गई थी। इसमें गुंबद व मकबरे की छत में दो जगह से पानी के रिसाव की जानकारी मिली थी। तब गुंबद के पत्थरों पर टीप (प्वाइंटिंग) का काम किया गया था। सहायक पुरातत्व अधीक्षण अभियंता सुरेश कुमार ने बताया सीबीआरआइ को पूरे मकबरे की स्थिरता की जांच को अध्ययन करना है। गुंबद व कलश की जांच की रिपोर्ट एक सप्ताह में आ जाएगी।

ताजमहल के गुंबद के संरक्षण का काम आठ दशक से अधिक समय के बाद करीब 78 लाख रुपये की लागत से किया जा रहा है। इससे पूर्व वर्ष 1941-42 में ताजमहल के गुंबद के संरक्षण का काम किया गया था।

उत्तराखंड का मामला

उत्तराखंड में भारतीय वन्यजीव संस्थान के सहयोग से नवंबर में होगी हाथी गणना, गणना में कौन-कौन सी तकनीकी अपनाई जाएगी इसे लेकर जल्द होगा निर्णय

हाथी गणना में हो सकता है ड्रोन व सेटेलाइट इमेजरी का उपयोग

राज्य ब्यूरो, जागरण ● देहरादून

- हाथी गणना में साफ होगा कि उत्तराखंड में गजराज का कुनवा वढ़ा अथवा घटा

इन क्षेत्रों में है हाथियों की उपस्थिति

कार्बेट टाइगर रिजर्व, राजाजी टाइगर रिजर्व के अलावा देहरादून, लैंसडौन, कालसी, हरिद्वार, नरेंद्रनगर, तराई पूर्वी, तराई केंद्रीय, रामनगर, हल्द्वानी, तराई पश्चिमी व चंपावत वन प्रभाग।

प्रतीकात्मक

उत्तराखंड में हाथी

गणना वर्ष	संख्या
2020	2026
2017	1839
2015	1797
2012	1559
2007	1346

उत्तराखंड में यमुना से लेकर शारदा नदी तक दो टाइगर रिजर्व और 11 वन प्रभागों के 6643 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में विस्तार लिए हाथियों के बसेरे में इनकी गणना को कसरत शुरू हो गई है। भारतीय वन्यजीव संस्थान के सहयोग से नवंबर में होने वाली हाथी गणना में इस बार ड्रोन व सेटेलाइट इमेजरी का उपयोग भी किया जा सकता है। राज्य के मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक आरके मिश्र के अनुसार गणना में कौन-कौन सी तकनीकी अपनाई जाएगी, इसे लेकर मंथन चल रहा है। जल्द ही, भारतीय वन्यजीव संस्थान के विज्ञानियों के साथ बैठक कर इस बारे में निर्णय लिया जाएगा। गणना में यह भी साफ होगा कि उत्तराखंड में हाथियों के कुनबे में इजाफा हुआ है या कमी आई है। यद्यपि, हाथी बहुल क्षेत्रों में जैसी स्थिति है, उसमें इनकी संख्या बढ़ने की संभावना है।

उत्तराखंड में पिछली हाथी गणना वर्ष 2020 में हुई थी। तब यहां हाथियों की संख्या 2026 आंकी गई थी। अब नई गणना के लिए वन विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। गणना में हाथियों की संख्या का सटीक अनुमान लगाने के लिए विभिन्न तकनीकों का उपयोग किया जाता है। इनमें प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष गणना के साथ ही कुछ जगह ड्रोन व सेटेलाइट इमेजरी का भी इस्तेमाल शामिल है। प्रत्यक्ष गणना में हाथी बहुल क्षेत्रों में ग्रिड बनाकर एक साथ एक समय पर उन्हें देखकर गिनती की जाती है। अप्रत्यक्ष गणना में हाथियों के पदचिह्न, मल के नमूनों के आंकड़ों का अध्ययन कर संख्या का अनुमान लगाया जाता है। यह विधि उन क्षेत्रों में अपनाई जाती है, जहां हाथियों को प्रत्यक्ष देखना कठिन होता है। इसके अलावा ड्रोन व सेटेलाइट इमेजरी का उपयोग कर हाथियों की गिनती के साथ ही उनके आवास स्थलों की स्थिति को भी देखा जाता है। डीएनए प्रोफाइलिंग व कैमरा ट्रैप जैसी तकनीकी का इस्तेमाल भी विज्ञानी करते हैं। उत्तराखंड में हाथी गणना में कौन-कौन सी तकनीकी का उपयोग किया जाएगा, इसे लेकर अभी मंथन चल रहा है। जल्द ही इस संबंध में तस्वीर साफ होगी।

कह कर रहेंगे माधव जोशी

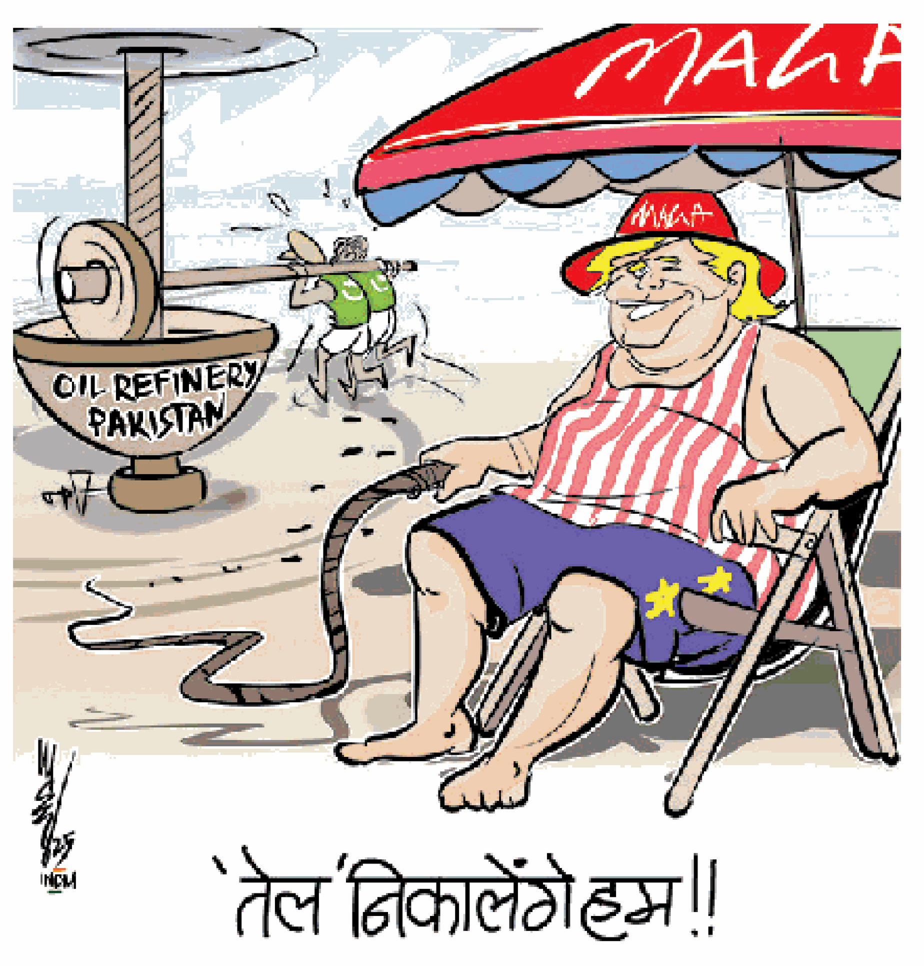

****

1.60 लाख से अधिक बूथ लेवल एजेंट हैं बिहार में वर्तमान में। सबसे अधिक भाजपा के लगभग 53 हजार, आरजेडी के 47 हजार, जेडीयू के 36 हजार, कांग्रेस के 17 हजार और अन्य आठ राष्ट्रीय व राज्य पार्टियों के एजेंट शामिल हैं

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 4 अगस्त, 2025

'बिहार में एसआइआर को तमिलनाडु से जोड़ना बेतुका'

चुनाव आयोग ने कहा– चिदंबरम का दावा भ्रामक, एसआइआर के संबंध में गलत जानकारी न फैलाएं नेता

चिदंबरम का दावा, तमिलनाडु में जोड़े गए करीब 6 .5 लाख प्रवासी मतदाता

पी. चिदंबरम फाइल

नई दिल्ली, एएनआइ: मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम के दावों का खंडन करते हुए चुनाव आयोग ने रविवार को कहा कि पूर्व वित्त एवं गृह मंत्री द्वारा तमिलनाडु में "प्रवासी मतदाताओं" को शामिल करने के दावे भ्रामक और निराधार हैं। आयोग ने कहा कि बिहार में एसआइआर की कवायद को तमिलनाडु से जोड़ना बेतुका है।

आयोग ने. चिदंबरम के इस दावे का जवाब दिया कि तमिलनाडु की मतदाता सूची में लगभग 6.5 लाख प्रवासी कामगारों के नाम जोड़े गए हैं। तमिलनाडु में 6.5 लाख मतदाताओं के नामांकन के बारे में झूठे आंकड़े प्रसारित किए जा रहे हैं। आयोग ने एक्स पर पोस्ट में कहा, "राष्ट्रीय स्तर पर चुनाव आयोग द्वारा की जा रही एसआइआर की कवायद के संबंध में नेताओं को गलत जानकारी फैलाने की कोई जरूरत नहीं है। चुनाव आयोग के संज्ञान में आया है कि इस प्रक्रिया में बाधा डालने के उद्देश्य से मीडिया में जानबूझकर ऐसी जानकारी फैलाई जा रही है। जहां तक बिहार से स्थायी रूप से दूसरे राज्यों में स्थानांतरित हो चुके और सामान्य रूप से उन राज्यों के निवासी मतदाताओं का सवाल है, तो सटीक आंकड़े एसआइआर प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही पता चल पाएंगे।"

आयोग ने कहा कि अभी तक तमिलनाडु में एसआइआर प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है। इसलिए बिहार में एसआइआर की कवायद को तमिलनाडु से जोड़ना बेतुका है। आयोग ने यह भी कहा कि मूल रूप से तमिलनाडु का निवासी, लेकिन सामान्य रूप से दिल्ली का व्यक्ति, दिल्ली में मतदाता के रूप में पंजीकृत होने का हकदार है। इसी प्रकार, मूल रूप से बिहार का निवासी, लेकिन सामान्यतः चेन्नई में रहने वाला चेन्नई में मतदाता के रूप में पंजीकृत होने का हकदार है।

इससे पहले दिन में चिदंबरम ने तमिलनाडु की मतदाता सूची में लगभग 6.5 लाख प्रवासी कामगारों के नाम जोड़े जाने की रिपोर्टों को लेकर चुनाव आयोग की आलोचना की थी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में लिखा, "एसआइआर की यह कवायद और भी ज्यादा अजीब होती जा रही है। जहां बिहार में 65 लाख मतदाताओं के मताधिकार से वंचित होने का खतरा है, वहीं तमिलनाडु में 6.5 लाख लोगों को मतदाता के रूप में जोड़ने की खबरें चिंताजनक और स्पष्ट रूप से अवैध हैं। उन्हें स्थायी रूप से प्रवासी कहना प्रवासी कामगारों का अपमान है और तमिलनाडु के मतदाताओं के अपनी पसंद की सरकार चुनने के अधिकार में घोर हस्तक्षेप है। प्रवासी कामगार राज्य विधानसभा चुनाव में मतदान करने के लिए बिहार (या अपने गृह राज्य) क्यों नहीं लौट सकते, जैसा वे आमतौर पर करते हैं? क्या छठ पूजा के समय प्रवासी कामगार बिहार नहीं लौटते? मतदाता के रूप में नामांकित होने के लिए किसी व्यक्ति का एक निश्चित और स्थायी कानूनी घर होना जरूरी है। प्रवासी कामगारों का बिहार (या किसी अन्य राज्य) में ऐसा घर है। वह तमिलनाडु में मतदाता के रूप में कैसे नामांकित हो सकते हैं? यदि प्रवासी कामगार के परिवार का बिहार में स्थायी घर है और वह बिहार में रहता है, तो प्रवासी कामगार को तमिलनाडु में स्थायी रूप से प्रवासित कैसे माना जा सकता है?"

तेजस्वी ने दिखाया फर्जी ईपिक नंबर, कैसे बने दो वोटर कार्ड : भाजपा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- भाजपा प्रवक्ता पात्रा ने दस्तावेज दिखाते हुए राजद नेता को घेरा, कहा– चुनावी हलफनामे में दूसरा ईपिक नंबर

ईपिक नंबर दिखाकर इलेक्टोरल रोल में नाम न होने का दावा करते हुए चुनाव आयोग की मतदाता सघन पुनरीक्षण (एसआइआर) प्रक्रिया पर सवाल उठाने वाले राजद नेता तेजस्वी यादव खुद सवालों में घिर गए हैं। भाजपा ने कुछ दस्तावेज दिखाते हुए दावा किया है कि तेजस्वी ने गत दिवस मीडिया के सामने जो ईपिक नंबर दिखाया, वह फर्जी था। उनके वर्ष 2020 के चुनावी हलफनामे में जो ईपिक नंबर दर्ज है, उसी नंबर पर वर्तमान में इलेक्टोरल रोल में उनका नाम दर्ज है। भाजपा सांसद व प्रवक्ता डा. संबित पात्रा ने सवाल उठाया कि तेजस्वी के दो वोटर कार्ड कैसे बन गए? उन्होंने एसआइआर का विरोध कर रहे कांग्रेस को भी आड़े हाथों लेते हुए सवाल उठाया कि जब राजद के बड़े नेता दो-दो ईपिक नंबर दिखा रहे हैं तो क्या बूथ लूटने वाले कांग्रेस और राजद के लोगों ने भी दो-दो वोटर आइडी कार्ड बनवा रखे हैं?

भाजपा प्रवक्ता ने रविवार को कहा कि राजद नेता तेजस्वी यादव द्वारा चुनाव आयोग की हालिया इलेक्टोरल रोल में उनका नाम न होने को लेकर झूठ बोला गया, उसका राजफाश हो चुका है। उन्होंने दावा किया कि बिहार में प्रेसवार्ता के दौरान जो ईपिक नंबर तेजस्वी यादव ने सार्वजनिक रूप से दिया, वह था– आरएबी 2916120, जिसे वेबसाइट पर डालकर दिखाया और कहा कि इस पर कहीं भी उनका नाम नहीं आ रहा है अर्थात उनका नाम काट दिया गया है। डा. संबित पात्रा ने कहा कि चुनाव आयोग और पटना के रिटर्निंग आफिसर डा. त्यागराजन ने पूरे मामले की सच्चाई सामने लाते हुए स्पष्ट किया है कि तेजस्वी यादव झूठ बोल रहे हैं। उनका नाम भी इलेक्टोरल रोल में दर्ज है और उनका ईपिक नंबर भी मौजूद है।

मप्र में भाजपा से मुकाबले को हर जिले में पांच प्रभारी तैनात करेगी कांग्रेस

वैभव श्रीधर ● नईदुनिया

- जिला, विधानसभा, मतदाता सूची, समन्वय और चुनाव प्रबंधन के लिए प्रभारी होंगे नियुक्त

भोपाल : मध्य प्रदेश में भाजपा संगठन का ढांचा ग्राम स्तर तक बना हुआ है और उससे मुकाबले के लिए कांग्रेस अपने संगठन की कमजोरी दूर करने पर सर्वाधिक ध्यान दे रही है। इसके तहत अब प्रत्येक जिले में पांच प्रभारी नियुक्त करने की तैयारी है। यह काम एक माह के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। पार्टी अब पंचायत और वार्ड स्तर पर इकाइयां गठित करने जा रही है। वहीं, संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत जिला अध्यक्षों की नियुक्तियां भी इसी माह की जाएंगी। इसके ठीक बाद ब्लाक अध्यक्ष बड़े पैमाने पर बदले जाएंगे।

> इस साल संगठन का विस्तार ग्राम और वार्ड स्तर तक हो जाएगा। अगस्त में अधिकतर नियुक्तियां हो जाएंगी। पंचायत और वार्ड स्तर की जो नई इकाइयां गठित होंगी उनके अध्यक्षों को जिलों में ही प्रशिक्षित कराया जाएगा। 2026 से मिशन 2028 (विधानसभा चुनाव) और 2029 (लोकसभा चुनाव) की तैयारी में एक साथ पूरी टीम जुटेगी।
> – संजय कामले, संगठन महामंत्री, मध्य प्रदेश कांग्रेस

प्रदेश में चुनाव का क्रम वर्ष 2027 से प्रारंभ होगा। सबसे पहले नगरीय निकाय और त्रिस्तरीय पंचायतराज संस्थाओं के चुनाव होंगे। नगरीय निकाय के चुनाव दलीय आधार पर होते हैं और प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए माहौल बनाने के साथ दलों की स्थिति की आकलन करने के लिहाज से महत्वपूर्ण होते हैं। कांग्रेस पिछले चुनावों से सबक लेते हुए सबसे पहले संगठन को सशक्त बनाने का लक्ष्य रखते हुए वर्ष 2025 को संगठन वर्ष के तौर पर मना रही है।

पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर विदिशा में वरिष्ठ नेताओं को भेजकर जहां संगठन की स्थिति का आकलन कराया, वहीं पंचायत और वार्ड स्तर पर गठित की जाने वाली समितियों की रूपरेखा तय की। हर जिले में निर्वाचन आयोग से जुड़े कामों के लिए भी एक पदाधिकारी तैनात होगा। इसके साथ ही पार्टी जिले में जिला, चुनाव प्रबंधन, विधानसभा, मतदाता सूची और समन्वय के लिए प्रभारी नियुक्त करेगी। सबकी अलग-अलग भूमिका रहेगी। जिला प्रभारी पूरे संगठन का काम देखेगा तो चुनाव प्रबंधन प्रभारी का काम बूथ लेवल एजेंट बनाने से लेकर मतदाता सूची के काम की निगरानी का रहेगा। इसके लिए प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र का एक प्रभारी रहेगा। सभी संगठनों के बीच जिले में बेहतर समन्वय हो, इसका जिम्मा एक अलग प्रभारी को दिया जाएगा।

बिहार की ड्राफ्ट मतदाता सूची पर किसी दल को कोई आपत्ति नहीं!

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- हालांकि राज्य में मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण को लेकर विरोध कर रहा है विपक्ष
- आम मतदाता सतर्क, अब तक 941 लोगों ने व्यक्तिगत रूप से दर्ज कराई आपत्तियां

प्रतीकात्मक

बिहार में मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआइआर) को लेकर विपक्षी राजनीतिक दलों द्वारा उठाए जा रहे सवालों के बीच बिहार की ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी होने के 48 घंटे बाद भी किसी भी दल ने अभी तक कोई आपत्ति दर्ज नहीं कराई है। यह स्थिति तब है जब चुनाव आयोग उनकी आपत्तियों को सुनने और जांचने के लिए राह देख रहा है। आयोग ने ड्राफ्ट मतदाता सूची को अंतिम रूप देने के लिए एक महीने यानी एक सितंबर तक का समय निर्धारित किया है। इस दौरान यदि किसी को सूची में कोई गड़बड़ी नजर आती है तो वह आपत्ति दर्ज करा सकता है। आयोग का दावा है कि वह प्राप्त आपत्तियों का समाधान सात दिनों के भीतर करेगा।

रविवार को चुनाव आयोग द्वारा जारी किए गए ब्यौरे के अनुसार, एक अगस्त को तीन बजे ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी होने के बाद से अब तक राजनीतिक दलों की ओर से कोई भी आपत्ति नहीं आई है। हालांकि, आम मतदाता इस मामले में अधिक सक्रिय नजर आ रहे हैं। अब तक 941 व्यक्तियों ने ड्राफ्ट सूची से संबंधित विभिन्न खामियों के खिलाफ आपत्तियां दर्ज कराई हैं। आयोग ने आश्वासन दिया है कि सभी प्राप्त आपत्तियों का समाधान वह निर्धारित समय में करेगा। यदि कोई व्यक्ति इस प्रक्रिया से संतुष्ट नहीं होता है तो वह जिला निर्वाचन अधिकारी और राज्य निर्वाचन अधिकारी के पास अपील कर सकता है। इस बीच, आयोग ने यह भी बताया है कि राज्य में एक अक्टूबर तक 18 वर्ष की आयु पूरी कर रहे 4,374 युवाओं ने मतदाता सूची में अपना नाम शामिल करने के लिए आवेदन किया है।

आयोग द्वारा साझा एक सूची में बताया गया है कि बिहार में 1.60 लाख से अधिक बूथ लेवल एजेंट हैं। सबसे अधिक भाजपा के 53 हजार, आरजेडी के 47 हजार, जेडीयू के 36 हजार, कांग्रेस के 17 हजार और अन्य आठ राष्ट्रीय व राज्य पार्टियों के एजेंट शामिल हैं।

चुनाव आयोग ने सभी राजनीतिक दलों से आग्रह किया है कि वे ड्राफ्ट मतदाता सूची के संबंध में निर्धारित समय में अपनी आपत्तियां दर्ज कराएं ताकि बाद में किसी प्रकार का भ्रम न फैल सके। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र और कर्नाटक में हुए मतदाता सूची के पुनरीक्षण के दौरान राजनीतिक दलों को आपत्ति दर्ज कराने का अवसर दिया गया था, लेकिन महाराष्ट्र में केवल 90 आपत्ति मिली थीं जबकि कर्नाटक में एक भी आपत्ति नहीं आई थी। वहीं, चुनाव परिणामों के बाद हार का ठीकरा मतदाता सूची की गड़बड़ियों और चुनाव आयोग पर फोड़ दिया गया था।

बंगाल : अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में बीएलए की कमी से जूझ रही भाजपा

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता : बिहार की तरह बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) कार्य शुरू करने से पहले चुनाव आयोग ने हाल में राज्य के सभी मान्यताप्राप्त राजनीतिक दलों से प्रत्येक बूथों के लिए बूथ स्तरीय एजेंटों (बीएलए) की सूची मांगी है। लेकिन राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी भाजपा के सभी बूथों पर उनके एजेंट नहीं हैं। विशेषकर अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में बूथ लेवल एजेंटों की भारी कमी से पार्टी जूझ रही है। उन क्षेत्रों में हजारों ऐसे बूथ हैं जहां पार्टी की न तो अभी तक कोई बूथ समिति और न ही कोई संगठन है। ऐसे में पार्टी क्या करेगी, इसको लेकर राजनीतिक चर्चा शुरू हो गई है। वर्तमान में, राज्य में कुल बूथों की संख्या 81 हजार से ज्यादा है। इनमें से 18 हजार बूथों पर मुस्लिम मतदाताओं की बहुलता है। नतीजतन, भाजपा के पास वहां संगठन मजबूत नहीं है। हाल में नए प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालने वाले शमिक भट्टाचार्य ने भी इस बात को स्वीकार किया था। वहीं, बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने चुनाव आयोग से बिहार की तरह राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) का कार्य जल्द शुरू करने की एक बार फिर मांग करते हुए दावा किया कि बंगाल में एक करोड़ फर्जी मतदाता हैं।

सनातन और 'भगवा आतंकवाद' पर एक बार फिर छिड़ा सियासी संग्राम

- एनसीपी-एससीपी विधायक जितेंद्र आव्हाड बोले, सनातन धर्म ने भारत को बर्बाद कर दिया है
- भाजपा सांसद संबित पात्रा ने उनकी टिप्पणी को आपत्तिजनक बताते हुए कहा – हम सहिष्णु हैं

जितेंद्र आव्हाड। फाइल

संबित पात्रा। फाइल

ठाणे, एएनआइ: मालेगांव विस्फोटों के सभी सात आरोपितों को एनआइए की एक विशेष अदालत द्वारा बरी किए जाने के बाद सनातन और "भगवा आतंकवाद" शब्द पर एक बार फिर राजनीतिक बहस शुरू हो गई है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण द्वारा "भगवा आतंकवाद" के बजाय "सनातनी या हिंदू आतंकवादी" शब्द के इस्तेमाल का सुझाव देने और एनसीपी-एससीपी विधायक जितेंद्र आव्हाड के "सनातनी आतंकवाद" वाले बयान ने एक नया विवाद खड़ा कर दिया है।

आव्हाड ने कहा है कि सनातन धर्म ने "भारत को बर्बाद कर दिया है"। उन्होंने इसकी विचारधारा को 'विकृत" बताया है। उनकी इस 'आपत्तिजनक टिप्पणी' पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद संबित पात्रा ने कहा कि 'हम सहिष्णु हैं, इसलिए प्रेस कान्फ्रेंस के जरिए अपना विरोध दर्ज करा रहे हैं। अगर यह बयान इस्लाम और मुसलमानों के बारे में दिया गया होता तो आपको प्रेस कान्फ्रेंस में जवाब नहीं मिलता।" दूसरी ओर, एनसीपी-एससीपी के एक अन्य नेता रोहित पवार ने रविवार को महात्मा गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे की तुलना पहलगाम हमले के आतंकवादियों से की। ठाणे में पत्रकारों से बातचीत में आव्हाड ने कहा, "सनातन धर्म ने भारत को बर्बाद कर दिया है। सनातन नाम का कोई धर्म कभी था ही नहीं। हम हिंदू धर्म के अनुयायी हैं। इसी तथाकथित सनातन धर्म ने हमारे छत्रपति शिवाजी महाराज को राज्याभिषेक से वंचित रखा। इसीने छत्रपति संभाजी महाराज को बदनाम किया।

उधर, दिल्ली में संबित पात्रा ने "भगवा आतंकवाद" और "सनातन आतंकवादी" जैसे शब्दों के इस्तेमाल को लेकर कांग्रेस के 'पारिस्थितिकी तंत्र" पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस सनातन धर्म को बदनाम करने पर तुली हुई है। उन्होंने कहा, "आव्हाड शरद पवार की पार्टी से हैं। एक बार फिर उन्होंने सनातन के लिए अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया है। शिव के विरुद्ध बोला है और भारत की सुंदरता का विरोध किया है – एक ऐसे भारत का जिसकी सुंदरता सभी के प्रति सम्मान में निहित है। आज मैं आदरणीय शरद पवार जी और उनकी बेटी सुप्रिया सुले से पूछना चाहता हूं कि क्या यह आपकी पार्टी की आधिकारिक लाइन है, या यह सिर्फ जितेंद्र आव्हाड की निजी राय है।"

आइएनडीआइए की सात अगस्त को राहुल के आवास पर बैठक

नई दिल्ली, प्रेट्र : विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए के नेताओं की सात अगस्त को नेता विपक्ष राहुल गांधी के आवास पर डिनर बैठक होने की संभावना है, जिसमें मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) मुद्दे पर रणनीतिक चर्चा की जाएगी। सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विपक्षी दल एसआइआर के खिलाफ आठ अगस्त को चुनाव आयोग के कार्यालय की ओर मार्च निकालने की योजना भी बना रहे हैं।

यह बैठक संसद के मानसून सत्र के दौरान एसआइआर के मुद्दे पर चल रहे गतिरोध के बीच हो रही है, जिसमें विपक्ष की चर्चा की मांग का सत्ता पक्ष की ओर से सकारात्मक उत्तर नहीं मिला है। विपक्षी दलों ने इस बीच कहा है कि जब तक एसआइआर पर संसद में चर्चा नहीं हो जाती, वह अपना विरोध जारी रखेंगे। सूत्रों के अनुसार, बैठक में उपराष्ट्रपति पद के चुनाव की घोषणा के मद्देनजर कई विपक्षी नेता संयुक्त उम्मीदवार खड़ा करने पर भी विचार कर सकते हैं।

दिल्ली पुलिस ने बांग्ला को बताया बांग्लादेशी भाषा : ममता

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

ममता बनर्जी। फाइल

भाजपा बोली– बांग्लादेशी घुसपैठियों का बचाव कर रही बंगाल की सीएम ममता

बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को दिल्ली पुलिस को एक पत्र में बांग्ला को बांग्लादेशी भाषा बताने का आरोप लगाते हुए कड़ी आलोचना की। तृणमूल ने इसे संवैधानिक रूप से मान्यता प्राप्त भाषा की पहचान छीनने और करोड़ों बांग्ला भाषी भारतीयों को बाहरी बताने का आधिकारिक प्रयास बताया। तृणमूल ने दिल्ली पुलिस से बिना शर्त तुरंत माफी मांगने व इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। भाजपा के आइटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि यह बेहद शर्मनाक है कि ममता अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ वैध पुलिस कार्रवाई का बचाव भाषा को हथियार बनाकर और भावनाओं को भड़काकर कर रही हैं।

तृणमूल ने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में दिल्ली के लोधी कालोनी पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर द्वारा नई दिल्ली स्थित बंग भवन के प्रभारी अधिकारी को लिखे गए एक पत्र की प्रति साझा की, जिसमें बांग्लादेशी भाषा के लिए एक अनुवादक की मांग की गई थी। पत्र में कहा गया है कि जांच के दौरान, आठ को बिना किसी वैध पासपोर्ट या वीजा के भारत में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिक होने का संदेह के चलते गिरफ्तार किया गया था। उनके पास से पहचान पत्र, जन्म प्रमाण पत्र, बैंक खाते के विवरण आदि की प्रतियां मिलीं। इंस्पेक्टर ने दावा किया कि पहचान संबंधी दस्तावेज में बांग्लादेशी भाषा में लिखे पाठ थे, जिनका हिंदी और अंग्रेजी में अनुवाद करने की आवश्यकता है और बांग्लादेशी भाषा में कुशल एक आधिकारिक अनुवादक/दुभाषिया की मांग की गई थी।

एक सप्ताह में दो बार दिल्ली गए राजस्थान के सीएम, बड़े बदलाव के संकेत

जासं, जयपुर: राजस्थान की भाजपा सरकार का करीब 18 महीने का कार्यकाल पूरा होने के बाद अब मंत्रिमंडल में फेरबदल और राजनीतिक नियुक्तियों का काम अगले महीने तक होने की उम्मीद है। पिछले सप्ताह पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने प्रधानमंत्री मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। वसुंधरा की मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एक सप्ताह में दो बार दिल्ली पहुंचे और उन्होंने भी पीएम, शाह के साथ ही भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष से मुलाकात की। भाजपा के एक राष्ट्रीय पदाधिकारी के अनुसार अगले महीने तक राज्य मंत्रिमंडल में बड़ा फेरबदल होगा। वसुंधरा समर्थक विधायकों को मंत्रिमंडल में स्थान मिलेगा। राजनीतिक नियुक्तियों में भी वसुंधरा समर्थकों को महत्व मिलेगा।

राष्ट्रीय पदाधिकारी के अनुसार राज्य भाजपा सत्ता और संगठन की टीम में बड़ा बदलाव होगा। दो दिन पहले पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी को राज्य वित्त आयोग का अध्यक्ष बनाया गया है।

आतंक का हरा रंग होता है, धर्म भी : प्रज्ञा ठाकुर

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया ● भोपाल

- मालेगांव बम ब्लास्ट मामले से बरी होने के बाद भोपाल पहुंचीं पूर्व भाजपा सांसद ने दिया बयान
- कहा– कांग्रेस ने मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति की, भगवा आतंकवाद को स्थापित करने की पटकथा लिखी

प्रज्ञा ठाकुर। फाइल

मालेगांव बम ब्लास्ट मामले से बरी होने के बाद भोपाल पहुंचीं पूर्व भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर ने सवाल किया कि कौन कहता है आतंक का कोई रंग नहीं होता है? मैं कहती हूं– आतंक का हरा रंग होता है और धर्म भी होता है।

उन्होंने कहा कि हरा रंग लेकर आतंकवाद फैलाया जाता है। पहलगाम में कपड़े उतार कर जांच करके हिंदुओं को चुन-चुनकर मारा गया। कांग्रेस ने मुस्लिम समुदाय को साधने के लिए हिंदू आतंकवाद जैसा शब्द गढ़ा। कांग्रेस ने भगवा आतंकवाद को स्थापित करने की पटकथा लिखी। कांग्रेस को खुश करने के लिए यह सब किया गया। कांग्रेस आतंकवादियों के लिए रोती है और हिंदुओं को प्रताड़ित करती है। हिंदू कभी आतंकवादी नहीं हो सकता है।

रविवार को भोपाल पहुंचने पर साध्वी प्रज्ञा का समर्थकों ने उनके आवास पर फूलमालाओं, ढोल-नगाड़ों और मिठाइयों के साथ भव्य स्वागत किया। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को लेकर किए गए सवाल पर उन्होंने कहा कि दिग्विजय का नाम लेना भी खराब है। राजनीति में वापसी को लेकर कहा कि हम राष्ट्रनीति करते हैं, राजनीति नहीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उनके लोगों ने सेना, संतों और संघ को निशाना बनाया था। न्यायालय ने स्पष्ट आदेश दिया है, जिन लोगों ने हिंदू आतंकवाद का षड्यंत्र रचा, ऐसे लोगों की जांच की जाए। उन्होंने कहा कि 2008 के मालेगांव बम ब्लास्ट मामले में उन्हें बरी करने वाला विशेष अदालत का फैसला हिंदुत्व की जीत है और भगवा आतंकवाद शब्द गढ़ने वालों के मुंह पर तमाचा।

मुझसे मोदी, योगी का नाम लेने को कहा, लेकिन मैं झुकी नहीं: साध्वी प्रज्ञा ने यह आरोप भी दोहराया कि जांचकर्ताओं ने मुझसे जबरन नरेन्द्र मोदी, योगी आदित्यनाथ, इंद्रेश जी का नाम लेने को कहा। इतना ही नहीं, अन्य कई बड़े नेताओं का नाम लेने के लिए दबाव डाला, लेकिन मैं किसी के दबाव में नहीं आई। न झुकी। मैंने किसी का भी झूठा नाम नहीं लिया, इसलिए मुझे जांच के समय पुरुषों द्वारा प्रताड़ित किया गया। मुझे प्रताड़ित करने वाले परमवीर सिंह निकृष्ट व्यक्ति है। उसने हर सीमा पार की और कानून से बाहर जाकर मुझे प्रताड़ना दी। मैं 24 दिनों तक पुलिस अभिरक्षा में रही। अकेले परमवीर सिंह ही नहीं पूरे एटीएस के अधिकारियों की प्रताड़ना मैं झेलती रही। एटीएस के अधिकारियों ने ऐसा भय बना रखा था कि मध्य प्रदेश और पूरे देश में कोई अपनी भावना व्यक्त ही नहीं कर पा रहा था। ऐसे कई लोग हैं, जिन्हें मारा-पीटा उनके रिकार्ड भी गायब कर दिए।

मालेगांव की सच्चाई सामने आने से बेनकाब हुई कांग्रेस की साजिश : योगी

राज्य ब्यूरो, जागरण ● लखनऊ

योगी आदित्यनाथ।

'आपरेशन सिंदूर' का विरोध कर देश विरोधी ताकतों की ढाल बन रहा है विपक्ष

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित भाजपा की संगठनात्मक बैठक में कहा कि मालेगांव का सच जैसे ही सामने आया, कांग्रेस की साजिश बेनकाब हो गई। जिन्होंने भगवा को आतंक का प्रतीक बताकर देश की आस्था को कलंकित किया था, उनका चेहरा अब जनता के सामने उजागर हो चुका है। 'आपरेशन सिंदूर' पर दुष्प्रचार कर विपक्ष देशविरोधी ताकतों की ढाल बनने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान केवल झंडा फहराने का आयोजन नहीं, बल्कि जन-जन में राष्ट्र भक्ति की भावना जगाने का जनआंदोलन है। इसने राष्ट्र चेतना को सशक्त अभिव्यक्ति दी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान और हर हाथ में स्वदेशी उत्पाद का मंत्र, आत्मनिर्भर भारत की भावना को जमीन पर उतारने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे इस अभियान से जुड़कर अपने घरों पर तिरंगा फहराएं। उसके साथ सेल्फी लें। लोगों को इससे जोड़ें और स्वदेशी उत्पादों को अपनाकर स्थानीय शिल्प को प्रोत्साहन दें। यह भारत को आर्थिक रूप से मजबूत करके ब्लैकमेल करने वालों को करारा जवाब देने का सशक्त तरीका है।

पांच बड़े आतंकी मामलों में वांछित हैं रामजी कलसांगरा और संदीप डांगे

ओमप्रकाश तिवारी ● जागरण

- मालेगांव विस्फोट मामले में दोनों को घोषित किया जा चुका है भगोड़ा

मुंबई : महाराष्ट्र एटीएस के पूर्व अधिकारी महबूब मुजावर ने मालेगांव विस्फोट कांड (द्वितीय) के जिन दो आरोपितों रामजी कलसांगरा एवं संदीप डांगे को पुलिस द्वारा मार दिए जाने की बात कही है, वे दोनों वास्तव में कुल पांच आतंकी विस्फोटों के मामले में वांछित हैं।

सोलापुर के महबूब मुजावर को 29 सितंबर, 2008 को मालेगांव में दूसरी बार हुए विस्फोट की जांच करने वाली एटीएस की टीम का हिस्सा बनने का मौका मिला था। उन्होंने दावा किया है कि इस मामले में आरोपित बनाए गए इंदौर निवासी रामजी कलसांगरा एवं संदीप डांगे सहित इंदौर के ही एक और व्यक्ति दिलीप पाटीदार को पुलिस ने ही मारकर गायब कर दिया है। ये तीनों 17 वर्ष से गायब हैं। दूसरी ओर पुलिस पर भरोसा करें, तो कलसांगरा और डांगे को मालेगांव द्वितीय मामले में आरोपित बनाया था और दोनों को भगोड़ा घोषित किया जा चुका है। महाराष्ट्र और इंदौर पुलिस के अनुसार इन दोनों का नाम कुल पांच आतंकी मामलों में दर्ज है और ये किसी में पकड़े नहीं गए। इनमें सबसे पहला मामला था–मालेगांव में ही आठ सितंबर, 2006 को हुआ तिहरा विस्फोट, जिनमें 37 लोगों की जान गई थी। इसके अलावा 18 फरवरी, 2007 के समझौता एक्सप्रेस विस्फोट, 18 मई, 2007 को हैदराबाद में हुए मक्का मस्जिद विस्फोट, 11 अक्टूबर, 2007 को अजमेर दरगाह के चबूतरे पर हुए विस्फोट और मालेगांव में सितंबर, 2008 में हुए विस्फोट में भी दोनों वांछित हैं।

पिछले सप्ताह विशेष एनआइए अदालत ने 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में सात आरोपितों को बरी कर दिया था। कोर्ट ने जांच एजेंसी को फरार आरोपितों रामजी कलसांगरा और संदीप डांगे की गिरफ्तारी पर उनके खिलाफ अलग से आरोप पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया। एटीएस ने दावा किया था कि कलसांगरा ही वह व्यक्ति था, जिसने मालेगांव में घटनास्थल पर विस्फोटकों से लदी मोटरसाइकिल खड़ी की थी, जबकि एनआइए ने कहा था कि विस्फोट से एक साल पहले से ही कलसांगरा और डांगे के पास यह मोटरसाइकिल थी।

****

'दुश्मन भी मेरी देशभक्ति पर सवाल नहीं उठा सकता'

- मालेगांव मामले में बरी होने के बाद पहली बार गृह नगर पुणे पहुंचने पर लेफ्टिनेंट कर्नल पुरोहित का भव्य स्वागत

पुणे में रविवार को लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद श्रीकांत पुरोहित का स्वागत करते स्वजन और समर्थक। प्रेट्र

पुणे, प्रेट्र : मालेगांव बम विस्फोट मामले में 17 साल की लंबी लड़ाई के बाद अदालत से बरी होने के बाद पहली बार अपने गृहनगर पुणे पहुंचे लेफ्टिनेंट कर्नल (सेवानिवृत) प्रसाद श्रीकांत पुरोहित का रविवार को ढोल-नगाड़ों एवं सनातन की जय के नारों के साथ जोरदार स्वागत हुआ। इस अवसर पर पुरोहित ने कहा कि मैंने यहां के लोगों से कहा था, कि एक दिन बेदाग वापस आऊंगा। उन्होंने कहा, कोई दुश्मन भी मेरी देशभक्ति और राष्ट्र के प्रति निष्ठा पर सवाल नहीं उठा सकता। पिछले गुरुवार को विशेष एनआइए कोर्ट ने 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित एवं साध्वी प्रज्ञा ठाकुर सहित सभी सात आरोपितों को साक्ष्यों के अभाव में बरी कर दिया। पुणे में कर्नल पुरोहित का स्वागत करने के लिए लोग पहले से ही जुटे थे।

1 यार पापा
लेखक: दिव्य प्रकाश दुबे
प्रकाशक: हिंद युग्म
पुस्तक में अपने अधूरे सपनों को पूरा करने और बिखरे रिश्तों को संवारने की कहानी एक साथ कई सीख देती है। दिव्य प्रकाश ने मुख्य पात्र के माध्यम से कहानी को रोचक बनाने का भरपूर और सराहनीय प्रयास किया है।

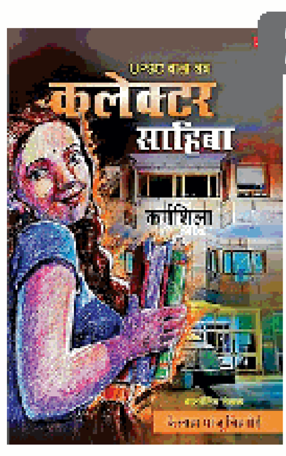

2 यूपीएससी वाला लव–कलेक्टर साहिबा
लेखक: कैलाश मांजू बिश्नोई
प्रकाशक: मंजुल पब्लिशिंग हाउस
एक काल्पनिक आइएएस पात्र एंजल को केंद्र में रखकर लेखक ने अभ्यर्थियों के संघर्ष, सिविल सेवा में चयन और अकादमी में प्रशिक्षण के चित्रण के साथ प्रेम कहानी बुनी है।

3 तुम्हारी औकात क्या है
लेखक: पीयूष मिश्रा
प्रकाशक: राजकमल प्रकाशन
पीयूष मिश्रा फिल्में कर रहे हैं, गीत लिख रहे हैं, संगीत रच रहे हैं। यह उनकी आत्मकथा है जिसे उपन्यास की तर्ज पर लिखा है। इसे पढ़ते हुए महसूस करेंगे कि जैसे शब्दों को चित्रों के रूप में टांका गया है।

4 चांदपुर की चंदा
लेखक: अतुल कुमार राय
प्रकाशक: हिंद युग्म
यह उपन्यास मर्मस्पर्शी प्रेम कहानी भर नहीं है, बल्कि यह कई कड़वे सवालों से टकराते हुए ग्रामीण संस्कृति की विलुप्त होती वह झांकी है, जो पन्ने-दर-पन्ने महावृत्तांत का रूप धारण कर लेती है।

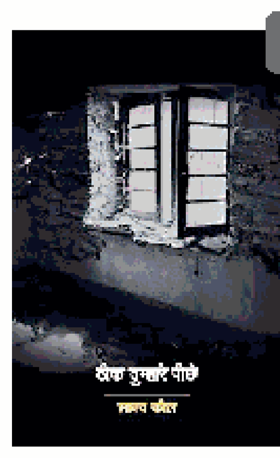

5 ठीक तुम्हारे पीछे
लेखक: मानव कौल
प्रकाशक: हिंद युग्म
यह पुस्तक प्रायोगिक लेखन का एक अलग उदाहरण पेश करती है, जिसमें मानव कौल विचारों और कल्पनाओं के जरिए भावनात्मक आकर्षण पैदा करते हैं। यह खुद को तलाशने का एक जरिया भी है।

6 इब्नेबतूती
लेखक: दिव्य प्रकाश दुबे
प्रकाशक: हिंद युग्म
कई बार संबंधों को नए सिरे से गढ़ने में समाज के मानकों से दूर जाना पड़ता है। इस कहानी में बेटा मां के लिए साथी की खोज करता है। मां की खुशी का विचार हृदय में हलचल उत्पन्न करता है।

7 कसारी मसारी
लेखक: मनोज राजन त्रिपाठी
प्रकाशक: वेस्टलैंड बुक्स
सत्य घटनाओं पर आधारित यह रोमांचक थ्रिलर उपन्यास है, जो उत्तर प्रदेश के संगठित अपराध और राजनीतिक षड्यंत्रों को उजागर करता है। यह समाज के अंधेरे का भी साक्षात्कार भी कराता है।

8 मौत बुलाती है
लेखक: सत्य व्यास
प्रकाशक: युवान बुक्स
दो अलग-अलग स्थानों पर लाश मिलने से पुलिस असमंजस की स्थिति में फंस जाती है। कातिल बहुत शातिर दिमाग है। वह पुलिस को ही आपस में उलझा देता है। ऐसे में पुलिस किस तरह कातिल तक पहुंचेगी।

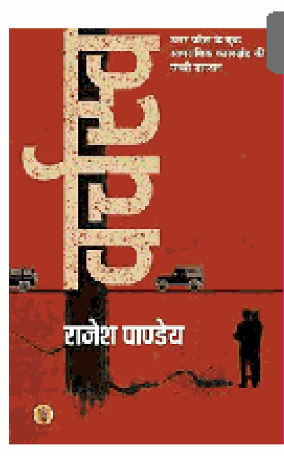

9 वर्चस्व
लेखक: राजेश पांडेय
प्रकाशक: राधा कृष्ण प्रकाशन
आइपीएस पांडेय की यह पुस्तक उत्तर प्रदेश के आपराधिक कालखंड की कड़वी सच्चाई है। सहज भाषा शैली में लिखी यह रोमांचक कहानी राजनीति के अपराधीकरण की समीक्षा भी पेश करती है।

10 यूपीएससी वाला लव–कलेक्टर साहिबा-2
लेखक: कैलाश मांजू बिश्नोई
प्रकाशक: मंजुल पब्लिशिंग हाउस
पहले भाग में एंजल-गिरीश का प्रेम जहां चरम पर था, वहीं इसमें एंजल करियर व प्यार के बीच उलझ जाती है और उसे सच्चे दिल से चाहने वाला गिरीश भी भावनाओं के भंवर में।

विस्तारित सूची

कल पढ़िये कथेतर श्रेणी की सूची

11 डेढ़ बिस्वा जमीन
लेखक: बृजलाल
प्रकाशक: प्रभात प्रकाशन

12 पतझड़
लेखक: मानव कौल
प्रकाशक: हिंद युग्म

13 मुखबिर
लेखक: सुशील तंवर
प्रकाशक: राजपाल एंड संस

14 बेस्ट हारर स्टोरीज
लेखक: महेश दत्त शर्मा
प्रकाशक: प्रभात प्रकाशन

15 615 पूर्वांचल हास्टल
लेखक: राघवेंद्र सिंह
प्रकाशक: हिंद युग्म

16 साइबर क्राइम की सच्ची कहानियां
लेखक: अमित दूबे
प्रकाशक: अनबाउंड स्क्रिप्ट

17 शर्ट का तीसरा बटन
लेखक: मानव कौल
प्रकाशक: हिंद युग्म

18 लपूझन्ना
लेखक: अशोक पाण्डे
प्रकाशक: हिंद युग्म

19 आको बाको
लेखक: दिव्य प्रकाश दुबे
प्रकाशक: हिंद युग्म

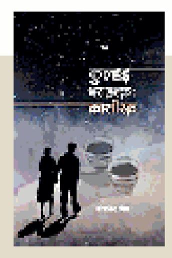

20 कुल्हड़ भर इश्क
लेखक: कौशलेंद्र मिश्र
प्रकाशक: हिंद युग्म

न्यूज गैलरी

बांके बिहारी मंदिर प्रबंधन से जुड़ी अर्जियों पर आज सुनवाई

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट सोमवार को मथुरा-वृंदावन के प्रतिष्ठित श्री बांके बिहारी मंदिर के प्रबंधन से संबंधित कई याचिकाओं पर सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर प्रकाशित सूची के अनुसार, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जायमाल्या बागची की पीठ इन याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। इसमें उत्तर प्रदेश सरकार के हालिया अध्यादेश को चुनौती देने वाली याचिका भी शामिल है, जो प्रभावी रूप से श्री बांके बिहारी मंदिर के प्रबंधन पर नियंत्रण ले लेता है। पिछले सप्ताह कोर्ट ने मामले को भारत के मुख्य न्यायाधीश के समक्ष रखने का निर्देश दिया था ताकि सभी संबंधित याचिकाओं की एक साथ सुनवाई के लिए उपयुक्त पीठ का गठन किया जा सके। (आइएएनएस)

सांड से टकराई हार्ले डेविडसन बाइक, अधिकारी की मौत

जयपुर: जयपुर-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर दौलतपुरा के निकट रविवार दोपहर सड़क पर सांड से टकरा जाने से हार्ले डेविडसन बाइक सवार सरकारी अधिकारी की मौके पर ही मौत हो गई। उनका नाम 57 वर्षीय अविनाश शर्मा था, वह राजस्थान में सार्वजनिक निर्माण विभाग में अधीक्षक अभियंता थे। अविनाश दिल्ली की तरफ से बाइक पर जयपुर की ओर लौट रहे थे। इसी दौरान ये हादसा हुआ। पुलिस ने तुरंत अविनाश को अस्पताल ले जाकर भर्ती करवाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार तेजी से जमीन पर गिरने के कारण अविनाश का हेलमेट भी गिर गया, जिससे उनके सिर में चोट लगी। (जासं)

तेजस्वी को राखी बांधने की होड़ में कई महिलाएं हुईं मूर्छित

गोपालगंज: बिहार विस में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की कलाई पर राखी बांधने में रविवार को वर्षा भी बाधक नहीं बन सकी। गोपालगंज बैकुंठपुर में रक्षाबंधन के पहले राजद की ओर से शुरू बहन सम्मान समारोह में बड़ी संख्या में महिलाओं ने उन्हें राखी बांधी। इस दौरान अफरातफरी में कई महिलाएं भीड़ में दबकर मूर्छित हो गईं। महिलाओं का उत्साह देख तेजस्वी ने कहा कि उनकी सरकार बनी तो राज्य की सभी बहनों की सुरक्षा की गारंटी लेंगे। कहा कि भले मेरी उम्र कच्ची है, लेकिन जुबान पक्की है। उनकी सरकार बनी तो वे माई-बहिन मान योजना को सबसे पहले लागू करेंगे। (जासं)

कुलगाम में तीसरे दिन भी मुठभेड़ जारी

जंगल में छिपे हो सकते हैं आतंकी, सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई की

स्पेशल पैरा फोर्स के जवानों को भी जंगल में उतारा गया

राज्य ब्यूरो, जागरण ● जम्मू

कुलगाम में चल रही मुठभेड़ के दौरान मुस्तैद सुरक्षा बल के जवान। प्रेट्र

दक्षिण कश्मीर के कुलगाम में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच जंगल क्षेत्र में रविवार को तीसरे दिन भी मुठभेड़ जारी है। सुबह थोड़ी देर के लिए रुक-रुककर गोलीबारी हुई। सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्रवाई की। पूरे इलाके में हाईटेक सर्विलांस उपकरण लगाए गए हैं। सेना के स्पेशल पैरा फोर्स के जवानों को भी जंगल में उतारा है। पुलिस महानिदेशक और सेना की 15वीं कोर के कमांडर अभियान की निगरानी कर रहे हैं। जंगल में चार से पांच या उससे अधिक आतंकी होने की आशंका है।

सुरक्षाबलों को एक अगस्त को अक्खल के घने जंगल में आतंकियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिली थी, जिसके बाद पूरे क्षेत्र को घेर तलाशी अभियान शुरू किया। वहां छिपे आतंकियों ने अचानक गोलीबारी शुरू कर दी, जिससे तलाशी मुठभेड़ में बदल गई। तीन आतंकी मारे गए हैं और एक सैनिक घायल हुआ है। सूत्रों के मुताबिक, शनिवार रात से लेकर रविवार सुबह तक इलाके में गोलियों और धमाकों की आवाजें सुनी जाती रहीं। बड़ी संख्या में सेना, पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीमें अभियान में जुटी हैं। ड्रोन, थर्मल इमेजिंग और अन्य तकनीकी संसाधनों की मदद ली जा रही है।

पुलिस के अनुसार यह इस हफ्ते जम्मू-कश्मीर में आतंकियों के साथ तीसरी बड़ी मुठभेड़ है। इससे पहले सुरक्षाबलों ने आपरेशन महादेव के तहत पहलगाम हमले में शामिल तीन पाकिस्तानी आतंकियों सुलेमान, अफगान और जिब्रान को मार गिराया था। 31 जुलाई को पुंछ में नियंत्रण रेखा के पास दो और आतंकी मारे गए थे। कुलगाम के घने जंगलों में जारी मुठभेड़ को लेकर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं। अभियान की संवेदनशीलता और आतंकियों की संख्या को देखते हुए पूरे क्षेत्र में अतिरिक्त सुरक्षाबलों की तैनाती की है। सेना की चिनार कोर ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर पोस्ट किया कि 'रात भर रुक-रुक कर और तीव्र गोलीबारी जारी रही. सतर्क सैनिकों ने जवाबी कार्रवाई की और संपर्क बनाए रखते हुए घेराबंदी और मजबूत कर दी।

फालोअर्स बढ़ा पैसा कमाने के लिए अलगाववादी और आतंकियों का महिमामंडन

राज्य ब्यूरो, जागरण ● जम्मू : कश्मीर में कुछ अपना फालोअर्स बढ़ा पैसा कमाने के लिए इंटरनेट मीडिया पर अलगाववादियों और आतंकियों का खूब महिमामंडन कर रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने कश्मीर में इस नए चलन का पर्दाफाश किया है। ये युवा वैचारिक प्रतिबद्धता के कारण नहीं बल्कि अपना फलोअर्स बढ़ाने और विज्ञापनदाताओं से पैसा कमाने के लिए एक सोची समझी रणनीति के तहत ऐसा कर रहे हैं।

श्रीनगर पुलिस पिछले कुछ समय से कट्टरपंथ का मुकाबला करने के लिए इंटरनेट मीडिया पर नजर रख रही है। पुलिस को ऐसे अकाउंट चलाने वाले कुछ युवाओं को हिरासत में लेने के बाद इस कार्यप्रणाली का पता चला। पूछताछ के दौरान युवाओं ने स्वीकार किया कि प्रतिबंधित हिजबुल मुजाहिदीन के मारे गए आतंकी बुरहान वानी की भड़काऊ तस्वीरों का इस्तेमाल फालोअर्स बढ़ाने के लिए एक सोची समझी योजना के तहत किया था। इससे उन्हें फालोअर्स के आधार पर विज्ञापनदाताओं से विज्ञापन भी मिले।

ड्रोन से दहशत फैलाने वालों पर लगेगा गैंगस्टर एक्ट, एनएसए : योगी

राज्य ब्यूरो, जागरण ● लखनऊ

▸ मुख्यमंत्री ने ड्रोन के दुरुपयोग पर सख्ती बरतने और निगरानी तंत्र मजबूत करने का दिया निर्देश

योगी आदित्यनाथ

कहा–ड्रोन संचालन की आड़ में कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं

ड्रोन के जरिये दहशत और भ्रम फैलाने की बढ़ती घटनाओं के दृष्टिगत राज्य सरकार ने इस पर अंकुश लगाने के लिए कड़ा कदम उठाया है। उत्तर प्रदेश में ड्रोन के अवैध इस्तेमाल से दहशत फैलाने वालों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया जाएगा। जरूरत पड़ने पर ऐसे लोगों के विरुद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गृह विभाग और पुलिस के शीर्ष अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश देते हुए कहा कि ड्रोन संचालन की आड़ में कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ कतई नहीं बर्दाश्त होगा।

रविवार को अपने सरकारी आवास पर हुई उच्च स्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि बिना अनुमति ड्रोन के संचालन पर पूरी तरह प्रतिबंध है। इसका उल्लंघन करने और कानून को अपने हाथ में लेने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई होगी। प्रदेश में बीते दिनों हुई घटनाओं के संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा कि ड्रोन के माध्यम से अफवाह फैलाने या डर पैदा करने की कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने ड्रोन के दुरुपयोग पर सख्ती बरतने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने प्रमुख सचिव गृह व डीजीपी को हर जिले में ड्रोन गतिविधियों की समीक्षा कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों से प्रदेश के कई जिलों में रात में ड्रोन उड़ा कर माहौल खराब करने की घटनाएं हुई हैं। खास तौर पर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में ड्रोन को लेकर लोगों में दहशत का माहौल देखा गया और ऐसी घटनाओं को चोरी करने के लिए रेकी से जोड़ा गया। इसके बाद हरकत में आई पुलिस ने मुजफ्फरनगर में दो लोगों को हरी लाइट लगाकर कबूतर उड़ाकर दहशत फैलाने के आरोप में गिरफ्तार किया। एक अन्य मामले में हापुड़ में एलईडी लाइट लगी पतंगों ने लोगों में दहशत फैला दी थी, जिसके बाद उनकी रातों की नींद उड़ गई थी। बरेली, बदायूं और अमरोहा में भी ऐसी घटनाएं हुई हैं।

शहरी माओवादियों की तरह काम करने वालों को किया जाएगा गिरफ्तार : फडणवीस

▸ महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने विशेष सार्वजनिक सुरक्षा विधेयक को लेकर किया स्पष्ट

▸ सरकार की आलोचना करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए नहीं है यह विधेयक

देवेंद्र फडणवीस। फाइल

नागपुर, प्रेट्र : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्पष्ट किया है कि विशेष सार्वजनिक सुरक्षा विधेयक सरकार की आलोचना करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए नहीं है। उन्होंने कहा कि इस विधेयक के कानून बनने के बाद शहरी माओवादियों या अर्बन माओवादियों की तरह काम करने वालों को इस कानून के तहत गिरफ्तार किया जाएगा।

राज्य विधानमंडल के हालिया मानसून सत्र में महाराष्ट्र विशेष सार्वजनिक सुरक्षा विधेयक-2024 पारित किया गया था। इसका मकसद शहरी माओवाद और वामपंथी उग्रवादी संगठनों की गैरकानूनी गतिविधियों को रोकना है।

इस विधेयक में दोषी पाए जाने पर भारी जुर्माना और सात साल तक की जेल की सजा जैसे प्रविधान हैं। विपक्षी दल इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर असहमति को दबाने का हथियार बता रहे हैं।

शनिवार को पत्रकारों से बात करते हुए फडणवीस ने कहा कि यह कानून प्रदर्शनकारियों या सरकार की आलोचना करने वालों के खिलाफ नहीं है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे द्वारा मुख्यमंत्री को नए पारित कानून के तहत अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार करने की चुनौती दिए जाने के बारे में पूछे जाने पर फडणवीस ने कहा, अगर आप शहरी नक्सली की तरह काम करेंगे, तो गिरफ्तार किया जाएगा।

राज ठाकरे के इस आरोप पर कि मुख्यमंत्री बाहर से आने वाले बच्चों को जबरन हिंदी सिखाना चाहते हैं फडणवीस ने कहा, महाराष्ट्र में मराठी अनिवार्य है, लेकिन इसके साथ ही एक अतिरिक्त भारतीय भाषा भी सीखनी चाहिए। उन्होंने कहा, मैं किसी भारतीय भाषा के स्थान पर अंग्रेजी को वरीयता देने का विरोधी हूं।

मतांतरण व लव-जिहाद के लिए मप्र में फैला 'मछली का जाल'

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल

▸ हिंदू युवतियों से सुनियोजित दुष्कर्म और ड्रग्स तस्करी के रैकेट में भोपाल के माफिया 'मछली परिवार' का नाम आया सामने

प्रतीकात्मक

उत्तर प्रदेश में अवैध मतांतरण गिरोह के सरगना जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा के बड़े रैकेट की चर्चा के बीच, मध्य प्रदेश में भी मतांतरण, लव-जिहाद, हिंदू युवतियों के साथ सुनियोजित दुष्कर्म और ड्रग्स तस्करी के बड़े रैकेट का पर्दाफाश हुआ है। इस रैकेट में भोपाल के माफिया 'मछली परिवार' का नाम सामने आया है। अप्रैल में भोपाल में हिंदू युवतियों को लव-जिहाद में फंसाकर उनसे दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग करने वाले मुस्लिम युवाओं के गिरोह का भंडाफोड़ हुआ था, जिसमें मछली परिवार के मुखिया शारिक मछली का नाम उभरा था। अब क्लबों और पबों में हिंदू युवतियों को नशे का आदी बनाने और दुष्कर्म के मामलों में मछली परिवार के चाचा-भतीजे गिरफ्तार हुए हैं। इससे स्पष्ट है कि भोपाल का मछली परिवार मध्य प्रदेश में अंडरवर्ल्ड की तरह फैला हुआ है।

पुलिस पूरे नेटवर्क की छानबीन कर रही है और यह भी देख रही है कि क्या इंदौर, उज्जैन, जबलपुर जैसे शहरों में भी इनकी संलिप्तता है। इस परिवार के सदस्यों के दुबई से भी संबंध हो सकते हैं। हाल ही में शारिक मछली और अन्य आरोपितों की करीब 100 करोड़ की संपत्तियों को बुलडोजर से ढहा दिया गया। पिछले सप्ताह पुलिस ने ड्रग पैडलिंग के पुराने मामले में संदिग्ध रहे मछली परिवार के चाचा-भतीजे यासीन व शाहवर को गिरफ्तार किया था।

बता दें कि अप्रैल में भोपाल में हिंदू लड़कियों से दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग के मामले में भी शारिक मछली का नाम आया था। पिपलानी थाने में दर्ज एक मामले की पीड़िता ने डीसीपी को बताया कि आरोपित ने उसे बताया था कि वह शारिक के लिए काम करता है।

मछली परिवार का पुश्तैनी कारोबार मछली पालन से शुरू हुआ था, लेकिन बाद में उन्होंने ड्रग तस्करी और जमीनों का धंधा भी शुरू किया। उनके राजनीतिक कनेक्शन भी बन गए, जिससे उन्होंने भोपाल के आसपास मछली पालन का ठेका लिया और प्रापर्टी के काम में हाथ बढ़ाया। डीसीपी शैलेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि आरोपित लंबे समय से ड्रग तस्करी में संलिप्त थे। उनके मोबाइल में ड्रग चैट और फोटोज के जरिये पुलिस ने 20 से अधिक लोगों तक पहुंच बनाई है।

दो साल से महात्मा बनकर रह रहा था मुस्लिम युवक

जागरण संवाददाता, शामली: हिंदू महात्मा बनकर गांव में दो साल से रह रहे बंगाल निवासी मुस्लिम व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित के पास से फर्जी आधार कार्ड भी बरामद किए गए हैं। आइबी ने भी थाने पहुंचकर पूछताछ की। वहीं, बंगाल पुलिस ने भी जांच शुरू कर दी है।

उत्तर प्रदेश में शामली जिले के मंटी हसनपुर में ग्राम प्रधान रामेश्वर के खेत में दो साल पहले एक महात्मा ने कुटिया बना ली थी। वह खुद को सहारनपुर का बंगालनाथ बताता था। आधार कार्ड में भी उसका यही नाम दर्ज है। पिछले दिनों उसने शनिदेव का मंदिर बनाने के लिए ग्राम प्रधान से जमीन की मांग की। उन्होंने जमीन दे दी। बाबा ने ग्रामीणों से चंदा लेकर मंदिर का निर्माण भी शुरू कर दिया।

****

दैनिक जागरण — कितने सुरक्षित हैं स्कूल ?

जोखिम में नौनिहाल...

⌃ फरीदाबाद के गौंछी स्थित राजकीय विद्यालय में जर्जर भवन में कक्षाएं लगती हैं। बिजली के उपकरण भी खस्ताहाल में हैं। जागरण

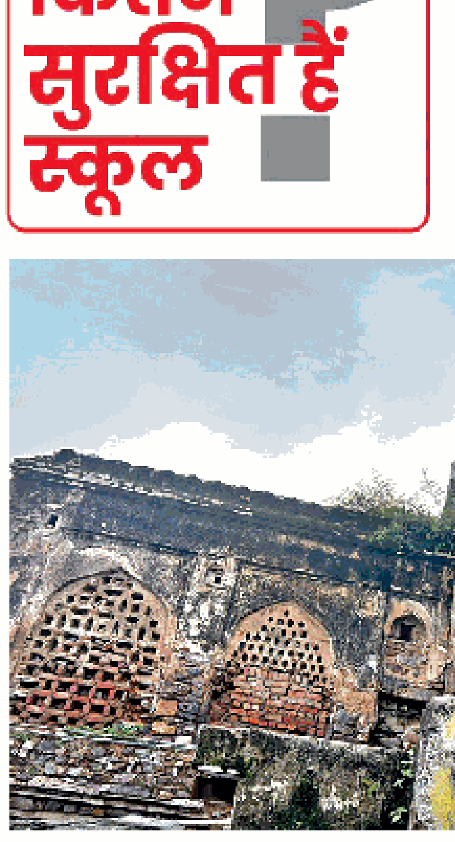

⌃ गुरुग्राम के राजकीय प्राथमिक पाठशाला का खस्ताहाल भवन। जागरण

सुकमा जिले के कामराजपाड़ में झोपड़ी में संचालित प्राथमिक शाला। नईदुनिया »

छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले के माकड़ी ब्लाक में प्राथमिक शाला फतवा प्राथमिक शाला फतवा का जर्जर भवन। नईदुनिया

अभियान पर पंजाब सरकार ने 72 घंटे में लिया संज्ञान

जागरण प्रभाव

▸ शिक्षा मंत्री बोले– हर स्कूल का दौरा कर समस्या का समाधान करवाएंगे

आशीष तिवारी ● जागरण

जालंधर: दैनिक जागरण के संपादकीय अभियान 'कितने सुरक्षित हैं स्कूल' पर पंजाब सरकार ने 72 घंटे के भीतर स्वतः संज्ञान लिया है। प्रदेश के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने रविवार को सभी 23 जिलों के डिप्टी कमिश्नरों और जिला शिक्षा अधिकारियों को आदेश जारी करते हुए कहा कि प्रदेश के स्कूलों की हालत पर रिपोर्ट उन्हें तीन दिन के भीतर उपलब्ध करवाई जाए। यह भी बताया जाए कि इसके समाधान के लिए कितने बजट की जरूरत होगी। उन्होंने कहा कि दैनिक जागरण की ओर से स्कूलों के संबंध में जो मुद्दे उठाए गए हैं, उन पर जल्द काम शुरू किया जाएगा। जिन स्कूलों की रिपोर्ट प्रकाशित हुई है, वे खुद टीम के साथ वहां के हालात देखेंगे और बच्चों की सुरक्षा पर कोई समझौता नहीं होगा।

शिक्षा मंत्री बैंस ने दैनिक जागरण का आभार जताते हुए कहा कि ऐसे अभियान से सरकार को कई मुद्दों की जानकारी समय रहते मिलती है और उनका समाधान संभव हो पाता है। बच्चों की सुरक्षा और बेहतर शिक्षा वातावरण उनकी शीर्ष प्राथमिकता है। उनकी सरकार का शुरू से ही शिक्षा पर विशेष फोकस रहा है। शिक्षा क्रांति के तहत कई स्कूलों को अपग्रेड किया जा चुका है। जिन स्कूलों में कुछ कमियां हैं, उन्हें भी दूर किया जाएगा।

1052 केंद्रों पर आयोजित की गई नीट-पीजी रविवार को 301 शहरों में। अभ्यर्थियों की संख्या के लिहाज से यह देश की सबसे बड़ी कंप्यूटर आधारित परीक्षा है, जो एक ही पाली में आयोजित हुई है।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 4 अगस्त, 2025

प्रयागराज, काशी, पटना में गंगा खतरे के निशान के पार, तेजी से बढ़ रहा जलस्तर

बारिश व बाढ़ से मुसीबत : केन-बेतवा में उफान से प्रयागराज में यमुना भी खतरे का निशान पार

प्रयागराज के दारागंज में श्मशान घाट गंगा में समाया, सड़क पर अंतिम संस्कार

जागरण टीम, नई दिल्ली

प्रयागराज और काशी के साथ ही पटना में गंगा नदी खतरे के निशान को पार कर गई है। इतना ही नहीं तेजी से बढ़ रहा इसका जलस्तर आने वाली मुसीबत की ओर संकेत कर रहा है। केन-बेतवा में उफान से प्रयागराज में यमुना नदी भी खतरे के निशान को नीचे छोड़ गई है। ऐसे में कई लाख लोगों की आबादी प्रभावित हुई है।

बुंदेलखंड से लेकर पूर्वांचल तक नदियों के उफान से जिंदगी दहशत में है। लाखों की आबादी बाढ़ के पानी में घिरी है। कई गांवों को संपर्क कट चुका है। फसलें जलमग्न हैं। बनारस में गंगा, तो प्रयागराज में गंगा-यमुना दोनों ही खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। ग्रामीण से लेकर कई शहरी क्षेत्र जलमग्न हैं। प्रयागराज के दारागंज में श्मशान घाट गंगा में समा चुका है और अंतिम संस्कार सड़क पर किया जा रहा है। पानी में डूबी शहर की सड़कों पर नावें चल रही हैं। उधर, बनारस में भी गंगा और वरुणा नदी में आई बाढ़ के कारण पानी अब गलियों और सड़कों पर बह रहा है। मंदिर और घाट डूब चुके हैं। मणिकर्णिका घाट पर छतों के ऊपर शवदाह किया जा रहा है। इस बीच बारिश और बाढ़ की वजह से जान जाने का क्रम भी जारी है। फतेहपुर में बाढ़ में डूबने से बच्ची की मौत हो गई। कौशांबी में कच्चा मकान ढहने की दो घटनाओं में तीन की मौत हो गई।

पंजाब में बांधों का जलस्तर तेजी से बढ़ा : हिमाचल प्रदेश में हो रही वर्षा से पंजाब में बने बांधों पर जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। होशियारपुर जिले के तलवाड़ा में ब्यास दरिया पर बने पौंग बांध में रविवार सायं चार बजे जलस्तर 1366.04 फीट तक पहुंच गया। बांध की क्षमता 1390 फीट की है और बांध में 1365 फीट तक पानी पहुंचने के बाद इसके फ्लड गेट खोलने का फैसला लिया जा सकता है।

प्रयागराजः बाढ़ की भयावह स्थिति के बीच दारागंज में सड़क पर किया जा रहा अंतिम संस्कार। जागरण

बिहार में बाढ़ का संकट गहराया

हालिया वर्षा के कारण बिहार की नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। खगड़िया जिले में गंगा नदी खतरे के निशान से छह सेंटीमीटर ऊपर बह रही है। बूढ़ी गंडक एनएच-31 ब्रिज के पास खतरे के निशान से चार सेंटीमीटर नीचे है। सहरसा में कोसी नदी कटाव कर रही है, जबकि पटना और बक्सर में गंगा का जलस्तर भी बढ़ गया है। मधुबनी में भुतही बलान नदी में बाढ़ आई है, जिससे गोरगामा-परसा सड़क पर दो फीट पानी बह रहा है। सीतामढ़ी और शिवहर में बागमती नदी का जलस्तर बढ़ रहा है। जमुई में महादलित बस्ती के कई घर ध्वस्त हो गए हैं। बक्सर में गंगा का जलस्तर 60.49 मीटर तक पहुंच गया है, जिससे बाढ़ का पानी संपर्क मार्गों पर बहने लगा है। भोजपुर में भी बाढ़ का पानी तेजी से फैल रहा है।

301 शहरों में नीट-पीजी आयोजित, 2.42 लाख अभ्यर्थी हुए शामिल

कोलकाता के साल्ट लेक में केंद्र के बाहर नीट-पीजी के परीक्षार्थी। प्रेट्र

नई दिल्ली, प्रेट्र : देश में रविवार को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातकोत्तर (नीट-पीजी) का आयोजन किया गया। इसमें 2.42 लाख से ज्यादा अभ्यर्थी शामिल हुए। यह परीक्षा विभिन्न स्नातकोत्तर चिकित्सा पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान परीक्षा बोर्ड (एनबीईएमएस) द्वारा आयोजित की जाती है।

कंप्यूटर आधारित यह परीक्षा एक ही पाली में 301 शहरों के 1,052 केंद्रों पर आयोजित की गई। अभ्यर्थियों की संख्या के लिहाज से यह भारत की सबसे बड़ी कंप्यूटर आधारित परीक्षा है, जो एक ही पाली में आयोजित की गई है।

एनबीईएमएस ने अनुचित साधनों के प्रयोग की किसी भी आशंका को समाप्त करने के लिए विभिन्न मेडिकल कालेजों और मान्यता प्राप्त अस्पतालों के 2,200 से अधिक संकाय सदस्यों को नियुक्त किया था। एनबीईएमएस ने सभी राज्यों के मुख्य सचिवों और पुलिस महानिदेशकों को पत्र लिखकर सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त कानून-व्यवस्था, साइबर सुरक्षा और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने का भी अनुरोध किया था। इस संबंध में जिला प्रशासन और पुलिस से भी सहायता मांगी गई थी। परीक्षा केंद्रों पर किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी रोकने के लिए एनबीईएमएस ने गृह मंत्रालय के भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आइ4सी) की सहायता ली। विभिन्न परीक्षा केंद्रों, विशेषकर संवेदनशील केंद्रों पर किसी भी प्रकार की नकल रोकने के लिए लगभग 300 साइबर कमांडो तैनात किए गए।

केवल दो रुपये में गरीबों का इलाज करने वाले रायरु गोपाल नहीं रहे

कन्नूर, प्रेट्र : गरीबों से केवल दो रुपये फीस लेकर इलाज करने वाले डाक्टर एके रायरु गोपाल का निधन हो गया है। डाक्टर गोपाल ने पिछले पांच दशकों में अपने क्लीनिक में हजारों गरीब मरीजों का इलाज किया था। परिवार के सूत्रों ने बताया कि रविवार को उम्र संबंधी बीमारियों के कारण डाक्टर गोपाल का निधन हुआ। उन्होंने 80 वर्ष की उम्र में अंतिम सांस ली।

रायरु गोपाल। फाइल

डाक्टर गोपाल कन्नूर में अपने घर पर स्थित क्लीनिक में हर दिन सुबह चार बजे से शाम चार बजे तक मरीजों का इलाज किया करते थे। उन्हें 'जनता का डाक्टर' और 'दो रुपये वाले डाक्टर' के नाम से जाना जाता था। हाल के वर्षों में, अपनी सेहत को देखते हुए इलाज का समय सुबह छह बजे से शाम चार बजे तक कर दिया था। वह उन मरीजों को भी दवाइयां उपलब्ध कराते थे जो खरीदने में सक्षम नहीं थे। हालांकि उम्रजनित समस्याओं के कारण उन्हें मई 2024 में क्लीनिक बंद करना पड़ा था।

मनसे कार्यकर्ताओं ने डांस बार में की तोड़फोड़

ठाणे, प्रेट्र : महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कार्यकर्ताओं ने नवी मुंबई स्थित एक डांस बार में तोड़फोड़ की। यह घटना पनवेल में शनिवार देर रात हुई। मनसे के कुछ कार्यकर्ता पनवेल के बाहरी क्षेत्र में स्थित एक बार में घुस गए, जहां उन्होंने फर्नीचर में तोड़फोड़ की। शराब की बोतलें तोड़ दीं और संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचाया। पुलिस ने इस मामले में 15 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

इंटरनेट मीडिया पर इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें टूटी हुई मेजें, टूटे हुए कांच और बार के अंदरूनी हिस्से में हुई तोड़फोड़ नजर आ रही है। मनसे के एक पदाधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज की पावन भूमि पर डांस बार का कोई स्थान नहीं है। हम पनवेल या राज्य में कहीं भी ऐसी अश्लीलता को पनपने नहीं देंगे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पनवेल पुलिस ने इस घटना का संज्ञान लिया है।

आंध्र प्रदेश में ग्रेनाइट खदान दुर्घटना में छह की मौत

- मरने वाले श्रमिक ओडिशा के रहने वाले थे, ब्लास्टिंग के दौरान ऊपर से गिरा बड़ा पत्थर

अमरावती, आइएएनएस : आंध्र प्रदेश में रविवार को एक ग्रेनाइट खदान में विशाल पत्थर गिरने से छह श्रमिकों की मौत हो गई। यह दुर्घटना नियमित संचालन के दौरान बल्लीकुरवा के पास निजी खदान में हुई। खदान का किनारा जब ढहा तो 15-20 मजदूर खदान में थे। बताया जा रहा है कि मरने वाले श्रमिक ओडिशा के रहने वाले थे। गंभीर हालत में आठ लोगों को नरसरावपेटा के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। रविवार सुबह नौ बजे कर्मचारी ड्यूटी पर पहुंचे थे और कुछ मिनट बाद ही ब्लास्टिंग के दौरान ऊपर से पत्थर गिर गया। राजस्व विभाग के कर्मी बचाव अभियान में पुलिस की सहायता कर रहे थे।

मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने घायलों के लिए सर्वोत्तम इलाज सुनिश्चित करने का आदेश दिया है। मुख्यमंत्री ने जिला अधिकारियों से घटना की गहन जांच करने और इनकी पुनरावृत्ति को रोकने के लिए कदम उठाने को कहा है। माना जाता है कि पर्याप्त सुरक्षा सावधानियों की कमी के कारण यह त्रासदी हुई। पिछले दिनों आंध्र प्रदेश में ग्रेनाइट खदानों में ऐसी ही घटनाएं सामने आई थीं। 16 मई को श्रीकाकुलम जिले के मेलाइपुट्टी मंडल के डब्बागुडा में एक निजी ग्रेनाइट खदान में विस्फोट में तीन लोगों की मौत हो गई। विस्फोट के लिए जिलेटिन की छड़ों के इस्तेमाल की आशंका है। खदान प्रबंधन ने कथित तौर पर यह दावा करके पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की थी कि तीनों की मौत के लिए आकाशीय बिजली जिम्मेदार था।

रक्षाबंधन पर बहनें लेंगी गाली बंधन का वचन

जासं, रोहतक : महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के यूनिवर्सिटी आउटरीच प्रोग्राम के तहत रक्षाबंधन पर विशेष पहल गाली बंधन शुरू की गई है। इसमें बहनें राखी बांधकर भाई से वचन लेंगी कि वे दैनिक जीवन में मां, बहन और बेटी के प्रति अपमानजनक भाषा का उपयोग नहीं करेंगे।

एमडीयू के प्रोफेसर आफ प्रेक्टिस सुनील जागलान ने पहल के पहले चरण में देशभर की लड़कियों को तीन हजार से अधिक पोस्टकार्ड भेजे हैं। इसकी शुरुआत एमडीयू के कन्या छात्रावास परिसर से की गई। इन पोस्टकार्ड में बहनों से अनुरोध किया गया है कि वे इस रक्षाबंधन पर अपने भाइयों से यह वचन लें कि वे मां, बहन और बेटी के प्रति अपमानजनक भाषा का उपयोग नहीं करेंगे। एमडीयू के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने अभियान की सराहना की। चीफ वार्डन गर्ल्स प्रो. सपना गर्ग ने कहा कि इस पहल के माध्यम से छात्राओं को सामाजिक मुद्दों से जोड़ा जा रहा है।

उम्रकैद की सजा के बाद प्रज्वल रेवन्ना बने कैदी नंबर 15,528

- दुष्कर्म मामले में सुनाई गई है सजा, बेंगलुरु जेल में रखे गए हैं पूर्व सांसद
- कैदियों को दी जाने वाली वर्दी पहननी होगी एचडी देवेगौड़ा के पौत्र को

बेंगलुरु, प्रेट्र : घरेलू सहायिका से दुष्कर्म मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाए जाने के एक दिन बाद पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना को बेंगलुरु के परप्पना अग्रहारा केंद्रीय कारागार में कैदी नंबर दिया गया। रविवार सुबह रेवन्ना को आधिकारिक तौर पर कैदी संख्या 15,528 आवंटित की गई।

पूर्व पीएम और जदएस के प्रमुख एचडी देवेगौड़ा के पौत्र रेवन्ना ने शनिवार को फैसले के बाद जेल में पहली रात बिताई। खबर है कि वह रो रहे थे और काफी परेशान दिखाई दे रहे थे। जेल के चिकित्सकों ने शनिवार देर रात उनकी हालत स्थिर रखने के लिए उनके स्वास्थ्य का आकलन किया। चिकित्सा जांच के दौरान वह रो पड़े और उन्होंने कर्मचारियों के सामने अपनी पीड़ा व्यक्त की।

प्रज्वल ने कथित तौर पर कर्मचारियों को सूचित किया है कि उन्होंने अपनी सजा को चुनौती देने के लिए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। पूर्व सांसद को फिलहाल एक उच्च सुरक्षा वाली कोठरी में रखा गया है। जेल अधिकारियों के अनुसार, दोषियों के लिए मानक ड्रेस कोड का पालन किया जा रहा है और उन्हें कैदियों को दी जाने वाली वर्दी पहननी होगी। प्रज्वल को शनिवार को शेष जीवन के लिए कारावास की सजा सुनाई गई थी। अदालत ने उन पर कुल 11.50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया और निर्देश दिया कि 11.25 लाख रुपये पीड़िता को दिया जाए, जो प्रज्वल के परिवार की घरेलू सहायिका है।

कोलकाता में लटका मिला व्यक्ति, परिवार का दावा, एनआरसी का था डर

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता : कोलकाता स्थित अपने घर में रविवार सुबह एक 63 वर्षीय व्यक्ति फंदे से लटका मिला। उसके परिवार का दावा है कि वह इस डर में जी रहा था कि अगर राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) लागू हुआ तो उसे बांग्लादेश भेज दिया जाएगा। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि मृतक, दिलीप साहा, 1972 में ढाका के नवाबगंज से कोलकाता आया था और रीजेंट पार्क इलाके में रह रहा था। मृतक की पत्नी आरती साहा ने कहा कि उनके पति इस बात से चिंतित थे कि एनआरसी लागू होने के बाद उन्हें उन्हें डिटेंशन कैंप भेज दिया जाएगा और फिर वापस बांग्लादेश भेज दिया जाएगा। उनके पास वैध मतदाता पहचान पत्र और अन्य दस्तावेज थे। पुलिस अधिकारी ने कहा कि संदेह है कि इसी डर के कारण उन्होंने आत्महत्या की।

कोचिंग से लौट रही छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म, मुठभेड़ में दो आरोपित गिरफ्तार

- आटो में बैठने के बाद चालक व उसके दोस्त ने किया अगवा
- 12 घंटे के अंदर पुलिस ने पकड़ा, आरोपितों के पैर में लगी गोली

मुठभेड़ के बाद पुलिस हिरासत में दुष्कर्म के आरोपित। जागरण

जागरण संवाददाता, बांदा

कोचिंग से शनिवार शाम करीब साढ़े छह बजे घर लौट रही नाबालिग छात्रा को आटो चालक, उसके साथी ने अगवा कर लिया और दुष्कर्म किया। पुलिस ने 12 घंटे के अंदर दोनों आरोपितों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। दोनों के पैर में गोली लगी है।

उत्तर प्रदेश में बांदा जिले के सदर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की छात्रा कोचिंग के लिए शहर आती है। शनिवार को वह कोचिंग में पढ़ने के बाद आटो में बैठी। आटो शहर के बाहर निकलते ही अपना निर्धारित रूट बदलकर जंगल की ओर जाने लगा। छात्रा ने शोर मचाया तो पीछे बैठे युवक ने उसका मुंह दबा दिया। चालक कृषि विश्वविद्यालय के पीछे जंगल में आटो ले गया और दोस्त के साथ मिलकर छात्रा से दुष्कर्म किया। इसके बाद छात्रा को वहीं छोड़कर आरोपित भाग गए। छात्रा ने फोन पर स्वजन को घटना बताई। स्वजन पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे और छात्रा को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। एएसपी शिवराज सिंह ने सीसीटीवी फुटेज से आटो की पहचान कर आरोपितों की तलाश शुरू की। पुलिस को आटो चालक व उसके साथी के करिया नाला के पास खड़े होने की सूचना मिली। रविवार तड़के चार बजे पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले आरोपितों ने पुलिस टीम पर तमंचे से फायरिंग की। जवाब में पुलिस ने भी गोलियां चलाईं।

रील ने डाली पति-पत्नी में दरार, परामर्श ने फिर जोड़े दिल

जागरण संवाददाता, संभल : संभल में एक दंपती के बीच महज इंस्टाग्राम और फेसबुक पर रील बनाने को लेकर विवाद इस कदर बढ़ गया कि पत्नी ससुराल छोड़कर मायके चली गई। पत्नी ने घरेलू हिंसा की शिकायत की तो पुलिस ने दोनों पक्षों को बुला लिया। परिवार परामर्श केंद्र में चार बार की काउंसिलिंग के बाद दोनों एक साथ रहने के लिए राजी हो गए।

21 जनवरी, 2024 को शादी के कुछ दिनों बाद तक सब सामान्य रहा, लेकिन समय के साथ पत्नी ने इंटरनेट मीडिया पर सक्रियता बढ़ा दी और इंस्टाग्राम, फेसबुक जैसे प्लेटफार्म पर वीडियो और रील्स बनाकर पोस्ट करने लगी। गांव के युवकों के कमेंट और सामाजिक चर्चा ने पति को असहज कर दिया। उसने रील्स बनाने से रोका तो पत्नी ने इसे अभिव्यक्ति की आजादी से जोड़ लिया। जून, 2025 से लेकर अब तक चार बार काउंसलिंग कराई गई। दो अगस्त की सुनवाई में पत्नी ने कहा कि वह रील बंद नहीं करेगी। परामर्श केंद्र की टीम की समझदारी व दोनों पक्षों के भावनात्मक पक्षों को समझने के बाद सहमति बनी कि पत्नी रील्स नहीं बनाएगी, साथ ही मायके वालों का हस्तक्षेप भी नहीं होगा।

पाक संयोजक के समारोह से जुड़े होने से अभिनेता कार्तिक का इन्कार

एंटरटेनमेंट ब्यूरो, मुंबई

- 15 अगस्त को अमेरिका में होने वाला है आजादी उत्सव
- इसका संयोजक पाकिस्तानी नागरिक शौकत मरेडिया है

अमेरिका में पाकिस्तानी संयोजक के समारोह से जुड़े होने से अभिनेता कार्तिक आर्यन ने इन्कार किया है। सिनेकर्मियों के लिए काम करने वाली संस्था फेडरेशन आफ वेस्टर्न इंडिया सिने इंप्लाइज (एफडब्ल्यूआइसीई) ने हाल ही में अभिनेता कार्तिक आर्यन को एक पत्र लिखा था। उस पत्र में संस्था की तरफ से कार्तिक को यह जानकारी दी गई थी कि वह 15 अगस्त को अमेरिका के ह्यूस्टन में होने वाले जिस आजादी उत्सव : द इंडियन इंडिपेंडेंस डे में हिस्सा लेने जा रहे हैं, उसका संयोजक पाकिस्तानी नागरिक शौकत मरेडिया है। इस समारोह से जुड़ी प्रचार सामग्री में कार्तिक को बतौर मुख्य अतिथि बताया गया है। शौकत इससे पहले पाकिस्तानी स्वतंत्रता दिवस के मौके पर भी एक जश्न-ए-आजादी नामक समारोह आयोजित कर रहे हैं। ऐसे में एफडब्ल्यूआइसीई की तरफ से देशहित में कार्तिक से इस समारोह से अपना नाम वापस लेने की बात कही गई थी। इसके बाद कार्तिक की टीम ने बयान जारी कर ऐसे किसी भी समारोह से जुड़े होने से इन्कार किया है। कार्तिक की टीम द्वारा जारी बयान के अनुसार, कार्तिक आर्यन इस कार्यक्रम से किसी भी तरह से नहीं जुड़े हैं। उन्होंने इस कार्यक्रम में भाग लेने की कभी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। हमने आयोजकों से संपर्क कर अनुरोध किया है कि वे उनके नाम और तस्वीर वाली सभी प्रचार सामग्री को हटा दें। बता दें कि इससे पहले एफडब्ल्यूआइसीई ने पाकिस्तानी कलाकारों के भारत में काम करने पर प्रतिबंध लगाने के साथ भारतीय कलाकारों से पाकिस्तानी कलाकारों से जुड़े किसी भी प्रोजेक्ट या समारोह का बहिष्कार करने की अपील की थी।

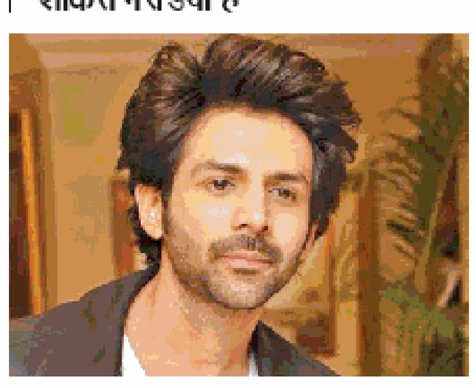
कार्तिक आर्यन। फाइल

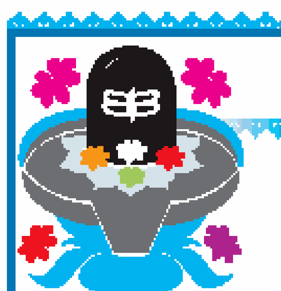

श्रद्धा का महासावन

समस्त ब्रह्मांड स्वरूप और मोक्ष के प्रदाता हैं शिव

भगवान शिव सृष्टि के आदि देव हैं। विश्व का नाथ बनने की सामर्थ्य केवल उनमें ही है। मुक्ति दाता भगवान शिव अपनी पुरी काशी में ज्योतिर्लिंग स्वरूप में स्थित हैं। श्रीहरि आदि समस्त देवता कैलाशपति शिव की नित्य पूजा-स्तुति करते हैं। भगवान शिव के जो भक्त हैं और उनके नामों का जप करते हैं, वह कर्मों से निर्लिप्त होकर कैवल्य पद के भागी होते हैं। सर्वव्यापी भगवान शंकर के 12 ज्योतिर्लिंगों का अपना वैशिष्ट्य तो है ही, परंतु सावन महापर्व में श्रद्धापूर्वक कण-कण में विद्यमान देश के कोने-कोने में ग्राम-नगर में स्थित किसी शिवलिंग का दर्शन-स्पर्शन, गंगा जल से भक्ति पूर्वक अभिषेक से जीव मुक्त हो जाता है। संपूर्ण भोगों को भोगने के पश्चात परम ज्ञान तथा परमधाम को प्राप्त करता है। मानव को कैवल्य मोक्ष मिल जाता है। श्रावण मास में भक्ति, आत्म-शुद्धि और मन की शांति के लिए कई लोग उपवास रखते हैं। स्कंद पुराण में भगवान शिव ने स्वयं कहा है कि 'मेरी प्रिया सती ने प्रजापति दक्ष के यज्ञ में शरीर त्याग कर हिमालय की पुत्री पार्वती के रूप में श्रावण मास में ही मुझे प्राप्त किया था।' अतः श्रावण मास भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है। पूर्णिमा को श्रवण नक्षत्र होने से इस मास का नाम श्रावण पड़ा। अतः इस माह में भगवान शिव का स्मरण मात्र ही समस्त सिद्धियों को देने वाला व समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करने वाला है। भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए गंगाजल, धतूर पुष्प, धूप, दीप, नैवेद्य, कपूर की आरती के साथ ओम् नमः शिवाय का जप सर्वोत्तम है।

डा. हरिहर कृपालु त्रिपाठी
पूर्व अध्यक्ष, श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर न्यास परिषद

व्हेल ट्रैकिंग सिस्टम से दुनिया में समुद्री निगरानी में आएगी क्रांति

जागरण विशेष

जीईसी रायपुर के इंजीनियरिंग छात्रों ने विकसित किया गतिविधि व माइग्रेशन पैटर्न को समझने वाला आटोमेटेड सिस्टम

दुर्गा प्रसाद बंजारा ● नईदुनिया

रायपुर: गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कालेज (जीईसी), रायपुर के छात्रों ने एक ऐसी शानदार तकनीक विकसित की है, जो दुनिया भर में समुद्री निगरानी का तरीका बदल देगी। इन छात्रों ने एक ऐसा आटोमेटेड सिस्टम बनाया है, जो सैटेलाइट की मदद से महासागर में घूम रही व्हेल की पहचान, उनकी गतिविधियों और प्रवास (माइग्रेशन) के पैटर्न को ट्रैक कर सकता है।

इस सिस्टम में रिमोट सेंसिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) और मशीन लर्निंग जैसी आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया गया है। यह सिस्टम लाइव तस्वीरों को देखकर न सिर्फ व्हेल की पहचान करता है, बल्कि समय के साथ खुद से सीखता और बेहतर होता जाता है। आजकल समुद्री जहाजों के रास्ते अक्सर व्हेल की मौजूदगी वाले इलाकों से होकर गुजरते हैं, जिससे जहाजों और इन विशालकाय जीवों के बीच टकराव का खतरा बना रहता है। जीईसी की टीम ने इसी समस्या का समाधान निकालने के लिए यह सिस्टम तैयार किया है। पिछले पांच साल से ज्यादा के सैटेलाइट डेटा और हाई-रेजोल्यूशन तस्वीरों का विश्लेषण करके यह साफ्टवेयर बनाया गया है। यह साफ्टवेयर बता सकता है कि किस जगह पर कौन सी व्हेल है, उसकी उम्र क्या है और वह किस दिशा में जा रही है। इस प्रोजेक्ट के सुपरवाइजर डा. आरएच तलवेकर के अनुसार हमने एक ऐसा साफ्टवेयर डेवलप किया है, जो महासागरों की सतह से ली गई इमेज को पढ़कर व्हेल की पहचान करता है, उसकी प्रजाति, संख्या और स्वास्थ्य संबंधी संकेत भी देता है। यह सिस्टम पर्यावरणीय परिस्थितियों, जलवायु परिवर्तन और मानवीय गतिविधियों के प्रभाव को भी मैप करता है।

प्रोजेक्ट पर काम करते हुए गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कालेज के छात्र और प्रोफेसर ● नईदुनिया

समुद्री इकोसिस्टम की निगरानी में उपयोगी

सीएसई विभाग के प्रमुख डा. आरएच तलवेकर बताते हैं कि यह प्रोजेक्ट डेढ़ साल की कड़ी रिसर्च का नतीजा है। शोध टीम में शामिल पार्थेश खंडेलवाल, रोहन चंद्राकार, देव साहू समेत कई बीटेक छात्रों ने हर महीने कार्य की समीक्षा, परीक्षण और प्रेजेंटेशन किया। इस सिस्टम में इमेज प्रोसेसिंग से लेकर मशीन लर्निंग तक कई तकनीकों को एकीकृत किया गया। यह सिस्टम आने वाले समय में समुद्री जहाजों को व्हेल से टकराने से बचाने, प्रजाति संरक्षण, समुद्री इकोसिस्टम की निगरानी और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का अध्ययन करने में उपयोगी हो सकता है। साथ ही इससे मछली पकड़ने वाले जहाजों को व्हेल की मौजूदगी वाले क्षेत्रों से दूर रखकर समुद्री जीवन की रक्षा भी की जा सकेगी।

डा. आरएच तलवेकर, प्रमुख, सीएसई विभाग

8,000 अमेरिकी डालर की सहायता मिली: इस प्रोजेक्ट को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली है। अंतरराष्ट्रीय संस्था इंस्टीट्यूट आफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियर्स (आइईईई) ने इस प्रोजेक्ट को चौथे स्टूडेंट ग्रैंड चैलेंज में चुना है और टीम को 8,000 अमेरिकी डालर की सहायता दी है। अब यह टीम आठ अगस्त को आस्ट्रेलिया के ब्रिसबेन में होने वाले सेशन में अपनी रिसर्च को सामने करेगी। यह प्रोजेक्ट दुनिया के चार देशों चीन, कोलंबिया, इंडोनेशिया और भारत में आंध्रप्रदेश से आए प्रोजेक्ट्स में सबसे प्रभावशाली माना गया।

अतिरिक्त सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।

महिला ने गर्भपात कर फेंका भ्रूण, बेटे ने दर्ज कराई प्राथमिकी

जागरण संवाददाता, बरेली

- बरेली में थाने पहुंचा बेटा बोला-मां ने दवाएं खाकर कर लिया गर्भपात
- नशे की आदी हो चुकी महिला का पति व बेटे से अक्सर होता है विवाद

यह घटनाक्रम अचंभित करने वाला है...! महिला ने अपना गर्भपात कर भ्रूण झाड़ियों में फेंका तो बेटे ने उसके खिलाफ प्राथमिकी पंजीकृत करा दी। पुलिस असमंजस में थी कि बेटा अपनी मां के विरुद्ध कार्रवाई क्यों चाहता है? इस प्रश्न का जवाब रविवार देर शाम तक की जांच में सामने आया। नशे की गोलियों की आदी हो चुकी महिला का अपने पति एवं बेटे से अक्सर विवाद होता है। यह कलह भ्रूण हत्या के बहाने थाने तक पहुंच गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भ्रूण पांच माह का बताया गया।

45 वर्षीय महिला की बड़ी बेटी की शादी हो चुकी, जबकि घर में पति, 20 वर्षीय बेटा व उससे छोटी बेटी रहती है। पुलिस के अनुसार, शनिवार रात को महिला के बेटे ने डायल 112 पर सूचना दी कि उसकी मां ने दवाओं से अपना गर्भपात कर भ्रूण झाड़ियों में फेंक दिया है। उसके बताए स्थान से पुलिस ने थैले में भ्रूण बरामद कर लिया। रविवार सुबह उसके बेटे ने कैंट थाने में जाकर मां के विरुद्ध गर्भपात कर भ्रूण फेंकने की धारा में प्राथमिकी दर्ज करा दी। इसके बाद महिला घर से कहीं चली गई। उसके आसपास के लोगों से जानकारी मिली कि महिला का अपने पति व बेटे से आए दिन विवाद होता है। उसके नशे की लत के कारण पति तलाक चाहता है, परंतु वह इसके लिए तैयार नहीं है। वह गर्भवती हुई, मगर 45 वर्ष की उम्र में मां नहीं बनना चाहती थी, इसलिए दवाएं खाकर गर्भपात कर लिया होगा।

****

हां 85% / नहीं 15% — क्या ट्रेड डील पर अमेरिका के दबाव में न झुकना भारत की अर्थव्यवस्था की ताकत को दिखाता है ?

हां 78% / नहीं 22% — क्या स्थिर अर्थव्यवस्था और राजनीतिक परिदृश्य के साथ भारत टैरिफ का सामना कर सकता है ?

मुद्दा से संबंधित अपनी राय, सुझाव और प्रतिक्रिया mudda@jagran.com पर भेज सकते हैं।

टैरिफ@25%
आपदा या अवसर

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से होने वाले आयात पर 25 प्रतिशत टैरिफ और रूस से कारोबार पर जुर्माने का एलान किया है। ट्रेड डील पर भारत और अमेरिका की लंबे समय से बात चल रही थी लेकिन समझौते को अंतिम रूप नहीं दिया जा सका। डोनाल्ड ट्रंप अपने कृषि और डेरी उत्पादों के लिए भारत के बाजार में पहुंच चाहते हैं। भारत के लिए यह रेड लाइन है। करोड़ों भारतीय आजीविका के लिए कृषि और डेरी सेक्टर पर निर्भर हैं। जाहिर है भारत इस पर समझौता नहीं कर सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि निश्चित रूप से यह हमारी अर्थव्यवस्था को नकारात्मक तौर पर प्रभावित करेगा लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आपदा को अवसर में तब्दील करने के लिए जाने जाते हैं। वहीं, भारत की अर्थव्यवस्था घरेलू खपत पर निर्भर करती है न कि निर्यात पर। हमारी अर्थव्यवस्था और राजनीतिक परिदृश्य स्थिर है। ऐसे में हम इसका सामना बेहतर तरीके से कर सकते हैं। भारत के लिए अमेरिकी टैरिफ आपदा है या अवसर, इसकी पड़ताल ही आज का अहम मुद्दा है...

भारत के शीर्ष 10 ट्रेड पार्टनर

(आंकड़े: अरब डालर में)

रैंक	देश	कुल ट्रेड	निर्यात	आयात	घाटा/सरप्लस
1.	चीन	118.41	16.66	101.75	85.9
2.	अमेरिका	118.29	77.52	40.77	36.74
3.	यूएई	83.65	35.63	48.03	12.39
4.	रूस	65.69	4.26	61.43	57.17
5.	सऊदी अरब	43.37	11.56	31.81	20.25
6.	सिंगापुर	35.61	14.41	21.20	6.79
7.	इराक	33.35	3.33	30.00	26.65
8.	इंडोनेशिया	29.40	5.99	23.41	17.42
9.	हांगकांग	28.69	8.24	20.45	12.21
10.	दक्षिण कोरिया	27.56	6.42	21.14	14.72

भारतीय निर्यात के लिए अग्रणी रीजन

2004-05 में, भारत का निर्यात मुख्यत: उत्तरी अमेरिका, यूरोपीय संघ, उत्तर-पूर्व एशिया, पश्चिम एशिया-गल्फ कोआपरेशन काउंसिल और आसियान जैसे क्षेत्रों को जाता था। 2013-14 तक, इन क्षेत्रों में निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, और उत्तरी अमेरिका, यूरोपीय संघ और पश्चिम एशिया में निर्यात तेजी से बढ़ा। 2023-24 तक निर्यात परिदृश्य निरंतर विस्तार दर्शा रहा, जिसमें उत्तरी अमेरिका सबसे बड़ा गंतव्य है। यूरोपीय संघ, पश्चिम एशिया और आसियान में भी मजबूत वृद्धि देखी गई, जो पिछले कुछ वर्षों में भारत के विविध और मजबूत वैश्विक व्यापार संबंधों को दर्शाता है।

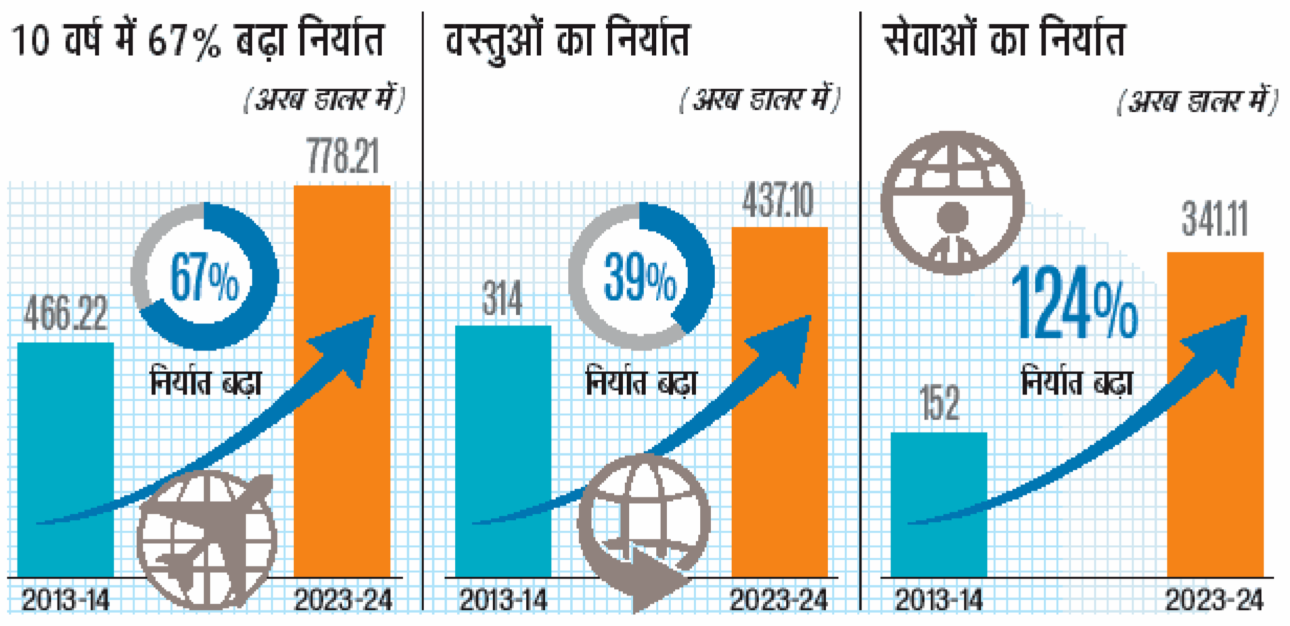

क्या है टैरिफ

- टैरिफ एक बार्डर शुल्क या टैक्स है।
- विदेश से आने वाले सामान पर टैरिफ लगाया जाता है।
- टैरिफ से घरेलू बाजार में विदेशी सामान महंगे हो जाते हैं।
- टैरिफ से सरकार की आय भी बढ़ती है।
- टैरिफ लगाने का मकसद देशी उद्योगों की रक्षा करना है।

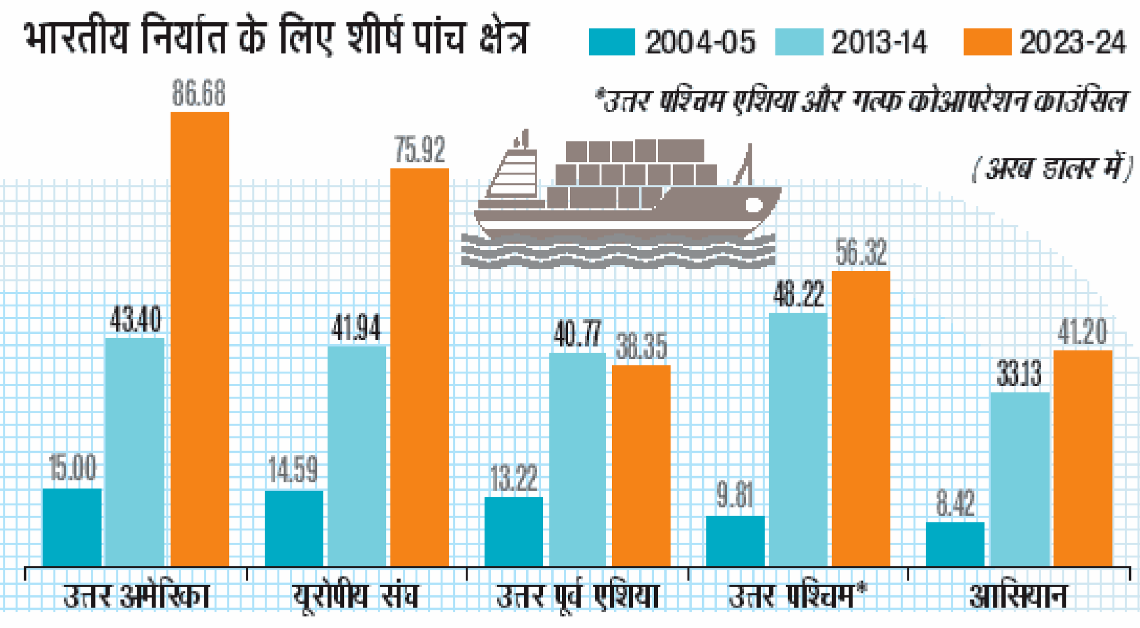

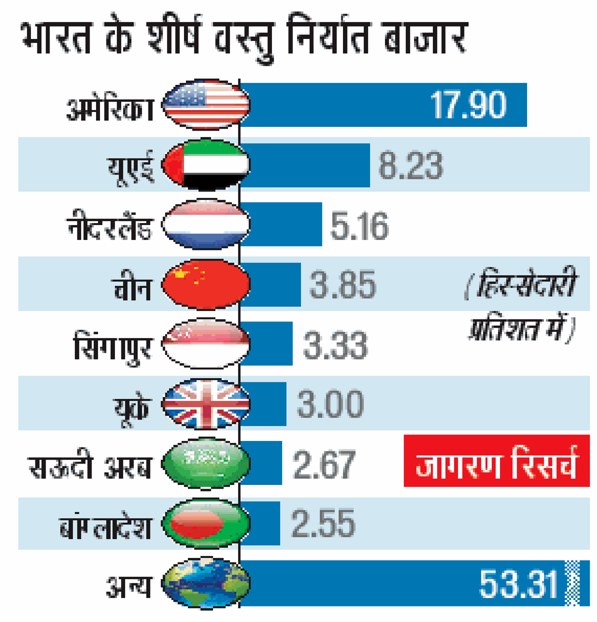

नए बाजारों में निर्यात करने पर करें निवेश

अजय श्रीवास्तव
संस्थापक, ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव

टैरिफ की वजह से भारत का निर्यात 30 प्रतिशत तक घट सकता है। इसकी भरपाई के लिए विशिष्ट उत्पादों की पहचान करने और नए बाजारों में प्रवेश करने पर निवेश करना होगा। दो लाख नई कंपनियों को वैश्विक व्यापार में भागीदार बनाना होगा।

अमेरिका को भारतीय निर्यात एक बड़े दबाव का सामना करने वाले हैं। 31 जुलाई को अमेरिका ने 50 से ज्यादा देशों से आयात पर व्यापक नए टैरिफ लगाए हैं, जिनमें लगभग सभी भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत शुल्क शामिल है। इसके अलावा रूस के साथ तेल व्यापार से जुड़ा एक अतिरिक्त जुर्माना भी शामिल है। 7 अगस्त से, ये शुल्क मौजूदा टैरिफ के ऊपर लागू होंगे, जिससे अमेरिकी बाजार में भारतीय उत्पादों की कीमत काफी बढ़ जाएगी।

इस कदम के साथ, भारत अब एशियाई निर्यातकों में सबसे कड़े अमेरिकी टैरिफ व्यवस्थाओं में से एक का सामना कर रहा है। चीन के 30 प्रतिशत के बाद भारत 25 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर है। वियतनाम (20 प्रतिशत), बांग्लादेश (18 प्रतिशत), इंडोनेशिया (19 प्रतिशत, जापान और दक्षिण कोरिया (15 प्रतिशत) जैसे प्रतिस्पर्धियों को काफी कम दरों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे उन्हें भारतीय आपूर्तिकर्ताओं पर मूल्य निर्धारण में बढ़त मिल रही है।

इसका असर काफी बड़ा हो सकता है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है, जो वित्त वर्ष 2025 में अपने वैश्विक वस्तु निर्यात का लगभग 20 प्रतिशत यानी 86.5 अरब डालर का निर्यात करेगा। टैरिफ का झटका इस आधार को कम कर सकता है। टैरिफ से भारत का परिधान निर्यात सबसे बुरी तरह प्रभावित हुआ है। अब यह 38.9 प्रतिशत तक के भारी अमेरिकी टैरिफ का सामना कर रहा है, जो वियतनाम, बांग्लादेश और कंबोडिया की दरों से बहुत अधिक है। तौलिए और चादर जैसे सिले हुए वस्त्र के निर्यात से भारत को 3 अरब डालर की कमाई होती है। ये अब 34 प्रतिशत शुल्क का सामना कर रहे हैं। इससे पाकिस्तान और वियतनाम जैसे प्रतिस्पर्धियों को स्पष्ट लाभ मिलता है। भारत का 2 अरब डालर का झींगा निर्यात, जो वैश्विक आपूर्ति का 32 प्रतिशत है, अब 25 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ का सामना करेगा। इससे कनाडा और चिली जैसे प्रतिद्वंद्वियों पर भारत की मूल्य बढ़त खत्म हो जाएगी।

10 अरब डालर के आभूषण निर्यात अब 27.1 प्रतिशत शुल्क का सामना कर रहे हैं। इस क्षेत्र के मूल्य में केवल 3-4 प्रतिशत की वृद्धि होने के कारण, लाभ कम है। अमेरिका को यांत्रिक स्वर्ण आभूषणों का निर्यात (3.6 अरब डालर) सबसे अधिक प्रभावित होने की संभावना है। भारत का 4.7 अरब डालर का धातु निर्यात मुख्यतः इस्पात, एल्युमीनियम और तांबा भी प्रभावित होगा, क्योंकि उच्च लागत के कारण अमेरिकी बुनियादी ढांचे और ऊर्जा खरीदारों की मांग में कमी आने की आशंका है। भारत का इंजीनियरिंग निर्यात अब 26 प्रतिशत से अधिक अमेरिकी टैरिफ का सामना कर रहा है, जिससे ये मेक्सिको (0 प्रतिशत टैरिफ) और जापान (15 प्रतिशत) से आने वाले उत्पादों की तुलना में महंगे हो गए हैं। 4.1 अरब डालर मूल्य का पेट्रोलियम निर्यात अभी भी टैरिफ-मुक्त है, लेकिन रूसी कच्चे तेल के उपयोग पर जुर्माना लग सकता है। दवाइयां (9.8 अरब डालर) और स्मार्टफोन (10.6 अरब डालर) को वर्तमान में छूट प्राप्त हैं, लेकिन इनको सुरक्षित नहीं माना जा सकता है। डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय दवाओं पर टैरिफ और चीनी पुर्जों वाले इलेक्ट्रानिक्स पर कड़े नियमों की चेतावनी दी है। यदि उच्च टैरिफ बने रहते हैं, तो अमेरिका को भारत का वस्तु निर्यात लगभग 30 प्रतिशत गिर सकता है। यह वित्त वर्ष 2025 में 86.5 अरब डालर से घटकर वित्त वर्ष 2026 में लगभग 60.6 अरब डालर रह सकता है। एक व्यापार समझौते से इस झटके का असर कम हो सकता है, लेकिन अगर आगे नए मुद्दे उठते हैं तो अमेरिका और शुल्क लगा सकता है।

अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव को कम करने और निर्यात क्षमता को बढ़ाने के लिए, भारत सरकार कई लक्षित उपायों पर विचार कर सकती है। सबसे पहले, उसे ब्याज समानीकरण योजना को तत्काल पुनर्जीवित और विस्तारित करना चाहिए, जो एमएसएमई को सब्सिडी वाला निर्यात ऋण प्रदान करती थी। हालांकि इसे पिछले साल केवल 2,500 करोड़ रुपये की वार्षिक लागत के बावजूद बंद कर दिया गया था। 15,000 करोड़ रुपये के उच्च बजट और पांच साल की प्रतिबद्धता के साथ पुनर्गठित संस्करण वित्तपोषण लागत को काफी कम कर सकता है और निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता को बहाल कर सकता है। खास कर श्रम प्रधान क्षेत्रों को इससे काफी मदद मिलेगी।

दूसरा, सरकार को अमेरिका जैसे प्रमुख बाजारों में टैरिफ और व्यापार बाधाओं पर वास्तविक समय में सटीक जानकारी प्रदान करने के लिए एक सरल, मोबाइल-अनुकूल हेल्पडेस्क डिजिटल और फोन-आधारित दोनों शुरू करना चाहिए। वर्तमान व्यापार डैशबोर्ड या तो पुराने हो चुके हैं या बहुत जटिल हैं,

तीसरा, ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौते को शीघ्रता से लागू करें और यूरोपीय संघ की व्यापार वार्ता को गति दें। हालांकि अपेक्षाएं सीमित रखें। इन बाजारों में टैरिफ पहले से ही कम होने के कारण, लाभ कम ही रहेंगे। चौथा, यात्रा, बीमा और वित्तीय सेवाओं जैसे कम प्रतिनिधित्व वाले क्षेत्रों को विकसित करके सेवा निर्यात आधार में विविधता लाने पर ध्यान केंद्रित करें। पांचवां, आयात स्रोतों में विविधता लाकर और लिथियम-आयन बैटरी, एंटीबायोटिक्स और सौर सेल जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में घरेलू उत्पादन को मजबूत करके चीन पर रणनीतिक निर्भरता कम करें। छठा, उल्टे शुल्क ढांचों को ठीक करें जैसे कि मुक्त व्यापार समझौतों के तहत तैयार पाइपों के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति देते हुए तांबे के स्क्रैप पर 5 प्रतिशत कर लगाना। इससे घरेलू विनिर्माण और मूल्यवर्धन को बढ़ावा मिलेगा। सातवां, निर्यात अनुपालन और आनबोर्डिंग को सरल बनाने के लिए एक एकीकृत राष्ट्रीय व्यापार नेटवर्क का निर्माण करें। इससे दो लाख से ज्यादा नई कंपनियां खासकर एमएसएमई वैश्विक व्यापार में भाग ले सकेंगी। अंत में, विशिष्ट उत्पादों की पहचान करने और नए बाजारों में प्रवेश करने में निवेश करें ताकि अमेरिका जैसे पारंपरिक निर्यात गंतव्यों पर अत्यधिक निर्भरता कम हो सके। ये सभी उपाय मिलकर भारत के निर्यात पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के साथ अर्थव्यवस्था को नई ताकत दे सकते हैं।

आपकी आवाज

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को शायद यह नहीं पता कि भारत की अर्थव्यवस्था 140 करोड़ आबादी की खपत पर निर्भर है। हमारी अर्थव्यवस्था चीन और जापान की तरह निर्यात पर निर्भर नहीं है। भारत सरकार ने अमेरिका के दबाव को नकार कर देशहित को तरजीह दी है। अमेरिकी टैरिफ से हमारा निर्यात कम अवधि के लिए प्रभावित हो सकता है लेकिन देश इसका विकल्प तैयार करने में सक्षम है।
राघव शर्मा

अमेरिका के टैरिफ के जवाब में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लोगों से स्वदेशी उत्पादों को खरीदने की अपील करना सही कदम है लेकिन यह देर से उठाया गया है। घरेलू कंपनियों और कारोबारियों को समर्थन और संरक्षण देना सरकार की जिम्मेदारी है लेकिन जनता का भी यह कर्तव्य बनता है कि वह अधिक कीमत के बावजूद देश में बने उत्पाद खरीदें। सस्ते विदेशी उत्पाद खरीद कर हम अपने राष्ट्रीय हितों को चोट पहुंचा रहे हैं।
दिनेश कश्यप

अमेरिका की टैरिफ तानाशाही का मुकाबला करने के लिए हमें अपने उत्पादों के लिए नए बाजार तलाश करने पर जोर देना चाहिए। इसके लिए सरकार को मिशन मोड में काम करना होगा। इसके लिए सरकार को सिर्फ सरकारी तंत्र के भरोसे न रह कर ऐसे लोगों की मदद लेनी चाहिए जो व्यापार की दुनिया और उसकी चुनौतियों को समझते हैं। नई सोच और गैर पारंपरिक तरीके अपना कर हम इस चुनौती का प्रभावी तरीके से सामना कर सकते हैं।
रमन मिश्रा

अमेरिका हमारे निर्यात के लिए बेहद अहम बाजार है। जाहिर है टैरिफ से नुकसान होगा लेकिन ट्रंप के दबाव में हम राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं कर सकते हैं। भारत एक वैश्विक शक्ति के तौर पर उभर रहा है। आने वाले समय में हमें ऐसी और चुनौतियों के लिए तैयार रहना होगा क्योंकि बड़ी ताकतें हमारी राह में रोड़े डालने का प्रयास करेंगी।
किशन पाल

बनेंगे नए भू- राजनीतिक समीकरण

डा. अभिषेक श्रीवास्तव
असिस्टेंट प्रोफेसर, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय

भारत यूरोपीय संघ, आसियान, पश्चिम एशिया और अफ्रीका के साथ अपने आर्थिक संबंधों को और गहरा करने के साथ नए बाजार तलाश सकता है। इससे नए भू-राजनितिक समीकरण भी उभरेंगे जो अगले कई दशकों तक विश्व व्यवस्था को निर्धारित करेंगे।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल के प्रारंभ में ही अमेरिकी व्यापार नीति में बुनियादी बदलाव करते हुए वैश्विक राजनीति में उथल-पुथल ला दी है। अमेरिकी प्रशासन ने आर्थिक नीति में संरक्षणवाद और एकपक्षीयवाद को अपनाया, जिससे वैश्विक मुक्त व्यापार और बहुपक्षीय संस्थाओं के लिए दशकों से चली आ रही अमेरिकी नीति का अंत समझा जा सकता है। इस बदलाव के केंद्र में राष्ट्रपति ट्रंप की ''मेक अमेरिका ग्रेट अगेन'' की नीति है जिसके तहत सहयोगियों और विरोधियों, दोनों पर आक्रामक टैरिफ लगाए जा रहे हैं। द्विपक्षीय व्यापार में टैरिफ को एक आर्थिक उपकरण की तरफ इस्तेमाल करके ट्रंप दशकों से चली आ रही वैश्वीकरण तथा उदारीकरण की प्रक्रिया को ना सिर्फ कमजोर कर रहे हैं बल्कि उस विश्व व्यवस्था को पुनर्परिभाषित करने की कोशिश कर रहे है, जिसमे ''ग्लोबल साउथ'' के कुछ उभरते हुए देश पहले से स्थापित शक्तियों को चुनौती देने की तैयारी कर रहे हैं। ट्रंप इन देशों को नियंत्रित करना चाहते हैं। अमेरिकी प्रशासन द्वारा भारत पर लगाया गया टैरिफ केवल आर्थिक निर्णय नहीं है बल्कि इसके पीछे भू-राजनीतिक कारण भी है, जिसमे भारत के ब्रिक्स देशों के साथ व्यापारिक संबंध तथा रूस के साथ तेल तथा हथियार का व्यापार एक प्रमुख मुद्दा है। हाल के दशक में उदार अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और वैश्विक पुनर्गठन की चुनौतियों के बीच आर्थिक तथा सामरिक रूप से मजबूत हो रहे भारत के लिए इन नीतियों के दूरगामी परिणाम होंगे।

शीत युद्ध की समाप्ति के बाद भारत ने आर्थिक उदारीकरण की नीति अपनाने के साथ ही अपनी विदेश नीति को भी कई मोर्चों पर सक्रिय किया था। अपने राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखते हुए पिछले दशकों में भारत ने रूस के साथ-साथ अमेरिका, यूरोप, पश्चिम एशिया, दक्षिण पूर्वी एशियाई तथा पड़ोसी देशों के लिए अधिक व्यावहारिक नीतियां बनाई हैं। भारत ने गुटनिरपेक्षता की नीति को छोड़कर सामरिक स्वयत्तता को विदेश नीति के केंद्र में रखकर बहुध्रुवीयता को समर्थन देते हुए बहुपक्षीयता का विस्तार किया है।

भारत-अमेरिका की रणनीतिक साझेदारी रक्षा और चीन को हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में संतुलित करने पर आधारित थी। अब राष्ट्रपति ट्रंप के एकतरफा टैरिफ निर्णय तथा पाकिस्तानी आतंकवाद के खिलाफ आपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय विदेश नीति पर अव्यावहारिक बयानबाजी करने के कारण दोनों देशों के संबंधों में तनाव आया है। पाकिस्तान जैसे आतंकवाद समर्थक देश की तरफ राष्ट्रपति ट्रंप का झुकाव भारत और अमेरिका के मूल्य आधारित संबंधों तथा वैश्विक नीतियों के विपरीत दिखता है जिसमे आतंकवाद तथा विस्तारवाद का विरोध तथा लोकतांत्रिक मूल्यों पर दोनों देशों ने एक शांतिपूर्ण विश्व व्यवस्था के लिए साथ काम करना तय किया था।

भारत, दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों तथा यूरोप जैसे बाजारों और वैश्विक अर्थव्यवस्था को यह वित्तीय अस्थिरता और सप्लाई चेन में व्यवधान अधिक जोखिम में डाल सकता है। हालांकि भारत और ब्रिटेन के बीच हाल ही में मुक्त व्यापार समझौता हुआ है। यूरोपीय संघ, आसियान, पश्चिम एशिया और अफ्रीका के साथ भारत अपने आर्थिक तथा वित्तीय संबंधों को और अधिक गहरा बना सकता है तथा अमेरिकी टैरिफ तानाशाही के जवाब में नए बाजारों की तलाश कर सकता है। इससे ना सिर्फ व्यापारिक संबंधों का विस्तार होगा बल्कि नए भू-राजनितिक समीकरण भी उभरेंगे जो अगले कई दशकों तक विश्व व्यवस्था को निर्धारित करेंगे।

बहुपक्षीय अंतरराष्ट्रीय संगठनों जैसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद्, विश्व व्यापार संगठन एवं अन्य वैश्विक संगठनों का पंगु हो जाना, वैश्विक महाशक्तियों का अंतरराष्ट्रीय नियमों को दरकिनार कर स्वार्थपूर्ण हितों को सर्वोपरि रखना वैश्विक व्यवस्था को तहस नहस कर रहा है।

भारत को अपनी सामरिक स्वायत्तता बनाए रखते हुए विदेश नीति को राष्ट्रीय हितो के आधार पर ही संचालित करना चाहिए। तेजी से बदल रहे वैश्विक परिदृश्य के बीच भारत के सामने एक सुनहरा अवसर भी है। इस समय वह विश्व के उन तमाम देशों के साथ खड़ा हो सकता है और उनकी आवाज बन सकता है जो एक तरफ अमेरिका की टैरिफ तानाशाही के शिकार हैं तो वहीं, दूसरी तरफ चीन के कर्ज जाल में फंसे हुए हैं।

राष्ट्रीय फलक

चोरी के बाद सो गया चोर, पिटाई से टूटी नींद

जागरण संवाददाता, कानपुर : नशे में धुत चोर शनिवार रात एक घर में चोरी के इरादे से घुस गया। वह नशे में इस कदर चूर था कि चोरी करने के बाद उसी घर में सो गया। सुबह जब घर के लोगों की नींद खुली तो अलमारी का लाकर टूटा देख चौंक गए। बिस्तर पर चोर सोता मिला तो उसकी धुनाई कर दी।

बिनोद कुमार और छोटे भाई अनिल अगल-बगल घर में रहते हैं। शनिवार देर रात अरुण कुमार नशे की हालत में बिनोद कुमार के घर में चोरी के इरादे से घुस गया। अलमारी का लाकर तोड़कर नकदी और जेवरात चुरा लिए। इसके बाद वह अनिल के घर पहुंचा। यहां भी अलमारी का ताला तोड़कर चोरी की। नकदी और जेवरात चोरी करके जेब में रख लिए। इस दौरान नशा उस पर इस कदर हावी हुआ कि अनिल के घर में ही बेड पर सो गया।

हिंदू युवती का गला काटने में मुस्लिम आरोपित के मददगार बने दो आरक्षक

नईदुनिया प्रतिनिधि, बुरहानपुर

मध्य प्रदेश के बुरहानपुर जिले में मुस्लिम युवक शेख रईस ने जिस हिंदू युवती भाग्यश्री को चाकू से गला रेतकर मार डाला, उसकी ओर से घटना से पहले जान से मारने की धमकी देने की शिकायत को पुलिस चौकी के दो आरक्षकों ने दबा दिया था। इसके लिए इन दोनों आरक्षकों वसीम कुरैशी और इकबाल खान को पुलिस अधीक्षक ने लाइनहाजिर कर दिया है। भाग्यश्री के स्वजन का आरोप है कि दोनों आरक्षक हत्यारोपित शेख रईस से मिले हुए थे और एक ही धर्म से होने की वजह से वे शिकायत को दबाकर शेख के मददगार बन गए। आरोप है कि अगर समय रहते धमकी की शिकायत को पुलिस ने संज्ञान लिया होता तो वारदात को रोका जा सकता था।

बता दें कि शुक्रवार देर रात को बुरहानपुर जिले में नावरा क्षेत्र निवासी 30 वर्षीय हिंदू युवती भाग्यश्री धानुक की मुस्लिम युवक शेख रईस ने उसके घर में घुसने के बाद चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी थी। यह सनसनीखेज वारदात इसलिए अंजाम दी गई, क्योंकि शेख रईस द्वारा इस्लाम धर्म स्वीकार करके उससे निकाह करने से युवती ने इन्कार कर दिया था। हत्यारोपित ने बात न मानने पर कई बार उसे अंजाम भुगतने की धमकी दी थी। भाग्यश्री की बहन का कहना है कि शेख रईस सिर कलम करने की धमकी दे रहा था। इसकी शिकायत वारदात से पहले भाग्यश्री ने घर के पास स्थित नावरा पुलिस चौकी में की थी, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की।

बिहार में जमानत पर निकल केस करने वाले की हत्या

जासं, गयाजी : जेल से हफ्ते भर पहले जमानत पर निकले एक हिस्ट्रीशीटर ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर केस करने वाले युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। गोली मारने के पहले तीनों ने मिलकर युवक की जमकर पिटाई भी की। यह दुस्साहसिक वारदात शनिवार की देर रात गयाजी शहर के डेल्हा थाना क्षेत्र अंतर्गत बैरागी मोहल्ला में हुई। मारा गया युवक 26 वर्षीय मनीष मांझी है। वरीय पुलिस अधीक्षक आनंद कुमार ने बताया कि घटना के 24 घंटे के भीतर मुख्य आरोपित बबलू मांझी उर्फ विशाल और बंटी मांझी को एक कट्टा व दो गोली समेत गिरफ्तार कर लिया गया है। तीसरे आरोपित की तलाश की जा रही है।

नगर पुलिस अधीक्षक रामानंद कुमार कौशल ने बताया कि युवक को घर लौटने के क्रम में गोली मारी गई थी, उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी।

केंद्रीय मंत्री जयन्त की योगी से आंबेडकर तीर्थ-स्थल यात्रा योजना की मांग

जहीर हसन ● जागरण

बागपत : राष्ट्रीय लोकदल अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयन्त चौधरी ने अनुसूचित वर्ग को रिझाने एवं सपा के पीडीए (पिछड़ा, दलित व अल्पसंख्यक) की हवा निकालने के लिए बड़ा राजनीतिक दांव चला है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को भारत रत्न डा. भीमराव आंबेडकर के जीवन से जुड़े पंचतीर्थों का दर्शन कराने के लिए योजना शुरू करने की मांग की है।

भाजपा से हाथ मिलाने पर रालोद से मुस्लिम वर्ग छिटका हुआ है। विधानसभा चुनाव 2027 में इसकी भरपाई के लिए गुर्जरों को लुभाने के साथ जयन्त चौधरी ने योगी को पत्र भेजकर 'आंबेडकर तीर्थ स्थल यात्रा योजना' शुरू करने का अनुरोध किया है। उन्होंने पत्र में कहा कि भारत रत्न डा. भीमराव आंबेडकर संविधान निर्माता और वंचितों के उत्थान के लिए आजीवन संघर्ष करने वाले महान व्यक्तित्व थे। उनका जीवन और विचार राष्ट्र के लिए प्रेरणा स्रोत है। सरकार के प्रयास से उनके जीवन से जुड़े तीर्थस्थल अब एक शानदार भ्रमण स्थल के साथ-साथ प्रेरणा स्थल के रूप में विकसित हो चुके हैं, लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए इन स्थलों के दर्शन व्यवहार्य नहीं हैं। इनकी सहायता के लिए पंचतीर्थों के भ्रमण को उक्त योजना शुरू की जाए। जयन्त ने कहा कि उप्र सर्वाधिक जनसंख्या वाला राज्य होने के साथ-साथ सामाजिक-राजनीतिक चेतना का भी महत्वपूर्ण केंद्र है।

अपने बच्चे को लहूलुहान देख भैंसों ने रस्सी तोड़ तेंदुए को मार डाला

जागरण संवाददाता, अमेठी : मां तो मां होती है...चाहे बेजुबान ही क्यों न हो। जिले के भालेसुलतान क्षेत्र में शनिवार से एक तेंदुआ आक्रामक था। रविवार को वह भैंस के तबेले में जा पहुंचा। वहां भैंसों के बच्चों पर हमला कर दिया। अपनी संतान को लहूलुहान होते देख भैंसों ने पगहा (बांधने वाली रस्सी) तोड़ दी। एक साथ कई भैंसें तेंदुए पर टूट पड़ीं...नतीजतन तेंदुआ गिर गया और उसकी मौत हो गई।

रविवार सुबह जानकारी मिलने पर जिलाधिकारी संजय चौहान के साथ वन व पुलिस विभाग के अधिकारी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। दोपहर बाद तेंदुए का पोस्टमार्टम करवाया गया, जिसमें चोट की वजह से मौत की पुष्टि हुई है। तेंदुए के शरीर में एक पुराना घाव भी मिला।

****

दैनिक जागरण
ऊर्जा का अपव्यय ही अवनति की ओर ले जाता है

थोड़ी तो शर्म करें

चुनाव आयोग ने बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर जिस तरह यह कहा कि अब तक इस सूची के प्रारूप पर किसी भी दल से कोई आपत्ति नहीं मिली, उससे यही साफ होता है कि विपक्षी दल जानबूझकर इस संवैधानिक संस्था को बदनाम करने के साथ लोगों को गुमराह कर रहे हैं। लज्जा की बात यह है कि यह काम देश पर लंबे समय तक शासन करने वाली कांग्रेस भी कर रही है। चुनाव आयोग पर उलटे-सीधे आरोप लगाने के मामले में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी तो सारी हदें पार कर गए हैं। लगता है कि उनकी हताशा कुंठा में बदल गई है। वे लोकसभा में चुनाव आयोग को धमकी देने से भी बाज नहीं आए। उनकी नजरों में आने के लिए कांग्रेस के प्रवक्ता और वरिष्ठ नेता भी बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण की चुनाव आयोग की आवश्यक और सुप्रीम कोर्ट की ओर से अनुमोदित पहल पर बेतुके बयान देने में लगे हुए हैं। इसमें नया नाम जुड़ा है पूर्व केंद्रीय गृहमंत्री पी. चिंदबरम का। उन्होंने पहलगाम हमले पर बेतुका बयान देकर कुछ ही दिनों पहले कांग्रेस और अपनी फजीहत कराई है। अब वे नए सिरे से अपनी फजीहत करा रहे हैं। उन्होंने बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण पर यह कह दिया कि चुनाव आयोग अपनी शक्तियों का दुरुपयोग कर रहा है और इसका कानूनी तरीके से भी मुकाबला किया जाना चाहिए। आखिर उन्हें या अन्य विपक्षी नेताओं को चुनाव आयोग की कथित अनावश्यक एवं लोकतंत्र विरोधी पहल के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने से रोका किसने है? क्या ये वही लोग नहीं जो सुप्रीम कोर्ट गए थे और वहां उन्होंने मुंह की खाई?

अब इसमें तनिक भी संदेह नहीं कि विपक्षी दल लोकतंत्र बचाने का नाटक करके लोकतंत्र की ही जड़ें खोदने का काम कर रहे हैं। उन्हें न तो एक संवैधानिक संस्था को बदनाम करने में शर्म आ रही है और न ही वे सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों पर ध्यान देना पसंद कर रहे हैं। विपक्षी दलों का रवैया चुनाव आयोग के साथ सुप्रीम कोर्ट का अनादर करने और संसद के भीतर-बाहर इस मुद्दे को तूल देकर चर्चा में बने रहने वाला है। क्या देश की औसत जनता इतनी नासमझ है कि उनकी सस्ती राजनीति और चालबाजी को न समझ पा रही हो? इसका पता तो बिहार के आगामी विधानसभा चुनावों के बाद ही चलेगा कि विपक्ष को मतदाता सूची के सत्यापन पर बेवजह आसमान सिर पर उठाने से क्या हासिल हुआ, लेकिन इतना तो है ही कि कांग्रेस समेत कुछ विपक्षी दलों के नेता मतदाता सूचियों को सही करने के चुनाव आयोग के एक जरूरी काम पर बहुत ही भद्दी और एक तरह से आम मतदाताओं के हितों को नुकसान पहुंचाने वाली हरकत कर रहे हैं। विडंबना यह है कि सुप्रीम कोर्ट ने अभी तक चुनाव आयोग के साथ खुलकर खड़े होना आवश्यक नहीं समझा।

जरूरी पहल

प्राथमिक के साथ उच्च शिक्षा की बेहतरी के लिए बिहार सरकार के प्रयास लगातार जारी हैं। विद्यालयों में शिक्षकों के रिक्त पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया भी चल रही है। सभी जिलों में मेडिकल कालेज खोलने की सरकार ने घोषणा की है। कई जिलों में यह प्रक्रियाधीन है। प्रदेश के इंजीनियरिंग कालेज से शिक्षा ग्रहण करने वालों को उचित नियोजन मिले, इसको लेकर अभिभावक और छात्र चिंतित रहते हैं। इस पर गंभीरता दिखाते हुए सरकार ने निर्णय लिया है कि राज्य के सभी सरकारी अभियंत्रण महाविद्यालयों और पालिटेक्निक संस्थानों में छात्र-छात्राओं के नियोजन के बारे में न केवल जानकारी दी जाएगी, बल्कि तकनीकी शिक्षा पूरी करने वाले छात्र-छात्राओं को रोजगार दिलाने के लिए अभियान भी चलाया जाएगा। इसके मद्देनजर मैकेनिकल एवं इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के छात्र-छात्राओं के लिए पूल कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव चलाया जाएगा। इस दौरान एक अभियान के तहत एक ही जगह पर कई संस्थानों के छात्र-छात्राओं के लिए नियोजन कार्यक्रम आयोजित कर रोजगार दिलाया जाएगा। इसमें मल्टीनेशनल कंपनियां भी भाग लेंगी। अच्छी बात है कि इस अभियान के लिए कंपनी की ओर से ई-मेल के माध्यम से लिखित परीक्षा में भाग लेने के लिए कुल 121 छात्र-छात्राओं का चयन किया गया है। राज्य के सरकारी इंजीनियरिंग कालेज के छात्रों को कोर्स पूरा करने के बाद यदि बेहतर नियोजन मिलेगा तो उन्हें दूसरे राज्यों के कालेजों में नामांकन के लिए नहीं जाना पड़ेगा। साथ ही, तकनीकी शिक्षा के प्रति विद्यार्थियों का रुझान भी बढ़ेगा।

> तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को बेहतर नियोजन दिलाने का सरकार का प्रयास सराहनीय है

मतदाता सूचियों में घुसपैठ

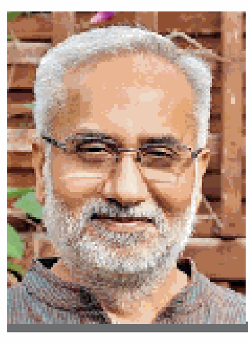

शिवकांत शर्मा

घुसपैठियों द्वारा मतदान के जरिये जनादेश को प्रभावित करना चुनाव प्रक्रिया में विदेशी हस्तक्षेप जैसा है। वे तमाम योजनाओं का बेजा लाभ भी उठाते हैं

जनतंत्र में जनता चुनावों के जरिये जनादेश देती है। इसलिए चुनाव जनतंत्र की आधारशिला है और चुनावों की विश्वसनीयता यह सुनिश्चित करने पर निर्भर करती है कि मतदान में वही लोग भाग लें जो उसकी अर्हता रखते हों। मतदाताओं की अर्हता लगभग हर लोकतांत्रिक देश में मतदाताओं की आयु, नागरिकता और जिस क्षेत्र का चुनाव हो रहा हो, वहां निवास के प्रमाण के आधार पर तय की जाती है और मतदाता सूचियां बनाई जाती हैं। पुनरीक्षण से इन्हें निरंतर अद्यतन रखने के मामले में आस्ट्रेलिया, कनाडा और जर्मनी को विश्व में आदर्श माना जाता है। आस्ट्रेलिया और कनाडा में मतदाता पंजीकरण और मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण का काम भारत के चुनाव आयोग की तरह केंद्रीय एजेंसियां करती हैं। अमेरिका और ब्रिटेन में इसका दायित्व स्थानीय प्रशासन के पास है जो केंद्र सरकारों के निर्देशों के आधार पर उसे निभाते हैं। आस्ट्रेलिया और इटली में मतदान के लिए पंजीकरण कराना और मतदान करना अनिवार्य भी है।

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत की बात करें तो निर्वाचन आयोग के अनुसार पिछले साल तक मतदाता सूची में कुल 96.88 करोड़ लोगों के नाम थे। जबकि देश में 18 साल से अधिक उम्र के लोगों की जनसंख्या केवल 91 करोड़ के आसपास थी। आंकड़ों की इस विसंगति के तीन प्रमुख कारण हो सकते हैं। पहला, पिछले 15 वर्षों से जनगणना न होने के कारण जनसंख्या का अनुमान सही न होना। दूसरा, मतदाता सूचियों में ऐसे लोगों के नाम शामिल होना जिनका निधन हो चुका है। तीसरा, अयोग्य, फर्जी और घुसपैठियों का शामिल होना। उन्हीं के निवारण के लिए चुनाव आयोग ने बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का काम शुरू किया है, जिसके समय को लेकर आइएनडीआइए के दल मुखर विरोध कर रहे हैं। विरोध करने वालों का एक तर्क यह है कि नागरिकता का सत्यापन करना गृह मंत्रालय का काम है, चुनाव आयोग का नहीं। हालांकि नागरिकता के सत्यापन के बिना मतदान करने की अर्हता तय नहीं हो सकती और उसे तय किए बिना सही मतदाता सूची नहीं बन सकती। मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण का काम चुनाव एजेंसियों का ही है, इसलिए नागरिकता का प्रमाण मांगे बिना वे पारदर्शी मतदाता सूची कैसे तैयार कर पाएंगी? अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, आस्ट्रेलिया और कनाडा से लेकर जापान तक हर देश की मतदाता सूची में शामिल होने के लिए नागरिकता का प्रमाण अनिवार्य है। घुसपैठियों द्वारा मतदान के जरिये जनादेश को प्रभावित करना चुनाव प्रक्रिया में विदेशी हस्तक्षेप जैसा ही है। इसलिए बिहार में मतदाता सूची की पुनरीक्षा को चुनौती देने वालों के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट का कूद पड़ना और यह कहना कि 'यदि बड़े पैमाने पर लोगों को इस सूची से बाहर किया गया, तो वह हस्तक्षेप करेगा' हैरत की बात है। कोर्ट को तो निर्वाचन आयोग से यह पूछना चाहिए कि उसने बिहार में 2003 और बंगाल में 2002 से आज तक मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण क्यों नहीं किया?

अवधेश राजपूत

जिन फर्जी मतदाताओं और घुसपैठियों को मतदाता सूची से निकालने के लिए निर्वाचन आयोग ने पुनरीक्षा का काम शुरू किया है, उन्हें वोट बैंक बनाकर अब वही दल सबसे कड़ा विरोध कर रहे हैं जो इस समस्या को लेकर कभी सबसे मुखर रहे। मसलन, लालू प्रसाद यादव ने सितंबर 1992 में केंद्र सरकार से कहा था कि वह बांग्लादेश से हो रही घुसपैठ को रोकने के कारगर उपाय करे। उन्होंने ऐसा कानून बनाने की मांग भी रखी थी जो घुसपैठियों को अचल संपत्ति खरीदने से रोके। सीमावर्ती जिलों में भारतीयों को पहचान पत्र देने की सलाह भी दी थी ताकि घुसपैठियों की पहचान हो सके। इसी तरह 2005 में बंगाल की मतदाता सूचियों में घुसपैठियों की समस्या रेखांकित करने के लिए ममता बनर्जी ने तत्कालीन राष्ट्रपति अब्दुल कलाम को बांग्लादेश और बंगाल के उन दो चुनाव क्षेत्रों की मतदाता सूचियां भेंट की थीं, जिनमें अनेक नाम समान थे।

आस्ट्रेलिया, कनाडा और जर्मनी ने मतदाता सूचियों को अद्यतन रखने के लिए निर्वाचन आयोगों को पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, जन्म-मृत्यु पंजीकरण और जनकल्याण जैसी नागरिकों के आंकड़े रखने वाली एजेंसियों से जोड़ रखा है। इसलिए वहां की चुनाव एजेंसियों को अपनी मतदाता सूचियां अद्यतन रखने में कठिनाई नहीं होती। जर्मनी ने अपना पता बदलने पर स्थानीय प्रशासन के दफ्तर में जाकर पंजीकरण कराना अनिवार्य कर रखा है, जिसकी वजह से मतदाता सूची भी अपने आप अद्यतन होती रहती है। ब्रिटेन और फ्रांस में स्थानीय सरकारें डाक और इलेक्ट्रानिक संपर्क के माध्यम से हर साल मतदाता सूची को अद्यतन करती हैं। लोग जब चाहें आनलाइन जाकर भी नाम दर्ज करा सकते हैं। इसके अलावा हर चुनाव से पहले भी इन्हें अद्यतन किया जाता है। स्वीडन, फिनलैंड और नीदरलैंड्स जैसे छोटे यूरोपीय देशों में राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर भी हैं, जिससे फर्जी नाम और घुसपैठिए मतदाता सूचियों में जगह नहीं पा सकते। नागरिकता रजिस्टर रखने इसलिए भी जरूरी हैं, ताकि घुसपैठिए मुफ्त स्कूली शिक्षा और इलाज, वृद्धावस्था पेंशन और सीमित समय के लिए बेरोजगारी भत्ते आदि का लाभ न उठा सकें। यहां तक कि पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका और म्यांमार जैसे भारत के पड़ोसी देशों ने भी नागरिकता रजिस्टर या पहचान पत्र बना रखे हैं ताकि शरणार्थियों और घुसपैठियों का हिसाब रखा जा सके। क्या ऐसे असफल देशों से घिरे भारत को भी अपनी चुनाव प्रक्रिया को घुसपैठ के प्रभाव से बचाने के लिए नागरिकता रजिस्टर बनाने पर गंभीरता से विचार नहीं करना चाहिए?

भारत अब धीरे-धीरे जनकल्याण सेवाओं का दायरा भी फैला रहा है। नागरिकता रजिस्टर बन जाने से एक तो फर्जीवाड़ा करने वाले लोग और घुसपैठिए न तो योजनाओं का अनुचित लाभ उठा पाएंगे और न ही जनादेश को भी प्रभावित कर पाएंगे। हालांकि इसके लिए चुनाव आयोग को मतदाता सूचियों के निरंतर और वार्षिक अद्यतनीकरण की व्यवस्था भी शुरू करनी होगी।

(लेखक बीबीसी हिंदी के पूर्व संपादक हैं)

response@jagran.com

प्राथमिकता में आए मानसिक स्वास्थ्य

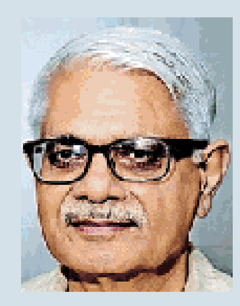

गिरीश्वर मिश्र

स्वास्थ्य सुविधाएं और संपन्नता बढ़ने से आज के समय में आयु तो बढ़ रही, पर आदमी का मन कमजोर होने लगा है

स्वस्थ रहना हमारी स्वाभाविक स्थिति होनी चाहिए, पर समकालीन परिवेश में अधिकांश लोगों के लिए यह संभव नहीं हो पा रहा है। शारीरिक रोगों को तो आसानी से पहचान लिया जाता है, परंतु मानसिक रोगों की पहचान और इलाज के लिए विशेष प्रशिक्षण और अध्ययन की आवश्यकता होती है। मनोचिकित्सा को विषय के रूप में मेडिकल कालेजों में साइकियाट्री के अंतर्गत रखा जाता है। इसी से जुड़े विषय क्लिनिकल साइकोलाजी और काउंसिलिंग भी हैं, जो मनोविज्ञान विषय के अंग हैं। भारत में मानसिक स्वास्थ्य सुविधाएं जनसंख्या की दृष्टि से बहुत कम और अपर्याप्त हैं। क्लिनिकल साइकोलाजी के अध्ययन की कुछ चुनिंदा संस्थाएं हैं, जहां जरूरी और प्रामाणिक प्रशिक्षण दिया जाता है। इस दृष्टि से एमए करने के बाद क्लिनिकल साइकोलाजी में एमफिल की एक प्रोफेशनल डिग्री का प्रविधान किया गया है। इसके अंतर्गत मानसिक स्वास्थ्य और उपचार के लिए छात्रों को गहन सैद्धांतिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके द्वारा मानसिक रोगियों के उपचार के लिए प्रशिक्षुओं को थेरेपी देने के लिए योग्य बनाया जाता है। नई शिक्षा नीति में एमफिल की डिग्री को बंद करने का फैसला लिया गया है। इसके फलस्वरूप अन्य विषयों की तर्ज पर क्लिनिकल साइकोलोजी में भी एमफिल डिग्री को बंद करना होगा। इस एमफिल डिग्री की उपादेयता को अन्य विषयों में एमफिल के बराबर रख कर देखना घातक है। इसे बंद करने से मानसिक स्वास्थ्य की देख-रेख के लिए जो भी थोड़े बहुत मानव संसाधन तैयार हो रहे थे, वह क्रम रुक जाएगा। यह समाज के लिए बड़ा घातक होगा। सरकार इस पर पुनर्विचार करे।

मानसिक परेशानी के चलते शारीरिक बीमारियां भी होती हैं। इसी तरह शारीरिक रोग से मानसिक रुग्णता पैदा होती है। शरीर और मन को अलग रखना गलत है, क्योंकि स्वास्थ्य और बीमारी, दोनों ही स्थितियों में ये एक संयुक्त इकाई के रूप में ही काम करते हैं। आज बेरोजगारी, सामाजिक अन्याय, पारिवारिक विघटन, जीवन-हानि और गरीबी जैसी स्थितियां आम आदमी के मानसिक स्वास्थ्य के लिए चुनौती बनती जा रही हैं। कंप्यूटर, इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धि जैसे तकनीकी हस्तक्षेपों के चलते कामकाज अधिकाधिक स्वचालित होते जा रहे हैं। स्मार्टफोन जैसे उपकरणों के नए-नए माडल शान-शौकत के प्रतीक बनते जा रहे हैं। ऐसे उपकरणों के न होने पर आदमी की हैसियत कम आंकी जाती है, जो मानसिक रोग का एक कारण बन रही है।

तन के साथ मन की सेहत का ध्यान भी जरूरी। फाइल

वैश्विक स्तर पर हुए स्वास्थ्य-सर्वेक्षणों में दुश्चिंता यानी एंग्जाइटी, फोबिया, बाई-पोलर डिसआर्डर आदि मनोरोगों से ग्रस्त लोगों की संख्या निरंतर बढ़ रही है। इसके चलते लोग मादक द्रव्य, तंबाकू, मद्यपान और विभिन्न ड्रग्स का सेवन भी तेजी से कर रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रपटें इक्कीसवीं सदी में स्वास्थ्य का भयावह चित्रण कर रही हैं। प्रौढ़ जनसंख्या में एक तिहाई लोग अनिद्रा से ग्रस्त हैं। 1999 के बाद आत्महत्या के मामलों में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। भारत में 2017 में हुए एक सर्वेक्षण में हर सात में से एक व्यक्ति को किसी न किसी मनोरोग से ग्रस्त पाया गया था। आज अच्छी स्वास्थ्य सुविधाओं और आर्थिक संसाधन बढ़ने से शरीर की आयु तो बढ़ गई, पर आदमी का मन कमजोर होने लगा है। अल्जाइमर और डिमेंशिया के रोग लोगों में तेजी से बढ़ रहे हैं। अवसाद, शराब की लत, बाई पोलर डिसआर्डर और सिजोफ्रेनिया आज एक महामारी के रूप में उभर रही है। स्थिति की भयावहता का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि अकेले उत्तरी अमेरिका में 2022 में 326 अरब डालर अवसाद के उपचार में खर्च हुआ था। वर्ष 2010 में यह खर्च 210.5 अरब डालर था। इस सदी के तीसरे दशक में वैश्विक स्तर पर 16 लाख करोड़ डालर मनोरोगों से जूझने पर खर्च करने होंगे।

सांसारिक सुख-भोग करना सबको प्रिय है। बाजार और विज्ञापन ने सुख को उपभोग से जोड़कर आग में घी डालने का काम किया है। अब हम अपनी 'सफलता', विकास और सुख अधिकाधिक उपभोग में देखने के आदी हो गए हैं, परंतु उपभोग की वस्तुओं को एकत्र करते रहने के बावजूद हम तनाव, चिंता, दबाव, अकेलापन, व्यसन या लत, असंतुष्टि, कुंठा जैसी समस्याओं से मुक्त नहीं हो पा रहे हैं। तो फिर स्वस्थ्य रहने के लिए जरूरी क्या है? इस सवाल के जबाव में समुचित आहार (भोजन), विहार (आचरण), निद्रा और चेष्टा (कार्य) को आवश्यक बताया गया है। पांच महाभूत-पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि और आकाश ही तो हैं, जो हमें रचते हैं और रचना के बाद आकार पाकर हम भी उन्हें प्रभावित करते हैं। इनके साथ संगति और विसंगति से स्वास्थ्य प्रभावित होता है। हमारा शरीर साध्य भी है और मानसिक अस्तित्व का साधन भी। इसी तरह महात्मा बुद्ध अधिक और कम के बीच का मार्ग अपनाने को कहते हैं। लोक-व्यवहार में भी 'अति' वाला आचरण वर्जित माना जाता है। बड़े-बूढ़े अब भी संतुलित जीवन की हिदायत देते हैं। स्वस्थ रहने के लिए जीवनशैली में बदलाव और रोग की स्थिति में उसकी उपेक्षा न कर उसका समाधान करना आवश्यक है। आशा है देश की आवश्यकता को देखते हुए मानसिक स्वास्थ्य के लिए लोक जागरण के साथ उसके अध्ययन की सुविधाओं का विस्तार करने पर भी ध्यान दिया जाएगा।

(लेखक दर्शनशास्त्र के प्रोफेसर एवं कुलपति रहे हैं)

response@jagran.com

ऊर्जा

धैर्य की शक्ति

धैर्य में अद्भुत शक्ति है। अनेक संकटों का समाधान धैर्य में निहित है। जिन प्रश्नों का उत्तर विद्वान भी नहीं दे सके, उनका हल सदैव धैर्य ने किया है। ऋषि-मुनियों ने धैर्य को भगवान तक पहुंचने का मार्ग बताया है। वास्तव में सभी उपायों में धैर्य सर्वोत्तम है। संत पथिक जी महाराज का कहना था कि विश्व में जो भी झंझावात हैं, उनका समाधान धैर्य द्वारा सफलतापूर्वक किया जा सकता है, इसमें कोई संदेह नहीं। सद्गुणों में धैर्य का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। कठिन से कठिन परीक्षाओं को धैर्य के माध्यम से पार किया जा सकता है। यह एक सिद्ध प्रयोग है। महात्माओं ने धैर्य के चमत्कारी प्रभावों का उल्लेख किया है। ज्ञानार्जन से लेकर जीविकोपार्जन तक, धैर्य की परंपरा अद्भुत और उपयोगी है। यह सबसे सरल साधना के रूप में भी प्रतिष्ठित है। विद्यार्थी, व्यवसायी और राजनेता सभी ने धैर्य से लाभ उठाया है। कभी-कभी धैर्य के अतिरिक्त कोई विकल्प नहीं बचता। विद्वानों ने समय को धैर्य से जोड़कर विशिष्ट प्रयोजन उद्घाटित किए हैं। लक्ष्य प्राप्ति के लिए समय का सम्मान आवश्यक है। समय का समादर ही धैर्य कहलाता है और काल की उचित प्रतीक्षा भी इसे परिभाषित करती है। इतिहास साक्षी है कि बड़े-बड़े महारथी और सम्राट भी समय के अधीन अपनी रणनीतियों को सफलतापूर्वक लागू कर सके। धैर्य धारण करने के बाद ही उनके समक्ष अवसर आए। विपरीत समय ने कभी उनका साथ नहीं दिया। केवल अनुकूल समय ने ही उन्हें विजय दिलाई, जो धैर्य के माध्यम से संभव हुआ।

इस प्रकार धैर्य केवल एक गुण नहीं, बल्कि जीवन की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है। यह हमें कठिनाइयों का सामना करने की शक्ति प्रदान करता है और हमें सही समय पर सही निर्णय लेने में मदद करता है। धैर्य का अभ्यास करने से हम न केवल अपने व्यक्तिगत जीवन में, बल्कि समाज में भी सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं।

डा. राघवेंद्र शुक्ल

रिश्तों की टूटती डोर

स्वाति

आज देश में तलाक, विवाहेत्तर संबंध, अलगाव, हिंसा और हत्याओं की बाढ़ आ गई है, जिसे देखकर हमें चेतना चाहिए

कथावाचक अनिरुद्धाचार्य जी के एक बयान पर अभी विरोध का स्वर थमा भी नहीं था कि प्रेमानंद महाराज जी का ताजा बयान बहस को आगे बढ़ाता दिख रहा है। हाल में अनिरुद्धाचार्य जी ने कहा कि लड़कियों को विवाह पूर्व किसी भी ऐसे संबंध में नहीं पड़ना चाहिए जिससे उनका स्त्रीत्व खंडित होता हो। समाज की इस समस्या को आज के परिप्रेक्ष्य में अनदेखा नहीं किया जा सकता। गत दिनों सोनम रघुवंशी मामले ने पूरे देश का ध्यान खींचा। किसी अन्य के साथ प्रेम संबंध में रहते हुए विवाह में प्रवेश करना और फिर अपने पति की हत्या करना विवाह पूर्व संबंधों के कुप्रभाव को दर्शाता है। इस प्रकार की घटनाओं की बढ़ती संख्या सभ्य समाज के लिए घातक है।

लिव-इन रिलेशनशिप के लिए देश में कोई विशेष कानून नहीं है। ऐसे रिश्तों में लिप्त हिंसा, बच्चों के अधिकार, संपत्ति में अधिकार आदि मौजूदा कानूनों द्वारा संरक्षित होते हैं। जज अपने निर्णय में रिश्ते की ''प्रकृति और परिस्थिति'' को आधार बनाते हैं। उदाहरण के लिए, युगल के एक साथ रहने की अवधि, घरेलू जिम्मेदारियों का बोध और क्रियान्वयन, साझा प्रापर्टी आदि की स्थितियां निर्णायक होती हैं। ऐसे रिश्तों में संबंध-विच्छेद की स्थिति में लड़कियां अक्सर लड़कों पर दुष्कर्म का आरोप लगा देती हैं, जिसे न्यायालयों ने कई मामलों में अस्वीकार किया है। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने सितंबर 2023 में लिव-इन को लेकर कड़ी टिप्पणी की थी। जब एक लड़की गर्भवती हुई और लड़के ने संबंध विच्छेद किया, तो लड़की ने दुष्कर्म का केस किया। जस्टिस सिद्धार्थ की सिंगल बेंच ने लड़के को जमानत देते हुए कहा कि जानवरों की तरह हर मौसम में पार्टनर बदलने का चलन एक सभ्य और स्वस्थ समाज की निशानी नहीं हो सकता। हाई कोर्ट ने कहा कि शादी में जो सुरक्षा, सामाजिक स्वीकृति और स्थायित्व मिलता है, वह लिव-इन रिलेशनशिप में कभी नहीं मिल सकता।

इन सबका यह अर्थ नहीं कि पुरुष दोषी नहीं हैं। दोनों कथावाचकों ने भी लड़के और लड़की दोनों के लिए ऐसे संबंधों को अनैतिक और असामाजिक बताया है, जिसका कुत्सित प्रभाव विवाह पर पड़ता है। समाज को संयमित और सुसंस्कृत करने की जिम्मेदारी स्त्री और पुरुष दोनों पर होती है। आज भारत में तलाक, विवाहेत्तर संबंध, अलगाव, हिंसा और हत्याओं की बाढ़ आ रही है, जिसे देखकर हमें चेतना चाहिए। स्त्री अपने ममत्व और स्त्रीत्व के लिए पूज्य होती है। वह अपने दूध और स्वेद से परिवार को सींचती है। अपनी इच्छाओं का त्याग करके प्रेम और समर्पण का भाव रखती है। पुरुषों की प्रकृति न तो समर्पण की होती है और न ही संयम की, जिस प्रकार स्त्रियों की होती है। ऐसे में यदि स्त्रियां भी स्त्रीत्व को ताक पर रखेंगी, तो निःसंदेह समाज का संतुलन, मर्यादा और उनकी स्वयं की सुरक्षा भी प्रश्नचिह्नित होगी।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

मेलबाक्स

भरोसे के लायक नहीं अमेरिका

'एक चिढ़ा हुआ शासनाध्यक्ष' शीर्षक से प्रकाशित आलेख में संजय गुप्त ने सधे अंदाज में भारत के प्रति अमेरिका के बदलते रुख का विश्लेषण किया है। अपने मित्र देशों के प्रति अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की बेरुखी से उन्हें कुछ हासिल होने वाला तो नहीं, उलटे नुकसान की आशंका ज्यादा है। विशेषकर भारत के संदर्भ में यह माना जाता है कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने पारंपरिक मित्र रूस के साथ उसके घोर विरोधी अमेरिका से भी मित्रवत संबंध बनाए रखे हैं, जो भारत की स्वतंत्र विदेश नीति का परिचायक है। विश्व के सक्षम और शक्तिशाली राष्ट्र प्रधानमंत्री मोदी की साफ-सुथरी नीति और नीयत के वशीभूत होकर ही भारत को अपना मित्र बनाने में गौरव की अनुभूति करते हैं। ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का अजीबो-गरीब व्यवहार सभी को अचंभित कर रहा है। भारत सहित विश्व के अन्य देशों के साथ अमेरिका द्वारा छेड़ा गया 'टैरिफ वार' वैश्विक स्तर पर आर्थिक अस्थिरता पैदा करने वाला है। बिना किसी नीति-नियम के चेहरा देखकर टैरिफ लगाने से अमेरिका विश्व बाजार में अपनी विश्वसनीयता खो रहा है। अब वह किसका भला कर रहा है और किसको हानि पहुंचाने का सोच रहा है, यह समझ पाना मुश्किल है। वर्तमान में फरेबी पाकिस्तान के साथ बढ़ती उसकी नजदीकियां और विश्वसनीय मित्र भारत के साथ उपेक्षित व्यवहार अमेरिका की अविश्वसनीयता का परिचायक है। राष्ट्रपति ट्रंप भरोसे के लायक नहीं रहे। वह किस बात पर कब करवट बदल कर अपना मुंह मोड़ लें, यह समझ से परे है। ऐसे में भारत के लिए आत्मनिर्भर बनकर स्वदेशी के मूलमंत्र 'वोकल फार लोकल' को अपनाना ही श्रेयस्कर होगा।

pandeyvp1960@gmail.com

कांग्रेस नेताओं के बचकाना बयान

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। इसके पीछे बहुत बड़ा योगदान भारतीय चुनाव आयोग का रहा है। भारतीय चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है, जो देश में हर तरह के चुनाव को स्वतंत्र और निष्पक्ष करवाने में अपना अहम योगदान देती रही है। भारत में पहले ही लोकसभा चुनाव-1951 को विभिन्न कठिनाइयों के बावजूद सफलतापूर्वक करवा कर चुनाव आयोग ने देश-विदेश में अपनी योग्यता तथा निष्पक्षता का सुबूत सामने रख दिया था। तब से लेकर आज तक चुनाव आयोग ने बिना किसी दबाव के हर तरह के चुनाव स्वतंत्र तथा निष्पक्षता पूर्वक करवाए हैं। भारतीय चुनाव आयोग की उपलब्धियों तथा चुनावी प्रक्रिया का दुनिया लोहा मानती है। ऐसे में राहुल गांधी और पी. चिदंबरम जैसे कांग्रेस के दिग्गज नेताओं द्वारा चुनाव आयोग और उसके अफसर, कर्मचारियों पर बेतुके आरोप लगाना उनके संकीर्ण राजनीतिक दृष्टिकोण को दर्शाता है, जबकि उनके इन बेतुके आरोपों पर कोई भी आंशिक सुबूत भी उनके पास नहीं है। इस तरह से कांग्रेस के नेताओं द्वारा भारतीय चुनाव आयोग पर लगाए गए बेतुके आरोप एक तरह से भारतीय संवैधानिक संस्था पर हमला है। इसलिए चुनाव आयोग को ऐसे कांग्रेसी नेताओं पर कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए।

विजय किशोर तिवारी, नई दिल्ली

स्वदेशी अपनाएं

चीनी उत्पादों के अब भी घरेलू बाजार में बिकने का कारण यही है कि हमारे देश में दिन-प्रतिदिन के सामान बनाने वाले उपक्रम बहुत छोटे स्तर पर हैं। बहुत सीमित पूंजी, पुरानी और लोकल मशीन, परिवार तक सीमित रोजगार देने वाले उपक्रम कभी भी चीन के सस्ते और नए उत्पादों का सामना नहीं कर सकते। यह तो सही है कि हमारे उद्योग व्यापार की आधे से अधिक भागीदारी एमएसएमई क्षेत्र की है और लगभग ग्यारह करोड़ रोजगार भी इसी क्षेत्र में सृजित हैं, परंतु यह भी स्वीकार करना आवश्यक है कि विदेशी उत्पादों को प्रतिस्पर्धा देने में एमएसएमई क्षेत्र सक्षम नहीं है। इसलिए बहुत आवश्यक है कि घरेलू आवश्यकता की वस्तुएं विशाल स्तर पर भी निर्मित हों, जो संपूर्ण देश में आपूर्ति शृंखला को पोषित कर सकें और कीमतों में भी विदेशी उत्पादों को प्रतिस्पर्धा दे सकें।

विनोद जौहरी, दिल्ली

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।
अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल: response@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन, नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।
****

40 प्रतिशत छात्र डुअल डिग्री जैसे विकल्पों को अपनाते हैं अमेरिका में, जबकि 45 से अधिक यूरोपीय देशों में यह प्रणाली प्रभावी रूप से लागू है। वस्तुतः इससे छात्रों को उच्च शिक्षा प्राप्ति के पश्चात रोजगार हासिल करने में अधिक सुविधा रहती है।

आजकल

भविष्य की मांगों के अनुरूप शिक्षा में सुधार

भारत में उच्च शिक्षा एक निर्णायक समय में प्रवेश कर चुकी है, जहां लचीलापन, समावेशिता और गुणवत्ता को केंद्र में रखते हुए संरचनात्मक सुधारों की नींव रखी जा रही है। यूजीसी द्वारा हाल ही में लागू की गई एक सत्र में दो डिग्रियों की मान्यता एवं प्रस्तावित मल्टीपल एंट्री-एक्जिट प्रणाली जैसे ऐतिहासिक निर्णय, उच्च शिक्षा को पारंपरिक जड़ता से मुक्त कर उसे अधिक व्यावहारिक, विद्यार्थी-केंद्रित और समावेशी माडल की ओर ले जा रहे हैं। यह केवल शैक्षणिक ढांचे में बदलाव नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, आर्थिक सशक्तीकरण और युवाओं की आकांक्षाओं के साथ जुड़ा परिवर्तन है

गजेंद्र सिंह
लोक नीति विश्लेषक

बाजार की आवश्यकताओं के अनुरूप एक समय में दो डिग्री प्राप्त होना छात्रों के व्यापक हित में होगा। फाइल

भारत में हर वर्ष लगभग 94 लाख छात्र उच्च शिक्षा में प्रवेश लेते हैं, लेकिन संसाधनों की कमी, सामाजिक बाधाओं या करियर को लेकर अनिश्चितता के कारण इनमें से अनेक डिग्री पूरी नहीं कर पाते। स्नातक स्तर पर ड्रापआउट दर 12.6 प्रतिशत है, जो कुछ विषयों जैसे इंजीनियरिंग (13.5 प्रतिशत), कृषि (14.3) और सामाजिक विज्ञान (15 प्रतिशत) में और भी अधिक है। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि यह दर ग्रामीण, आदिवासी और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों में अपेक्षाकृत अधिक है। लड़कियां विशेष रूप से प्रभावित होती हैं- बाल विवाह, घरेलू जिम्मेदारियां, सामाजिक मान्यताएं और सुरक्षा की चिंताएं उन्हें शिक्षा बीच में छोड़ने को मजबूर कर देती हैं।

डुअल डिग्री : विश्व स्तर पर डुअल डिग्री (एक ही समयावधि में एकसाथ दो डिग्रियां) कार्यक्रमों की शुरुआत 20वीं सदी के मध्य में अमेरिका और यूरोप में हुई थी। अमेरिका के कुछ प्रतिष्ठित संस्थानों ने विज्ञान, तकनीक, प्रबंधन और विधि के संयोजन वाली डिग्रियों की शुरुआत की। आज अमेरिका में लगभग 40 प्रतिशत छात्र डुअल डिग्री जैसे विकल्पों को अपनाते हैं। इसी तरह, आस्ट्रेलिया की क्वींसलैंड विश्वविद्यालय और ब्रिटेन के आक्सफोर्ड तथा लंदन स्कूल आफ इकोनमिक्स जैसे संस्थानों में भी संयुक्त डिग्री कार्यक्रमों को वर्षों से मान्यता प्राप्त है। यूरोप में 1989 में इसकी शुरुआत की गई, जिससे छात्र अपनी पढ़ाई विभिन्न देशों और विश्वविद्यालयों में जारी रख सकते हैं। आज यह प्रणाली 45 से अधिक यूरोपीय देशों में प्रभावी रूप से लागू है और छात्रों को बहुपथीय शिक्षा, चरणबद्ध डिग्री प्राप्ति तथा पढ़ाई में अंतराल लेने की स्वतंत्रता देती है।

भारत में डुअल डिग्री की अवधारणा भले ही थोड़ी देर से आई हो, लेकिन राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और कौशल भारत अभियान ने इसे समय की आवश्यकता बना दिया है। यूजीसी द्वारा प्रस्तावित 'बहुविकल्पीय प्रवेश और निर्गमन' व्यवस्था के अंतर्गत विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक प्रगति के विभिन्न चरणों पर मान्यता प्रदान की गई है। इस प्रणाली के तहत पहले वर्ष के बाद प्रमाणपत्र, दो वर्षों के उपरांत डिप्लोमा, तीन वर्षों पर स्नातक की डिग्री और चार वर्षों के बाद शोध सहित स्नातक (आनर्स विद रिसर्च) डिग्री प्राप्त की जा सकती है। यदि कोई छात्र किसी कारणवश पढ़ाई बीच में छोड़ देता है, तो उसके द्वारा अर्जित शैक्षणिक अंक 'अकादमिक बैंक आफ क्रेडिट (एबीसी)' में सुरक्षित रहेंगे। वह जब चाहे, पुनः उसी स्तर से अपनी पढ़ाई को जारी रख सकता है, जिससे शिक्षा प्रणाली अधिक लचीली, समावेशी और व्यावहारिक बनती है।

व्यावहारिक कौशल का विकास : वर्ष 2023 में आई एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत के लगभग 65 प्रतिशत छात्र पारिवारिक या आर्थिक दबावों के चलते बीच में शिक्षा छोड़ने को मजबूर होते हैं। वहीं, नैसकाम की 2021 की रिपोर्ट में यह उजागर किया गया कि हर साल भारत में स्नातक होने वाले लगभग 80 लाख छात्रों में से केवल 45 प्रतिशत ही रोजगार योग्य होते हैं। ये तथ्य स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि केवल डिग्री प्राप्त करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि विषयों का उपयुक्त संयोजन और व्यावहारिक कौशल का विकास भी उतना ही आवश्यक है। ऐसे में एक साथ दो डिग्री प्राप्त करने का विकल्प छात्रों को न केवल विविधता और बहु-कौशल अर्जित करने का अवसर देता है, बल्कि उनकी रोजगार क्षमता को भी सशक्त बनाता है। उदाहरण के तौर पर यदि कोई छात्र 'समाजशास्त्र' और 'डाटा एनालिटिक्स' दोनों में डिग्री प्राप्त करता है, तो वह सामाजिक व्यवहार का विश्लेषण सांख्यिकी आधारित डाटा से कर सकता है- यह नीति निर्माण और शोध में उपयोगी सिद्ध होता है।

आल इंडिया सर्वे आन हायर एजुकेशन 2021-22 के अनुसार, भारत में लगभग 4.3 करोड़ विद्यार्थी उच्च शिक्षा में नामांकित हैं, जिनमें से करीब 80 लाख छात्र दूरस्थ या आनलाइन शिक्षा के माध्यम से अध्ययन कर रहे हैं। यह दर्शाता है कि देश में बड़ी संख्या ऐसे छात्रों की है जो पारंपरिक रेगुलर पाठ्यक्रमों के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में भी शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं। ऐसे में बहुविकल्पीय शिक्षा प्रणाली उन्हें पारंपरिक डिग्री के साथ-साथ आजीविका केंद्रित कौशल प्राप्त करने का अवसर देती है।

यूजीसी के ''बहुविकल्पीय प्रवेश और निर्गमन'' प्रस्ताव के तहत, जून 2025 तक 2.5 करोड़ छात्रों के अकादमिक बैंक आफ क्रेडिट बन चुके हैं और 55 करोड़ से अधिक शैक्षणिक अंकों का स्थानांतरण हो चुका है। हर स्तर की डिग्री को ''राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढांचा'' से जोड़ा जाएगा, ताकि वह रोजगार में भी मान्य हो। पढ़ाई बीच में छोड़ने वाले छात्रों के लिए सेतु (ब्रिज) और रिफ्रेशर पाठ्यक्रमों की व्यवस्था की गई है, ताकि वे आसानी से दोबारा जुड़ सकें। इस दिशा-निर्देश में अंतरविषयी शिक्षा को भी बढ़ावा दिया गया है, जिससे छात्र विषयों का संयोजन कर अपनी रचनात्मकता और रोजगार क्षमता बढ़ा सकें।

इन सुधारों का उद्देश्य शिक्षा को जीवन की परिस्थितियों से जुड़ा, व्यावहारिक और अवसर-सृजक बनाना है। यदि इन नीतियों को डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर, फैकल्टी प्रशिक्षण व स्थानीय जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से जमीनी स्तर पर सफलतापूर्वक लागू किया जाए, तो भारत ड्रापआउट, बेरोजगारी और कौशल-असमानता जैसी जटिल समस्याओं से प्रभावी ढंग से निपट सकता है। आज शिक्षा को केवल 'एक बार का प्रयास' न मानकर, 'जीवन भर की यात्रा' के रूप में पुनर्परिभाषित करने की आवश्यकता है, और यही उच्च शिक्षा में लचीलापन लाने की नीति का मूल मंत्र है।

सुलभ और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की ओर बढ़ता देश

दीप्ति मेहरोत्रा
शिक्षा एवं तकनीकी मामलों की जानकार

वर्तमान सदी की तकनीकी क्रांति में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) एक ऐसा बदलाव है, जो भारत के भविष्य को बेहतर बनाने की बड़ी क्षमता रखता है। यह केवल एक तकनीकी प्रगति नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा शक्तिशाली साधन है जो भारत की शिक्षा प्रणाली में क्रांति ला सकता है और हमारे युवाओं के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतरीन रोजगार के अवसर पैदा कर सकता है। ''फाउंडेशन माडल'' इस बदलाव के केंद्र में हैं, और यह स्पष्ट संकेत देते हैं कि भारत के लिए आगे बढ़ने का रास्ता क्या है। भारत जैसे बड़े और विविध देश में सभी के लिए एक जैसी शिक्षा देना हमेशा मुश्किल रहा है। लेकिन एआइ फाउंडेशन माडल इस मुश्किल को आसान बना सकते हैं और एक अच्छा समाधान दे सकते हैं।

कल्पना कीजिए कि गांव का एक छात्र अपनी स्थानीय भाषा में एक एआइ ट्यूटर से विज्ञान के जटिल सिद्धांत सीख रहा है, जो उसकी सीखने की गति के अनुसार स्वयं को ढाल लेता है। फाउंडेशन माडल हर छात्र के लिए व्यक्तिगत शिक्षण योजनाएं, अभ्यास और तत्काल फीडबैक प्रदान कर सकते हैं। यह सुनिश्चित करेगा कि कोई भी छात्र पीछे न छूटे और यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के लक्ष्यों को प्राप्त करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। एआइ का उद्देश्य शिक्षकों की जगह लेना नहीं, बल्कि उन्हें और अधिक सशक्त बनाना है। यह ग्रेडिंग, उपस्थिति दर्ज करने और रिपोर्ट तैयार करने जैसे प्रशासनिक कार्यों को स्वचालित कर सकता है, जिससे शिक्षकों का बहुमूल्य समय बचेगा। इस बचे हुए समय का उपयोग शिक्षक छात्रों को मार्गदर्शन देने, उनमें महत्वपूर्ण सोच विकसित करने और उनकी व्यक्तिगत जरूरतों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कर सकते हैं।

भारत की भाषाई और सांस्कृतिक विविधता, जिसे अक्सर एक तकनीकी चुनौती के रूप में देखा जाता है, वास्तव में भारतीय एआइ को विशिष्ट और शक्तिशाली बनाने का सबसे बड़ा अवसर है। चूंकि भारत की कई भाषाएं ही उसकी असली ताकत हैं। इसलिए एक प्रभावी भारतीय एआइ माडल को केवल हिंदी या अंग्रेजी ही नहीं, बल्कि तमिल, बंगाली, मराठी और अन्य भारतीय भाषाओं को भी समझना होगा। जब हम भारतीय भाषाओं के लिए एआइ माडल विकसित करेंगे, तो हम यह सुनिश्चित करेंगे कि शिक्षा हर बच्चे तक उसकी अपनी मातृभाषा में पहुंचे, जिससे सीखना अधिक सहज और प्रभावी हो जाएगा। भारतीय छात्र जब डाटा साइंस, मशीन लर्निंग और एआइ जैसे विषयों में काम करेंगे, तो डिग्री हासिल करने के साथ ही वे दुनिया भर में अपनी एक अलग पहचान बनाएंगे। भारतीय भाषाओं और डाटा को समझने वाले ये युवा आज तमाम बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए कीमती साबित हो रहे हैं। यह हुनर भारत में केवल बेहतर तकनीकी नौकरियां ही नहीं लाएगा, बल्कि हमारे युवा विदेश में भी नेतृत्व वाले पदों पर काम करेंगे।

भारत को तकनीक का मार्गदर्शक भी बनना है। इसके लिए हमें मिशन की तरह काम करना होगा। लिहाजा हमें एक स्पष्ट संकल्प की आवश्यकता है। अनुसंधान, नवाचार और विश्वस्तरीय कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में दीर्घकालिक और ठोस निवेश की आवश्यकता है, जिससे प्रभावी समाधान विकसित किए जा सकें। यह सुनिश्चित करना होगा कि यह तकनीक ओपन-सोर्स के माध्यम से हर भारतीय छात्र और स्टार्टअप तक पहुंचे। अब सवाल यह नहीं है कि भारत क्या कर सकता है, बल्कि यह है कि हम कितनी तेजी से आगे बढ़ते हैं। अगर हम समय रहते एआइ को अपनाते हैं, तो भारत केवल तकनीक इस्तेमाल करने वाला देश नहीं रहेगा, बल्कि दुनिया भर के लिए टैलेंट और इनोवेशन का केंद्र बन जाएगा।

फिर से

खोईछा

विवाहित स्त्रियों को 'खोईछा' देने की प्रथा लगभग हर राज्य में प्रचलित है। अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग नाम हैं इसके। बिहार में इसे 'खोईछा' कहते हैं। शायद उत्तर भारत में 'गोद भरना' कहते हैं। यह परंपरा हमारी भावनाओं एवं धार्मिक महत्व का मिश्रण है। जब भी कोई विवाहित स्त्री मायके जाती है और जब वापस आने लगती है तो मां, भाभी, चाची या बुआ जो सुहागन हो, उसके आंचल में बड़े स्नेह और भावुकता के साथ चावल, हल्दी की गांठ, दूर्वा, सुपारी एवं सामर्थ्यानुसार कुछ पैसे देती हैं।

आंचल में दी जाने वाली वस्तुओं में स्थान विशेष के रिवाज के अनुसार भिन्नता हो सकती है। परंतु भावनाएं वही रहती हैं। फिर एक दूसरे की मांग में सिंदूर लगाना, अश्रुपूरित नयनों से एक दूसरे को देखना, चावल के दो चार दाने मां या भाभी के द्वारा निकालते हुए यह कहना कि फिर जल्द ही मायके आना, बेटियों को भावुक बना ही देता है। ग्रामीण समाज में तो यह प्रथा आज भी जीवित है। गांवों में तो कहते हैं बेटियां सब की साझी होती हैं। ग्रामीण समाज मे बेटियों को विदा होते समय केवल अपने ही घर से नहीं, बल्कि गांव के सभी रिश्तेदारों के घर से खोईछा मिलता है। कितनी भावनाएं बंधी होती हैं उन चंद सामग्रियों में। खोईछा देने की प्रथा के पीछे बेटी-बहू की खुशहाली एवं उनके सौभाग्य की मंगलकामना का उद्देश्य ही हो सकता है। खोईछा में दी जाने वाली सामग्री यथा अक्षत, दूब, हल्दी की गांठ, सुपारी, सिक्का का हमारे हिंदू धर्म में कितना महत्व है, यह तो हम सब जानते ही हैं।

देवी दुर्गा को भी नवरात्र के मौके पर अष्टमी या नवमी को सुहागन स्त्रियां खोईछा अवश्य देती हैं। कहते हैं नवरात्र में मां दुर्गा मायके आती है। अतः उन्हें खोईछा दे कर विदा करते हैं। अर्थात यह परंपरा बहुत पुरानी है और आस्था से जुड़ी है। अब शायद यह प्रथा कुछ कमजोर होती जा रही है। नई पीढ़ी की महिलाएं इन रिवाजों से ज्यादा बंधी नहीं हैं। समय और सुविधा के अनुसार रीति-रिवाजों में कमी आई है। पर हमारी पीढ़ी की महिलाएं इसे भूल नहीं सकतीं, बहुत सी मधुर यादें जुड़ी होंगी। मायके जाने का एक अहम हिस्सा है खोईछा।

(राजीव पांडे की फेसबुक वाल से संपादित अंश, साभार)

X पोस्ट

एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मैच की सूचना पीड़ा देने वाली है। सरकार को इस पर रोक लगानी चाहिए। सरकार इस पर रोक नहीं लगाती है तो 'हम भारत के लोग' इसका बहिष्कार करें। यह किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।
हर्ष वर्धन त्रिपाठी@MediaHarshVT

भारत की इस बात के लिए तारीफ करनी होगी कि वह ट्रंप के आक्रामक रवैये के आगे झुकने को तैयार नहीं। यह भी उल्लेखनीय है कि भारत में फैसले संस्थागत प्रक्रिया के जरिये हो रहे हैं, न किसी एक व्यक्ति के फरमान पर। याद रहे कि राष्ट्रहित व्यक्तिगत हितों से अधिक संस्थागत प्रतिक्रिया से ही बेहतर पोषित होते हैं। जावेद हसन@javedhassan

एक उद्यमी के रूप में ट्रंप ने अपने कारोबार को कुछ ही दशकों में डुबोकर दिवालियेपन के कगार पर पहुंचा दिया। राष्ट्रपति के रूप में भी वह अमेरिका को नैतिक दिवालियेपन की ओर ले जाने पर आमादा हैं। उनका कार्यकाल अमेरिका को भारी कर्ज और भूराजनीतिक चुनौतियों के साथ छोड़ेगा।
मिन्हाज मर्चेंट@MinhazMerchant

जागरण जनमत कल का परिणाम

क्या भारत को रूस से अधिक से अधिक मात्रा में तेल खरीदना चाहिए?

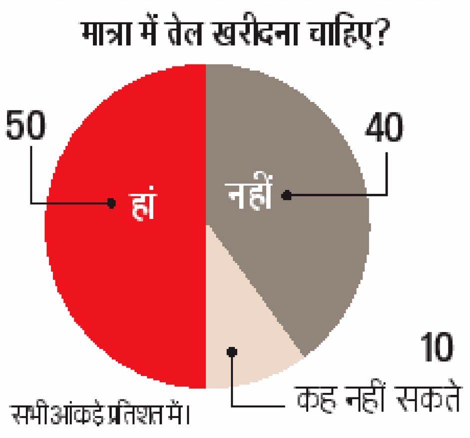

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल
क्या एशिया कप में भारत-पाकिस्तान मैच पर दर्शकों के बहिष्कार से कोई असर पड़ेगा?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

बाबा श्री पीएम रहे पोता बना कलंक,
रेवन्ना के नाम से लगता जैसे डंक।
लगता जैसे डंक डरें उससे महिलाएं,
प्रभु ना ऐसा वंश किसी के गले लगाएं।
करके क्रूर कुकर्म जेल पहुंचे पोता जी,
कैसे अपना शीश उठाएं अब बाबाश्री!
- ओमप्रकाश तिवारी

उत्तर प्रदेश डायरी

ऊर्जा मंत्री को 'अंडर करंट' के झटके

भारतीय बसंत कुमार
वरिष्ठ समाचार संपादक, उत्तर प्रदेश

घटनाक्रम ताजा ही है। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा सुलतानपुर के सूरापुर कस्बा पहुंचे थे। हरे रंग का चमकीला कुर्ता पहने, गले में लदीं गेंदा के फूलों की मालाओं का बोझ उतारते उनका एक वीडियो भी खूब प्रसारित हुआ। वीडियो में लोग ग्रामीण क्षेत्र में बिजली कटौती की शिकायत कर रहे हैं। बोल रहे हैं कि सरकार ने 24 घंटे बिजली का वादा किया था, पर कटौती बेहिसाब हो रही है। मंत्री इस पर कोई जवाब तो नहीं देते, पर दोनों हाथ ऊपर उठाकर और जय श्री राम... जय हनुमान... का उद्घोष करते गाड़ी में बैठ निकल लेते हैं।

इन दिनों प्रदेश के बिजली विभाग में 'अंडर करंट' कुछ ज्यादा ही झटके दे रहा है। निजीकरण के खिलाफ कर्मचारी संगठनों का आंदोलन, राजनीति में हैसियत और भागीदारी, विभाग के अफसरों का रौब या उन पर मंत्री की हनक जैसे अनेक मुद्दे फाइल से निकल कर 'एक्स' पर पसर चुके हैं। कभी अपने विभाग के कामकाज की खूब तारीफ करने वाले ऊर्जा मंत्री की 28 जुलाई की पोस्ट ने भी खूब पलीता लगाया। पोस्ट थी- 'निहित स्वार्थी तत्वों ने उनके खिलाफ हाथ मिला लिया है।' पोस्ट में कहा गया कि ऊर्जा मंत्री के खिलाफ सुपारी लेने वालों में बिजली कर्मचारी के वेश में कुछ उपद्रवी तत्व भी शामिल हैं। इससे पूर्व शक्ति भवन में हुई बैठक में अफसरों के प्रति तल्ख रवैये ने भी मंत्री को चर्चा में ला दिया।

नौकरशाही से राजनीति में पदार्पण करने वाले एके शर्मा गुजरात कैडर के आइएएस अधिकारी रहे हैं। इस नाते उन्हें दिल्ली दरबार का करीबी माना जाता है। दूसरी ओर उनका यह बयान आता है कि जब ऊर्जा मंत्री एक जेई का ट्रांसफर नहीं कर सकते तो निजीकरण का इतना बड़ा निर्णय अकेले कैसे कर सकते हैं? अभिप्राय साफ है कि विभाग को कहीं और से पोषण मिल रहा है। यही असली टेंशन है। कर्मचारी नेताओं की बार-बार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बिजली विभाग की कमान अपने हाथ में लेने की अपील भी उन्हें सालती होगी।

बिजली की समस्या पर हाथ उठाकर जय श्रीराम का नारा लगाते ऊर्जा मंत्री एके शर्मा। फाइल

मंत्री यूं ही असहज नहीं हैं। उनकी तमाम कोशिश के बाद भी राज्य में अभी तक बिजली के निजीकरण के लिए निविदा जारी नहीं हो पाई है। परामर्शी कंपनी को मार्च के अंतिम सप्ताह में इसके लिए नामित किया गया था और 120 दिनों की मियाद तय की गई थी, परंतु यह हो नहीं सका। मंत्री कहते हैं कि उनका विभाग 'उपभोक्ता देवो भवः' की संस्कृति का पालन करता है। उपभोक्ताओं की उपेक्षा नहीं चलेगी। उपभोक्ता से अमर्यादित भाषा में बात करने वाले बस्ती के अधीक्षण अभियंता को उन्होंने इसी वजह से निलंबित कर दिया। मंत्री जितना हांफ रहे हैं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विभाग की नकेल उतनी ही कस रहे हैं। हाल ही में विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने पूछा कि जब पैसा, संसाधन सब है, तब यह बेहाली क्यों? उधर, झंडा उठाए खड़े कर्मचारी मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की मांग कर रहे। सामने पंचायत चुनाव है। इसलिए सरकार विपक्ष को बिजली को मुद्दा बनाने का कोई अवसर देना नहीं चाहती। जाति की राजनीति में एके शर्मा के बरक्स कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही का कद लोग नापने लगे हैं। तभी तो अपने गृह क्षेत्र में मंत्री जी यह बोलने से नहीं चूकते कि अगर वे भगवान राम की तरह तीर छोड़ देंगे तो दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन भी बचा नहीं सकेगा।

सपा की पीडीए पाठशाला में अक्षर ज्ञान : प्रदेश में स्कूलों का विलय पहले शिक्षा सदन में हलचल मचाता है, फिर हाई कोर्ट का चक्कर लगाता है। बात यहीं नहीं थमती तो सरकार के फैसले को समझाने के लिए मंत्री संदीप सिंह आगे आते हैं। सूचना विभाग सरकार के इस निर्णय के लोकहित का विज्ञापन भी प्रकाशित करता है, पर इंटरनेट मीडिया पर पीडीए की पाठशाला के रील तैरने लगे तो नौबत मुकदमे तक की आ जाती है। सरकार का दावा है कि एक भी स्कूल बंद नहीं किया गया है। जिन दस हजार स्कूलों का विलय किया गया है, उनमें भी, पांच हजार में बाल वाटिका और पुस्तकालय खुलेंगे। यह बात और है कि पाठशाला के श्यामपट पर राजनीति के अक्षर बड़े-बड़े वाक्यों में बदलने लगे हैं। कानपुर में सपा की महिला नेता रचना सिंह गौतम पर पीडीए पाठशाला के बहाने अफवाह फैलाने का मुकदमा दर्ज होता है तो सहारनपुर में सपा नेता फरहाद आलम बच्चों को ए फार अखिलेश और डी फार डिंपल पढ़ाए जाने का वीडियो पोस्ट करते हैं। दूसरे जिलों में भी मुकदमे का दौर शुरू है। सपा चाहती है कि विलय का मुद्दा जिंदा रहे। भाजपा का अपना तर्क है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी इसे समाजवादी ब्रेनवाश बताते हैं। यह जोड़ते हुए कि ए फार अखिलेश और डी फार डिंपल में भी सपा का परिवारवाद ही छाया है। यह सब माया है बच्चों के कोमल चेतना में राजनीतिक विषबेल रोपने की। यह तय है कि पंचायत चुनाव की सुगबुगाहट ऐसे विवाद और व्यवहार के पनपने के लिए खाद का काम करेगी।

छत्तीसगढ़ डायरी

राजनीतिक हलचल वाली जमानत याचिका

सतीश चंद्र श्रीवास्तव
संपादकीय प्रभारी, रायपुर

प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा सुप्रीम कोर्ट में लगाई गई अग्रिम जमानत याचिका अचानक चर्चा में आ गई है। आक्रामक बयानबाजियों के कारण प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डा. चरणदास महंत से कहीं अधिक चर्चा में रहने वाले भूपेश का यह कदम आने वाले दिनों के लिए संकेत भी है। बेटे चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी के बाद उनकी मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। 3,200 करोड़ रुपये के शराब घोटाले, छह हजार करोड़ के महादेव सट्टा एप घोटाले और 540 करोड़ रुपये के कोयला परिवहन घोटाले में घिरने की स्थिति बन रही है। सुनवाई के बाद आज यदि उन्हें अग्रिम जमानत मिल भी जाती है तो चर्चा जारी ही रहेगी।

पिछला पखवाड़ा भी सांप्रदायिक राजनीति में जमानत के नाम रहा। प्रदेश का मुद्दा राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आ गया। मतांतरण और मानव तस्करी के आरोप में 25 जुलाई को दुर्ग रेलवे स्टेशन पर दो ननों की गिरफ्तारी के बाद संसद परिसर में प्रदर्शन हुआ। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शीतकालीन सत्र में मतांतरण के विरुद्ध कड़ा कानून लाने की बात की है तो भूपेश बघेल ने 2006 में विधानसभा से पारित होने के बाद राष्ट्रपति के पास अटके विधेयक को ही लागू करने की आवाज उठाई है। यहां बघेल ने यह नहीं बताया कि 2004 से 2014 तक केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी और उनकी पार्टी ही विधेयक पास नहीं होने देने के लिए जिम्मेदार रही।

विवाद और चर्चा का केंद्र बनी दोनों ननों को हाई कोर्ट से सशर्त जमानत मिली तो समर्थकों ने मिठाइयां बांटीं। साथ ही पूरा घटनाक्रम व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न भी खड़े कर गया है। ननों से मुक्त कराई गई आदिवासी लड़कियों के मतांतरित होने का दावा किया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा अभी तक स्पष्ट नहीं किया गया है कि वह

भूपेश बघेल। फाइल

विष्णु देव साय। फाइल

लड़कियां आधिकारिक रूप में मतांतरित नहीं थीं। वर्तमान व्यवस्था के अनुसार मतांतरण से 60 दिन पहले जिलाधिकारी को सूचित किया जाना चाहिए और मतांतरण के बाद भी सूचना दी जानी चाहिए। नारायणपुर की तीनों लड़कियों के मामले में ऐसा नहीं हुआ है, इसलिए मतांतरण अवैध है। यहां बार-बार याद दिलाया जाना आवश्यक है कि 2000 से 2003 के बीज अजीत जोगी के सरकार में 232 लोगों ने आधिकारिक तौर पर मतांतरण किया तो डा. रमन सिंह के 2004 से 2018 के कार्यकाल में 131 ने तथा भूपेश बघेल के 2018 से 2023 के कार्यकाल में सिर्फ एक आधिकारिक मतांतरण हुआ। अब यह सरकार की जिम्मेदारी है कि अवैध मतांतरणों का मामला दर्ज कर कार्रवाई करे।

सरकार ने अभी तक पूरे मामले की जांच के लिए कोई पहल नहीं की है तो इसके पीछे अगले वर्ष केरल में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव को माना जा रहा है, जहां मुसलमानों की आक्रमकता से परेशान ईसाइयों के मतों के रूप में समर्थन मिलने की भाजपा को उम्मीद है। दुखद पक्ष यह भी है कि दुर्ग स्टेशन पर मुक्त कराई गई लड़कियां ननों को जमानत मिलने के बाद बजरंग दल के कार्यकर्ताओं पर गंदे और भद्दे आरोप लगा रही हैं। आरोप सही हों तो कार्रवाई आवश्यक है, परंतु सत्ता पक्ष को इस बात की चिंता करनी चाहिए, ताकि धर्म रक्षकों को हतोत्साहित नहीं होना पड़े। पूरे मामले की बिना देरी और समयबद्ध स्वतंत्र जांच आवश्यक है।

ननों की गिरफ्तारी ने दशकों से माओवादी हिंसा का दंश झेल रहे प्रदेश में मिशनरियों, वामपंथी-माओवादियों और उनके समर्थक कांग्रेसियों का गठजोड़ एक बार फिर प्रमाणित किया है। इसकी भी स्वतंत्र जांच की अपेक्षा की जानी चाहिए कि जब अबूझमाड़ के जंगलों में माओवादी हिंसा के कारण सरकारी कर्मचारी स्वास्थ्य और शिक्षा का काम करने नहीं पहुंच पा रहे थे तो वहां मतांतरण कैसे संभव हुआ। मामला सिर्फ दो ननों का नहीं है। पूरे नेटवर्क का है। राष्ट्रीय के साथ ही अंतरराष्ट्रीय मुद्दा है। सत्य को सामने लाकर ही चेहरों को बेनकाब किया जा सकता है। इसके लिए आदिवासी नेताओं को भी पूरी मजबूती से आगे आना होगा। पूर्व केंद्रीय मंत्री अरविंद नेताम के नेतृत्व में सर्व आदिवासी समाज सक्रिय हो चुका है कि मतांतरितों को आदिवासियों को मिलने वाली सुविधा से वंचित किया जाए, क्योंकि वह अल्पसंख्यकों को मिलने वाली सुविधाओं का भी लाभ उठा रहे है। इन मामलों में परिणाम सत्तापक्ष के हितों और इच्छा शक्ति पर निर्भर करेगा।

संदेह जताया जा रहा है कि राजनीतिक कारणों से यह विषय पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के विरुद्ध 2017 के सेक्स सीडी कांड की तरह ही लंबे समय तक अटका रह सकता है। 14 दिनों तक न्यायिक हिरासत में रहे बघेल के विरुद्ध जांच सीबीआइ के पास है। सरकार बदलने के बाद सबकुछ अटक गया था। फरवरी 2025 से फिर सुनवाई शुरू हुई है। इतना तो स्पष्ट है कि सत्ता में बैठे शुभचिंतक-गुप्तचर अधिकारियों की तरफ से संकेत और संदेश के बाद ही भूपेश द्वारा सुप्रीम कोर्ट में जमानत याचिका लगाई गई है। बहुत मुश्किल नहीं कि पूर्व मुख्यमंत्री को अग्रिम जमानत मिल भी जाएगी, परंतु भ्रष्टाचार के दाग तो लगे ही हुए हैं। महादेव सट्टा एप को संरक्षण देने के नाम पर 508 करोड़ रुपये लेने के आरोपों को सिद्ध करना अगर ईडी, सीबीआइ और ईओडब्ल्यू जैसी एजेंसियों के लिए चुनौती है तो बेदाग निकलना बघेल के लिए भी मुश्किल भरा रहेगा।

****

9.6 लाख करोड़ रुपये का होगा सेमीकंडक्टर बाजार

नई दिल्ली : उद्योग जगत ने अनुमान जताया है कि भारत का सेमीकंडक्टर बाजार 2030 तक दोगुने से भी अधिक होकर 100-110 अरब डालर के दायरे में पहुंच जाएगा। उद्योग के अनुमानों का हवाला देते हुए बयान में कहा गया है कि भारतीय सेमीकंडक्टर बाजार 2024-2025 में लगभग 45-50 अरब डालर का था, जबकि 2023 में यह 38 अरब डालर का था। वर्तमान में, ताइवान, दक्षिण कोरिया, जापान, चीन और अमेरिका जैसे देश सेमीकंडक्टर उद्योग पर हावी हैं। (प्रेट्र)

चीन द्वारा रेअर अर्थ मैग्नेट के निर्यात पर प्रतिबंध से सप्लाई चेन में बाधाएं आई है और इसका असर वाहन और इलेक्ट्रानिक क्षेत्रों सहित यूजर इंडस्ट्रीज पर पड़ा है।
— अमरज्योति बरुआ, सीएफओ, महिंद्रा एंड महिंद्रा

एक नजर में

साल के अंत तक देश में 35 शोरूम खोलेगी विनफास्ट

चेन्नई : वियतनाम की इलेक्ट्रिक कार कंपनी विनफास्ट ने चेन्नई में अपना शोरूम खोला है। सूरत में एक सप्ताह पहले खोले गए शोरूम के बाद यह कंपनी का दूसरा शोरूम है। यह इस साल खुलने वाले विभिन्न शहरों में 35 शोरूमों में विनफास्ट का सबसे बड़ा शोरूम है। भारत में प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी (वीएफ6 और वीएफ7) बेची जाएंगी। (प्रेट्र)

जेके लक्ष्मी सीमेंट का मुनाफा दोगुना हुआ

नई दिल्ली : जेके लक्ष्मी सीमेंट लिमिटेड का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष (2025-26) की अप्रैल-जून तिमाही में दोगुने से अधिक वृद्धि के साथ 149.88 करोड़ रुपये रहा है। जून तिमाही में कंपनी की कुल आय 11.8 प्रतिशत बढ़कर 1,763.14 करोड़ रुपये हो गई। इसी तिमाही में यह 1,576.96 करोड़ रुपये थी। (प्रेट्र)

पीसी ज्वैलर ने 335 करोड़ रुपये का कर्ज कम किया

नई दिल्ली : पीसी ज्वैलर लिमिटेड का शुद्ध कर्ज पिछले चार महीनों में 19 प्रतिशत या 335 करोड़ रुपये घटकर 1,445 करोड़ रुपये रह गया है। पीसी ज्वैलर के प्रबंध निदेशक बलराम गर्ग ने बताया कि बिक्री बढ़ने से कर्ज कम करने में मदद मिली और चालू वित्त वर्ष के अंत तक कंपनी कर्ज मुक्त हो जाएगी। दिल्ली स्थित पीसी ज्वैलर के देश के प्रमुख शहरों में 52 शोरूम हैं, जिनमें से 49 कंपनी के स्वामित्व वाले हैं। (प्रेट्र)

शीर्ष 10 कंपनियों में सात का बाजार मूल्यांकन घटा

नई दिल्ली : देश की 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में सात का संयुक्त बाजार मूल्यांकन पिछले हफ्ते 1.35 लाख करोड़ रुपये घट गया। इसमें टीसीएस को सबसे ज्यादा झटका लगा। उसका मूल्यांकन 47,487.4 करोड़ रुपये घटकर 10,86,547.86 करोड़ रुपये रह गया। एयरटेल, आइसीआइसीआइ बैंक, एसबीआइ, इन्फोसिस, एलआइसी और बजाज फाइनेंस के मूल्यांकन में भी कमी आई है। (प्रेट्र)

अब चीन के निशाने पर भारतीय स्टील उद्योग

वैश्विक बाजार में अस्थिरता के बीच सस्ते व खराब गुणवत्ता वाले चीन निर्मित स्टील को खपाने की कोशिश

जयप्रकाश रंजन • जागरण

नई दिल्ली : भारत के आर्थिक हितों को प्रभावित करने की चीन की कोशिशें रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। अमेरिका और यूरोपीय संघ की तरफ से आयातित स्टील पर शुल्क या दूसरे तरीकों से बाधा उत्पन्न करने से वैश्विक स्टील बाजार में भारी अस्थिरता फैली हुई है। ऐसे में चीन ने अपने विशाल स्टील उत्पादन को भारत में खपाने के लिए हर उपाय आजमा रहा है।

चीन ना सिर्फ सस्ता स्टील भारत में भेजकर देश के मजबूत स्टील उद्योग की नींव हिलाने की कोशिश कर रहा है बल्कि वह खराब गुणवत्ता वाले स्टील भी भेज रहा है, जो भविष्य में भारत के इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए घातक साबित हो सकता है। बता दें कि इससे पहले चीन भारत को उर्वरक आपूर्ति को बाधित करके, कभी आटोमोबाइल कंपनियों को जरूरी रेअर अर्थ मैग्नेट की आपूर्ति रोककर या भारत स्थित आइफोन फैक्ट्री से अपने इंजीनियरों को वापस बुलाकर भारत के विकास में कांटे बिछाने का काम करता रहा है।

चीन की इस कारोबारी करतूत की काट स्टील अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड (सेल), टाटा स्टील, जिंदल स्टील जैसी बेहद मजबूत घरेलू कंपनियां भी नहीं निकाल पा रही। सरकार भी इस मुद्दे को समझ रही है और इस बारे में स्टील उद्योग से विमर्श किया जा रहा है। वैसे चीन की नजर हमेशा से भारतीय स्टील क्षेत्र पर रही है। वजह यह है कि दुनिया में स्टील की खपत जहां घट रही है वहीं भारत में बढ़ रही है। इसकी वजह यह है कि यहां तेजी से इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास हो रहा है।

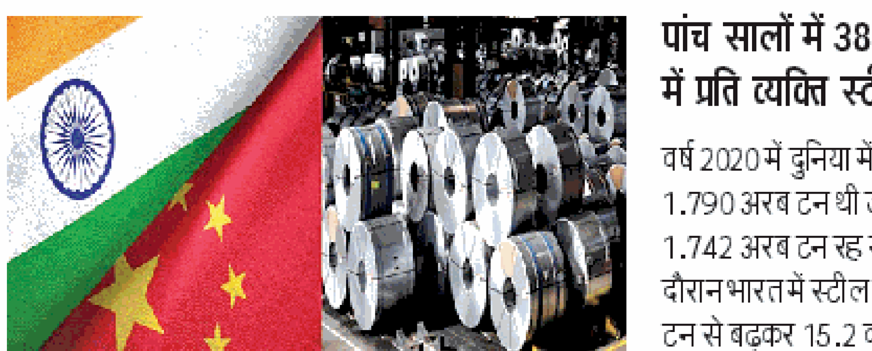

- भारत का जापान व आसियान के साथ एफटीए का गलत फायदा उठा रहीं चीन की स्टील कंपनियां
- स्टील आयात पर 12% का सेफगार्ड शुल्क लगाए जाने के बावजूद नहीं रुक रहा आयात

8.45 लाख टन था वर्ष 2020 में चीन से स्टील आयात

पांच सालों में 38 किलो बढ़ी भारत में प्रति व्यक्ति स्टील की खपत

वर्ष 2020 में दुनिया में स्टील की खपत 1.790 अरब टन थी जो वर्ष 2024 में घट कर 1.742 अरब टन रह गई थी। जबकि इस दौरान भारत में स्टील की खपत 9.5 करोड़ टन से बढ़कर 15.2 करोड़ टन हो गया। यानी दुनिया की खपत में तीन जहां प्रतिशत की कमी हुई वहीं भारत में भारत में 60 प्रतिशत का इजाफा हुआ। दूसरी तरफ, चीन ने पिछले तीन-चार दशकों में स्टील उत्पादन क्षमता में जो वृद्धि की है, उसका कोई बड़ा खरीदार नहीं है। भारत में प्रति व्यक्ति स्टील की खपत उक्त पांच वर्षों में 64 किलोग्राम से बढ़कर 102 किलोग्राम हो गई है। जल्द ही इसके 150 किलोग्राम पहुंचने की बात हो रही है।

केंद्र सरकार की एडवांस आथराइजेशन स्कीम का हो रहा गलत इस्तेमाल

केंद्र की तरफ से स्टील आयात पर 12 प्रतिशत का सेफगार्ड शुल्क लगाए जाने के बावजूद चीनी स्टील का दूसरे देशों के रास्ते घटिया स्टील आयात करने पर रोक नहीं लगाई जा सकी है। इस बारे में केंद्र की एडवांस आथराइजेशन स्कीम का भी इस्तेमाल हो रहा है। इसकी शुरुआत स्टील निर्यात बढ़ाने के लिए किया गया था। हालांकि, इसका गलत इस्तेमाल हो रहा है। जिस स्टील का निर्यात होना चाहिए, उसे घरेलू बाजार में खपाया जा रहा है। स्टील उद्योग के सूत्रों का कहना है, 'चीन की कंपनियां की भारत की जापान व आसियान देशों के साथ किये गये मुक्त व्यापार समझौते का फायदा उठा रही हैं। चीन की स्टील कंपनियों ने इन देशों में अपनी सब्सिडियरी खोल रखी हैं, जिसके जरिये वह सस्ता स्टील भारत भेजती हैं।

ट्रंप टैरिफ से निपटने को निर्यातकों ने सहायता मांगी

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के साथ बैठक में उद्योग जगत ने अमेरिकी बाजार में आने वाली समस्याओं पर अपनी राय रखी

नई दिल्ली, प्रेट्र : उद्योग अधिकारियों ने बताया कि खाद्य, समुद्री और कपड़ा सहित विभिन्न क्षेत्रों के भारतीय निर्यातकों ने 25 प्रतिशत ट्रंप शुल्क से निपटने के लिए सरकार से वित्तीय सहायता और किफायती ऋण की मांग की है। उन्होंने बताया कि मुंबई में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के साथ बैठक में कुछ निर्यातकों ने उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन (पीएलआइ) जैसी योजनाओं की मांग की। एक अधिकारी ने कहा, 'निर्यातकों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा घोषित उच्च शुल्क के कारण अमेरिकी बाजार में आने वाली समस्याओं पर अपनी राय रखी।'

उन्होंने आगे बताया कि मंत्री ने कहा कि निर्यातक समुदाय अपने सुझाव लिखित रूप में भेजें। उन्होंने सस्ती दरों पर ऋण और राजकोषीय प्रोत्साहन की भी मांग की। निर्यातकों के अनुसार, भारत में ब्याज दरें आठ से 12 प्रतिशत या उससे भी अधिक होती हैं। प्रतिस्पर्धी देशों में, ब्याज दर बहुत कम है। उदाहरण के लिए, चीन में केंद्रीय बैंक की दर 3.1 प्रतिशत, मलेशिया में तीन प्रतिशत, थाइलैंड में दो प्रतिशत और वियतनाम में 4.5 प्रतिशत है। उन्होंने कहा, 'परिधान और झींगा जैसे क्षेत्रों की स्थिति अच्छी नहीं है। अमेरिकी खरीदारों ने आर्डर रद करना या रोकना शुरू कर दिया है। आने वाले महीनों में, इसका असर अमेरिका को भारत के निर्यात पर पड़ सकता है, और निर्यात में गिरावट के कारण, नौकरियां जा सकती हैं।' उन्होंने यह भी कहा कि सरकार के लिए राजकोषीय प्रोत्साहन देना मुश्किल होगा। 25 प्रतिशत घोषित शुल्क सात अगस्त से लागू होगा।

रूसी तेल पर अमेरिकी जुर्माने से नौ से 11 अरब डालर तक बढ़ सकता है आयात बिल

नई दिल्ली, प्रेट्र : अगर भारतीय निर्यात पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की अमेरिकी धमकियों से बचने के लिए भारत, रूस से कच्चे तेल का आयात बंद करता है, तो देश का वार्षिक तेल आयात बिल 9-11 अरब डालर तक बढ़ सकता है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता आयातक है। रूस के यूक्रेन पर आक्रमण करने के बाद पश्चिमी देशों ने मास्को पर प्रतिबंध लगाए थे। इसके बाद भारत ने रूस से सस्ता तेल खरीदकर लाभ हासिल किया। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत शुल्क और रूस से तेल एवं हथियार खरीदने पर जुर्माना लगाने की घोषणा के बाद अब हालात बदल गए हैं।

अमेरिका ने 25 प्रतिशत शुल्क की अधिसूचना जारी कर दी है, लेकिन जुर्माने की राशि अभी तक घोषित नहीं की है। वैश्विक विश्लेषक केप्लर के प्रमुख शोध विश्लेषक सुमित रिटोलिया ने इसे 'दोतरफा दबाव' करार दिया। एक ओर ईयू के प्रतिबंध भारतीय रिफाइनरियों को प्रभावित करेंगे, वहीं दूसरी ओर अमेरिकी शुल्क का खतरा भारत के रूसी तेल व्यापार के आधारभूत ढांचे को प्रभावित करेगा।

- अमेरिका ने 25 प्रतिशत शुल्क की अधिसूचना जारी कर दी है, लेकिन जुर्माने की राशि को अभी तक घोषित नहीं किया
- केप्लर के प्रमुख शोध विश्लेषक सुमित रिटोलिया ने इसे 'दोतरफा दबाव' करार दिया

अमेरिका से कच्चे तेल के आयात में हुई जोरदार वृद्धि

वाशिंगटन, एएनआइ : डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद से भारत ने अमेरिका से अपने कच्चे तेल के आयात में नाटकीय रूप से वृद्धि की है। 'जनवरी से 25 जून तक, भारत ने पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में अमेरिकी औसत कच्चे तेल की आपूर्ति के अपने आयात में 51 प्रतिशत की वृद्धि की। (जनवरी से जून 2025 तक .271 मिलियन बैरल/दिन से, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 0.18 मिलियन बैरल/दिन था)।'

रेपो रेट को 5.5% पर बरकरार रख सकता है आरबीआइ

मुंबई, प्रेट्र : विशेषज्ञों के अनुसार, निकट भविष्य में आर्थिक वृद्धि के लिए चुनौतियों के बावजूद आरबीआइ बुधवार को अपनी आगामी द्विमासिक मौद्रिक नीति में रेपो रेट को 5.5 प्रतिशत पर बरकरार रख सकता है। हालांकि, कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि केंद्रीय बैंक दरों में एक और दौर की कटौती कर सकता है, क्योंकि विकास के दृष्टिकोण के लिए चुनौतियां संभावित मुद्रास्फीति जोखिमों से अधिक हैं। केंद्रीय बैंक पहले पहले ही रेपो रेट में लगातार तीन बार (कुल 100 आधार अंक) कटौती कर चुका है। आरबीआइ गवर्नर संजय मल्होत्रा, छह सदस्यीय दर मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की अध्यक्षता करते हुए बुधवार (छह अगस्त) को अगली द्विमासिक नीति दर की घोषणा करने वाले हैं। एमपीसी की तीन दिवसीय बैठक सोमवार से शुरू होगी।

बैंक आफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा कि ऋण नीति जून में कम मुद्रास्फीति और 25 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ के हालिया घटनाक्रमों पर आधारित नहीं होगी। उन्होंने कहा, 'जून में रेपो रेट में कमी अमेरिकी टैरिफ को ध्यान में रखकर ही की गई थी। इसलिए टैरिफ से विकास के दृष्टिकोण पर विशेष फर्क नहीं पड़ेगा। पूरे साल के लिए मुद्रास्फीति के अनुमान में 0.1-0.2 प्रतिशत की मामूली कमी हो सकती है। हालांकि, वर्तमान संदर्भ में अर्थव्यवस्था के लिए तेल की लागत भी एक विचारणीय बिंदु होगी। इसलिए, हमें इस बार नीति दर में किसी बदलाव की उम्मीद नहीं है। लचीले विकास के मोर्चे पर कुछ राहत मिलने के साथ रुख अधिक सतर्क रहेगा।' इसी तरह केयरएज रेटिंग्स का कहना है कि पिछली दरों में कटौती का पूरा लाभ न मिलने के कारण, आरबीआई द्वारा आगे की दरों में ढील देने से बचने की उम्मीद है, ताकि पहले के उपायों के पूरे प्रभाव को साकार होने का समय मिल सके।

मदन सबनवीस

- विशेषज्ञ बोले-मौद्रिक नीति जून में कम मुद्रास्फीति और 25 प्रतिशत टैरिफ के घटनाक्रमों पर नहीं होगी आधारित
- कुछ विशेषज्ञों ने कहा, बैंक दरों में एक और कटौती हो सकती है, क्योंकि मुद्रास्फीति जोखिमों से अधिक है

अमेरिकी टैरिफ जीडीपी वृद्धि के लिए एक नकारात्मक जोखिम पैदा करेंगे। हमारे विचार में, अगस्त 2025 की नीति समीक्षा में 25 आधार अंकों की अंतिम दर कटौती की ओर थोड़ा झुका हुआ है। **-अदिति नायर,** मुख्य अर्थशास्त्री

हमें रेपो दर में 25 आधार अंकों की कमी की उम्मीद है, क्योंकि मुद्रास्फीति अनुमान से कम रही है और कुल मिलाकर, विकास के लिए जोखिम वर्तमान में मुद्रास्फीति से संबंधित जोखिमों से अधिक हैं। **-धर्मकीर्ति जोशी,** मुख्य अर्थशास्त्री, क्रिसिल लिमिटेड

बिजनेस से जुड़ी खबरों और अपडेट के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

राष्ट्रीय फलक

मुरादाबाद में दो ट्रेनों में पेट्रोल बम से आग लगाने की कोशिश करने वाला पकड़ा

जागरण संवाददाता, मुरादाबाद

ट्रेनों में पेट्रोल बम से आग लगाने की कोशिश करने का मामला सामने आया है। जीआरपी ने ई-रिक्शा चालक दीपू सैनी को गिरफ्तार कर घटना का राजफाश किया है। वह 31 जुलाई को लालकुआं एक्सप्रेस (15060) और अगले दिन चंपारण सत्याग्रह एक्सप्रेस (14009) पर पेट्रोल बम फेंक चुका था। गनीमत रही दोनों बार ही उसका निशाना चूक गया और पेट्रोल बम ट्रेन से टकराने से पहले ही गिर गया। तीसरी बार वारदात करने की कोशिश करते वक्त उसे दबोच लिया गया। उसने पूछताछ में बताया कि उसके भाई ने आत्महत्या की थी, उसको सपना आया था कि तुम ट्रेनों पर जलती बोतल फेंकों तो लोगों को नुकसान होगा। उसके पास से बरामद शीशे की एक बोतल में पेट्रोल भरा था। ढक्कन बंद बोतल के मुंह में कपड़ा लगा था। उसके पास माचिस भी बरामद हुई है। सुरक्षा एजेंसियां अभी जांच में जुटी हैं।

- दो ट्रेनों पर फेंक चुका था बम, तीसरी बार दबोचा गया ई-रिक्शा चालक
- भाई की मौत का बदला लेने की कहानी बता रहा, माना जा रहा सनकी

मुरादाबाद : जीआरपी और आरपीएफ की टीम की गिरफ्त में ट्रेनों पर पेट्रोल बम फेंकने वाला आरोपित। जागरण

22 वर्षीय दीपू सैनी के भाई ने मई में खुदकुशी कर ली थी। जीआरपी सीओ अनिल कुमार वर्मा ने बताया कि आरोपित झाड़ियों में छिपकर ट्रेन आने का इंतजार करता था। जैसे ही ट्रेन आउटर पार करती थी, वह पेट्रोल बम फेंक देता था। वह तीसरी बार हमला करने की योजना में था, लेकिन पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया। पहले के दोनों मामलों में आरपीएफ ने धारा 153 रेलवे एक्ट के तहत केस दर्ज किया था, जबकि जीआरपी में आरोपित के खिलाफ धारा 118, 327 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। मनोरोग चिकित्सक डा. दिशांतर गोयल ने बताया कि इस तरह की हरकत करने वाला शातिर अपराधी होता है अथवा स्कीजोफीनिया या साइकोसिस नामक बीमारी से पीड़ित होता है। इस तरह की बीमारी से पीड़ित व्यक्ति के दिमाग में कोई भी बात बैठ जाए तो वह उसे सही मानता है और इस तरह की हरकत करता है। सही और गलत को नहीं पहचानता है।

...जब माधुरी के लिए हजारों लोगों ने निकाला मौन मार्च

कोल्हापुर, प्रेट्र : गुजरात के जामनगर जिलान्तर्गत वनतारा अभयारण्य से 36 वर्षीय हथिनी माधुरी (जिसे महादेवी के नाम से भी जाना जाता है) को लाने की मांग को लेकर रविवार को कोल्हापुर में हजारों लोगों ने एक 'मौन मार्च' निकाला। पर्यावरण मंत्रालय की उच्चाधिकार प्राप्त समिति के फैसले को बरकरार रखते हुए सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार माधुरी को कोल्हापुर के एक मठ से वनतारा वन्यजीव बचाव, उपचार और पुनर्वास केंद्र में स्थानांतरित किया गया था।

पूर्व सांसद राजू शेट्टी ने सुबह नंदनी से शुरू हुए इस मार्च का नेतृत्व किया। यह मार्च जिला कलेक्ट्रेट के बाहर समाप्त हुआ जहां माधुरी को वापस लाने के लिए ज्ञापन सौंपा गया। उन्होंने मार्च में शामिल लोगों को संबोधित करते हुए कहा, ''जब माधुरी को ले जाया जा रहा था तो वह रो रही थी। जिस स्थान पर उसे स्थानांतरित किया गया है, वहां 225 हाथी हैं, लेकिन फिर भी वे उसे वहां ले जाना चाहते थे क्योंकि वह बहुत सुंदर है।''

अयोध्या में कल रिलीज होगी राम मंदिर आंदोलन पर निर्मित फिल्म

जासं, अयोध्या

जन्मभूमि पर राम मंदिर निर्माण के लिए पांच सौ वर्षों तक हुए संघर्ष व लंबे आंदोलन से लोगों को परिचित कराने के लिए निर्मित फिल्म '695 : द अयोध्या' पांच अगस्त को अयोध्या के अवध माल में रिलीज होगी। पूरे राम मंदिर आंदोलन को चित्रित करती फिल्म के नाम में 695 अंक में 6 का तात्पर्य छह दिसंबर 1992 को ढांचा विध्वंस, 9 का तात्पर्य नौ नवंबर 2019 को सुप्रीम कोर्ट से मंदिर निर्माण संबंधी हिंदुओं के पक्ष में आया निर्णय और 5 का मतलब पांच अगस्त 2020 को राम मंदिर के भूमि पूजन से है। इन्हीं ऐतिहासिक तिथियों को लेकर फिल्म का नाम '695 : द अयोध्या' रखा गया है।

इस फिल्म में राम मंदिर आंदोलन की 500 वर्षों की संघर्ष गाथा को दिखाया गया है। फिल्म में अभिनेता व सांसद अरुण गोविल ने बाबा अभिराम दास की भूमिका निभाई है। पांच अगस्त को राम मंदिर का भूमि पूजन हुआ था, इसलिए अयोध्या में इसी तारीख को फिल्म रिलीज की जा रही है। अभिनेता विकास महंते ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केके रैना ने लालकृष्ण आडवाणी, गोविंद नामदेव ने स्वामी शंभूदास, अखिलेंद्र मिश्र ने स्वामी कृष्णदास, अशोक समर्थ ने रघुनंदनदास, मनोहर जोशी ने मुकेश तिवारी ने डीएम केके नायर की भूमिका निभाई है। निर्देशक योगेश भारद्वाज व रजनीश बैरी, रवि भट्ट प्रमुख छायांकन निर्देशक और निर्माता श्याम चावला हैं।

- फिल्म '695 : द अयोध्या' में अरुण गोविल ने निभाई है बाबा अभिरामदास की भूमिका

पांच अगस्त को रिलीज होने वाली फिल्म '695 : द अयोध्या' का पोस्टर। सौ. ट्रस्ट

गडकरी के आवास को बम से उड़ाने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

नागपुर, प्रेट्र : केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के नागपुर स्थित आवास को बम से उड़ाने की धमकी देने के आरोप में एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपित ने रविवार सुबह आपातकालीन नंबर 112 पर शहर पुलिस नियंत्रण कक्ष को फोन कर धमकी दी, जिससे अधिकारियों में हड़कंप मच गया।

पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की और उस मोबाइल नंबर का पता लगाया, जिससे धमकी भरा काल किया गया था। यह नंबर उमेश विष्णु राउत का निकला, जो नागपुर शहर के सक्करदरा क्षेत्र का निवासी है। पुलिस ने मोबाइल के लोकेशन के आधार पर राउत को विमा दवाखाना के परिसर से हिरासत में लिया। जानकारी के अनुसार, राउत एक देशी शराब की दुकान पर काम करता है।

इस घटना ने सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया है और पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। गडकरी के आवास की सुरक्षा को और मजबूत किया गया है।

पटना एम्स में डाक्टरों ने दी केस वापस लेने तक हड़ताल जारी रखने की चेतावनी

जासं, फुलवारीशरीफ (पटना)

पटना एम्स में डाक्टरों की हड़ताल रविवार को तीसरे दिन भी जारी रही। इससे मरीजों को काफी परेशानी हुई, कई आपरेशन टालने पड़े। रेजिडेंट डाक्टर एसोसिएशन ने एम्स प्रशासन ने मांग की है कि शिवहर विधायक की ओर से कराया मुकदमा वापस हो, तभी सेवाएं बहाल की जाएंगी।

मामले में एम्स प्रशासन ने बयान जारी कर कहा कि शिवहर के विधायक चेतन आनंद, अपनी पत्नी डा. आयुषी व समर्थकों के साथ गत गुरुवार की रात लगभग 11 बजे अस्पताल के ट्रामा वार्ड में पहुंचे थे। वे एक मरीज अंकित कुमार से मिलने आए थे, जो सड़क दुर्घटना में घायल होकर भर्ती था। रेस्ट्रिक्टेड एरिया में भीड़ के साथ घुसने पर ड्यूटी पर तैनात गार्ड ने उन्हें रोकने की कोशिश की। बाद में विधायक और उनकी पत्नी को भीतर जाने दिया गया, लेकिन उनके एक अंगरक्षक ने गार्ड के चेहरे पर थप्पड़ जड़ दिया।

अस्पताल प्रशासन ने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक जनप्रतिनिधि ने ट्रामा जैसे संवेदनशील विभाग की व्यवस्था को बाधित किया और उनके साथ आए लोगों ने ड्यूटी पर तैनात सुरक्षाकर्मी पर हमला किया। घटना के बाद विधायक की ओर से फुलवारीशरीफ थाने में ड्यूटी पर मौजूद डाक्टरों और सुरक्षाकर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया। रेजिडेंट डाक्टर इस मुकदमे को झूठा बता वापस लेने की मांग कर रहे हैं। हड़ताल के चलते मरीजों की स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं, जिससे अस्पताल प्रशासन व डाक्टरों के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। स्थिति को सामान्य करने के लिए प्रशासन को शीघ्र समाधान निकालने की आवश्यकता है।

- एम्स, पटना में डाक्टरों की हड़ताल रविवार को तीसरे दिन भी जारी

तीसरी पत्नी संग रह सके इसलिए कराई हत्या

जागरण संवाददाता, कुशीनगर

पहली पत्नी को गांव में छोड़कर दूसरी शादी करने वाले कार चालक ने तीसरी पत्नी के साथ चैन से रहने के लिए दूसरी पत्नी की हत्या करा दी। इसके लिए उसने दोस्त को पांच लाख रुपये की सुपारी दी थी। हत्याकांड का पर्दाफाश कर पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या में प्रयुक्त राड व बाइक बरामद हो गई है।

पुलिस क्षेत्राधिकारी कुंदन सिंह ने बताया कि महराजगंज के कार चालक गोविंद गुप्त की 35 वर्षीय पत्नी रंभा का शव बुधवार को कुशीनगर के सुकरौली स्थित किराये के कमरे में मिला था। वारदात के समय रंभा, उसका डेढ़ वर्ष बेटा व रिश्तेदार की सात वर्षीय पुत्री तनु कमरे में थी। जांच में पता चला कि गोविंद की पहली शादी 16 वर्ष पूर्व सीमा से हुई थी। उसके तीन बच्चे हैं। चार साल पहले वह लकड़ी ठेकेदारी के सिलसिले में मणिपुर गया था, जहां उसकी मुलाकात रंभा से हुई और उसने शादी कर ली। इस बात पर सीमा से विवाद हुआ तो रंभा को लेकर वह सुकरौली आ गया। पुलिस ने काल डिटेल निकलवाई तो लोकेशन गोरखपुर-कुशीनगर के बीच मिली। पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की तो उसने हत्याकांड में शामिल होने की बात स्वीकार ली। गोविंद ने बताया कि देवरिया निवासी दोस्त मनीष गुप्त को रुपयों की जरूरत थी। रंभा से पीछा छुड़ाने के लिए उसने मनीष को पांच लाख रुपये में हत्या की सुपारी दी। वारदात के दिन मनीष उसके घर गया तो पूर्व परिचित होने के चलते रंभा ने उसे अंदर बुला लिया। मौका मिलते ही मनीष ने राड से मारकर रंभा को अचेत कर दिया और दुपट्टे से गला कसकर हत्या कर दी। गोविंद ने बताया कि कुछ दिनों के लिए वह रंभा के साथ गोरखपुर के फुटहवा चौराहे के समीप किराये के कमरे में रहा था। यहीं उसकी मुलाकात पूजा यादव से हुई और दोनों में प्रेम हो गया।

- कुशीनगर में किराये के कमरे में मिला था रंभा का खून से सना शव
- कार चालक पति ने दोस्त को पांच लाख सुपारी देकर कराई थी हत्या

पकड़े गए आरोपितों के साथ मौजूद पुलिस टीम। सौ. पुलिस मीडिया सेल

ग्राहकों के खाते से दो करोड़ का गबन, पूर्व बैंककर्मी पत्नी सहित गिरफ्तार

नईदुनिया न्यूज, डोंगरगढ़

छत्तीसगढ़ में एक्सिस बैंक की डोंगरगढ़ शाखा के तत्कालीन कर्मचारी ने 43 खाताधारकों के लगभग दो करोड़ रुपये गबन कर लिए। पुलिस ने बुधवारी पारा निवासी 46 वर्षीय उमेश गोरले और उसकी पत्नी ऊषा को रविवार को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के पास से धोखाधड़ी की रकम से खरीदी गई एक कार भी जब्त की गई है।

पुलिस को प्रारंभिक जांच में पता चला था कि नवंबर 2022 से अप्रैल 2025 तक बैंक के ग्राहकों के खाते से 1,06,86,528 रुपये का गबन किया गया। जांच के साथ ही यह रकम बढ़कर दो करोड़ पांच लाख रुपये पहुंच चुकी है। उमेश ने फर्जी ऋण और अनुचित तरीके से ग्राहकों के खातों से राशि आहरित की थी। पकड़े जाने के डर से मई में उसने नौकरी छोड़ दी थी। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि उसने विभिन्न खाताधारकों से आइडी और पासवर्ड लेकर नेट बैंकिंग, चेक से राशि आहरित की और एफडी खाते से ओवर ड्राफ्ट निकाला। धोखाधड़ी की राशि को उसने पत्नी ऊषा और मां तारादेवी के खातों में ट्रांसफर किया। पत्नी को बैंक खाते में राशि आने की जानकारी थी। वहीं, मां की भूमिका की भी जांच की जा रही है, क्योंकि उनका खाता उमेश के मोबाइल नंबर और ई-मेल आइडी से लिंक पाया गया है। इस घटना ने बैंकिंग क्षेत्र में सुरक्षा उपायों की आवश्यकता को फिर से उजागर किया है। ग्राहकों को अपने खातों की सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने की आवश्यकता है।

- छत्तीसगढ़ में एक्सिस बैंक के पूर्व कर्मचारी ने ही की थी 43 ग्राहकों से धोखाधड़ी
- पत्नी और मां के बैंक खातों में ट्रांसफर की थी रकम, इससे खरीदी गई कार जब्त

****

2 अगस्त को आयरलैंड स्थित भारतीय दूतावास ने वहां भारतीय नागरिकों पर हाल ही में हुए हमलों को देखते हुए अपनी सुरक्षा के प्रति सावधानी बरतने और आस-पास के वातावरण को लेकर सचेत रहने की सलाह दी है। दूतावास ने मदद की जरूरत पड़ने पर आपातकालीन संपर्क विवरण भी उपलब्ध कराया है।

यूनुस की अंतरिम सरकार ने बांग्लादेश की रक्षा स्वायत्तता को रखा गिरवी

रिपोर्ट में दावा, अमेरिका ज्यादा टैरिफ न लगाए इसके लिए किया गुप्त समझौता

रूस व चीन से सैन्य सौदे रखने पर सशस्त्र बलों के खिलाफ प्रतिबंध की चेतावनी

मुहम्मद यूनुस। फाइल

ढाका, आइएएनएस : एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने डीप स्टेट और विदेशी प्रायोजकों के साथ पिछले दरवाजे से सौदा कर अपने आपको अंतरिम सरकार के शीर्ष पर स्थापित कर लिया है। बिना किसी संवैधानिक जनादेश के यूनुस अब शासन कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्होंने अमेरिका के साथ एक गुप्त समझौता किया है और अपनी रक्षा स्वायत्तता को अमेरिका के सामने सरेंडर कर दिया है। अपने प्रमुख सहयोगियों को छोड़ दिया है और एकतरफा गठबंधन पर सहमति हुई है, जो मामूली टैरिफ कटौती के बदले में राष्ट्र की संप्रभुता से समझौता है।

इस टैरिफ कटौती व्यवस्था के तहत यूनुस के नेतृत्व वाले प्रशासन ने एक गुप्त समझौता किया है। यह बांग्लादेश को अपने रक्षा भागीदारों चीन और रूस से सैन्य उपकरण खरीदने पर प्रतिबंध लगाता है। रिपोर्ट के अनुसार, यह दो देशों के बीच कोई राजनयिक गठबंधन नहीं है, बल्कि रणनीतिक लचीलेपन का एकतरफा आत्मसमर्पण है, जिस पर चुपचाप हस्ताक्षर किए गए और इसे जीत बताया जा रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि हाल ही में अमेरिकी प्रभारी डी. एफेयर ट्रेसी एन जैकबसन ने ढाका में सशस्त्र बल डिवीजन का दौरा किया। प्रधान राज्य अधिकारी के साथ एक बंद कमरे में बैठक के दौरान जैकबसन ने कथित तौर पर अल्टीमेटम दिया है कि रूस या चीन के साथ सैन्य सौदे जारी रखने से बांग्लादेश सशस्त्र बलों के खिलाफ प्रतिबंध लग सकते हैं। इस दौरान मुहम्मद यूनुस को भी ऐसी ही चेतावनी दी गई। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम बांग्लादेश की स्वतंत्रता और संप्रभुता के लिए एक बड़ा खतरा है। यदि यह स्थिति बनी रहती है, तो बांग्लादेश को अपने रक्षा संबंधों में महत्वपूर्ण बदलाव करने पड़ सकते हैं।

बांग्लादेश में पिछले अगस्त से माब लिंचिंग में 637 लोग मारे गए

ढाका, प्रेट्र : बांग्लादेश में अगस्त 2024 से जुलाई 2025 तक माब लिंचिंग की घटनाओं में 41 पुलिस अधिकारियों सहित 637 लोग मारे गए हैं। यह देश के हालिया इतिहास में न्यायेतर हत्याओं की सबसे बड़ी संख्या है। कनाडाई एजेंसी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को पद से हटाए जाने के बाद से बांग्लादेश में भीड़ हिंसा में वृद्धि देखी है। कनाडा स्थित ग्लोबल सेंटर फार डेमोक्रेटिक गवर्नेंस ने रिपोर्ट में कहा, "शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के तहत 2023 में 51 माब लिंचिंग मौतें दर्ज की गईं। वर्तमान आंकड़ा 2023 की तुलना में 12 गुना से अधिक बढ़ गया है।" रिपोर्ट में कहा गया कि चार अगस्त 2024 को जशोर में 'द जशोर होटल' में 24 लोगों को जला दिया गया था। 25 अगस्त 2024 को रूपगंज, नारायणगंज में गाजी टायर्स में 182 लोगों को जला दिया गया था। एजेंसी ने कहा कि मजबूत मीडिया सेंसरशिप के कारण वे माब लिंचिंग में हुई सभी मौतों पर पूरी जानकारी इकट्ठा नहीं कर सके और इस बात पर जोर दिया कि सूची को अधूरा माना जाना चाहिए।

ट्रिब्यूनल ने शेख हसीना के खिलाफ शुरू किया मुकदमा

ढाका, प्रेट्र : बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आइसीटी) ने रविवार को मानवता के खिलाफ अपराधों को लेकर अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अनुपस्थिति में मुकदमा शुरू किया है। अंतरिम सरकार द्वारा नियुक्त मुख्य अभियोजक ताजुल इस्लाम ने हसीना को सभी अपराधों का केंद्र बताया और अधिकतम दंड की मांग की। अभियोजन पक्ष ने हसीना के दो शीर्ष सहयोगियों, पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमान खान कमाल और पूर्व पुलिस महानिरीक्षक चौधरी अब्दुल्लाह अल मामून को भी सह-आरोपित के रूप में नामित किया। आइसीटी ने कई आरोपों पर हसीना के खिलाफ कार्यवाही शुरू की, जिनमें से प्रमुख पिछले साल के स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन (एसएडी) के नेतृत्व वाले अभियान को नियंत्रित करने के दमन की कार्रवाई शामिल थी। हसीना और कमाल पर उनकी अनुपस्थिति में मुकदमा चलाया जा रहा है, मामून हिरासत में है और मामले में अप्रूवर बनने के लिए सहमत हो गए हैं। इस बीच, आइएएनएस के अनुसार बांग्लादेश अवामी लीग ने रविवार को अपने नेतृत्व के खिलाफ लगाए गए आरोपों की निंदा की।

ओहायो की नई एसजी मथुरा श्रीधरन बिंदी लगाने के कारण इंटरनेट मीडिया पर हुईं ट्रोल

- ओहायो के अटार्नी जनरल ने नियुक्त किया है सालिसिटर जनरल
- ट्रोलिंग के बाद एजी डेव योस्ट ने किया बचाव, बताया बेहद योग्य

वाशिंगटन, आइएएनएस : भारतीय मूल की मथुरा श्रीधरन को ओहायो का 12वां सालिसिटर जनरल (एसजी) नियुक्त किया गया है। अटार्नी जनरल कार्यालय ने जब एक्स पर इसकी घोषणा की, तो उन्हें काफी ट्रोल किया गया। लोगों ने सवाल उठाया कि इस पद के लिए 'गैर-अमेरिकी नागरिक' को क्यों चुना गया। कुछ लोगों ने तो उनकी बिंदी की ओर इशारा करते हुए कहा, 'इसमें तो पर्मा-डाट (स्थायी पूर्णविराम) है।''

ओहायो के अटार्नी जनरल (एजी) डेव योस्ट के कार्यालय ने एक्स पर पोस्ट में कहा, ''एजी ने राज्य और संघीय अदालतों में अपील के लिए राज्य के शीर्ष अटार्नी के रूप में मथुरा श्रीधरन को ओहायो का 12वां एसजी नामित किया है।'' इस घोषणा पर कुछ आनलाइन यूजर्स ने उनकी नियुक्ति की आलोचना की। एक यूजर ने कहा, ''क्या इस पद के लिए अमेरिका का कोई नागरिक और मूल निवासी नहीं मिला?'' एक अन्य यूजर ने लिखा, ''मूल ओहायोवासियों को राज्य में नौकरी भी नहीं मिल रही। यह विदेशी कौन है? क्या ओहायो में अमेरिकी खत्म हो गए हैं?'' एक अन्य यूजर लिखा, ''माथे पर एक डाट (बिंदी) की तरह ओहायोवासी कुछ नहीं कह सकते।'' एक यूजर ने लिखा, 'इनके तो पर्मा-डाट है।'' एक अन्य ने टिप्पणी की, ''उनके माथे पर यह डाट क्या है?'' एक ने उनकी नियुक्ति पर सवाल उठाते हुए कहा, 'कोई अमेरिकी उपलब्ध नहीं था क्या?''

मथुरा श्रीधरन। फाइल

ट्रोल्स के जवाब में एजी योस्ट ने श्रीधरन की नियुक्ति का बचाव किया और उनकी कानूनी योग्यता की प्रशंसा की। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में कहा, 'कुछ लोगों ने गलत दावा किया है कि मथुरा अमेरिकी नहीं हैं। वह अमेरिकी नागरिक हैं, उन्होंने एक अमेरिकी नागरिक से विवाह किया है और उनकी संतान भी स्वाभाविक रूप से अमेरिकी नागरिक है। अगर आपको उनका नाम या रंग-रूप परेशान करता है, तो समस्या उनमें या उनकी नियुक्ति में नहीं है।'' उन्होंने कहा, मथुरा बेहद प्रतिभावान हैं। उन्होंने पिछले वर्ष स्कोटस (अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट) में अपने मुकदमे जीते थे। उन्होंने जिन दोनों एसजी (फ्लावर्स और गेसर) के अधीन काम किया, उन दोनों ने उनकी सिफारिश की थी। जब मैंने उन्हें नियुक्त किया तो उनसे कहा कि मुझे उनके साथ काम करने की जरूरत है। उन्हें पदोन्नत करके उत्साहित हूं। वह ओहायो की अच्छी सेवा करेंगी।''

इंजीनियरिंग करने के बाद की है कानून की पढ़ाई

मथुरा श्रीधरन वर्तमान में ओहायो के सालिसिटर जनरल कार्यालय में डिप्टी सालिसिटर जनरल के पद पर कार्यरत हैं। वह ओहायो के दसवें अमेंडमेंट सेंटर की प्रमुख भी हैं। ओहायो सालिसिटर कार्यालय में शामिल होने से पहले उन्होंने जज स्टीवन जे. मेनाशी (यूएस कोर्ट आफ अपील्स फार द सेकेंड सर्किट) और जज डेबोरा ए. बैट्स (यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट, साउदर्न डिस्ट्रिक्ट आफ न्यूयार्क) के लिए क्लर्क के रूप में कार्य किया था। 2018 में उन्होंने न्यूयार्क यूनिवर्सिटी स्कूल आफ ला से ज्यूरिस डाक्टर (जेडी) की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी (एमआइटी) से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और कंप्यूटर साइंस में मास्टर डिग्री प्राप्त की है। इसके अलावा उन्होंने एमआइटी से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग एंड कंप्यूटर साइंस और अर्थशास्त्र में दोहरी स्नातक डिग्री प्राप्त की है।

खालिस्तान के खिलाफ मुखर रहे चाहल की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

जागरण न्यूज नेटवर्क, कैलिफोर्निया

- कैलिफोर्निया में डिनर से पहले बिल्कुल ठीक थे, अचानक तबीयत बिगड़ी और चल बसे

खालिस्तानी अलगाववाद के खिलाफ मुखर रहे अमेरिका स्थित व्यवसायी एवं सामाजिक कार्यकर्ता सुक्खी चाहल की रहस्यमय परिस्थिति में मौत हो गई।

'द खालसा टुडे' के संस्थापक एवं सीईओ के रूप में चाहल विदेश में सक्रिय खालिस्तानी तत्वों के प्रमुख आलोचक रहे हैं। उनके करीबी मित्र जसपाल सिंह ने बताया कि चाहल ने गुरुवार को कैलिफोर्निया में एक परिचित के घर पर डिनर किया था। डिनर के तुरंत बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई और वहीं पर उनकी मृत्यु हो गई।

डिनर से पहले वह पूरी तरह स्वस्थ थे। उनके एक अन्य दोस्त बूटा सिंह कलेर ने बताया कि चाहल को खालिस्तान समर्थक समूहों से लगातार मौत की धमकियां मिल रही थीं, लेकिन वह अपने विचारों के प्रति अडिग रहे। उनकी मृत्यु का समय 17 अगस्त को वाशिंगटन डीसी में एक महत्वपूर्ण खालिस्तान जनमत संग्रह कार्यक्रम से ठीक पहले आया, जिसका वह सक्रिय रूप से विरोध कर रहे थे, जिससे उनके मित्रों में संदेह बढ़ गया है। पुलिस घटना की जांच कर रही है और मृत्यु के कारण का पता लगाने के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। चाहल का निधन भारत-समर्थक समुदायों के लिए एक बड़ा सदमा है, जिन्होंने उन्हें चरमपंथ के खिलाफ एक साहसी आवाज माना।

सुक्खी चाहल। सौ. इंटरनेट मीडिया

अमेरिकी कांग्रेस की जांच में हार्वर्ड विश्वविद्यालय का चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के साथ संबंध उजागर

- जानकारी तब सामने आई है जब हार्वर्ड पहले से ही निशाने पर है
- अमेरिकी धरती पर विदेशी प्रभाव के बारे में बढ़ गई है चिंता

हार्वर्ड विश्वविद्यालय। फाइल

वाशिंगटन, एएनआइ : अकादमिक उत्कृष्टता और बौद्धिक स्वतंत्रता का प्रतीक माना जाने वाला हार्वर्ड विश्वविद्यालय एक स्कैंडल का सामना कर रहा है जो इसकी प्रतिष्ठा और अखंडता को खतरे में डाल सकता है। अमेरिकी कांग्रेस की जांच में पता चला है कि इस संस्थान ने एक दशक से अधिक समय तक चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) के नियंत्रण में आने वाले संस्थाओं के साथ औपचारिक साझेदारी बनाए रखी। आलोचकों का कहना है कि ये संबंध भविष्य के सीसीपी नेतृत्व के प्रशिक्षण में सीधे सहायता प्रदान करते हैं। ये जानकारी तब सामने आई है जब हार्वर्ड पहले से ही ट्रंप प्रशासन के निशाने पर है।

प्रतिनिधि जान मूलेनार, टिम वालबर्ग और एलिस स्टेफनिक ने हार्वर्ड पर सीसीपी के केंद्रीय संगठन विभाग के नियंत्रण में संगठनों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग का आरोप लगाया। यह विभाग शी चिनफिंग के विचार के साथ अधिकारियों को प्रेरित करने और चीन के सत्तावादी शासन के भीतर प्रमुख पदों के लिए नेताओं का चयन करने के लिए जिम्मेदार है।

विशेष चिंता का विषय सीसीपी द्वारा नियंत्रित संस्था चीनी कार्यकारी नेतृत्व अकादमी पुडोंग के साथ हार्वर्ड कैनेडी स्कूल का दीर्घकालिक सहयोग है। व्हिसिलब्लोअर की गवाही से संकेत मिलता है कि चीन की पार्टी और सरकारी संस्थानों के कैडरों को उनके आधिकारिक प्रशिक्षण के हिस्से के रूप में हार्वर्ड भेजा गया था, जिससे अमेरिकी धरती पर विदेशी प्रभाव के बारे में चिंता बढ़ गई थी। मूलेनार ने कहा, ''अपने भविष्य के नेताओं को प्रशिक्षित करने के लिए सीसीपी-नियंत्रित स्कूल के साथ हार्वर्ड की औपचारिक साझेदारी अमेरिकी संस्थानों में सीसीपी के प्रभाव के बारे में गंभीर चिंताएं पैदा करती है।''

कहा कि 'हम पारदर्शिता सुनिश्चित करने और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए इन रिश्तों की पूरी सीमा को उजागर करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।''

तेल खरीद कर युद्ध में रूस की आर्थिक मदद कर रहा भारत : अमेरिका

- व्हाइट हाउस में डिप्टी चीफ आफ स्टाफ स्टीफन मिलर ने लगाया यह बड़ा आरोप

वाशिंगटन, रायटर : टैरिफ वार के बीच अमेरिका ने भारत पर बड़ा आरोप लगाया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक शीर्ष सहयोगी स्टीफन मिलर ने रविवार को कहा कि मास्को से तेल खरीदकर भारत, यूक्रेन के विरुद्ध युद्ध में रूस की प्रभावी आर्थिक मदद कर रहा है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका लगातार भारत पर रूस से तेल खरीद बंद करने का दबाव बढ़ा रहा है।

व्हाइट हाउस में डिप्टी चीफ आफ स्टाफ और ट्रंप के सबसे प्रभावशाली सहयोगियों में से एक स्टीफन मिलर ने कहा, "उन्होंने (ट्रंप ने) बहुत स्पष्ट रूप से कहा है कि रूस से तेल खरीदकर भारत द्वारा इस युद्ध को आर्थिक मदद करना स्वीकार्य नहीं है।"

मिलर की यह आलोचना ट्रंप प्रशासन द्वारा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका के प्रमुख साझीदारों में से एक के बारे में की गई अब तक की सबसे कड़ी आलोचनाओं में से एक है। मिलर ने 'फाक्स न्यूज' पर कहा, "लोगों को यह जानकर आश्चर्य होगा कि रूसी तेल खरीदने के मामले में भारत मूल रूप से चीन के साथ है। यह एक आश्चर्यजनक तथ्य है।" मिलर ने साथ ही भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ राष्ट्रपति ट्रंप के संबंधों का भी उल्लेख किया और उन्हें शानदार बताया।

स्टीफन मिलर। फाइल

कहा- रूसी तेल खरीदने में चीन के साथ है भारत, मोदी-ट्रंप संबंधों को बताया शानदार

वाशिंगटन स्थित भारतीय दूतावास ने मिलर के इस बयान पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की। हालांकि, भारत सरकार के सूत्रों ने शनिवार को बताया था कि अमेरिकी धमकियों के बावजूद नई दिल्ली, मास्को से तेल खरीदना जारी रखेगा। भारत ने रूस के साथ अपने ऐतिहासिक संबंधों को बनाए रखा है। भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए रूस से तेल खरीदना एक महत्वपूर्ण पहलू है।

गौरतलब है कि रूस से सैन्य साजो-सामान और ऊर्जा उत्पादों की खरीद के परिणामस्वरूप अमेरिका ने भारतीय उत्पादों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। डोनाल्ड ट्रंप ने यह धमकी भी दी है कि अगर मास्को यूक्रेन के साथ कोई बड़ा शांति समझौता नहीं करता, तो वह रूसी तेल खरीदने वाले देशों से अमेरिकी आयात पर शत प्रतिशत टैरिफ लगा देंगे।

रूस में आया 7 .0 तीव्रता का भूकंप, 600 वर्षों बाद क्रेशेनिनिकोव ज्वालामुखी में विस्फोट

- विस्फोट के बाद ज्वालामुखी से निकली राख 6,000 मीटर तक पहुंची, विमानों के लिए अलर्ट जारी
- भूकंप के बाद आपात सेवा मंत्रालय ने कमचटका के तीन क्षेत्रों में सुनामी की आशंका जताई

मास्को, रायटर : रूस के कुरील द्वीप में रविवार को 7.0 तीव्रता का भूकंप आया, जिसके बाद आपात सेवा मंत्रालय ने कमचटका के तीन क्षेत्रों में सुनामी की आशंका जताई है। वहीं कमचटका में क्रेशेनिनिकोव ज्वालामुखी में 600 वर्षों बाद विस्फोट हो गया। आशंका है कि दोनों घटनाएं पिछले हफ्ते रूस के सुदूर पूर्व में आए भीषण भूकंप से जुड़ी हो सकती हैं, जिसके बाद फ्रेंच पोलिनेशिया और चिली तक सुनामी की चेतावनी दी गई थी।

कुरील द्वीप समूह कमचटका प्रायद्वीप के दक्षिणी सिरे तक फैला है। रूसी विज्ञानियों ने बुधवार को चेतावनी दी थी कि अगले कई हफ्तों में इस क्षेत्र में तेज झटके आ सकते हैं। कमचटका ज्वालामुखी विस्फोट प्रतिक्रिया टीम के प्रमुख ओल्गा गिरीना ने कहा कि यह 600 वर्षों में क्रेशेनिनिकोव ज्वालामुखी का पहला ऐतिहासिक रूप से पुष्टि किया गया विस्फोट है। इंस्टीट्यूट आफ वोल्केनोलाजी एंड सीस्मोलाजी के टेलीग्राम चैनल पर गिरीना ने कहा कि क्रेशेनिनिकोव का आखिरी लावा प्रवाह 1463 के आसपास हुआ था और उसके बाद से कोई विस्फोट ज्ञात नहीं है। ज्वालामुखी विस्फोट के बाद 6,000 मीटर ऊंचाई तक राख पहुंची। ज्वालामुखी की ऊंचाई 1,856 मीटर है। मंत्रालय ने कहा कि राख का बादल पूर्व की ओर प्रशांत महासागर की ओर चला गया। इसके रास्ते में कोई आबादी वाला क्षेत्र नहीं है। ज्वालामुखी के विस्फोट को नारंगी विमानन कोड दिया गया है, जो विमानों के लिए बढ़ते खतरे का संकेत है।

रूस के कुरील द्वीप में रविवार को कमचटका में फटे क्रेशेनिनिकोव ज्वालामुखी से निकलते धुएं के गुबार का हवाई दृश्य। रायटर

ट्रंप ने फिर किया दावा, भारत और पाकिस्तान के बीच रुकवाया संघर्ष

न्यूयार्क, प्रेट्र : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को एक बार फिर दुनियाभर में संघर्षों को रुकवाने का श्रेय लिया। इनमें भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ हालिया संघर्ष भी शामिल है।

ट्रंप ने 10 मई को इंटरनेट मीडिया पर घोषणा की थी कि अमेरिका की मध्यस्थता में रातभर की बातचीत के बाद भारत और पाकिस्तान पूर्ण व तत्काल संघर्ष विराम पर सहमत हुए थे। तब से उन्होंने कई मौकों पर अपने इस दावे को दोहराया है।

एक दिन पहले भी ट्रंप ने एक साक्षात्कार में कहा था कि उन्होंने औसतन हर महीने एक युद्ध रुकवाया है। ट्रंप का यह दावा व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट के उस बयान के कुछ दिनों बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि ट्रंप को भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष सहित दुनियाभर में कई संघर्षों को समाप्त कराने के लिए नोबेल शांति पुरस्कार दिया जाना चाहिए। लेविट ने कहा था कि ट्रंप ने थाईलैंड, कंबोडिया, इजरायल और ईरान, रवांडा और कांगो, भारत और पाकिस्तान, सर्बिया और कोसोवो, मिस्र और इथियोपिया के बीच संघर्ष समाप्त कराया है।

गबार्ड से मिले क्वात्रा, आपसी हित के मुद्दों पर की बातचीत

वाशिंगटन, प्रेट्र : अमेरिका में भारतीय राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने रविवार को अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड से मुलाकात की और आपसी हित के विभिन्न मुद्दों पर सार्थक बातचीत की। क्वात्रा ने इस भेंट को लेकर एक्स पर लिखा-राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड और उनके पति अब्राहम विलियम्स से मिलकर खुशी हुई। हमने आपसी हित के विभिन्न मुद्दों पर सार्थक बातचीत की। तुलसी गबार्ड ने मार्च में भारत का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ द्विपक्षीय वार्ता की और रायसीना डायलाग को भी संबोधित किया।

मुस्लिम ब्रदरहुड को जल्द ही आतंकी संगठन घोषित कर सकता है अमेरिका

- मुस्लिम ब्रदरहुड को आतंकी संगठन घोषित करने के लिए पेश किया गया है विधेयक

वाशिंगटन, आइएएनएस : अमेरिका जल्द ही मुस्लिम ब्रदरहुड को आतंकी संगठन घोषित कर सकता है। मुस्लिम ब्रदरहुड को आतंकी संगठन घोषित करने के लिए जुलाई में कांग्रेस के रिपब्लिकन सदस्य मारियो डियाज-बलार्ट और डेमोक्रेटिक सदस्य जेरेड मोस्कोविट्ज ने द्विदलीय विधेयक पेश किया है। व्हाइट हाउस ने हाल ही में इस घटनाक्रम की पुष्टि की।

वाशिंगटन स्थित कैपिटल इंस्टीट्यूट ने रिपोर्ट में कहा, यह आम सहमति से उजागर होता है कि अमेरिका में यह बात स्वीकार किया जा रहा है कि मुस्लिम ब्रदरहुड राजनीतिक आंदोलन के रूप में अपनी गढ़ी गई छवि के बावजूद हमास से लेकर अलकायदा तक आतंकियों के लिए वैचारिक कट्टरपंथ का स्रोत है। रिपोर्ट में अमेरिकी सीनेटर टेड क्रूज का भी उल्लेख है, जिन्होंने 2015 से इसी तरह के विधेयक पेश किए हैं। उनका कहना है कि ब्रदरहुड को विदेशी आतंकी संगठन (एफटीओ) घोषित करना रणनीतिक रूप से जरूरी है। मिस्र, सऊदी अरब, यूएइ अमीरात और जार्डन सहित कई देशों ने राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए मुस्लिम ब्रदरहुड व संबद्ध समूहों पर आधिकारिक तौर पर प्रतिबंध लगा दिया है।

जापान सागर में चीन और रूस का नौसैनिक अभ्यास

- ट्रंप के परमाणु पनडुब्बियों की तैनाती के आदेश के बाद की ड्रिल
- तोपखाने के उपयोग और पनडुब्बी डुबाने का हो रहा अभ्यास

मास्को, रायटर : रूस के निकट दो परमाणु पनडुब्बियों की तैनाती की अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा पर रूस ने कुछ नहीं कहा है लेकिन उसने चीन के साथ मिलकर नौसैनिक अभ्यास कर रहे हैं। यह नौसैनिक अभ्यास रूस और चीन के मध्य के जापान सागर में हो रहा है। यह जानकारी रूसी नौसेना के प्रशांत महासागर बेड़े ने दी है। विदित हो कि युद्धपोतों की संख्या के लिहाज से चीन की नौसेना इस समय विश्व की सबसे बड़ी नौसेना है।

ट्रंप ने परमाणु पनडुब्बी की तैनाती की घोषणा पूर्व रूसी राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव के बयान के जवाब में की है। मेदवेदेव ने ट्रंप को रूस को प्रतिबंधों की धमकी देने से बाज आने के लिए कहा था। ट्रंप की घोषणा से पूर्व ही घोषित रूस-चीन के नौसैनिक अभ्यास में खासतौर पर तोपखाने और पनडुब्बी मारक क्षमताओं का प्रदर्शन हो रहा है। इस अभ्यास में रूस की बड़े आकार की पनडुब्बियां और चीन का विध्वंसक बेड़ा भाग ले रहा है। अभ्यास में दोनों देशों की डीजल और बिजली चालित पनडुब्बियां भी भाग ले रही हैं। इस अभ्यास को मैरीटाइम इंटरेक्शन-2025 नाम दिया गया है। यह अभ्यास मंगलवार तक चलेगा। विदित हो कि रूस और चीन ने 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने से पहले असीमित सहयोग वाले रणनीतिक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

देश-दुनिया की अन्य खबरों के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

अमेरिका में कार दुर्घटना में मारे गए भारतीय मूल के चार बुजुर्ग

पश्चिमी वर्जीनिया में हादसे में भारतीय मूल के चार लोगों की मौत हो गई। इंटरनेट मीडिया

न्यूयार्क, प्रेट्र : अमेरिका के पश्चिम वर्जीनिया में कार दुर्घटना में भारतीय मूल के चार लोगों की मौत हो गई। मार्शल काउंटी शेरिफ माइक डफर्टी ने कहा, किशोर दीवान, आशा दीवान, शैलेश दीवान और गीता दीवान एक दुर्घटना के बाद मृत पाए गए। सभी बुजुर्ग थे।

इन चारों के न्यूयार्क से लापता होने की सूचना मिली थी। उनका वाहन दो अगस्त को स्थानीय समय रात 9:30 बजे पश्चिम वर्जीनिया के मार्शल काउंटी में सड़क किनारे मिला। न्यूयार्क के गवर्नर कार्यालय में एशियाई अमेरिकी और प्रशांत द्वीपवासी मामलों के निदेशक सिबू नायर ने शनिवार को फेसबुक पर लापता होने को लेकर पोस्ट कर मदद मांगी थी। नायर ने कहा था कि दीवान मंगलवार को मंदिर गए और फिर से वहां से निकलने के बाद घर नहीं लौटे। अफसोस की बात है कि वे कभी घर नहीं पहुंचे। उन्हें आखिरी बार एरी, पेंसिल्वेनिया में एक फास्ट फूड ज्वाइंट पर देखा गया था। तीन दिन से ज्यादा समय हो गया है और संपर्क नहीं हुआ है। उन्होंने उस क्षेत्र में या अपेक्षित मार्ग पर यात्रा करने वाले लोगों से उन पर नजर रखने के लिए कहा था।

****

इजरायल के मंत्री बेन-गिविर पहुंचे टेंपल माउंट, तनाव

- इजरायली मंत्री के अल-अक्सा मस्जिद परिसर में जाने से मुस्लिम नाराज
- गाजा में इजरायली फायरिंग में खाना लेने आए 27 फलस्तीनियों की मौत

यरुशलम, एपी : इजरायली सरकार में शामिल अति दक्षिणपंथी दल के मंत्री इत्मार बेन-गिविर ने रविवार को यरुशलम में अल-अक्सा मस्जिद परिसर में जाकर पूजा की। यहूदी इस स्थान को टेंपल माउंट कहते हैं और इसे अपना सबसे पवित्र स्थल मानते हैं जबकि इस्लाम में अल-अक्सा मस्जिद तीसरा सबसे पवित्र स्थल है। दोनों धर्मों के लोगों के दावे के चलते सैकड़ों वर्षों से यह स्थान अशांत बना हुआ है। बेन-गिविर के दौरे से क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है। गाजा में जारी युद्ध के बीच इजरायली मंत्री के इस दौरे की निंदा हो रही है। इस बीच इजरायली सेना ने गाजा में रविवार को खाने की तलाश में निकले 40 और लोगों को फायरिंग में मार डाला।

बेन-गिविर का यह दौरा मुस्लिम जगत को उकसाने वाला और लंबे समय से बनी यथास्थिति को तोड़ने वाला माना जा रहा है। मस्जिद परिसर में लंबे समय से यहूदी पूजा नहीं करते हैं जबकि वहां पर नमाज पढ़ी जाती है। मस्जिद परिसर में इजरायल की पुलिस और सुरक्षा बल तैनात हैं। इजरायल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा है कि बेन-गिविर के दौरे से पवित्र स्थल के लिए बनी व्यवस्था में बदलाव नहीं होगा। बेन-गिविर वही मंत्री हैं जो गाजा युद्ध के दौरान वहां पर परमाणु बम डालने की सरकार से मांग कर चुके हैं।

इतामार बेन ग्वीर। रायटर/फाइल

वह गाजा में युद्धविराम के घोर विरोधी और उस पर इजरायल के स्थायी कब्जे के पक्षधर हैं। बेन-गिविर 2021 में भी यरुशलम के पवित्र स्थल पर गए थे। तब विरोध में फलस्तीनी संगठनों और इजरायली सुरक्षा बलों के बीच लड़ाई छिड़ गई थी जो 11 दिन चली थी।

गाजा के खान यूनिस शहर में स्थित जीएचएफ के राहत वितरण केंद्र के नजदीक हुई फायरिंग में रविवार को 11 लोग मारे गए जबकि अन्य 29 लोग विभिन्न स्थानों पर मारे गए।

गाजा में भूखों पर फायरिंग के विरोध में रविवार आस्ट्रेलिया में 90 हजार लोगों ने एकत्रित होकर इजरायल के खिलाफ प्रदर्शन किया। विश्व में बढ़ रहे गुस्से को शांत करने के लिए इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को रेडक्रास के अधिकारियों से मुलाकात कर उनसे गाजा में खाद्य सामग्री के वितरण की जिम्मेदार संभालने का अनुरोध किया।

गाजा में भूख से छह और मरे: गाजा में रविवार को भूख से छह और लोगों की मौत हो गई। इन्हें मिलाकर गाजा में भूख से मरे लोगों की कुल संख्या बढ़कर 175 हो गई है, मृतकों में 93 बच्चे हैं। इनके अतिरिक्त भूख के कारण कुपोषण के शिकार हुए बच्चों की संख्या हजारों में है।

प्रसिद्ध ने दो ओवर में दो विकेट लेकर मैच का रुख बदला | ब्रूक-रूट ने जड़े शतक | जीत के लिए इंग्लैंड को 35 रन और भारत को चार विकेट की जरूरत

आखिर में जाकर फंस गया मैच

पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के पिछले चार मुकाबले रोमांचक तरीके से पांचवें दिन खत्म हुए तो फिर ओवल स्टेडियम कहां पीछे रहने वाला था। अब तेंदुलकर-एंडरसन ट्राफी 3-1 के साथ इंग्लैंड के पास जाएगी या भारतीय टीम उसे 2-2 से बराबरी पर छुड़ा लेगा, इसका फैसला सोमवार को होगा। यह सीरीज 25वें दिन के खेल में प्रवेश करेगी, जहां इंग्लैंड को जीतने के लिए 35 रन की तो भारत को चार विकेट की दरकार है।

चायकाल के बाद बदला खेल: 374 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रही इंग्लिश टीम जब रविवार को चौथे दिन चायकाल के बाद उतरी तो उसे जीत के लिए सिर्फ 57 रनों की जरूरत थी और छह विकेट हाथ में थे। रनों का अंबार लगाने के मामले में दुनिया में दूसरे नंबर पर चल रहे जो रूट ने दो रन बनाकर अपना 39वां शतक पूरा किया तो लगा कि अब कुछ देर में ही मैच खत्म हो जाएगा लेकिन प्रसिद्ध कृष्णा ने पांच रन के अंदर जैकब बेथेल और रूट को आउट करके मैच फंसा दिया। कुछ देर पहले जिस पिच पर 350 बनाना आसान लग रहा था, वहां पर 35 रन बनाना असंभव लगने लगा। जेमी स्मिथ और ओवरटन के लिए गेंद खेलना मुश्किल लगने लगा। इंग्लैंड की पारी के 76.2 ओवर होने के बाद वर्षा और खराब रोशनी के कारण मैच रोका गया। इसके बाद वर्षा तो बंद हो गई लेकिन खेल दोबारा शुरू नहीं हो पाया।

काश सिराज कैच ले लेते : मोहम्मद सिराज ने तीसरे दिन की अंतिम गेंद पर जब जैक क्राउली को आउट किया तो लगा कि अंग्रेजों के लिए रविवार को 374 रन का लक्ष्य प्राप्त करना बहुत मुश्किल होगा लेकिन खराब गेंदबाजी और बल्लेबाजी ने इंग्लैंड के लिए चीजें आसान कर दीं। 19 रन के निजी स्कोर पर सिराज ने हैरी ब्रूक का कैच लपका लेकिन उनका पैर बाउंड्री को छू गया। एक विकेट पर 50 रन से शुरुआत करने वाली इंग्लिश टीम ने 106 रन पर तीन विकेट गंवा दिए। अगर सिराज लांग लेग पर कैच लेते हुए बाउंड्री कुशन पर पैर नहीं रखते तो स्कोर चार विकेट पर 137 रन हो सकता था। इसके बाद ब्रूक (111) और जो रूट (105) धीरे-धीरे मैच को भारत की पहुंच से दूर ले गए। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 195 रन की साझेदारी की, जो भारत के विरुद्ध इस विकेट के लिए चौथी सबसे बड़ी साझेदारी है। ब्रूक ने पूरी पारी के दौरान 100 से ऊपर स्ट्राइक रेट से रन बनाए। वह सिर्फ 37 गेंद में पचासा जड़कर भारत के विरुद्ध संयुक्त रूप से सबसे तेज टेस्ट अर्धशतक जड़ने वाले तीसरे इंग्लिश बल्लेबाज बन गए। उन्होंने केवल 91 गेंदों में टेस्ट करियर का 10वां और चौथी पारी में करियर का पहला शतक लगाया। ब्रूक को आकाश दीप ने चायकाल से पहले सिराज के हाथों कैच कराकर आउट किया। शाट मारते समय बल्ला उनके हाथ से फिसल गया लेकिन तब तक वह अपना काम कर चुके थे।

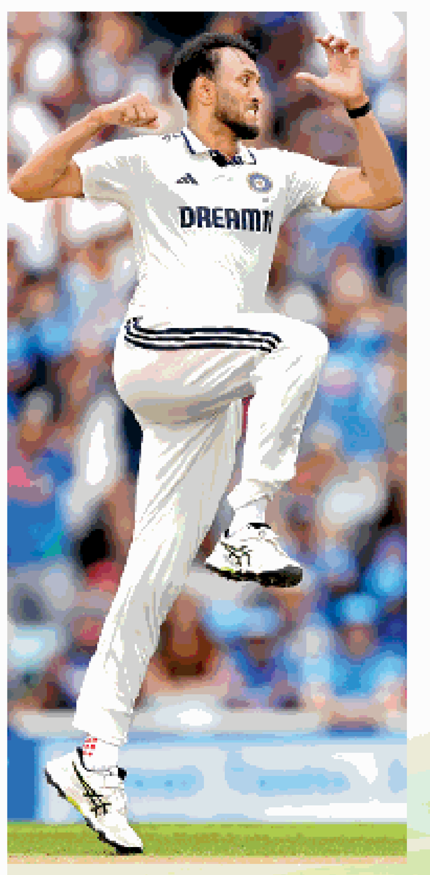
प्रसिद्ध कृष्णा ● एपी

स्कोर बोर्ड

भारत पहली पारी: 224/10 (69.4 ओवर) इंग्लैंड पहली पारी: 247/10 (51.2 ओवर)

भारत दूसरी पारी: 396 (88 ओवर)

इंग्लैंड दूसरी पारी: 339/6 (76.2 ओवर), (50/1 रन से आगे)

	रन	गेंद	4/6
डकेट का. राहुल बो. प्रसिद्ध	54	83	6/0
पोप एलबीडब्ल्यू सिराज	27	34	5/0
रूट का. जुरैल बो. प्रसिद्ध	105	152	12/0
ब्रूक का. सिराज बो. आकाश	111	98	14/2
बेथल बो. प्रसिद्ध	5	31	1/0
स्मिथ अविजित	2	17	0/0
ओवरटन अविजित	0	8	0/0

अतिरिक्त: 21, विकेटपतन: 2-82 (डकेट, 22.4), 3-106 (पोप, 27.3), 4-301 (ब्रूक, 62.4), 5-332 (बेथल, 70.4), 6-337 (रूट, 72.6), गेंदबाजी: आकाश 20-4-85-1, प्रसिद्ध 22.2-3-109-3, सिराज 26-5-95-2, वाशिंगटन 4-0-19-0, जडेजा 4-0-22-0

घरेलू टेस्ट मैचों में किसी प्रतिद्वंद्वी के विरुद्ध सर्वाधिक 50+ स्कोर

50+	खिलाड़ी	बनाम
17	सर डान ब्रैडमैन	इंग्लैंड
16	हर्बी टेलर	इंग्लैंड
16	जो रूट	भारत

सीरीज में भारत के विरुद्ध सर्वाधिक बार 500+ रन बनाने वाले बल्लेबाज

500+	खिलाड़ी
3	जो रूट
2	एवर्टन वीक्स
2	जहीर अब्बास
2	यूनुस खान

आगे बढ़ते रूट : एक ओर जहां ब्रूक भारतीय गेंदबाजों के विरुद्ध आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे थे, तो दूसरी ओर जो रूट ने संयम से खेलते हुए दूसरा छोर संभाले रखा। उन्होंने 81 गेंद में अर्धशतक पूरा किया और उसके बाद करियर का 39वां टेस्ट शतक लगाया। इसके साथ ही वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में इतिहास रचते हुए 6000 रन पूरे करने वाले पहले खिलाड़ी बने। 34 वर्षीय रूट ने 69वें टेस्ट में यह आंकड़ा पार किया। उन्होंने भारत के विरुद्ध घरेलू टेस्ट में 16वीं बार 50+ स्कोर बनाकर हर्बी टेलर के रिकार्ड की बराबरी की। यह उपलब्धि उन्होंने डीप स्क्वायर लेग की दिशा में सिंगल लेकर पूरी की। रूट (13543) टेस्ट में सचिन तेंदुलकर (15,921) के बाद दूसरे सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। वह शतकों के मामले में कुमार संगकारा से आगे निकल गए हैं।

भारत की खराब गेंदबाजी : भारत ने दूसरे सत्र में बेहद खराब गेंदबाजी की। ऐसा लगने लगा कि जैसे पिच ही बदल गई हो। इंग्लैंड ने दूसरे सत्र में 153 रन बनाए और सिर्फ एक विकेट गंवाया। भारतीय गेंदबाजों ने लंच से पहले बेन डकेट (54) और कप्तान ओली पोप (27) को आउट किया तो दूसरे सत्र में सिर्फ ब्रूक का विकेट मिला। दूसरे सत्र में भारतीय क्षेत्ररक्षकों ने भी कई मिस फील्डिंग की। चायकाल के बाद भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण ने लय पकड़ी। इंग्लैंड की आशाएं रूट पर थीं। वह पिच पर आते हैं और आकाश दीप की लंबी गेंद को डीप स्क्वायर लेग की ओर दो रन के लिए भेजकर अपना 39वां टेस्ट शतक पूरा करते हैं। वह बल्ला उठाते हैं और हेलमेट उतारकर उसे चूमते हैं। हालांकि कुछ ही देर में प्रसिद्ध कृष्णा की स्विंग करती गेंद बेथल के बल्ले का अंदरूनी किनारा लेकर मिडिल स्टंप उखाड़ देती है। इसके बाद सिराज और प्रसिद्ध के ओवरों में रूट के विरुद्ध पगबाधा अपील होती है। दूसरे सत्र में जमकर पिटने वाली गेंद तीसरे सत्र में अचानक इधर-उधर घूमने लगती है। प्रसिद्ध ने एक गेंद को गलियारे में फेंका, जो गुड लेंथ से थोड़ी कम थी। रूट ने गेंद को अच्छी ऊंचाई पर खेला लेकिन विकेटकीपर जुरेल ने डाइव लगाकर गेंद को दोनों हाथों से थाम लिया। प्रसिद्ध ने अपने दो ओवरों में दो विकेट लेकर मैच को रोमांचक मोड़ पर पहुंचा दिया। इंग्लैंड ने चौथे दिन चायकाल के पहले तक अपनी दूसरी पारी में 4.80 के रन रेट से 317 रन बनाए लेकिन इसके बाद हुए 10.2 ओवर में भारतीय गेंदबाजों ने सिर्फ 2.15 के रन रेट से रन दिए। फिलहाल जेमी स्मिथ और जेमी ओवरटन क्रीज पर हैं। इस मैच में क्षेत्ररक्षण करते हुए कंधा उखड़वाने वाले गेंदबाज क्रिस वोक्स भी सफेद जर्सी में दिखाई दिए। उन्होंने पहली पारी में बल्लेबाजी नहीं की थी लेकिन दूसरी पारी में वह जरूरत पड़ने पर बल्लेबाजी के लिए उतर सकते हैं।

जो रूट ● प्रेट्र हैरी ब्रूक ● एपी

39 टेस्ट शतक जो रूट ने बनाए। उन्होंने कुमार संगकारा को पीछे छोड़ा। रूट से ज्यादा टेस्ट शतक सिर्फ रिकी पोंटिंग (41), जैक्स कैलिस (45) और सचिन तेंदुलकर (51) ने बनाए हैं

1939 में डरबन में दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध मैच की चौथी पारी में इंग्लैंड ने पांच विकेट पर 654 रन बनाए थे। यह चौथी पारी में इंग्लैंड का सबसे बड़ा स्कोर है लेकिन वह मुकाबला ड्रा रहा था। इंग्लैंड ने एक जुलाई 2022 को बर्मिंघम में भारत के विरुद्ध ही तीन विकेट खोकर 378 रन बनाए थे। यह उसका टेस्ट में अब तक का सबसे बड़ा सफल लक्ष्य है

1902 में ओवल में इंग्लैंड ने आस्ट्रेलिया के विरुद्ध चौथी पारी में 263 रन बनाकर जीत हासिल की थी। अब तक ओवल में सबसे ज्यादा रन बनाकर जीत हासिल करने का यही रिकार्ड है। अगर इंग्लिश टीम जीतती है तो यह रिकार्ड बदल जाएगा

91 गेंद में ब्रूक का शतक भारत के विरुद्ध टेस्ट में तीसरा सबसे तेज है। उनसे पहले स्मिथ ने 80 और डकेट ने 88 गेंद में शतक जड़ा था

57 वां अर्धशतक लगाया रूट ने इंग्लैंड में, जो घर पर सर्वाधिक अर्धशतक जड़ने में संयुक्त रूप से जयवर्धने-कैलिस के साथ दूसरे स्थान पर हैं

टेस्ट मैचों में भारत के विरुद्ध चौथी पारी में सबसे बड़ी साझेदारी

साझेदारी	खिलाड़ी	टीम	साल
269*	बेयरस्टो-रूट	इंग्लैंड	2022
216	डायस-मेंडिस	श्रीलंका	1985
205	डिविलियर्स-प्लेसिस	द. अफ्रीका	2013
195	हैरी ब्रूक-जो रूट	इंग्लैंड	2025
188	क्राउली-डकेट	इंग्लैंड	2025

खेल डायरी

वेस्टइंडीज की पाकिस्तान पर रोमांचक जीत

जैसन होल्डर ● एपी

लाडरहिल, एपी: वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के बीच तीन टी-20 मैचों की सीरीज के दूसरे मुकाबले में विंडीज टीम ने पाकिस्तान को दो विकेट से शिकस्त दी। विंडीज के जैसन होल्डर न केवल चार विकेट, लिए बल्कि टीम को अंतिम गेंद पर तीन रन की जरूरत के वक्त चौका लगाकर जीत दिलाई। सीरीज में अब दोनों टीम 1-1 की बराबरी पर हैं। पाकिस्तान टीम नौ विकेट पर 133 रन बना सकी। होल्डर ने 19 रन देकर चार विकेट लिए। पाकिस्तान हसन नवाज ने 40 रन बनाए। हालांकि वेस्टइंडीज की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही हालांकि गुडाकेश मोती (28) और रोमारियो शेफर्ड (15) ने मुकाबले में वापसी कराई।

मुक्केबाजी में जीते शिवम और मौसम

बैंकाक, प्रेट्र: अंडर-19 एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत के शिवम और मौसम सुहाग ने रविवार को अपने-अपने भार वर्गों में जीत दर्ज कर बढ़त बनाई। पुरुषों के 55 किग्रा वर्ग में शिवम ने तुर्कमेनिस्तान के बेजिरगेन अन्नायेव के विरुद्ध तीनों राउंड में दबदबा बनाया, वहीं मौसम ने 65 किग्रा वर्ग में कजाकिस्तान के नूरकाब्युली मुखित के पर 3-2 से जीत हासिल की। हालांकि यहां पूरा भारतीय दल अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सका। शुभम को 60 किग्रा वर्ग में कजाकिस्तान के टोर्टुबेक आदिलेट के विरुद्ध 0-5 से करारी हार का सामना करना पड़ा।

मेसी चोटिल, सुआरेज ने मियामी को जिताया

फोर्ट लाडरडेल, एपी: लुइस सुआरेज की विजयी पेनाल्टी किक के दम पर इंटर मियामी ने शनिवार को लीग्स कप में नेकाक्सा को 2-2 से बराबरी के बाद शूटआउट में 5-4 से हराया। हालांकि मैच की शुरुआती मिनटों में हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण लियोन मेसी मैच बाहर हो गए। अतिरिक्त समय के दूसरे मिनट में मियामी के जोर्डी अल्बा ने हेडर से बराबरी का गोल दागा जिससे स्कोर 2-2 हो गया और शूटआउट की नौबत आ गई। इंटर मियामी ने अपनी सभी पांच पेनाल्टी किक को गोल में बदला कर 5-4 से जीत हासिल की। मेसी आठवें मिनट में पेनाल्टी क्षेत्र के पास गिरकर घायल हो गए। मैदान पर बैठने से पहले वह धीरे-धीरे इंटर मियामी की बेंच की ओर चले गए। मैक्सी फाल्कन को लाल कार्ड दिखाया गया।

ओलिंपिक के भविष्य के लिए दिग्गज एकजुट

तेलंगाना के खेल मंत्री वकित श्रीहरि (बाएं से तीसरे) के साथ अनिल कुंबले व अन्य।

जेएनएन, नई दिल्ली : देश के ओलिंपिक भविष्य को आकार देने के लिए तेलंगाना में खेल विकास कोष (टीएसडीएफ) के बोर्ड आफ गवर्नर्स का गठन किया गया है। इसमें कपिल देव, बाइचुंग भूटिया, अभिनव बिंद्रा, पुलेला गोपीचंद और गगन नारंग सहित संजीव गोयनका, उपासना रेड्डी, वीता दानी, काव्या मारन को शामिल किया गया है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शनिवार को राज्य की नई व्यापक खेल नीति के तहत इस पहल का शुभारंभ किया। यह पहली बार होगा, जब देश में किसी राज्य सरकार के लिए एकीकृत दृष्टिकोण के साथ जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को मजबूत बनाने, बुनियादी ढांचे का अनुकूलन और सुदृढ़ करने सहित समग्र खेल विकास के लिए उत्कृष्टता को बढ़ावा दिया जाएगा।

विश्व मुक्केबाजी के अध्यक्ष की निगरानी में होगा बीएफआइ चुनाव

नितिन नागर ● जागरण

21 अगस्त को होंगे भारतीय मुक्केबाजी संघ के चुनाव, पूर्व अध्यक्ष अजय सिंह ने शनिवार को दिया था इस्तीफा

नई दिल्ली: भारतीय मुक्केबाजी संघ (बीएफआइ) में चल रही खींचतान का कारण समय पर चुनाव नहीं होना और इसमें होती देरी रहा। इस बीच विश्व मुक्केबाजी (डब्ल्यूबी) ने हस्तक्षेप करते हुए संघ के पूर्व अध्यक्ष अजय सिंह की अध्यक्षता में अंतरिम समिति नियुक्त की, जिसने 21 अगस्त को चुनाव कराने की घोषणा कर दी और 31 अगस्त की समयसीमा से पहले सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली जाएंगी। विश्व मुक्केबाजी ने अजय सिंह की प्रशंसा करते हुए कहा है कि समिति ने शानदार कार्य करते हुए तय लक्ष्यों को पूरा किया है। विश्व मुक्केबाजी के अध्यक्ष बोरिस वेन डर वोर्स्ट खुद चुनाव प्रक्रिया की निगरानी के लिए भारत आएंगे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि चुनाव निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से हों।

दिलचस्प है कि आइओए ने भी एक और अंतरिम समिति बनाने का सुझाव दिया है, जिसमें विपक्ष के प्रतिनिधि को भी शामिल किया गया है। जब एक अंतरिम समिति पहले से ही काम कर रही है तो चुनाव से 18 दिन पहले यह सुझाव को गैरजरूरी और भ्रमित करने वाला बताया जा रहा है। ऐसे में यह तय है कि बीएफआइ का यह चुनाव न केवल दिलचस्प होगा बल्कि विवादों से भी भरपूर रहेगा।

विपक्ष की आपत्ति यह है कि महासंघ के नए संविधान को कार्यकारी समिति ने मंजूरी नहीं दी है। गौरतलब है कि आइओए के चुनाव भी एक ऐसे ही संविधान के तहत हुए थे, जिसमें कार्यकारी समिति से औपचारिक रूप से मंजूरी नहीं दी थी और फिर इसे वैध माना गया। इन चुनाव में पीटी उषा अध्यक्ष चुनी गई थीं। अब सवाल है कि मुक्केबाजी के चुनाव को अलग नजर से क्यों देखा जा रहा है। खेल संहिता के अनुसार, अनुराग ठाकुर केवल तभी चुनाव लड़ सकते हैं जब वे कार्यकारी समिति के दो कार्यकाल पूरे कर चुके हों, जो कि अभी उन्होंने नहीं किए हैं।

मौका मिले तो कार्लसन को चुनौती देना चाहूंगी : दिव्या

साक्षात्कार

जिस उम्र में लोग अपने करियर को संवारने के बारे में सोचते हैं, उस उम्र में नागपुर की शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख ने विश्व चैंपियन बनकर इतिहास रच दिया। जार्जिया के बाटुमी में खेले गए फिडे महिला शतरंज विश्व कप के खिताबी मुकाबले में 19 वर्षीय दिव्या देशमुख ने हमवतन और अनुभवी खिलाड़ी कोनेरू हंपी को रोमांचक मुकाबले में शिकस्त देकर यह कारनामा किया। ग्रैंडमास्टर दिव्या की मां नहीं चाहती थीं कि उनकी बेटी कोई फिजिकल गेम खेले, इसलिए उन्होंने शतरंज को चुना। दिव्या का कहना है कि वह एक दिन दुनिया के शतरंज खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन के विरुद्ध खेलना चाहती हैं। विश्व चैंपियन दिव्या देशमुख से शेखर झा ने बातचीत की। पेश हैं प्रमुख अंश :-

● **आपने शतरंज को ही क्यों चुना। इसके पीछे क्या उद्देश्य था?**

-शतरंज खेलने का फैसला मेरे पैरेंट्स का था। मेरी मां चाहती थीं कि मैं कोई फिजिकल गेम ना खेलूं। इसलिए उन्होंने मुझे शतरंत खेलने के लिए प्रोत्साहित किया और मैं भी उसको शौक से खेलने लगी और उसके बाद उसी में करियर बनाया।

● **फिडे महिला शतरंज विश्व कप के फाइनल मुकाबले में आपके सामने भारत की अनुभवी खिलाड़ी बैठी थी। उस दौरान आपके दिमाग में क्या चल रहा था?**

-टूर्नामेंट की बात करें तो उसमें हिस्सा लेने वाले सभी खिलाड़ी मेरे से सीनियर थे। महिला शतरंज विश्व कप के पहले दौर में ही मेरा अनुभवी खिलाड़ी से सामना हुआ था। ऐसे टूर्नामेंट में अनुभव तो काम करता ही है। फाइनल चल रहा था तो सभी टेंशन में थे, लेकिन मैं सिर्फ और सिर्फ अपने ऊपर फोकस करने की कोशिश कर रही थी।

● **आपने पहली चाल किसके विरुद्ध खेली थीं। उस मुकाबले में आप हारी थीं या जीती थीं?**

- मैंने पांच साल की उम्र से शतरंज खेल रही हूं। मुझे जहां तक याद है कि मैंने अपनी पहली चाल अपने पापा के विरुद्ध खेली थी, लेकिन इस मुकाबले में मुझे हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद मैं धीरे-धीरे आगे बढ़ती गई और आज इस मुकाम पर हूं।

● **शतरंज खेलने के साथ पढ़ाई से तालमेल बिठाना कितना कठिन है?**

- शतरंत खेलने के साथ पढ़ाई को मैनेज करना काफी कठिन रहा है। खास कर पिछले कुछ सालों में। शतरंत खेलने में काफी ऊर्जा लगती है। लेकिन इसके बाद भी थोड़ा संतुलन होना चाहिए। पढ़ाई मेरे लिए काफी अहम है। इसलिए मैं हमेशा ही खेल और पढ़ाई के बीच ये संतुलन बनाने की कोशिश करती हूं।

● **अगर शतरंज में कोई करियर बनाने के बारे सोचता है तो आप उसको क्या राय देना चाहेंगी?**

-अगर किसी को शतरंज खेलना है तो मैं उसे प्रोत्साहित करूंगी। शतरंज खेलने के लिए आपको काफी दिमाग लगाना पड़ता है। आप टूर्नामेंट खेलते हैं, जिसमें आप हारते और जीतते हैं। लेकिन इससे आपको बहुत कुछ सीखने को मिलता है। अगर कोई बच्चा पेशेवर खेलना चाहता है तो उसके अभिभावक को पूरा सपोर्ट करना चाहिए। अभिभावकों के सपोर्ट के बिना कुछ भी संभव नहीं है।

● **आपको दुनिया के किस खिलाड़ी के सामने खेलना कठिन लगता है?**

- ऐसा कोई नहीं है। हर खिलाड़ी अपने-अपने स्तर पर कठिन होते हैं। मुझे अगर खेलने को मौका मिले तो मैं दुनिया के नंबर एक शतरंज खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन के साथ खेलना पसंद करुंगी। वह विश्व चैंपियन रहे हैं और उनके विरुद्ध खेलने से बहुत कुछ सीखने को मिलेगा, जो मेरे करियर के लिए अहम होगा।

युवा एमबोको ने शीर्ष वरीय गफ को चौंकाया

मांट्रियल, एपी : कनाडा की युवा खिलाड़ी विक्टोरिया एमबोको ने शीर्ष वरीय कोको गफ को हराकर उलटफेर करते हुए शनिवार को नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। दुनिया की 85वें नंबर की खिलाड़ी और 18 वर्षीय एमबोको ने एक घंटा और 22 मिनट में गफ को 6-1 6-4 से हराया। फ्रेंच ओपन जीतने के बाद से गॉफ की पांच मैच में यह तीसरी हार है। फ्रेंच ओपन का खिताब जीतने के बाद उन्हें बर्लिन और विंबलडन में पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा। शनिवार को हुए मुकाबले में गफ ने पांच डबल फॉल्ट किए।

उन्होंने पहले मैच में डेनियली कोलिंस के विरुद्ध 23 और वेरोनिका कुदरमेतोवा के खिलाफ 14 डबल फाल्ट किए थे। मई में गफ ने रोम में एमकोबो के विरुद्ध पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 3-6 6-2 6-1 से जीत दर्ज की थी। अन्य मुकाबलों में 24वीं वरीय यूक्रेन की मार्ता कोस्तयुक ने अमेरिका की मैकार्टनी केसलर को 5-7 6-3 6-3 जबकि कजाखस्तान की नौवीं वरीय एलेना रिबाकिना ने यूक्रेन की डायना यास्त्रेमस्का को 5-7 6-2 7-5 से हराया। क्वार्टर फाइनल में कोस्तयुक और यास्त्रेमस्का आमने-सामने होंगी।

जीत के बाद विक्टोरिया एमबोको ● एएफपी

टेनिस डायरी

गत चैंपियन पोपिरिन क्वार्टर फाइनल में

टोरंटो : आस्ट्रेलिया के गत चैंपियन एलेक्सी पोपिरिन ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए तीन सेट तक चले मुकाबले में जीत दर्ज करके नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। यूएस ओपन की तैयारी के सिलसिले में महत्वपूर्ण इस प्रतियोगिता में 18वीं वरीयता प्राप्त पोपिरिन ने डेनमार्क के पांचवीं वरीयता प्राप्त होल्गर रुने को 4-6, 6-2, 6-3 से हराया। अमेरिका के एलेक्स मिशेलसन भी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। उन्होंने हमवतन लर्नर टिएन को 6-3, 6-3 से हराया। मिशेलसन का अगला मुकाबला रूस के 11वीं वरीयता प्राप्त कारेन खाचानोव से होगा, जिन्होंने नार्वे के आठवीं वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड को 6-4, 7-5 से पराजित किया।

वेदिका ने जीता यूएस किड्स गोल्फ खिताब

पाइनहर्स्ट (अमेरिका), प्रेट्र: भारत की वेदिका भंसाली पाइनहर्स्ट विलेज में आयोजित यूएस किड्स वर्ल्ड चैंपियनशिप गोल्फ में चैंपियन बनीं। वेदिका ने नौ साल की लड़कियों के वर्ग में खेलते हुए 4-अंडर 32 कार्ड के साथ सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया। उन्होंने 33-33-32 के कार्ड के साथ कुल 10-अंडर का स्कोर बनाया। इस तरह वेदिका ने जापान की एमी मिनामी को एक शाट और अमेरिका की आड्रे झांग को दो शाट से हराया। वेदिका के स्वर्ण पदक जीतने के साथ ही बेंगलुरु की एक अन्य गोल्फ खिलाड़ी ऐडा थिम्मैया (75-68-66) लड़कियों की 11 साल के वर्ग में तीसरे स्थान पर रहीं। उन्होंने छह अंडर 66 का स्कोर बनाया और तीसरा स्थान हासिल किया। अमेरिका की बेला सिमोस (66-62-67) विजेता रहीं, जबकि पूर्व भारतीय क्रिकेटर एस वेंकटराघवन की पोती अनन्या वेंकटराघवन (70-69-67) 10 अंडर के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहीं।

वेदिका भंसाली

कल्याण से हिसार आकर सीखी कुश्ती, ट्रायल्स में किया कमाल

नई दिल्ली, प्रेट्र : महाराष्ट्र के कल्याण के ढाबा मालिक की बेटी वैष्णवी पाटिल ने चयन ट्रायल में जबरदस्त प्रदर्शन के साथ अगले माह जाग्रेब में होने वाली विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में महिलाओं के 65 किग्रा वर्ग में जगह पक्की कर ली है। हालांकि उनकी सामरिक कुशलता और मजबूत डिफेंस को देखते हुए यह विश्वास करना मुश्किल है कि उन्होंने चार साल ही मैट कुश्ती में बिताए हैं।

वैष्णवी इससे पहले किसी बड़े टूर्नामेंट में भी नहीं खेली हैं। ट्रायल के फाइनल में मुस्कान को 7-2 से हराने के बाद वैष्णवी ने बताया कि मैंने 2020 के अंत में मैट कुश्ती शुरू की थी। उससे पहले मैं सिर्फ मिट्टी की कुश्ती ही करती थी। जब मैंने 2016 रियो में साक्षी मलिक को पदक जीतते देखा, तो मैंने तय कर लिया कि मुझे क्या करना है। मैं बस इसी खेल को अपनाना चाहती हूं। वैष्णवी ने बताया कि मेरे पिता एक ढाबा चलाते हैं और मेरी मां गृहिणी हैं। मेरे माता-पिता मेरे लिए सब कुछ संभाल रहे हैं। महाराष्ट्र में अच्छी अकादमी नहीं थीं, इसलिए मैं हिसार चली आई। 22 वर्षीय वैष्णवी सुशील कुमार अखाड़े में कोच जसबीर के अधीन प्रशिक्षण ले रही हैं। वह रियो ओलिंपिक की चैंपियान हेलेन मारौलिस को अपना आदर्श मानती हैं।

मुकाबले के दौरान प्रतिद्वंदी को चित करने का प्रयास करतीं वैष्णवी पाटिल ● प्रेट्र

ढाबा मालिक की बेटी वैष्णवी ने चयन ट्रायल में शानदार प्रदर्शन से खींचा सभी का ध्यान, विश्व चैंपियनशिप में बनाई जगह

क्रिकेट और स्पोर्ट्स की अन्य खबरों के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

****

भाषा विमर्श
डा. बुद्धिनाथ मिश्र, देहरादून, उत्तराखंड

एआई को कृत्रिम बुद्धिमत्ता कहना इसकी शक्ति को सीमित कर देना है। इसके स्थान पर किसी अन्य उपयुक्त शब्द की आवश्यकता है...

क्या एआइ को यंत्र-प्रज्ञा कहें?

नए आविष्कार नए शब्द लेकर आते हैं। चाहे वह संस्कृत का 'शून्य' हो या हिंदी का 'लोटा' या अंग्रेजी का 'कंप्यूटर'। शून्य को अंग्रेजी में 'जीरो' बना दिया गया, मगर लोटा या हुक्का का पर्याय वे नहीं बना पाए। उनके कंप्यूटर का सही पर्याय हम भी नहीं बना पाए। कुछ दिन 'संगणक' चला, मगर बाद में पता चला कि कंप्यूटर केवल गणना नहीं करता। चूंकि वह हमारे लिए बिल्कुल अजूबा था, इसलिए उसके परिवार के सभी सदस्य, जैसे लैपटाप, माउस, कर्सर आदि भी हमारे लिए अजूबे थे, जिससे उनको उसी नाम से पुकारा गया। माउस को हम 'मूषक' कह सकते थे, मगर वह हास्यास्पद होता। अतः तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की सरकार ने यह निर्णय किया था कि नए यंत्रों के लिए प्रयुक्त अंतरराष्ट्रीय शब्दों का ही राजभाषा हिंदी में प्रयोग किया जाए।

लेकिन, हम उधार खाते से अपना काम नहीं चला सकते। ऐसे में सरकार से ज्यादा समाचार-पत्र निर्णायक भूमिका निभाते हैं। ऐसे में समाचार-पत्र 'आज' ने प्रेसिडेंट आफ इंडिया' के लिए 'राष्ट्रपति' जैसा नया शब्द देकर हिंदी का मार्ग प्रशस्त किया था। अंग्रेजी के नए शब्दों का हिंदी में पर्याय बनाने के लिए भारत सरकार ने कभी वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग गठित किया था, मगर आयोग ने करोड़ों रुपये खर्च करके भी या तो 'मक्षिका स्थाने मक्षिका' रखा या सुपरिचित 'इंद्र' शब्द का पर्याय अपरिचित 'मघवा' कर दिया। मुझे भी शब्दावली बनाने में अतिथि विशेषज्ञ के रूप में रखा गया और मैंने कुछ नए शब्द दिए भी, मगर वह ऊंट के मुंह में जीरा था।

इस समय सबसे अधिक संभावनाशील शब्द आया है -एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस। इसका शाब्दिक अर्थ तो कृत्रिम बुद्धि (बुद्धिमत्ता) है, जो हिंदी में धड़ल्ले से चल भी रहा है। यह कंप्यूटर विज्ञान का ही अति विकसित रूप है, जो मानवीय बुद्धि की विशेषता यानी तर्क करना, समस्या का समाधान करना और विवेक के उपयोग से निर्णय करना है। इस समय यह विभिन्न एप (एप्लिकेशन) के माध्यम से ध्वनि सहायक, स्वचालित कार, मेडिकल जांच और उपभोक्ता सेवा में बातचीत के लिए प्रयुक्त होने लगा है। हवाई अड्डे पर आगंतुक की आकृति की पहचान से लेकर आधुनिक जीवन के बहुत-से क्षेत्रों में मानव बुद्धि के विकल्प के रूप में भी यह काम करने लगा है। इसकी अनंत संभावनाओं को देखते हुए लोग इसके दुरुपयोग से होनेवाली विभीषिकाओं से डरने भी लगे हैं। आज इसे न तो 'एआइ' कहकर टरकाया जा सकता है और न ही 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता' कहकर सीमित किया जा सकता है। इसका सही नाम 'यंत्र प्रज्ञा' बन सकता है, जो इसकी पूरी संभावना को समेट सकता है। यह यंत्र जनित प्रज्ञा है, इसलिए 'यंत्र प्रज्ञा' है। यदि इसका प्रयोग किया जाए तो यह 'राष्ट्रपति' जैसे ही सभी भारतीय भाषाओं में प्रचलित हो सकता है।

buddhinathji@gmail.com

विमर्श
डा. सुनीता, नई दिल्ली

हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं के कथा-साहित्य में युवा लेखन नई भाषा-शैली, आधुनिकता और बदले परिवेश से संपृक्त है, तो वहीं वह प्रेम और संवेदनाओं को भी अपने नए स्वर दे रहा है...

साहित्य में युवा लेखन

एक दौर में युवा साहित्य सामाजिक सुधार, राष्ट्रीयता और नैतिकता केंद्रित रहा। अब साहित्य में वैश्वीकरण, डिजिटल युग, लैंगिक समानता, पर्यावरण और वैयक्तिक पहचान सरीखे मुद्दे लेखन का अंग बन गए हैं। यह बदलाव लेखकों के सोच-विचार में आया है। धीरे-धीरे विषय-वस्तु का दायरा व्यापक हुआ है। गत दशकों में प्रेम, प्रकृति और आध्यात्मिकता संग पारंपरिक विषय प्रचलित थे, वहीं अब शहरीकरण, उपभोक्तावाद और मानसिक स्वास्थ्य जैसे विषय प्रमुखता से उभर रहे हैं। आधुनिक महानगरीय जीवन की जटिलता में स्त्री-संवेदना उजागर है। युवा लेखन में शहरी जीवन की आपाधापी और अकेलापन बखूबी चित्रित हो रहा है। स्त्री-स्वतंत्रता और सामाजिक बंधनों के विरुद्ध स्त्री के संघर्ष को रेखांकित किया है। अतीत की कड़ी को नई पीढ़ी ने गतिशीलता दी है।

बुकर पुरस्कार से सम्मानित कन्नड़ की लेखिका बानू मुश्ताक की पुस्तक 'हार्ट लैंप' चर्चा में आई, जिसे पढ़ने को पाठक उत्साहित दिखाई दिए। यहीं पर स्थिति स्पष्ट होती है कि साहित्य में नवाचार का आकर्षण कई स्तरों पर बदलाव से गुजर रहा है। समकालीन युवा लेखक नवाचार में क्रियान्वयन की वास्तविकता को चुन रहे हैं। विज्ञान-कथा अंग्रेजी से हिंदी में दस्तक दे चुकी है। इंटरनेट मीडिया से स्त्री-स्वर प्रभावशाली ढंग से उभरा है। अब तीखा राजनीतिक-सामाजिक व्यंग्य यथार्थ का आईना बन रहा है। कुल मिलाकर अभिव्यक्ति के द्वार व्यापक हुए हैं। सन्नाटे का घेरा टूट रहा है। अकेलापन, मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक दबाव और भविष्य की अनिश्चितता में आत्मस्वीकृति बोध बढ़ा है, फिर भी आत्मसंघर्ष की खाई चौड़ी हुई है। युवा लेखन में 'आदर्श' संग 'यथार्थ' की परतें भी उघरी हैं। 'शृंगार' से आगे बढ़कर 'अस्तित्व' का स्वर मुखरित हुआ है।

'हमारी कहानी को किसी फिल्टर की जरूरत नहीं है।' युवा कथाकार सुदीप नागरकर जब यह कहते हैं, तब वह अनगिनत युवा धड़कन के स्पंदन का प्रतिनिधित्व करते हैं। आधुनिक रिश्तों के जटिल भाव को लक्षित करते हैं।

भारतीय युवा लेखकों की नई पीढ़ी नए दृष्टिकोण और जीवंत कथाओं के माध्यम से रोमांटिक उपन्यासों की मनोरम दुनिया के दरवाजे भी खोलती है, जिसे उसने रवींद्रनाथ टैगोर और शरतचंद्र चट्टोपाध्याय से ग्रहण किया।

भाविक सरखेड़ी का 'द अनप्रपोज्ड गाइ' उपन्यास प्रेम और रिश्तों की जटिलताओं से जूझते युवक की हास्यपूर्ण, किंतु मार्मिक यात्रा की कथा है। रवि बुले आधुनिक भारत की आर्थिक और सामाजिक उथल-पुथल को अपनी कहानियों में उकेरते हैं। उनके उपन्यास 'दलाल की बीवी' का कैप्शन है 'मंदी के दिनों में लव सेक्स और धोखे की कहानी'। इसमें कस्बाई और महानगरीय जीवन का मिश्रण है और मूलतः आर्थिक मंदी और भारतीय मध्यम वर्ग की त्रासदी का चित्रण है। दिल्ली की पृष्ठभूमि पर आधारित पहले प्यार, दोस्ती और आत्म-खोज की दिल को छू लेने वाली कथा दुर्जोय दत्ता के उपन्यास 'द ब्वाय हू लव्ड' में है। वहीं निकिता सिंह ने 'द प्रामिस' से सीधे उन युवाओं को लक्ष्य किया, जिनके कोमल हृदय में भावनाएं अंकुरित हो रही हैं। प्यार, विश्वास और विश्वासघात के भावनात्मक उतार-चढ़ाव से गुजरते दो बचपन के दोस्त आरव और कियारा हैं। वे दोनों अपने-अपने अतीत और भविष्य से जूझते हैं। मधुर संगीत की तरह प्रेम में मीठा दर्द उपन्यास की भाषा-शैली में सहजता से व्यक्त है। इसी प्रकार 'ट्वेल्थ फेल' से अनुराग पाठक ने युवा पीढ़ी के मध्य जन्मने वाली प्रतिभा-प्रतिस्पर्धा में आने वाली दुश्वारियों को सरलता से बुना है।

अपनी विशिष्ट शैली में युवाओं की भाषा और संवेदनाओं का जीवंत चित्रण पाठक को आकर्षित करता है। शहरी और कस्बाई जीवन साथ-साथ आए हैं। अक्सर छोटे शहरों से निकलकर बड़े शहरों के अपने सपनों के पीछे भागना पड़ता है। अपनी कोशिश में जगह बनाते युवा हल्के-फुल्के अंदाज में आधुनिक जीवन की उलझनों से रूबरू होते हैं। आज भी कालेज जीवन, दोस्ती और सामाजिक दबाव की कहानियां युवाओं के बीच बेहद लोकप्रिय हैं। दैनिक जागरण हिंदी बेस्टसेलर लेखक सत्य व्यास के आरंभिक उपन्यास विश्वविद्यालय कैंपस की कहानी कहते हैं। डिजिटल युगीन भाषा में हल्का व्यंग्य और सहजता परिपाटी बनती जा रही है। बोलचाल की भाषा में सहजता और समकालीन मुद्दों का गहरा विश्लेषण है। साहित्य अकादेमी युवा पुरस्कार 2025 से पुरस्कृत अखिल पी. धर्मजन का मलयालम उपन्यास 'राम केयरआफ आनंदी' में फिल्म-उद्योग में जाने वाले युवक की कहानी है। वह इलापुर से चेन्नई तक का सफर तय करता है। महिला आनंदी और ट्रांसजेंडर जैसे चरित्र भीतर तक छू जाते हैं। वहीं ग्रामीण और सामाजिक जीवन की जीवंत तस्वीर पेश करते प्रदीप काकेर ने सिर्फ 29 वर्ष की उम्र में मराठी भाषा में उपन्यास 'खोल खोल दुष्काल डोले' लिखा है। दूसरी तरफ जूनी चोपड़ा हैं, जिन्होंने 'द हाउस दैट स्पोक' से असाधारण शैली का परिचय देते हुए बेहद साधारण-सी घटना को जीवंत पात्रों के माध्यम से रहस्यमयी बनाया है और मनोवैज्ञानिक बिंदुओं को छुआ है। काव्यात्मक शिल्प इस उपन्यास की शक्ति है। दैनिक जागरण हिंदी बेस्टसेलर की सूची में शामिल अतुल कुमार के उपन्यास 'चांदपुर की चंदा' में ग्रामीण राजनीति, प्रेम और सामाजिक परिवर्तनों की बात है। सरल भाषा का प्रभावी कथानक पाठकों में अत्यंत लोकप्रिय रहा। बांग्ला साहित्य सामाजिक मुद्दों पर जोर देने में ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पक्ष में क्षीण रहा है, जबकि पाठक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में मलयाली लेखक बेन्यामिन का उपन्यास 'आडुजीवितम' (गोट डेज) प्रवासी मजदूरों की पीड़ा उजागर करता है। मराठी में आमतौर पर ग्रामीण और शहरी जीवन के बीच टकराव प्रमुख है।

हिंदी साहित्य में वैश्विक संदर्भ और स्थानीयता का मिश्रण अन्य भारतीय भाषाओं के साहित्य की तुलना में अधिक स्पष्ट हैं। हिंदी का भौगोलिक दायरा व्यापक है। सामाजिक टकराव खूब उभरते हैं। सभी भाषाओं में सामाजिक प्रासंगिकता की मांग बढ़ी है। हिंदी में युवा लेखक बोलचाल की भाषा, क्षेत्रीय शब्दावली और अंग्रेजी के मिश्रण का उपयोग कर रहे हैं। उनकी भाषा की काव्यात्मकता बांधती है। काव्यात्मकता के साथ गद्य की सादगी लुभावनी है। प्रतीकात्मक और दार्शनिक भाषा में निहित गहरा चिंतन पाठ के आस्वाद को बढ़ा देता है।

अतीत से ही हिंदी साहित्य गतिशील, विविधतापूर्ण परंपरा का दर्पण रहा है। वह सदा से ही समय के साथ सामाजिक, सांस्कृतिक और वैचारिक परिवर्तनों को आत्मसात करता रहा है। ऐसे में समकालीन साहित्यिक कथा-कृतियों में संदर्भित युवा लेखन एक उम्मीद की तरह दिखाई देता है, जिसके केंद्र में इस दौर में पाठकों की बदलती अभिरुचि है।

drsunita82@gmail.com

संगीतायन
डा. राजेश कुमार व्यास, जयपुर, राजस्थान

स्वर-रस सिद्ध सिद्धेश्वरी देवी

सिद्ध और प्रसिद्ध गायिका सिद्धेश्वरी देवी ने अपने लालित्यपूर्ण गायन से ठुमरी को शास्त्रीय संगीत में प्रतिष्ठित किया और बनारस घराने को और भी समृद्ध किया...

सिद्धेश्वरी देवी (8 अगस्त, 1908 – 18 मार्च, 1977)

सिद्धेश्वरी देवी का गायन स्वरों की किस्सागोई है। वह विरह, मिलन, भक्ति और समर्पण को भाव-संवेदनाओं में जीवंत करती हुईं अपने सिरजे हुए संगीत व्याकरण से हमें रूबरू कराती हैं। राग-शुद्धता की विरल पुकार वहां है। ऐसी कि जिसे सुनने को मन ललचाए। आखिर उस्ताद फैयाज खां साहब और केसरबाई केरकर ने कभी उन्हें ऐसे ही 'ठुमरी साम्राज्ञी' की संज्ञा नहीं दी थी। असल में खयाल शैली में बोल-विस्तार और भावपूर्ण पुकार का उनका गायन स्वरों का विरल उजास ही तो है!

सिद्धेश्वरी देवी की ठुमरी इसलिए भी लुभाती है कि वहां स्वरों का लालित्य है। ठुमरी का अर्थ ही होता है, स्वरों का ठुमकना। नाज-ओ-अंदाज में गायन का अलंकरण। लेकिन, महत्वपूर्ण यह भी है कि इस सबके बाद भी सिद्धश्वेरी जी के गायन में हम शास्त्रीय शुद्धता, गंभीरता से कहीं विलग नहीं होते। गौर करेंगे तो यह भी पाएंगे कि जटिल से जटिल राग को सहजता से बरतते हुए वह खयाल, तराना, ठुमरी, टप्पा, चैती, होरी आदि में अपने आपको जैसे भूल जाती हैं और औचक स्वरों के सुंदर महल में प्रवेश कर हम मुग्ध हो उठते हैं। स्वरों के अनूठे ओज व भारीपन तथा लयात्मक प्रवाह के साथ तीनों सप्तकों पर उनका अधिकार था। स्वर का लोच ऐसा कि बंदिश के एक ही टुकड़े को भांति-भांति के भाव देकर वह चमत्कृत करती हैं।

मींड, मुरकियां और गायन के बीच औचक ठहराव की उनकी अनुभूतियां अवर्णनीय है। दादरा, 'तड़पे बिन बालम मोरा जिया' या फिर 'तोड़ लायी राजा, जमुनिया की डार रे' या फिर 'सांवरिया मन भायो रे' या राग मिश्र तिलक कामोद में गाई ठुमरी 'सांझ भई घर आओ' सुनेंगे तो मन करेगा बार-बार सुनें। खमाज में उनकी गाई ठुमरी 'जावो बलम नाही बोलो हमसे' के स्वरों में भावों का ऐसा सौंदर्य कि हर बार मन उनके बोल-बनाव व पलटों में खो जाता है।

मुझे लगता है कि ठुमरी को उपशास्त्रीय से निकाल कर शास्त्रीय संगीत में लाने की दृष्टि यदि किसी में थी तो वह सिद्धेश्वरी देवी में ही थी। तभी तो वह ठुमरी को हर बार ध्रुपद की भांति संस्कारित करती हुई मन को भाती हैं। मध्य, मंद्र और तार सप्तक में साधिकार मींड, खटका और कभी वक्र तान में उनकी गायकी स्वर-लालित्य के अनूठे भव में ले जाती है।

सिद्धेश्वरी का गायन शब्द-रस है। कभी 'गुरु ग्रंथ साहिब' में एकत्र संतों की वाणी को उन्होंने अपना स्वर दिया तो संत तुकाराम, नामदेव, मीरा, कबीर के पदों को भी अपने गायन में जीवंत किया है। सुप्रसिद्ध सारंगी वादक पंडित सियाजी महाराज से उन्होंने संगीत की आरंभिक शिक्षा ली। देवास के रजब अली खान और लाहौर के इनायत खान से भी उन्होंने संगीत का प्रशिक्षण लिया, पर बड़े रामदासजी को सदा अपना मुख्य गुरु माना। कलकत्ता सम्मेलन में अपनी पहली ही सार्वजनिक प्रस्तुति में सिद्धेश्वरी देवी ने खयाल और ठुमरी की अपनी विरल दृष्टि से श्रोताओं को इतना मोहित किया कि बाद में तो देश भर में उनके गायन की धूम-सी मच गई। बनारस अंग की ठुमरी में खयाल अंग को घोलकर उन्होंने गायन का अपना मौलिक मुहावरा रचा। परंपरा में रहते हुए उसके जड़त्व को तोड़ कैसे स्वर-वैविध्य में गायन को भाव-संवेदना से अलंकृत किया जाए, सिद्धेश्वरी देवी का गायन जैसे हमें यह समझाता है। हर बार। बार-बार!

drrajeshkumarvyas@gmail.com

पावस नवगीत
योगेन्द्र वर्मा 'व्योम', मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश

बूंदें छूने को...

बारिश के परदे पर
पल-पल दृश्य बदलते हैं।
गली मुहल्लों की सड़कों पर
भरा हुआ पानी,
चौक नालियों के संग मिलकर
करता शैतानी,
ऐसे में तो वाहन भी
इतराकर चलते हैं।

कभी फिसलना, कभी संभलना
और कभी गिरना,
पर कुछको अच्छा लगता है
बन जाना हिरना,
बूंदें छूने को बच्चे भी
खूब मचलते हैं।

vyom70@gmail.com

विशेषांक-परिचय

साहित्यिक पत्रिका साहित्य अमृत का अगस्त अंक कहानी को समर्पित है। इस विशेषांक में हम हिंदी कहानी को समग्रता में देख सकते हैं। कहानियों को अतीत के पृष्ठों से, साहित्य का भारतीय परिपार्श्व, साहित्य का विश्व परिपार्श्व और युवा कहानी में श्रेणीबद्ध किया गया है। कहानी पर विमर्श भी दिया गया है। कुल मिलाकर, कथाप्रेमियों के लिए यह अंक संग्रहणीय है।
संपादक : लक्ष्मी शंकर वाजपेयी,
प्रकाशक : प्रभात प्रकाशन,
मूल्य : 150 रुपये

पुस्तकें मिलीं

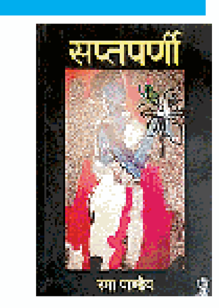

सप्तपर्णी (कहानी संग्रह)
लेखिका : रमा पांडेय
प्रकाशक : वाणी
मूल्य : 295 रुपये

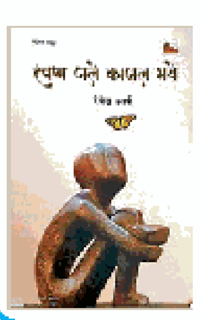

स्वप्न जले काजल भये (गजल संग्रह)
लेखक : देवेंद्र आर्य
प्रकाशक : न्यू वर्ड पब्लिकेशन
मूल्य : 225 रुपये

इस पेज के बारे में अपनी राय और सुझाव भेजें- feature@jagran.com

आज का भविष्यफल – 04 अगस्त, 2025 सोमवार

पं. के.ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति
श्रावण मास शुक्ल पक्ष दशमी का राशिफल। आज का राहुकाल : प्रातः 07 बजकर 30 मिनट से 09 बजे तक। **दिशाशूल :** पूर्व
आज का पर्व एवं त्योहार : श्रावण सोमवार
आज की भद्रा : रात्रि के 12 बजकर 27 मिनट से 05 अगस्त को दोपहर 01 बजकर 13 मिनट तक।

कल 05 अगस्त, 2025 का पंचांग

कल का दिशाशूल : उत्तर
का पर्व एवं त्योहार : पुत्रदा एकादशी, मंगला गौरी व्रत
कल की भद्रा : दोपहर 01 बजकर 13 मिनट तक।
विक्रम संवत 2082 शके 1947 दक्षिणायण, उत्तरगोल, वर्षा ऋतु श्रावण मास शुक्ल पक्ष की एकादशी 13 घंटे 13 मिनट तक तत्पश्चत द्वादशी, ज्येष्ठा नक्षत्र 11 घंटे 23 मिनट तक तत्पश्चात मूल नक्षत्र ऐंद्र योग तत्पश्चात वैधृति, वृश्चिक में चंद्रमा तत्पश्चात धनु में।

मेष : व्यावसायिक एवं पारिवारिक मामलों में सफलता मिलेगी। पिता या धर्म गुरु का सहयोग मिलेगा।

वृष : मन अज्ञात भय से अशांत रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है।

मिथुन : जीवनसाथी का सहयोग और सान्निध्य मिलेगा। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी।

कर्क : स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। अपनों से तनाव मिल सकता है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह : बुद्धि से किया गया कार्य संपन्न होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आर्थिक प्रयास फलीभूत होगा।

कन्या : उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। रिश्तों में निकटता आएगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा।

तुला : भाई-बहन का सहयोग रहेगा। व्यावसायिक व्यस्तता बढ़ेगी। रिश्तों में निकटता आएगी।

वृश्चिक : धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा।

धनु : व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। बहुप्रतीक्षित कार्य के संपन्न होने से आत्मसम्मान में वृद्धि होगी।

मकर : शासन सत्ता से सहयोग मिल सकता है, लेकिन जीवनसाथी या ससुराल पक्ष से तनाव मिल सकता है।

कुंभ : संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आर्थिक मामलों में प्रगति होगी। रिश्तों में निकटता आएगी।

मीन : महिला अधिकारी का सहयोग मिलेगा। जीविका के प्रयास सार्थक होगा। सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

वर्ग पहेली-3064

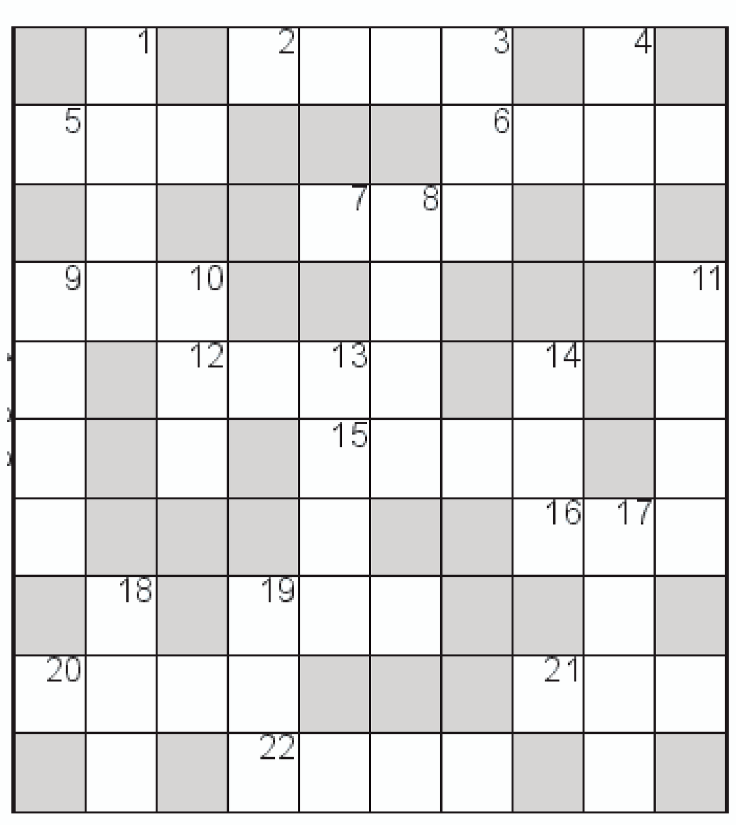

© Bird Features & Writing Agency

बाएं से दाएं
2 भीम और हिडिंबा का पुत्र (4)।
5 धृतराष्ट्र के सलाहकार थे (3)।
6 तुलसीदास की एक कृति (4)।
7 कुंभकरण का भाई (3)।
9 चीड़ का वृक्ष, भोला-भाला, सीधा (3)। 12 बातों का झगड़ा (4)।
15 श्मशान (4)।
16 पंक्ति, क्रम (3)।
19 भीरु, डरपोक (3)।
20 मन को रमाने वाला (4)।
21 अत्यधिक क्रोध (3)।
22 समझ नहीं रखने वाला (4)।

ऊपर से नीचे
1 सम्राट अशोक के पिता (4)।
3 काल, मान आदि का चौथाई भाग, पांव (3)। 4 अग्नि, आग (3)।
8 वन में रहने वाला (4)।
9 संगम, सभा, मेल, जमघट (4)।
10 पक्षाघात (3)।
11 आद्योपांत, पूर्णतया (4)।
13 कामना करने योग्य, चाहने लायक (4)।
14 द्वार, किवाड़, गेट (3)।
17 अलकतरा (4)।
18 परिहास (3)।
19 अभिलाषा, इच्छा (3)।

कल का हल

जागरण सुडोकू-3064

	5			3		8	7	
	9				1			4
7			6		5		9	
6			5			7		9
		9			8	4		
		1		9				2
9			8			1		7
	2			6			3	
8				1		9		

कल का हल

6	2	3	4	1	9	8	5	7
4	9	5	8	7	2	6	1	3
1	8	7	3	6	5	9	4	2
8	7	6	5	9	3	4	2	1
2	1	9	7	4	6	3	8	5
3	5	4	2	8	1	7	6	9
9	3	8	1	5	4	2	7	6
7	6	1	9	2	8	5	3	4
5	4	2	6	3	7	1	9	8

राष्ट्रीय फलक

बारामुला में झेलम से रेत निकालने के दौरान मिला 10वीं सदी का शिवलिंग

राज्य ब्यूरो, जागरण, श्रीनगर : श्रीनगर अभिलेखागार, पुरातत्व और संग्रहालय विभाग ने कहा कि उसे दसवीं शताब्दी का एक प्राचीन शिवलिंग मिला है। यह शिवलिंग पत्थर से तराशा गया है और इसकी लंबाई 137 सेमी और चौड़ाई 160 सेमी है। यह शिवलिंग बारामुला के खानपोरा में सेना शिविर के पास झेलम नदी से रेत निकालने के दौरान स्थानीय मजदूरों को मिला था। उसके बाद भारतीय सेना की 22 मीडियम रेजीमेंट ने इसे अपने कब्जे में लेकर एसपीएस संग्रहालय में संरक्षित कर दिया है। यह शिवलिंग क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक धरोहर का प्रतीक है। एसपीएस संग्रहालय श्रीनगर में स्थित एक प्रमुख सांस्कृतिक संस्थान है, जो क्षेत्र की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को समेटे है। संग्रहालय में विभिन्न कलाकृतियों का विशाल संग्रह है, जिनमें प्राचीन पांडुलिपियां, सिक्के, पारंपरिक परिधान और उत्कृष्ट कलाकृतियां शामिल हैं।

40-50 करोड़ से बनेगी राम मंदिर की बाउंड्रीवाल, निर्माण इसी माह होगा शुरू

मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष ने निर्माण से जुड़ी अद्यतन जानकारी साझा की

संसू, जागरण ● अयोध्या

राम मंदिर की चार किलोमीटर लंबी बाउंड्रीवाल का निर्माण इसी महीने के अंत तक शुरू हो सकता है। इसका निर्माण पूर्ण होने में 18 माह का समय लग सकता है और इसके निर्माण में 40-50 करोड़ रुपये की लागत आएगी। यह जानकारी राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने दी। समिति की रविवार से ही शुरू हुई दो दिवसीय बैठक में बाउंड्रीवाल के निर्माण की कार्ययोजना को अंतिम रूप दिया जाएगा। इस बीच उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मंदिर और उसके परिसर का पूरक निर्माण पूर्णता की ओर है और मंदिर निर्माण समिति उसी तरह पूरा जोर लगा रही है, जिस तरह कोई धावक लक्ष्य निकट आने के साथ पूरा जोर लगा देता है।

मिश्र ने बताया कि आंतरिक परिक्षेत्र में निर्माण से जुड़े क्रेन तथा अन्य वाहनों के आवागमन के चलते आठ सौ मीटर लंबे परकोटा के करीब 15 प्रतिशत प्रभाग का निर्माण रुका हुआ था, किंतु आंतरिक प्रक्षेत्र का निर्माण पूरा होने से अब परकोटा के बाकी बचे हिस्से का भी निर्माण शुरू हो गया है और अगले दो माह में परकोटे का निर्माण पूरा हो जाएगा। व्यापक निर्माण के चलते रामजन्मभूमि परिसर बड़ी संख्या में खाली कंटेनर, शिलाखंड, डिब्बे आदि के कबाड़ से भी पटा हुआ है और अब इसके निस्तारण का भी काम शुरू होने को है। मंदिर निर्माण को अंतिम स्पर्श दिए जाने की प्रक्रिया को पूरी तरह समाप्त किए जाने से पूर्व परकोटा की दीवार तथा मंदिर की लोअर प्लिंथ पर रामकथा से जुड़े प्रसंगों को अंकित किया जाना है। 90% काम पूरा हो गया है।

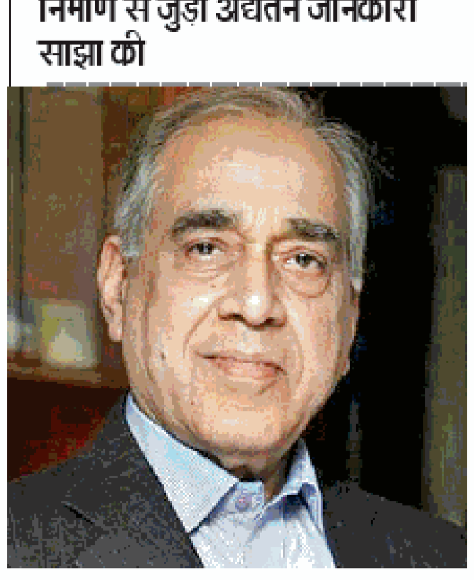

नृपेंद्र मिश्र फाइल

मंदिर की वाटिका में आते ही होंगे ध्यानस्थ : मंदिर निर्माण समिति रामजन्मभूमि परिसर के 20 एकड़ के प्रक्षेत्र में विकसित की जा रही वाटिका पर भी ध्यान केंद्रित किए हुए है। नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि वाटिका को इस उद्देश्य से निर्मित किया जा रहा है कि यहां आने वाले ध्यान कर सकें और आसानी से ध्यानस्थ हो सकें।

केरल में आवारा कुत्तों की सामूहिक हत्या, पंचायत के विरुद्ध मामला दर्ज

केरल, प्रेट्र : केरल के इडुक्की स्थित एक पशु बचाव संगठन की कार्यकर्ता ने मन्नार पंचायत पर सैकड़ों आवारा कुत्तों को मारने का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है। इस शिकायत के बाद पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

आवारा कुत्तों को पकड़कर पंचायत के एक वाहन में ले जाते हुए दिखाने वाला वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो गया। इसे कई टीवी चैनलों पर भी प्रसारित किया गया। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि अधिकारियों ने मृत कुत्तों को उस स्थान से गुप्त रूप से हटाने का प्रयास किया, जहां उन्हें दफनाया गया था।

एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि शिकायत के आधार पर पंचायत के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया गया है। अभी तक कोई ठोस सुबूत नहीं मिला है। जांच जारी है। यह मामला ऐसे समय में सामने आया है, जब मुन्नार में आवारा कुत्तों का आतंक काफी बढ़ गया है।

मृत समझ जिस बेटी का फातिहा पढ़ा, 17 साल बाद सामने आ गई

जागरण संवाददाता, उन्नाव

जिस बेटी को मृत समझ मां व परिवार ने उसका फातिहा पढ़ा, वह 17 साल बाद सामने आई तो सभी की खुशी का ठिकाना न रहा। अपनों को देख सलमा भी भावुक हो गई। एक के बाद एक तीन बच्चों की मौत होने और पति का साथ छोड़ देने से सलमा मानसिक संतुलन खो बैठी थी। 22 वर्ष की उम्र में उसने घर की दहलीज लांघी तो दोबारा वापस न आ सकी। सुध आई तो पुलिस के प्रयास से शनिवार को घर पहुंच गई।

गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के गोताखोर मुहल्ले की सलमा की 18 वर्ष की आयु में गामा नाम के युवक से शादी हुई थी। एक-एक साल के अंतराल में सलमा के तीन बच्चे हुए। पहले बेटे की मौत छह दिन बाद दूसरे की दो माह व तीसरी बार जन्मी बेटी की चार माह बाद मौत हो गई। पति गामा ने भी सलमा का साथ छोड़ दिया। तीन बच्चों की मौत से सलमा को गहरा सदमा लगा और उसने अपना मानसिक संतुलन खो दिया। 22 वर्ष की उम्र में वह एक दिन घर से निकली तो मानसिक स्थिति ठीक न होने से दोबारा घर नहीं पहुंच सकी। स्वजन ने पांच साल तक उसकी तलाश की, उसके न मिलने पर मृत समझ फातिहा तक पढ़ डाला। सलमा की मां मुन्नी बेगम ने बताया कि उसकी बेटी भटककर बंगाल पहुंच गई थी। वहां 10 वर्ष तक उसका इलाज चला। इसके बाद उसे लखनऊ के राजकीय महिला गृह भेज दिया गया। यहीं उसकी सुध वापस लौटी तो उसने अपने नाम व पते की जानकारी दी।

गोताखोर मुहल्ले स्थित घर पर बैठी सलमा (बाएं) व घर की महिलाएं। जागरण

****

राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 4 अगस्त, 2025
आजकल
14
www.jagran.com

देश का पहला परमाणु शोध संयंत्र अप्सरा शुरू हुआ

1956 में आज ही परमाणु शोध संयंत्र अप्सरा ने क्रिटिकलिटी हासिल की थी। एशिया में यह उपलब्धि हासिल करने वाला पहला शोध संयंत्र है। यह एक मेगावाट ऊर्जा का पूल टाइप संयंत्र था, जिसमें प्लेट के रूप में संवर्धित यूरेनियम (4.5 किग्रा) का इस्तेमाल ईंधन के तौर पर किया गया।

जर्मन सैनिकों ने 15 वर्षीय एनी फ्रैंक को पकड़ा

1944 में आज ही के दिन जर्मनी के सैनिकों ने एक मकान पर दबिश देकर आठ यहूदियों को पकड़ा था। इनमें 15 वर्षीय एनी फ्रैंक भी थीं। यह सभी दो वर्ष से इस घर में छिपे हुए थे। एनी फ्रैंक ने एक डायरी लिखी थी, जिसे जर्मनी के अत्याचारों का लिखित दस्तावेज माना जाता है।

कहानियों में रंग भरने वाले फनकार हैं विशाल भारद्वाज

विशाल भारद्वाज का जन्म 1965 में आज ही उत्तर प्रदेश के बिजनौर में हुआ था। बचपन में क्रिकेटर बनना चाहते थे और स्टेट लेवल पर अंडर 19 क्रिकेट भी खेला लेकिन अंगूठा टूट जाने की वजह से वह आगे नहीं खेल सके। इसके बाद बालीवुड की ओर रुख किया। 1995 में फिल्म अभय से संगीतकार के तौर पर डेब्यू किया। फिल्म माचिस से संगीतकार के तौर पर पहचान मिली। 2002 में मकड़ी से निर्देशन के क्षेत्र में कदम रखा। 1999 में फिल्म गाडमदर के लिए उन्हें बेस्ट संगीतकार का नेशनल अवार्ड दिया गया। फिल्म ओमकारा और हैदर के लिए भी नेशनल अवार्ड हासिल किया।

मधुमक्खियों के छत्ते में प्रोपोलिस से बनेंगे आभूषण

बनेगा विकल्प ▸ जीबी पंत विवि पंतनगर की असिस्टेंट प्रोफेसर पूनम श्रीवास्तव ने विकसित की तकनीक

पारंपरिक लाख की जगह होगा प्रयोग, कारीगरी के साथ पर्यावरण का भी संरक्षण

राजेश मिश्रा ● जागरण

डा. पूनम श्रीवास्तव। जागरण

मधुमक्खियों के प्रोपोलिस से बने कृत्रिम आभूषण। सौ. डा.पूनम

यह है प्रोपोलिस : प्रोपोलिस एक गाढ़ा और चिपचिपा पदार्थ होता है, जिसे मधुमक्खियां पेड़ों और पौधों के रस(गोंद) से एकत्र करती हैं। वह इसे अपने एंजाइम की मदद से छत्ते की रक्षा के लिए प्रोपोलिस में बदल लेती हैं। प्रोपोलिस को एकत्र कर इसे साफ किया जाता है। फिर इसे आभूषण बनाने के लिए उपयोग किया जाता है। आभूषण बनाने वाले करीगर प्रोपोलिस को विभिन्न आकारों और डिजाइनों में ढालते हैं। इसकी विशेषता यह है कि इसमें मौजूद प्राकृतिक औषधीय गुण बैक्टीरिया और फंगस को दूर रखते हैं। पर्यावरण के लिए अच्छा यह पूरी तरह से बायो डीग्रेडेबल है।

पंतनगर (ऊधमसिंह नगर) : अब सिंथेटिक रेजिन (केमिकल) की जगह मधुमक्खी के प्रोपोलिस व मोम से आभूषण तैयार किए जा सकेंगे। इससे बनने वाले आभूषण न सिर्फ सुंदर दिखेंगे बल्कि प्राकृतिक व मजबूत भी होंगे। इससे पर्यावरण संरक्षण भी होगा और मौनपालक प्रोपोलिस बेचकर अतिरिक्त आय कर सकेंगे।

मधुमक्खी के छत्ते से प्रोपोलिस व मोम को पृथक कर आभूषण योग्य बनाने की यह तकनीक पंत विवि की असिस्टेंट प्रोफेसर पूनम श्रीवास्तव ने विकसित की है। यह आभूषणों में प्रयुक्त लाख का विकल्प होगा और पारंपरिक कारीगरी को भी बढ़ावा देगा। अभी तक जो कृत्रिम आभूषण बनते हैं उनमें अधिकांश में सिंथेटिक रेजिन का इस्तेमाल होता है। यह न केवल पर्यावरण के लिए हानिकारक होते हैं, बल्कि त्वचा पर खुजली कर सकते हैं। यह जैविक रूप से नष्ट नहीं होते यानी कचरा बनकर लंबे समय तक मिट्टी में बने रहते है। जिससे मृदा की सेहत तो खराब होती है और जल की गुणवत्ता पर भी असर पड़ता है। दूसरी ओर सोने-चांदी के आभूषण में लाख का प्रयोग होता है। इसी लाख का विकल्प गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि ने तैयार किया। कीट विज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर पूनम श्रीवास्तव ने दो साल में शोध कर मधुमक्खियों के छत्ते में मिलने वाले प्रोपोलिस और मोम से आभूषण तैयार करने के लिए प्राकृतिक विकल्प ढूंढ निकाला है। कारोबारी प्रोपोलिस व मोम का प्रयोग कर आभूषण बनाते हैं, तो इससे इनकी मांग बढ़ जाएगी। इसका लाभ मौनपालकों को भी होगा। यह लाख से भी ज्यादा मजबूत, सुरक्षित और टिकाऊ है। आसानी से हर राज्य में मिल सकता है।

अब भीड़ प्रबंधन भी करेगी पंत विवि में प्रशिक्षित मधुमक्खी फोर्स

पंतनगर : दंगा-बवाल होने पर भीड़ को तितर-बितर करने का काम सिर्फ पुलिस ही नहीं बल्कि मधुमक्खियां भी करेंगी। इसके लिए मधुमक्खियों को विशेष प्रशिक्षण देकर तैयार किया जा रहा है। जो विशेष टोन वाला सायरन बजते ही एक्टिव हो जाएंगी। कीट विज्ञान विभाग के डा. प्रमोद मल्ल ने बताया कि एपिस मेलिफेरा प्रजाति की मधुमक्खियों को ट्रेनिंग दी गई है। मधुमक्खियां पहले सायरन बजने पर छत्ते से निकलकर भीड़ की ओर हमला बोलेंगी। फिर दूसरा सायरन बजने पर वापस छत्ते में आकर बैठ जाएंगी। एक छत्ते में करीब 50 हजार मधुमक्खी होती हैं व 100 छत्तों में 50 लाख मधुमक्खी फोर्स के रूप में तैयार रहेंगी। विवि की ओर से पुलिस, आइटीबीपी, सीआरपीएफ, एनडीआरएफ व एसडीआरएफ को प्रशिक्षण भी दिया जा चुका है। साथ ही तकनीक का पेटेंट भी फाइल कर दिया गया है।

गणपति बप्पा मोरया

पूरे देश में गणेश पूजा को लेकर तैयारियां शुरू हो चुकी हैं और महाराष्ट्र में इसका अलग ही आकर्षण है। रविवार को मुंबई में अलग-अलग स्थानों पर गणेश उत्सव के लिए जुलूस के साथ गणपति बप्पा की विभिन्न मुद्राओं वाली विशालकाय मूर्तियां लेकर जाते भक्त दृष्टिगोचर हुए। प्रेट्र

इधर-उधर की

दुनिया में पहली बार पैदा हुआ '30 वर्ष' का बच्चा

न्यूयार्क, एजेंसी: क्या कोई बच्चा पैदा होते ही 30 वर्ष का हो सकता है? अमेरिका के ओहायो शहर में ऐसा ही हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां महिला ने ऐसे बच्चे को जन्म दिया, जिसका भ्रूण करीब तीस वर्ष तक फ्रीजर में रखा हुआ था। अगर यह भ्रूण उसी समय जन्म लेता, तो आज बच्चा तीस वर्ष का होता। बच्चे के माता-पिता, लिंडसे और टिम पियर्स सात वर्ष से गर्भधारण की कोशिश कर रहे थे। उनको सफलता तब मिली जब उन्होंने 62 वर्षीय लिंडा आर्चर्ड से भ्रूण गोद लिया। लिंडा आर्चर्ड ने इस भ्रूण को दशकों पहले स्टोर कराया था। मां लिंडसे पियर्स ने कहा 'बच्चे का जन्म मुश्किलों भरा रहा लेकिन अब हम दोनों ठीक हैं।

दशकों पहले फ्रीज कराए भ्रूण से हुआ बच्चे का जन्म।

आइएसएस पर समुद्री बकथार्न व कुट्टू के बीज पर होगा प्रयोग

▸ **लद्दाख के ठंडे रेगिस्तान में उगाए गए समुद्री बकथार्न और हिमालयन कुट्टू के बीज नासा के क्रू-11 मिशन पर किए गए प्रयोगों का हिस्सा हैं**

▸ **पांच महाद्वीपों के 11 देशों से प्राप्त बीज अमेरिका स्थित जैव-अंतरिक्ष कंपनी जगुआर स्पेस द्वारा संचालित अध्ययन का हिस्सा**

नासा के क्रू-11 मिशन में बीजों पर होगा प्रयोग। फाइल

नई दिल्ली, प्रेट्र : समुद्री बकथार्न और लद्दाख के ठंडे रेगिस्तान में उगाए गए कुट्टू के बीज नासा के क्रू-11 मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आइएसएस) पर किए जा रहे प्रयोगों का हिस्सा हैं। पांच महाद्वीपों के 11 देशों से प्राप्त बीज अमेरिका स्थित जैव-अंतरिक्ष कंपनी जगुआर स्पेस द्वारा संचालित अध्ययन का हिस्सा हैं, जो बीजों को एक सप्ताह के लिए माइक्रोग्रैविटी की स्थिति में रखने की योजना बना रही है।

ये बीज ''उभरते अंतरिक्ष राष्ट्रों के लिए कृषि और कृषि के लिए अंतरिक्ष'' नामक पेलोड का हिस्सा हैं, जो नासा के क्रू-11 के साथ आइएसएस पर भेजा गया, जिसने शुक्रवार को फ्लोरिडा से उड़ान भरी और शनिवार को कक्षीय प्रयोगशाला में डाक किया। बीजों को क्रू-10 द्वारा वापस लाया जाएगा, जो इस महीने के अंत में पृथ्वी पर लौटने की उम्मीद है। लद्दाख में उगाए गए बीज बेंगलुरु स्थित अंतरिक्ष स्टार्ट-अप प्रोटोप्लेनेट द्वारा प्राप्त किए गए थे।

प्रोटोप्लेनेट के निदेशक सिद्धार्थ पांडे ने पीटीआई को बताया, हम अध्ययन करेंगे कि बीज माइक्रोग्रैविटी की स्थिति में कैसे प्रतिक्रिया करते हैं और लंबे समय तक चलने वाले अंतरिक्ष मिशनों के लिए खाद्य स्रोत के रूप में उनकी संभावित उपयोगिता क्या है।

पांडे ने बताया कि प्रोटोप्लेनेट ने समुद्री बकथार्न और हिमालयी कुट्टू जो उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों के पौधे हैं का योगदान दिया है। हिमालयी कुट्टू एक प्रकार का बकव्हीट है जो पोषक तत्वों से भरपूर और ग्लूटेन मुक्त है। अंतरिक्ष से लौटने के बाद इन बीजों का अध्ययन भारतीय शोधकर्ताओं द्वारा किया जाएगा।

जगुआर स्पेस के अनुसार, वर्ल्ड सीड्स अध्ययन यह जांचता है कि ये बीज उगने से पहले अंतरिक्ष वातावरण के विशिष्ट तनावों पर कैसे प्रतिक्रिया करते हैं। इससे पहले कि वे उगना शुरू करें, यह जीनों और मेटाबालिक रास्तों की सक्रियता जैसे मूलभूत प्रक्रियाओं पर ध्यान केंद्रित करता है, जो अंकुरण के लिए आवश्यक है।

बीजों के जरिये भविष्य की होगी तैयारी : यह प्रयोग भविष्य की अंतरिक्ष कृषि पहलों में योगदान देने के लिए पहले से अज्ञात प्रजातियों की क्षमता का पता लगाता है। मालदीव, अर्जेंटीना, ब्राजील, कोस्टा रिका, ग्वाटेमाला, नाइजीरिया, आर्मेनिया, मिस्र, पाकिस्तान और नाइजीरिया से बीज इस प्रयोग का हिस्सा हैं।

इस बारे में प्रतिक्रिया देते हुए जगुआर स्पेस के संस्थापक डा. लुइस जिया ने कहा, जलवायु लचीलापन और वैश्विक खाद्य सुरक्षा पर शोध को आगे बढ़ाने की वैज्ञानिक संभावनाओं के अलावा वर्ल्ड सीड्स पेलोड एक महत्वपूर्ण कदम का प्रतिनिधित्व करता है, ताकि मानवता एक अंतरिक्ष यात्रा करने वाली सभ्यता बन सके और दुनिया भर के समुदायों का हजारों साल पुराना ज्ञान, जैव विविधता और सांस्कृतिक विरासत इस यात्रा का एक अनिवार्य हिस्सा बन सके। इससे काफी जानकारी मिल सकेगी।

50 की आयु के बाद उम्र बढ़ने की प्रक्रिया हो जाती है तेज

अनुसंधान

शोधकर्ताओं ने मानव टिश्यू के नमूनों का विश्लेषण के बाद पाया कि 50 वर्ष की आयु एक महत्वपूर्ण पड़ाव हो सकता है, जिसके बाद उम्र बढ़ने में तेजी आती है। रक्त वाहिकाएं जल्दी बूढ़ी हो जाती हैं और स्पष्ट रूप से कमजोर हो जाती हैं। चाइनीज एकेडमी आफ साइंसेज के शोधकर्ताओं ने कहा कि जर्नल सेल में प्रकाशित निष्कर्ष उम्र बढ़ने की प्रक्रियाओं को समझने के लिए मनुष्यों से प्रोटीन का विश्लेषण करने से उभरे सुबूतों से जुड़े हैं।

नेचर एजिंग जर्नल में पिछले साल अगस्त में प्रकाशित अध्ययन से पता चला है कि 44 और 60 वर्ष की आयु में मानव शरीर अणुओं और रोगाणुओं में परिवर्तन का अनुभव कर सकता है, जो हृदय और प्रतिरक्षा तंत्र पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है। सेल में प्रकाशित अध्ययन में हृदय, प्रतिरक्षा तंत्र और पाचन सहित शरीर के सभी प्रणालियों के अंगों से लिए गए 13 मानव टिश्यू के 500 से अधिक नमूनों को देखा गया। प्रोटीन का बड़े पैमाने पर अध्ययन (प्रोटिओमिक्स) उन नमूनों की जांच के लिए लागू किया गया था जो 50 वर्ष से अधिक पुराने थे। परिणामों से पता चला कि 50 वर्ष की आयु के आसपास उम्र बढ़ने की प्रवृत्ति दिखाई देती है, रक्त वाहिकाएं जल्दी बूढ़ी हो जाती हैं और उम्र बढ़ने के प्रति संवेदनशील होती हैं। उम्र बढ़ने के कारण प्रोटीन में होने वाले बदलावों के आधार पर शोधकर्ता ने प्रोटीन-आधारित आयु घड़ियां विकसित की हैं व विभिन्न अंगों की उम्र बढ़ने को चार्ट में प्रदर्शित किया। महाधमनी (एओर्टा) की प्रारंभिक और स्पष्ट उम्र बढ़ने पर भी प्रकाश डाला गया। यह प्रमुख धमनी (आर्टरी) है, जो हृदय से शाखा धमनियों तक रक्त ले जाती है। (प्रेट्र)

स्क्रीन शाट

विद्या के लिए पिता जाने वाले थे करण जौहर के पास

अभिनय में 20 साल पूरे किए विद्या ने। (@balanvidya)

फिल्म इंडस्ट्री में कई असली जोड़ियां बनाने में माहिर हैं फिल्मकार करण जौहर। करण इस बात का जिम्मा भी लेते हैं। अभिनेत्री विद्या बालन और उनके पति सिद्धार्थ राय कपूर को मिलवाने वाले भी वही थे। इत्तेफाक की बात है कि जब विद्या की शादी नहीं हुई थी, तब उनके पिता करण के पास ही जाने वाले थे, ताकि वह विद्या के लिए कोई लड़का ढूंढ दें। विद्या एक किस्सा सुनाते हुए कहती हैं कि मेरी शादी से पहले एक ऐसा समय आया था, जब मुझे अकेलापन महसूस होने लगा था। मैं अपने माता-पिता के साथ शादी से पहले 33 साल तक रही हूं, तो उन्हें मेरे बारे में सब पता था कि मैं किसे डेट कर चुकी हूं, रिश्ता क्यों नहीं चला। एक समय ऐसा आया कि उन्हें लगा कि मेरी उम्र 30 साल से ज्यादा हो गई है और मुझे कोई पसंद नहीं आ रहा है। हम नए-नए खार (मुंबई का इलाका) में रहने आए थे। करण का आफिस रोड के उस पार था। डैड ने मुझे कहा कि मैं करण के आफिस जाऊंगा और कहूंगा कि अगर वह किसी लड़के को जानते हैं, तो उसे तुम्हारे साथ सेट (मिलवा दे, जानपहचान करवा दें) कर दें। मैंने कहा आप क्या कर रहे हैं? मैं आपकी बेटी हूं, आप ऐसे शर्मिंदा नहीं कर सकते हैं। लेकिन आगे चलकर सच में ऐसा हुआ। करण की वजह से मैं और सिद्धार्थ मिले। मेरे पिता हमेशा कहते हैं कि देखो, मुझे जाकर पहले ही मिल लेना चाहिए था।

डान 3 की राह में आई एक और बाधा

साल 1978 में प्रदर्शित हुई फिल्म डान में महानायक अमिताभ बच्चन द्वारा बोला गया संवाद 'डान को पकड़ना मुश्किल ही नहीं, नामुमकिन है' लोकप्रिय हुआ था। अभिनेता और फिल्मकार फरहान अख्तर ने शाह रुख खान संग इस डान फ्रेंचाइजी की दो फिल्में डान : द चेज बिगिंस और डान 2 : द किंग इस बैक बनाईं। पिछले साल उन्होंने 2023 में अभिनेता रणवीर सिंह के साथ इस फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म डान 3 की घोषणा की थी। पहले फरहान शूटिंग उसी साल शुरू करने वाले थे। हालांकि, फिर उन्होंने योजना में बदलाव किया और इससे पहले बतौर अभिनेता फिल्म 120 बहादुर पूरी करने का निर्णय लिया। इस बीच पहले अभिनेत्री कियारा आडवाणी गर्भावस्था व प्रसव के कारणों से इस फिल्म से हटी। फिर फिल्म में खलनायक भूमिका के लिए चुने गए अभिनेता विक्रांत मेस्सी ने भूमिका में गहराई न होने का कारण बताते हुए फिल्म से किनारा कर लिया। अब खबरें हैं कि कुछ आंतरिक कारणों से फिल्म की शूटिंग और आगे बढ़ा दी गई है। इस बारे में रणवीर को भी बताया जा चुका है। कुछ कयास फरहान की फिल्म जी ले जरा की तरह इस फिल्म को भी ठंडे बस्ते में जाने के लगाए जा रहे हैं। अब डान को पकड़ना मुश्किल है, लेकिन देखना दिलचस्प होगा कि मुश्किलों को पार करते हुए डान 3 किस तरह अंजाम तक पहुंच पाती है।

रणवीर सिंह के साथ फरहान अख्तर ने की थी डान 3 की घोषणा। फाइल

जब सहपाठी के मजाक उड़ाने पर फूट फूटकर रोए थे रजनीकांत

समय का पहिया जब घूमता है कि इंसान को कहां से कहां पहुंचा देता है इसका अंदाजा लगा पाना मुश्किल है। सुपरस्टार रजनीकांत कभी बस में कंडक्टर और कुली का काम किया थे। शनिवार को अपनी अगली फिल्म कुली के ट्रेलर लांच के दौरान उन्होंने अपने उन दिनों को याद किया, जब वह स्वयं कुली का काम किया करते थे। चेन्नई में हुए इस समारोह के दौरान उन्होंने बताया, 'जब मैं कुली था, तब कई बार लोग मुझ पर चिल्लाते थे। एक दिन, एक आदमी ने मुझे टेंपो में अपना सामान रखने के लिए कहा और इसके लिए मुझे दो रुपये दिए। उसकी आवाज मुझे जानी-पहचानी लगी। फिर मुझे जल्द ही एहसास हुआ कि वह मेरे कालेज का दोस्त था, जिसका कभी मैं मजाक उड़ाया करता था। उस समय उसने मेरा खिल्ली उड़ाई और मेरी नौकरी का मजाक उड़ाते हुए उसने कहा कि तुम उन दिनों (कालेज के दिनों में) कितने घमंडी थे। यह पहली बार था जब मैं जिंदगी में फूट-फूट कर रोया।' लोकेश कनगराज के निर्देशन में बनी यह फिल्म 14 अगस्त को रितिक रोशन और जूनियर एनटीआर की फिल्म वार 2 के साथ प्रदर्शित होगी। इसमें रजनीकांत के साथ नागार्जुन और श्रुति हासन के साथ अभिनेता आमिर खान भी मेहमान भूमिका में होंगे।

फिल्म कुली में दिखेगा रजनीकांत का एक्शन अंदाज। फाइल

दोस्तों ने वरुण को दिया था कद्दू निकनेम

अपनी कामेडी भूमिकाओं के लिए लोकप्रिय हैं वरुण। इंस्टाग्राम (@fukravarun)

दोस्ती की यही विशेषता है कि सच्चे दोस्त एक दूसरे की बातों का कभी बुरा नहीं मानते हैं। दोस्तों के बीच एक दूसरे को प्यार से उनके असली नाम के अलावा भी कोई न कोई नाम दिए जाते हैं। इस मामले में सिनेमा जगत के सितारे भी पीछे नहीं हैं, उन्होंने भी अपने-अपने दोस्तों के कई निकनेम रखे हैं। वैसे ही उनको दोस्तों ने भी उनके निकनेम रखे हैं। छिछोरे और दिलवाले फिल्मों के अभिनेता वरुण शर्मा को उनके दोस्तों ने कद्दू नाम दिया था। रविवार को फ्रेंडशिप डे के मौके पर वह एयरपोर्ट से लाइव आए। वह अपने किसी दोस्त से मिलने राजस्थान जा रहे थे। इस दौरान अपने दोस्तों के बारे में बताते हुए वरूण ने कहा, 'दोस्त अक्सर तभी पूरा नाम लेकर बुलाते हैं, जब वो गुस्सा हुए हैं। जैसे अगर कोई दोस्त मुझे बोलता है कि वरुण शर्मा आप आखिर कर क्या रहे हैं? मैं उनका मूड तुरंत समझ जाता हूं और पूछता हूं कि भाई तुम्हें हुआ क्या है। इसका मतलब तुम सच में गुस्सा हो। मैंने बचपन में अपने एक दोस्त को पोच्चा निकनेम दिया था। वो मेरा बहुत ही करीबी दोस्त है, उसका नाम पुरुषार्थ है। मुझे तो बचपन में कद्दू बुलाया जाता था। फ्रेंडशिप डे ऐसा दिन है, जब आपके ऐसे दोस्तों के फोन या मैसेज आते हैं, जिनसे आपका लंबे समय से कोई संपर्क नहीं हुआ है।'

असल जिंदगी में राजनेता बनने का कोई शौक नहीं है

वेब सीरीज मायासभा में राजनेता की भूमिका में हैं दिव्या ● टीम दिव्या दत्ता

सात सवाल

इस साल फिल्म छावा में छत्रपति शिवाजी महाराज की दूसरी पत्नी राजमाता सोयराबाई की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री दिव्या दत्ता अब वेब सीरीज मायासभा में नजर आएंगी। सात अगस्त से सोनी लिव पर स्ट्रीम होने जा रहा यह शो मूल रूप से तेलुगु में बना है। इसमें वह राजनेता की भूमिका में होंगी। उन्होंने छावा के बाद आए बदलावों, राजनेता बनने के अनुभवों समेत कई मुद्दों पर बात की:

● छावा की सफलता का प्रभाव कैसा रहा है?

– मैं वैसी कलाकार हूं जो कदम दर कदम आगे बढ़ना पंसद करती हूं। जो सफलता झटके में आपको रातोंरात मिलती है, वो ना ही मैंने ली, न ही मुझे मिली है। जब भी फिल्म अच्छा प्रदर्शन करती है तो आपको आगे उससे बेहतरीन काम मिलता है। छावा दर्शकों को पसंद आई। इंडस्ट्री के काफी लोगों ने देखी तो बात होती है। बाकी अच्छा काम मुझे हमेशा मिलता रहा। जब आप सफल फिल्म के साथ रहते हैं तो लोगों का एक और नजरिया बन जाता है।

● दक्षिण भारतीय की ओर रुख नहीं किया?

– मैंने एक तमिल और मलयालम फिल्म की है। अब तेलुगु में वेब सीरीज मायासभा से पदार्पण किया है। मैं जब इंडस्ट्री में नई-नई आई तो साउथ से भी बहुत सारे प्रस्ताव आए थे, लेकिन तब तक मैं यहां पर ढेर सारी फिल्में साइन कर चुकी थी। यहां पर व्यस्त हो गई, लेकिन अब पालिटिकल ड्रामा मायासभा में काम करने का मौका मिला तो देर आए दुरुस्त आए। इसकी कहानी बहुत सुंदर है।

● मायासभा में आप राजनेता की भूमिका निभा रही हैं। क्या अनुभव रहे?

– (हसंते हुए) शो बहुत अच्छा रहा। पितृसत्तामक समाज में मेरे पात्र का दबदबा खूबसूरती से दर्शाया गया है। असल जिंदगी में राजनेता बनने का कोई शौक नहीं है। मुश्किल काम है। रैलियां करना, सत्ता की कुर्सी तक पहुंचना, इसे थोड़ी देर करने में मजा आया। शो में हमें कहानी के अनुसार परिस्थितियों को जीना होता है। उन्हें जीते हुए लगता है कि कितनी जटिल स्थिति है। किरदार को लेकर सोचते हैं तो अंदर एक द्वंद चलता रहता है, लेकिन यह एक दिलचस्प दुनिया है। इस पेशे के लिए बहुत सम्मान है।

● राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ना कितना जरूरी मानती है?

– महिलाएं खुद के मुद्दों को समझती हैं। वह खुद उन चीजों से गुजरी हैं तो उनका प्रतिनिधित्व बहुत जरूरी है। अब तो महिलाओं की भागीदारी काफी बढ़ी है। उम्मीद करती हूं कि यह और बढ़े। अच्छा लगता है कि बराबरी वाला समाज हो जहां पर दोनों तरफ की बातें अच्छी तरह से रखी जा सकें।

● आपको वास्तव में राजनेता बना दिया जाए तो फिल्म इंडस्ट्री में क्या बदलना चाहेंगी?

– (हंसते हुए) बस स्टार सिस्टम बदल दो। बाकी सब ठीक है। कहानी को कहानी की तरह ले लो जो किरदार को सूट करे उस कलाकार को लो। मुझे लगता है कि अगर यह नहीं पूछा जाता कि इस फिल्म का हीरो कौन है तो ज्यादा सुंदर कहानी कही जाती।

● कलाकारों द्वारा खूबसूरत दिखने के लिए कास्मेटिक सर्जरी कराने की खबरें आती हैं। आपको लगता है कि दबाव कम होना चाहिए?

– आप ग्लैमरस पेशे में हैं। आज सबकी दुनिया इंटरनेट मीडिया हो गई है। हर चीज अंडर स्कैनर है कि कौन है कैसा है? सब पर नजर रहती है। मुझे लगता है कि आपकी खुद की भी पसंद है कि आप कितना दबाव लेना चाहते हैं। मैं अपनी बात करुं तो मेरी कितनी सारी तस्वीरें लोग ऐसे ही ले लेते हैं। मैं फुल मेकअप में बाहर नहीं निकलती कि पैपराजी मेरी फोटो लेंगे। मैं वास्तविक जिंदगी में जैसी हूं, वैसी ही फोटो आएगी। इस बात को लोग सराहते हैं कि आप जैसी हैं वैसी ही है। हर वक्त एक मुखौटा ओढ़ना, थका देने वाला होता है। मैं अपनी जिंदगी को अपने तरीके से जीती हूं। मैं इन चीजों का ज्यादा दबाव नहीं लेती हूं। मुझे अपने दर्शकों के साथ पारदर्शिता पसंद है।

● आपके आने वाले प्रोजेक्ट कौन से हैं?

– एक जियो हाटस्टार पर बहुत बड़ा शो आएगा, उसमें मैं केंद्रीय भूमिका में हूं। इसके बारे में अभी कुछ बता नहीं सकती। जल्द ही उसकी आधिकारिक घोषणा होगी। मनोज बाजपेयी के साथ दो फिल्में आएंगी। एक फिल्म जिमी शेरगिल के साथ कर रही हूं।

(स्मिता श्रीवास्तव)

मनोरंजन से जुड़ी अन्य खबरों के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

औसत रही सन आफ सरदार 2 की शुरुआत

सन आफ सरदार 2 और धड़क 2 से आगे निकली नरसिम्हा ● मिडडे

पिछले कुछ सप्ताह टिकट खिड़की पर कमाई के नजरिए से हिंदी सिनेमा के लिए अच्छे रहे हैं। शनिवार तक 290.25 करोड़ रुपये कमा चुकी सैयारा ने तो कमाई के मामले में कई नए रिकार्ड भी रच दिए। इस शुक्रवार दो फ्रेंचाइजी फिल्में सन आफ सरदार 2 और धड़क 2 प्रदर्शित हुईं। दोनों फिल्मों को समीक्षकों की मिलीजुली प्रतिक्रिया मिली। अजय देवगन अभिनीत इस फिल्म सन आफ सरदार 2 को शुक्रवार को 7.5 करोड़ रुपये की ओपनिंग मिली। शनिवार को 8.5 करोड़ रुपये की कमाई के साथ पहले दो दिनों में फिल्म की कुल कमाई करीब 16 करोड़ रुपये रही। वहीं सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी अभिनीत धड़क 2 को शुक्रवार को 3.65 करोड़ रुपये की ओपनिंग मिली। शनिवार को 4.05 करोड़ रुपये की कमाई के साथ पहले दो दिनों में फिल्म की कमाई करीब 7.7 करोड़ रुपये रही। पिछले सप्ताह प्रदर्शित हुई एनिमेशन फिल्म महावतार नरसिम्हा इन दोनों फिल्मों से आगे रही।

पिछले शुक्रवार को हिंदी में सिर्फ 1.46 करोड़ रुपये की ओपनिंग से साथ शुरू होने वाली फिल्म ने गत शुक्रवार और शनिवार को क्रमशः 5.3 करोड़ और 11.25 करोड़ रुपये कमाए। शनिवार को इस फिल्म की कमाई सन आफ सरदार 2 और धड़क 2 दोनों ही फिल्मों से कहीं ज्यादा रही। यह फिल्म शनिवार तक हिंदी में कुल 49.37 करोड़ रुपये कमा चुकी है।

****